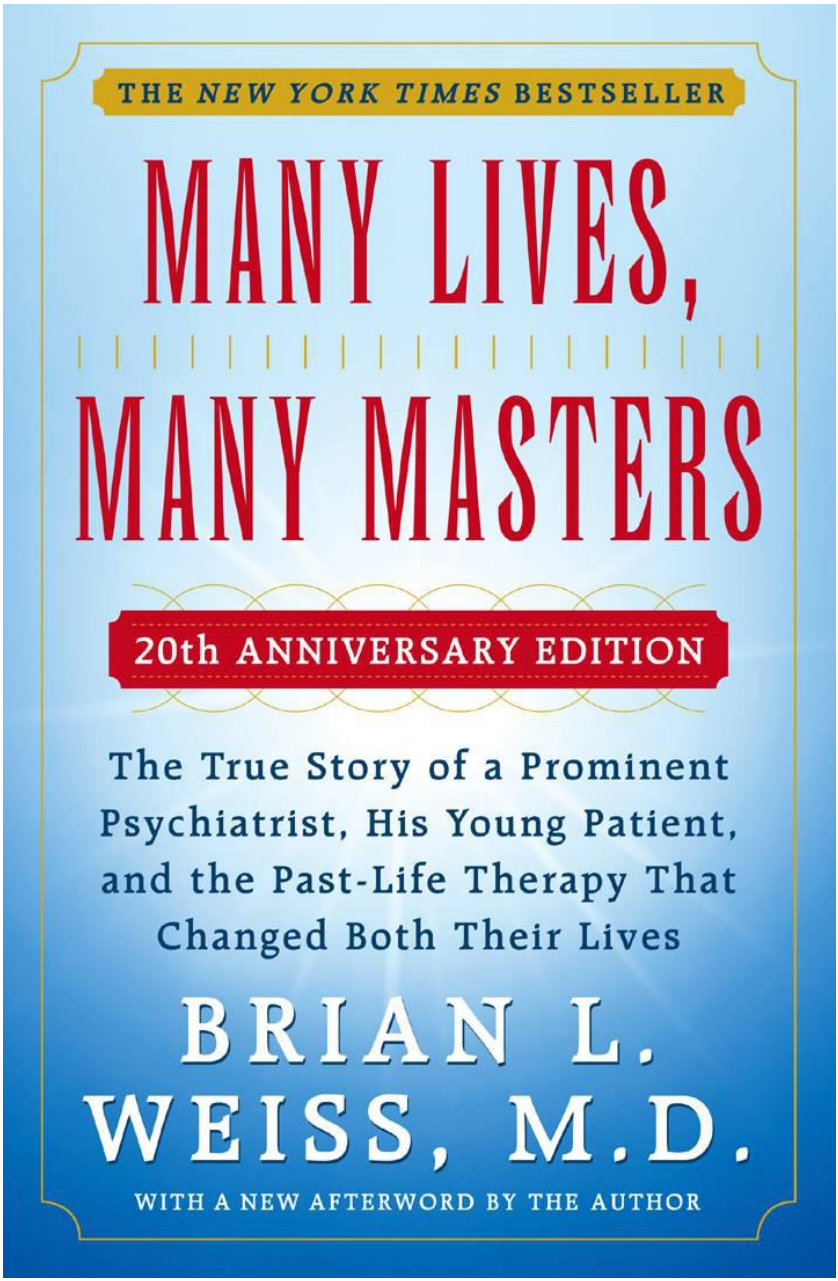
THE NEW YORK TIMES BESTSELLER
MANY LIVES, MANY MASTERS
20th ANNIVERSARY EDITION
The True Story of a Prominent Psychiatrist, His Young Patient, and the Past-Life Therapy That Changed Both Their Lives
BRIAN L. WEISS, M.D.
WITH A NEW AFTERWORD BY THE AUTHOR

न्यूयॉर्क टाइम्स बेस्टसेलर

अनेक जीवन, अनेक गुरु

20वीं वर्षगांठ संस्करण

एक जाने-माने साइकेट्रिस्ट,
उनके युवा मरीज़ और पास्ट-लाइफ़
थेरेपी की सच्ची कहानी जिसने
दोनों की ज़िंदगी बदल दी

ब्रायन एल. वीस,
एम.डी.

लेखक के नए उपसंहार के साथ

Table of Contents

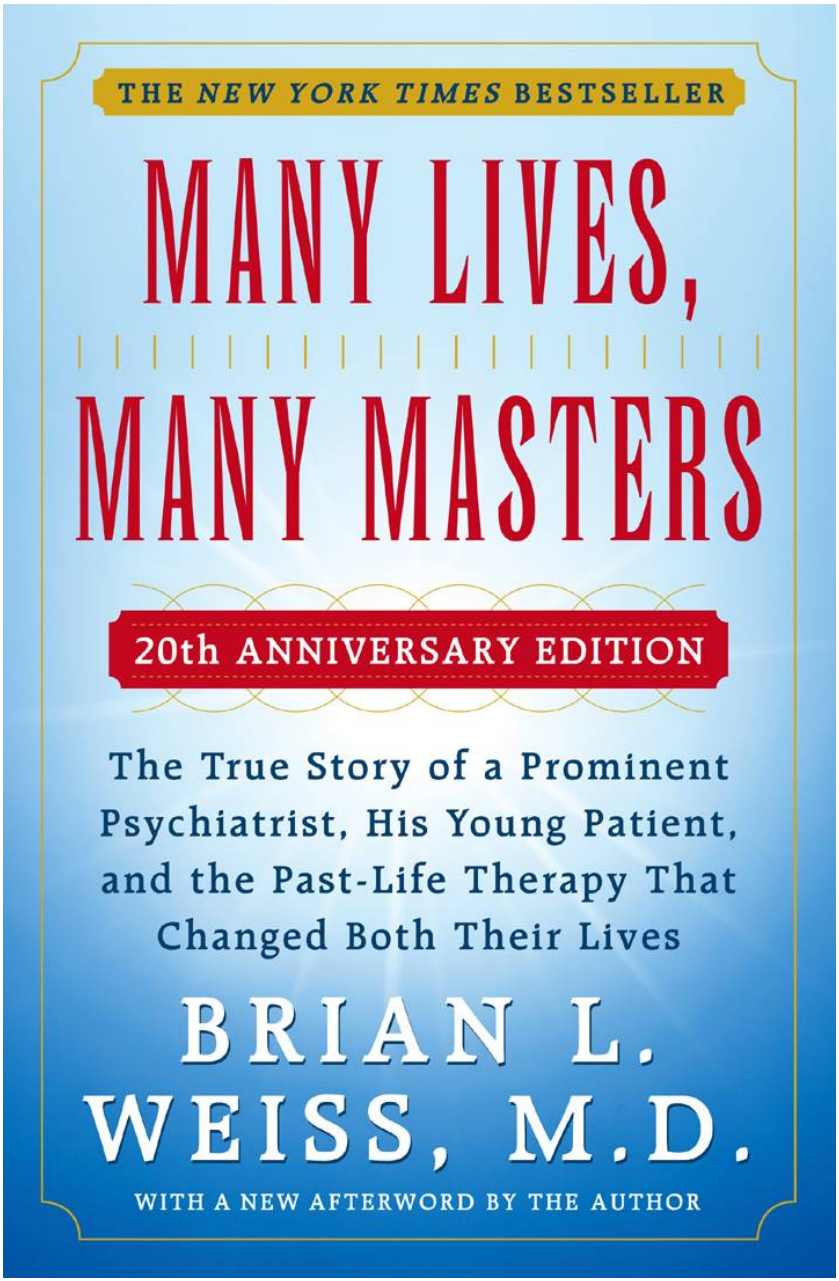

दस लाख से अधिक प्रतियां छप चुकी हैं!

“यह विचारोत्तेजक और खूबसूरती से लिखी गई किताब पारंपरिक मनोचिकित्सा की सीमाओं को तोड़ती है और एक अभिनव और अत्यंत प्रभावी उपचार प्रस्तुत करती है। मानसिक

स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों को इसे गंभीरता से लेना चाहिए।”—एडिथ फियोरे, पीएच.डी., नैदानिक मनोवैज्ञानिक और 'यू हैव बीन हियर बिफोर' की लेखिका

एक पारंपरिक मनोचिकित्सक के रूप में, डॉ. ब्रायन वेस उस समय आश्चर्यचकित और संशय में थे जब उनकी एक मरीज ने अपने पिछले जन्म के आघातों को याद करना शुरू किया, जो उसके बार-बार आने वाले बुरे सपनों और चिंता के दौरों का कारण प्रतीत होते थे। हालांकि, उनका संशय तब दूर हो गया जब उसने "जन्म-मृत्यु के बीच के स्थान" से संदेश प्राप्त करना शुरू किया, जिसमें डॉ. वेस के परिवार और उनके मृत पुत्र के बारे में उल्लेखनीय रहस्योद्घाटन थे। पिछले जन्म की चिकित्सा का उपयोग करके, वे मरीज को ठीक करने और अपने करियर के एक नए, अधिक सार्थक चरण की शुरुआत करने में सक्षम हुए।

“एक व्यक्ति के अप्रत्याशित आध्यात्मिक जागरण का एक अत्यंत मार्मिक वृत्तांत। यह बेहद साहसी पुस्तक विज्ञान और तत्वमीमांसा के बीच संबंध स्थापित करने का मार्ग प्रशस्त करती है। आत्म-मंथन की प्यास रखने वाली इस दुनिया के लिए यह एक अनिवार्य पठन है।”—जीन एवरी, 'ज्योतिष और आपके भूतकाल के जीवन' की लेखिका

“पूर्व जन्म चिकित्सा की प्रभावशीलता को प्रमाणित करने वाला एक सम्मोहक केस स्टडी। यह पुस्तक उन अनेकों के लिए नए द्वार खोलेगी जिन्होंने पुनर्जन्म की वैधता पर कभी विचार नहीं किया।”—रिचर्ड सुटफेन, 'पास्ट लाइव्स, फ्यूचर लव्स' और 'यू वर बॉर्न अगेन टू बी टुगेदर' के लेखक

डॉ. ब्रायन एल. वेइस, एक मनोचिकित्सक हैं, जो मियामी, फ्लोरिडा में रहते और प्रैक्टिस करते हैं। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और येल मेडिकल स्कूल से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और वे मियामी के माउंट सिनाई मेडिकल सेंटर में मनोचिकित्सा विभाग के मानद अध्यक्ष हैं। डॉ. वेइस मियामी में अपना निजी क्लिनिक चलाते हैं और अंतरराष्ट्रीय सेमिनार, अनुभवात्मक कार्यशालाओं के साथ-साथ पेशेवरों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं। वे 'थ्रू टाइम इनटू हीलिंग' और 'सेम सोल, मेनी बॉडीज' पुस्तकों के लेखक भी हैं। आप उनकी वेबसाइट www.brianweiss.com पर जा सकते हैं।

लेखकों से मिलें, वीडियो देखें और भी बहुत कुछ यहाँ देखें:
SimonandSchuster.com
पठन समूहों के लिए स्रोत
कवर डिज़ाइन: टॉम लाउ • कवर फ़ोटोग्राफ़: काज़ुओ कावाई/फ़ोटोनिका

ब्रायन वेइस द्वारा भी।

एक ही आत्मा, अनेक शरीर: प्रगति चिकित्सा के माध्यम से भावी जीवन की उपचार शक्ति की खोज करें

तनाव दूर करना, आंतरिक शांति पाना

समय के दर्पण: शारीरिक, भावनात्मक और आध्यात्मिक उपचार के लिए प्रतिगमन का उपयोग

गुरुओं के संदेश: प्रेम की शक्ति का दोहन

केवल प्यार ही सच्चा है: आत्माओं के पुनर्मिलन की कहानी
समय के साथ उपचार की ओर

Many Lives, MANY MASTERS

The True Story of a Prominent Psychiatrist, His Young Patient, and the Past-Life Therapy That Changed Both Their Lives

BRIAN L. WEISS, M.D.

A TOUCHSTONE BOOK
Published by Simon & Schuster
New York London Toronto Sydney

कसौटी
रॉकफेलर सेंटर
1230 एवेन्यू ऑफ द अमेरिका
न्यूयॉर्क, एनवाई 10020
www.SimonandSchuster.com
कॉपीराइट © 1988 ब्रायन एल. वेइस, एम.डी. द्वारा।
सभी अधिकार सुरक्षित हैं, जिनमें किसी भी रूप में पूर्ण या आंशिक रूप से पुनरुत्पादन का अधिकार भी शामिल है।
टचस्टोन और कोलोफ़ोन, साइमन एंड शूस्टर, इंक. के पंजीकृत ट्रेडमार्क हैं।
कैथी किकर्ट द्वारा डिजाइन किया गया
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग-इन-पब्लिकेशन डेटा
वेइस, ब्रायन एल. (ब्रायन लेस्ली)।
अनेक जीवन, अनेक गुरु।
“आराम से बैठकर पढ़ने वाली किताब।”
1. कैथरीन, 1952 या 3— 2. पुनर्जन्म—जीवनी। 3. वीस, ब्रायन एल. (ब्रायन लेस्ली)।
4. पुनर्जन्म चिकित्सा। I. शीर्षक।
BL520.C37W45 1988 133.9’01’3 [B] 87-34323
ISBN-13: 978-0-671-65786-4
ISBN-10: 0-671-65786-0
ISBN-13: 978-1-4516-9459-8 (ईबुक)
मेरी पत्नी कैरोल को,
जिसका प्यार मुझे मेरी याददाश्त से भी कहीं अधिक समय तक पोषित और सहारा देता रहा है।

हम अनंत काल तक साथ रहेंगे।
मैं अपने बच्चों, जॉर्डन और एमी को धन्यवाद और प्यार भेजता हूँ, जिन्होंने इस किताब को लिखने के लिए मुझसे इतना समय चुराने के लिए मुझे माफ कर दिया।
मैं निकोल पास्को को थेरेपी सत्रों के ऑडियोटेप को ट्रांसक्राइब करने के लिए भी धन्यवाद देता हूं।
इस पुस्तक के पहले मसौदे को पढ़ने के बाद जूली रुबिन के संपादकीय सुझाव अत्यंत मूल्यवान थे।
साइमन एंड शूस्टर में मेरी संपादक बारबरा गेस को उनकी विशेषज्ञता और साहस के लिए मैं दिल से धन्यवाद देता हूं।
इस पुस्तक को संभव बनाने में योगदान देने वाले सभी लोगों के प्रति मैं हार्दिक

आभार व्यक्त करता हूं।

टचस्टोन ईबुक खरीदने के लिए धन्यवाद।

हमारे न्यूज़लेटर के लिए साइन अप करें और विशेष ऑफ़र, बोनस सामग्री तक पहुंच और टचस्टोन और साइमन एंड शूस्टर की नवीनतम रिलीज़ और अन्य बेहतरीन ई-पुस्तकों के बारे में जानकारी प्राप्त करें।

Sign Up Here

या फिर आप
eBookNews.SimonandSchuster.com पर जाकर ऑनलाइन साइन अप कर सकते हैं।

अंतर्वस्तु

प्रस्तावना
अध्याय एक
अध्याय दो
अध्याय तीन
चौथा अध्याय
अध्याय पाँच
अध्याय छह
अध्याय सात
अध्याय आठ
अध्याय नौ
अध्याय दस
अध्याय ग्यारह
अध्याय बारह
अध्याय तेरह
अध्याय चौदह
अध्याय पंद्रह
अध्याय सोलह
उपसंहार
लेखक के बारे में

प्रस्तावना

मैं जानता हूँ कि हर चीज़ के पीछे कोई न कोई कारण होता है। शायद किसी घटना के घटित होने के समय हमारे पास उस कारण को समझने की अंतर्दृष्टि या दूरदर्शिता न हो, लेकिन समय और धैर्य के साथ वह कारण स्पष्ट हो जाएगा।

कैथरीन के साथ भी ऐसा ही हुआ। मेरी उनसे पहली मुलाकात 1980 में हुई थी, जब वह सत्ताईस साल की थीं। वह अपनी चिंता, पैनिक अटैक और फोबिया के इलाज के लिए मेरे क्लिनिक आई थीं। हालांकि ये लक्षण उन्हें बचपन से ही थे, लेकिन हाल के दिनों में ये काफी

बढ़ गए थे। हर दिन वह खुद को भावनात्मक रूप से और अधिक पंगु और कम सक्रिय पाती थीं। वह बहुत डरी हुई थीं और स्वाभाविक रूप से अवसादग्रस्त भी थीं।
उस समय उसके जीवन में चल रही उथल-पुथल के विपरीत, मेरा जीवन सुचारू रूप से चल रहा था। मेरा वैवाहिक जीवन स्थिर और खुशहाल था, मेरे दो छोटे बच्चे थे और मेरा करियर भी फल-फूल रहा था।
शुरू से ही मेरा जीवन एक सीधी राह पर चलता हुआ प्रतीत हुआ। मैं एक प्यार भरे परिवार में पला-बढ़ा। शैक्षणिक सफलता मुझे आसानी से मिल गई, और कॉलेज के दूसरे वर्ष तक मैंने मनोचिकित्सक बनने का निर्णय ले लिया था।
मैंने 1966 में न्यूयॉर्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय से फी बीटा कप्पा सम्मान के साथ स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसके बाद मैं येल विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय में गया और 1970 में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय-बेलेव्यू मेडिकल सेंटर में इंटर्नशिप के बाद, मैं मनोचिकित्सा में रेजीडेंसी पूरी करने के लिए येल विश्वविद्यालय लौट आया। रेजीडेंसी पूरी करने के बाद, मैंने पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय में संकाय पद स्वीकार किया। दो साल बाद, मैं मियामी विश्वविद्यालय के संकाय में शामिल हो गया, जहाँ मैंने मनोऔषध विज्ञान विभाग का नेतृत्व किया। वहाँ मैंने जैविक मनोचिकित्सा और मादक द्रव्यों के सेवन के क्षेत्र में राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की। विश्वविद्यालय में चार साल बिताने के बाद, मुझे चिकित्सा संकाय में मनोचिकित्सा के एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नत किया गया और मियामी के एक बड़े विश्वविद्यालय से संबद्ध अस्पताल में मनोचिकित्सा विभाग का प्रमुख नियुक्त किया गया। उस समय तक, मैं अपने क्षेत्र में सैंतीस वैज्ञानिक शोध पत्र और पुस्तक अध्याय प्रकाशित कर चुका था।
वर्षों के अनुशासित अध्ययन ने मेरे मस्तिष्क को एक वैज्ञानिक और चिकित्सक के रूप में सोचने के लिए प्रशिक्षित किया था, और मुझे अपने पेशे में रूढ़िवादिता के संकीर्ण रास्तों पर ढाला था। मैं किसी भी ऐसी चीज़ पर अविश्वास करता था जिसे पारंपरिक वैज्ञानिक विधियों से सिद्ध नहीं किया जा सकता था। मैं देश भर के प्रमुख विश्वविद्यालयों में किए जा रहे परा मनोविज्ञान के कुछ अध्ययनों से अवगत था, लेकिन उनमें मेरी कोई रुचि नहीं थी। यह सब मुझे बहुत ही अकल्पनीय लगता था।
फिर मेरी मुलाकात कैथरीन से हुई। अठारह महीनों तक मैंने पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों का उपयोग करके उसके लक्षणों को दूर करने में उसकी मदद की। जब कोई भी तरीका कारगर नहीं हुआ, तो मैंने सम्मोहन का प्रयोग किया। कई बार समाधि की अवस्था में पहुँचने पर, कैथरीन को अपने पिछले जन्म की यादें याद आईं, जो उसके लक्षणों का कारण साबित हुईं। वह उच्च कोटि की आध्यात्मिक शक्तियों से सूचना प्राप्त करने में भी सक्षम थी, और उनके माध्यम से उसने जीवन और मृत्यु के कई रहस्यों को उजागर किया। मात्र कुछ ही महीनों में, उसके लक्षण गायब हो गए, और उसने अपना जीवन फिर से शुरू किया, पहले से कहीं अधिक प्रसन्न और शांत होकर।
मेरे अतीत में ऐसी कोई बात नहीं थी जिसने मुझे इसके लिए तैयार किया हो। जब ये घटनाएँ घटीं तो मैं पूरी तरह से हैरान रह गया।
जो कुछ हुआ, उसका मेरे पास कोई वैज्ञानिक स्पष्टीकरण नहीं है। मानव मन के बारे में बहुत कुछ ऐसा है जो हमारी समझ से परे है। शायद सम्मोहन के प्रभाव में, कैथरीन अपने अवचेतन मन के उस हिस्से पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम रही हो जिसमें वास्तविक पूर्व जन्मों की यादें संग्रहित हैं, या शायद उसने मनोविश्लेषक कार्ल जंग द्वारा वर्णित सामूहिक अचेतन मन तक पहुँच बनाई हो, जो हमारे चारों ओर मौजूद ऊर्जा का स्रोत है और जिसमें संपूर्ण मानव जाति की यादें समाहित हैं।

वैज्ञानिक इन सवालों के जवाब खोजने में जुट गए हैं। समाज के रूप में, मन, आत्मा, मृत्यु के बाद जीवन की निरंतरता और हमारे पूर्व जन्मों के अनुभवों का हमारे वर्तमान व्यवहार पर प्रभाव जैसे रहस्यों पर शोध से हमें बहुत लाभ हो सकता है। स्पष्ट है कि इसके परिणाम असीमित हैं, विशेष रूप से चिकित्सा, मनोचिकित्सा, धर्मशास्त्र और दर्शन के क्षेत्रों में। हालांकि, इस क्षेत्र में वैज्ञानिक रूप से सटीक शोध अभी प्रारंभिक अवस्था में है। इस जानकारी को उजागर करने के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन प्रक्रिया धीमी है और वैज्ञानिकों और आम लोगों दोनों के ही ओर से इसका काफी विरोध हो रहा है।

इतिहास में, मानव जाति हमेशा से बदलाव और नए विचारों को स्वीकार करने के प्रति प्रतिरोधी रही है। ऐतिहासिक कथाएँ इसके उदाहरणों से भरी पड़ी हैं। जब गैलीलियो ने बृहस्पति के चंद्रमाओं की खोज की, तो उस समय के खगोलविदों ने इन उपग्रहों के अस्तित्व को स्वीकार करने या यहाँ तक कि देखने से भी इनकार कर दिया, क्योंकि इन चंद्रमाओं का अस्तित्व उनकी मान्यताओं के विपरीत था। ठीक यही स्थिति अब मनोचिकित्सकों और अन्य चिकित्सकों के साथ है, जो शारीरिक मृत्यु के बाद जीवन और पूर्व-जन्म की यादों के बारे में एकत्र किए जा रहे पर्याप्त प्रमाणों की जाँच और मूल्यांकन करने से इनकार करते हैं। उनकी आँखें बंद रहती हैं।

यह पुस्तक परा मनोविज्ञान के क्षेत्र में चल रहे शोध में मेरा एक छोटा सा योगदान है, विशेष रूप से उस शाखा में जो जन्म से पहले और मृत्यु के बाद के हमारे अनुभवों से संबंधित है। आप जो कुछ भी पढ़ेंगे वह सत्य है। मैंने इसमें कुछ भी जोड़ा नहीं है, और केवल दोहराव वाले हिस्सों को ही हटाया है। गोपनीयता बनाए रखने के लिए मैंने कैथरीन की पहचान में थोड़ा बदलाव किया है।

जो कुछ हुआ उसके बारे में लिखने में मुझे चार साल लग गए, इस अपरंपरागत जानकारी को उजागर करने का पेशेवर जोखिम उठाने का साहस जुटाने में मुझे चार साल लग गए।

एक रात अचानक नहाते समय, मुझे इस अनुभव को कागज़ पर उतारने की तीव्र इच्छा हुई। मुझे प्रबल अहसास हुआ कि अब समय आ गया है, मुझे इस जानकारी को और छिपाना नहीं चाहिए। मैंने जो सबक सीखे थे, उन्हें दूसरों के साथ साझा करना था, निजी नहीं रखना था। यह ज्ञान मुझे कैथरीन के माध्यम से मिला था और अब इसे मेरे माध्यम से साझा करना था। मैं जानता था कि अमरता और जीवन के सच्चे अर्थ के बारे में प्राप्त ज्ञान को साझा न करने से होने वाला कोई भी संभावित परिणाम इतना विनाशकारी नहीं हो सकता।

मैं जल्दी से नहाकर निकला और कैथरीन के साथ अपने सत्रों के दौरान बनाई गई ऑडियो टेपों के ढेर के साथ अपनी डेस्क पर बैठ गया। सुबह-सुबह, मुझे अपने बूढ़े हंगेरियन दादाजी की याद आई, जिनका निधन तब हो गया था जब मैं अभी किशोर ही था। जब भी मैं उनसे कहता कि मुझे जोखिम लेने से डर लगता है, तो वे प्यार से मुझे अपने पसंदीदा अंग्रेजी मुहावरे को दोहराकर प्रोत्साहित करते थे: "क्या फर्क पड़ता है," वे कहते थे, "क्या फर्क पड़ता है।"

अध्याय एक

जब मैंने कैथरीन को पहली बार देखा, तो उसने चटख लाल रंग की पोशाक पहनी हुई थी और मेरे प्रतीक्षालय में घबराकर एक पत्रिका के पन्ने पलट रही थी। उसकी सांस फूल रही थी। पिछले बीस मिनट से वह मनोचिकित्सा विभाग के कार्यालयों के बाहर

गलियारे में इधर-उधर घूम रही थी, खुद को यह समझाने की कोशिश कर रही थी कि उसे मुझसे मिलने आना है और भागना नहीं है।
मैं उससे मिलने प्रतीक्षालय में गई और हमने हाथ मिलाया। मैंने देखा कि उसके हाथ ठंडे और नम थे, जिससे उसकी घबराहट की पुष्टि हुई। दरअसल, दो भरोसेमंद डॉक्टरों द्वारा मेरी मदद लेने की पुरजोर सलाह दिए जाने के बावजूद, मुझसे मिलने का समय निकालने के लिए उसे दो महीने तक हिम्मत जुटानी पड़ी थी। आखिरकार, वह यहाँ आ गई थी।
कैथरीन बेहद आकर्षक महिला हैं, जिनके बाल मध्यम लंबाई के सुनहरे और आंखें भूरी हैं। उस समय, वह उस अस्पताल में प्रयोगशाला तकनीशियन के रूप में काम करती थीं जहाँ मैं मनोचिकित्सा विभाग का प्रमुख था, और वह स्विमसूट मॉडलिंग करके अतिरिक्त पैसे कमाती थीं।
मैंने उसे अपने दफ्तर में सोफे के पास से ले जाकर एक बड़ी चमड़े की कुर्सी पर बैठाया। हम आमने-सामने बैठे थे, हमारे बीच मेरी अर्धवृत्ताकार मेज थी। कैथरीन चुपचाप अपनी कुर्सी पर पीछे झुक गई, उसे समझ नहीं आ रहा था कि बात कहाँ से शुरू करे। मैं इंतजार करता रहा, मैं चाहता था कि वह खुद बात शुरू करे, लेकिन कुछ मिनटों बाद मैंने उसके अतीत के बारे में पूछना शुरू कर दिया। उस पहली मुलाकात में हमने यह समझने की कोशिश शुरू की कि वह कौन थी और मुझसे मिलने क्यों आई थी।
मेरे सवालों के जवाब में, कैथरीन ने अपनी जीवन कहानी सुनाई। वह अपने माता-पिता की बीच की संतान थी, जिसका पालन-पोषण मैसाचुसेट्स के एक छोटे से कस्बे में एक रूढ़िवादी कैथोलिक परिवार में हुआ था। उसका भाई, जो उससे तीन साल पहले पैदा हुआ था, बहुत ही खेलकूद में माहिर था और उसे वह आजादी मिली जो उसे कभी नहीं मिली। उसकी छोटी बहन अपने माता-पिता दोनों की लाडली थी।
जब हमने उसके लक्षणों के बारे में बात करना शुरू किया, तो वह और भी ज़्यादा तनावग्रस्त और घबराई हुई हो गई। उसकी बोलने की गति तेज़ हो गई और वह आगे की ओर झुककर अपनी कोहनियों को डेस्क पर टिकाए बैठी रही। उसका जीवन हमेशा से ही भय से भरा रहा था। उसे पानी से डर लगता था, दम घुटने का इतना डर कि वह गोलियां भी नहीं निगल पाती थी, हवाई जहाज़ से डर लगता था, अंधेरे से डर लगता था और उसे मरने से बहुत डर लगता था। हाल के दिनों में, उसके ये डर और भी बढ़ गए थे। सुरक्षित महसूस करने के लिए, वह अक्सर अपने अपार्टमेंट के वॉक-इन क्लोसेट में सोती थी। उसे सोने से पहले दो से तीन घंटे तक नींद नहीं आती थी। एक बार सो जाने के बाद, उसकी नींद हल्की और अधूरी रहती थी, और वह बार-बार जागती रहती थी। बचपन से उसे परेशान करने वाले बुरे सपने और नींद में चलने के दौरे फिर से लौट आए थे। जैसे-जैसे उसके डर और लक्षण उसे और भी ज़्यादा पंगु बनाते गए, वह और भी ज़्यादा अवसादग्रस्त होती चली गई।
कैथरीन की बातें सुनकर मुझे उसकी पीड़ा का गहरा एहसास हुआ। वर्षों से मैंने कैथरीन जैसे कई मरीज़ों को उनके डर के दर्द से उबरने में मदद की थी, और मुझे पूरा भरोसा था कि मैं उसकी भी मदद कर सकता हूँ। मैंने तय किया कि हम उसके बचपन की गहराई में जाकर उसकी समस्याओं की जड़ तक पहुँचने की कोशिश करेंगे। आमतौर पर इस तरह की जानकारी चिंता को कम करने में सहायक होती है। यदि आवश्यक हो, और यदि वह दवाइयाँ निगल सके, तो मैं उसे कुछ हल्की चिंता-रोधी दवाएँ दूँगा ताकि उसे आराम मिले। कैथरीन के लक्षणों के लिए यह मानक उपचार था, और मैं गंभीर और लंबे समय तक रहने वाले डर और चिंताओं के इलाज के लिए ट्रैंक्विलाइज़र या यहाँ तक कि अवसादरोधी दवाओं का उपयोग करने में कभी संकोच नहीं करता था। अब मैं इन दवाओं का उपयोग बहुत कम करता हूँ और ज़रूरत पड़ने पर केवल अस्थायी रूप से ही करता हूँ। कोई भी दवा इन लक्षणों की असली

जड़ तक नहीं पहुँच सकती। कैथरीन और उसके जैसी अन्य महिलाओं के साथ मेरे अनुभवों ने यह साबित कर दिया है। अब मुझे पता है कि इलाज संभव है, न कि केवल लक्षणों को दबाना या छुपाना।

पहले सेशन के दौरान, मैंने धीरे-धीरे उसे उसके बचपन की याद दिलाने की कोशिश की। चूंकि कैथरीन को अपने शुरुआती सालों की बहुत कम घटनाएं याद थीं, इसलिए मैंने मन में ठान लिया कि इस दमन को दूर करने के लिए सम्मोहन चिकित्सा एक कारगर उपाय हो सकता है। उसे अपने बचपन के ऐसे कोई खास दर्दनाक पल याद नहीं थे जो उसके जीवन में व्याप्त भय की वजह बता सकें।

जैसे-जैसे वह याद करने के लिए अपने दिमाग पर ज़ोर डालती गई, यादों के कुछ टुकड़े उभरने लगे। जब वह लगभग पाँच साल की थी, तो किसी ने उसे डाइविंग बोर्ड से धक्का देकर स्विमिंग पूल में गिरा दिया था, जिससे वह बुरी तरह घबरा गई थी। उसने बताया कि उस घटना से पहले भी उसे पानी में कभी सहज महसूस नहीं हुआ था। जब कैथरीन ग्यारह साल की थी, तो उसकी माँ गंभीर अवसाद से ग्रसित हो गई थी। परिवार से माँ के अजीब तरह से अलग-थलग रहने के कारण उन्हें मनोचिकित्सक के पास ले जाना पड़ा और फिर उन्हें इलेक्ट्रोशॉक थेरेपी दी गई। इन उपचारों के कारण माँ को चीज़ें याद रखने में कठिनाई होने लगी थी। माँ के साथ इस अनुभव ने कैथरीन को डरा दिया था, लेकिन जैसे-जैसे उसकी माँ की हालत में सुधार हुआ और वह फिर से पहले जैसी हो गईं, कैथरीन ने कहा कि उसका डर कम हो गया। उसके पिता को शराब की लत थी और कभी-कभी कैथरीन के भाई को उन्हें स्थानीय बार से लाना पड़ता था। पिता की बढ़ती शराब की खपत के कारण उनके और उसकी माँ के बीच अक्सर झगड़े होते थे, जिसके बाद माँ चिड़चिड़ी और गुमसुम हो जाती थीं। हालाँकि, कैथरीन इसे परिवार का एक सामान्य पैटर्न मानती थी।

घर के बाहर हालात बेहतर थे। हाई स्कूल में वह डेटिंग करती थी और अपने दोस्तों के साथ आसानी से घुलमिल जाती थी, जिनमें से अधिकतर को वह कई सालों से जानती थी। हालांकि, उसे लोगों पर भरोसा करना मुश्किल लगता था, खासकर अपने छोटे से दोस्तों के दायरे से बाहर के लोगों पर।

उसका धर्म सरल और निर्विवाद था। उसे पारंपरिक कैथोलिक विचारधारा और रीति-रिवाजों में विश्वास करने के लिए पाला-पोसा गया था, और उसने कभी भी अपने धर्म की सत्यता और वैधता पर संदेह नहीं किया था। उसका मानना था कि यदि कोई अच्छा कैथोलिक है और धर्म और उसके रीति-रिवाजों का पालन करते हुए सही जीवन जीता है, तो उसे स्वर्ग में जाने का पुरस्कार मिलेगा; अन्यथा, उसे नरक या यातनास्थल का सामना करना पड़ेगा। एक पितृसत्तात्मक ईश्वर और उसका पुत्र ये अंतिम निर्णय लेते हैं। बाद में मुझे पता चला कि कैथरीन पुनर्जन्म में विश्वास नहीं करती थी; वास्तव में, वह इस अवधारणा के बारे में बहुत कम जानती थी, हालाँकि उसने हिंदुओं के बारे में थोड़ा-बहुत पढ़ा था। पुनर्जन्म का विचार उसकी परवरिश और समझ के विपरीत था। उसने कभी भी कोई आध्यात्मिक या रहस्यमय साहित्य नहीं पढ़ा था, क्योंकि उसे इसमें कोई रुचि नहीं थी। वह अपने विश्वासों में दृढ़ थी।

हाई स्कूल के बाद, कैथरीन ने दो वर्षीय तकनीकी कार्यक्रम पूरा किया और प्रयोगशाला तकनीशियन के रूप में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। एक पेशेवर होने के नाते और अपने भाई के टैम्पा चले जाने से प्रोत्साहित होकर, कैथरीन को मियामी में मियामी विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय से संबद्ध एक बड़े शिक्षण अस्पताल में नौकरी मिल गई। वह 1974 की वसंत ऋतु में, इक्कीस वर्ष की आयु में, मियामी चली गईं।

एक छोटे शहर में कैथरीन का जीवन मियामी में उसके जीवन की तुलना में आसान था, फिर भी उसे खुशी थी कि वह अपनी पारिवारिक समस्याओं से भाग निकली थी।

मियामी में अपने पहले साल के दौरान, कैथरीन की मुलाकात स्टुअर्ट से हुई। विवाहित, यहूदी और दो बच्चों के पिता, वह उन सभी पुरुषों से बिल्कुल अलग थे जिनसे वह पहले कभी मिली थीं। वह एक सफल चिकित्सक, मजबूत और आक्रामक थे। उनके बीच एक अनूठा आकर्षण था, लेकिन उनका रिश्ता उतार-चढ़ाव भरा और तूफानी था। उनके व्यक्तित्व में कुछ ऐसा था जो कैथरीन की भावनाओं को जगाता था और उसे जागृत करता था, मानो वह उनसे मोहित हो गई हो। जिस समय कैथरीन ने थेरेपी शुरू की, स्टुअर्ट के साथ उनका रिश्ता छठे साल में था और काफी हद तक कायम था, भले ही वह पहले जैसा अच्छा न रहा हो। स्टुअर्ट के बुरे बर्ताव के बावजूद कैथरीन उनका विरोध नहीं कर पाती थीं, और उनके झूठ, टूटे वादों और चालाकी से वह बेहद नाराज़ थीं।
मुझसे मिलने से कई महीने पहले, कैथरीन को स्वर रज्जु में एक हानिरहित गांठ के लिए सर्जरी करानी पड़ी थी। सर्जरी से पहले वह चिंतित थी, लेकिन रिकवरी रूम में जागने पर वह बेहद भयभीत हो गई। नर्सिंग स्टाफ को उसे शांत करने में घंटों लग गए। अस्पताल में ठीक होने के बाद, उसने डॉ. एडवर्ड पूल से संपर्क किया। एड एक दयालु बाल रोग विशेषज्ञ थे, जिनसे कैथरीन की मुलाकात अस्पताल में काम करते समय हुई थी। दोनों के बीच तुरंत एक गहरा जुड़ाव महसूस हुआ और उनकी दोस्ती गहरी हो गई। कैथरीन ने एड से खुलकर बात की, उन्हें अपने डर, स्टुअर्ट के साथ अपने रिश्ते और इस बात के बारे में बताया कि उसे लग रहा था कि वह अपने जीवन पर से नियंत्रण खो रही है। एड ने जोर देकर कहा कि वह मुझसे ही अपॉइंटमेंट ले, मेरे किसी भी सहयोगी मनोचिकित्सक से नहीं। जब एड ने मुझे अपने सुझाव के बारे में बताने के लिए फोन किया, तो उन्होंने समझाया कि किसी कारणवश उन्हें लगता है कि केवल मैं ही कैथरीन को सही मायने में समझ सकता हूँ, जबकि अन्य मनोचिकित्सक भी उत्कृष्ट योग्यता रखते थे और कुशल चिकित्सक थे। हालांकि, कैथरीन ने मुझे फोन नहीं किया।
आठ सप्ताह बीत गए। मनोचिकित्सा विभाग के प्रमुख के रूप में अपने व्यस्त अभ्यास के बीच, मैं एड के फोन कॉल के बारे में भूल ही गया था। कैथरीन के डर और भय और भी बढ़ गए थे। सर्जरी विभाग के प्रमुख डॉ. फ्रैंक एकर, कैथरीन को वर्षों से जानते थे और जब भी वे उस प्रयोगशाला में जाते थे जहाँ वह काम करती थी, वे अक्सर हंसी-मजाक करते थे। उन्होंने हाल ही में उसकी उदासी देखी थी और उसके तनाव को महसूस किया था। कई बार उनका मन हुआ कि वे उससे कुछ कहें, लेकिन वे हिचकिचा गए। एक दोपहर, फ्रैंक एक छोटे, दूरदराज के अस्पताल में व्याख्यान देने जा रहे थे। रास्ते में, उन्होंने कैथरीन को अपने घर जाते हुए देखा, जो उस अस्पताल के पास ही था, और उन्होंने अचानक उसे सड़क के किनारे रुकने का इशारा किया। "मैं चाहता हूँ कि तुम अभी डॉ. वीस से मिलो," उन्होंने खिड़की से चिल्लाकर कहा। "देरी मत करो।" हालाँकि सर्जन अक्सर आवेग में आकर काम करते हैं, फिर भी फ्रैंक खुद हैरान थे कि वे कितने दृढ़ थे।
कैथरीन के पैनिक अटैक और चिंता की आवृत्ति और अवधि बढ़ती जा रही थी। उसे दो तरह के बुरे सपने बार-बार आने लगे। एक सपने में, जब वह गाड़ी चला रही थी, एक पुल गिर गया। उसकी कार नीचे पानी में जा गिरी और वह उसमें फंसकर डूबने लगी। दूसरे सपने में, वह एक घुप अंधेरे कमरे में फंसी हुई थी, ठोकर खाकर गिर रही थी और बाहर निकलने का रास्ता नहीं ढूंढ पा रही थी। आखिरकार, वह मुझसे मिलने आई।
कैथरीन के साथ अपने पहले सत्र के समय, मुझे इस बात का जरा भी अंदाजा नहीं था कि मेरा जीवन पूरी तरह से बदल जाएगा, कि मेरे सामने बैठी डरी हुई, भ्रमित महिला ही वह उत्प्रेरक बनेगी, और मैं फिर कभी पहले जैसी नहीं रहूंगी।

अध्याय
दो

अठारह महीने तक गहन मनोचिकित्सा चली, इस दौरान कैथरीन सप्ताह में एक या दो बार मुझसे मिलने आती थी। वह एक अच्छी मरीज़ थी, अपनी बात स्पष्ट रूप से कहती थी, उसमें गहरी समझ थी और वह ठीक होने के लिए बेहद उत्सुक थी।
उस दौरान, हमने उसकी भावनाओं, विचारों और सपनों का पता लगाया। बार-बार दोहराए जाने वाले व्यवहार पैटर्न को पहचानने से उसे अंतर्दृष्टि और समझ मिली। उसे अपने अतीत की कई महत्वपूर्ण बातें याद आ गईं, जैसे कि उसके व्यापारी नाविक पिता का घर से अनुपस्थित रहना और अत्यधिक शराब पीने के बाद उनका कभी-कभार हिंसक हो जाना। वह स्टुअर्ट के साथ अपने उतार-चढ़ाव भरे रिश्ते के बारे में बहुत कुछ समझ गई थी, और वह अपने गुस्से को अधिक उचित तरीके से व्यक्त करने लगी थी। मुझे लगा कि अब तक उसकी हालत में काफी सुधार हो जाना चाहिए था। मरीज़ लगभग हमेशा तब ठीक हो जाते हैं जब वे अपने अतीत के अप्रिय प्रभावों को याद करते हैं, जब वे गलत व्यवहार पैटर्न को पहचानना और सुधारना सीखते हैं, और जब उनमें अंतर्दृष्टि विकसित होती है और वे अपनी समस्याओं को एक व्यापक, अधिक तटस्थ दृष्टिकोण से देखते हैं। लेकिन कैथरीन में सुधार नहीं हुआ था।
चिंता और घबराहट के दौरे अब भी उसे परेशान कर रहे थे। भयानक बुरे सपने आते रहते थे, और वह अब भी अंधेरे, पानी और बंद जगहों से डरती थी। उसकी नींद अब भी टुकड़ों में बंटी हुई और ताजगी भरी नहीं थी। उसे दिल की धड़कन तेज होने की समस्या हो रही थी। वह दवाइयां लेने से इनकार करती रही, क्योंकि उसे गोलियों से दम घुटने का डर था। मुझे ऐसा लग रहा था जैसे मैं एक दीवार से टकरा गया हूँ, और चाहे मैं कुछ भी कर लूँ, वह दीवार इतनी ऊंची रहेगी कि हम दोनों में से कोई भी उसे पार नहीं कर पाएगा। लेकिन, मेरी निराशा के साथ-साथ दृढ़ संकल्प भी जाग उठा। किसी भी तरह, मैं कैथरीन की मदद करके रहूंगा।
और फिर एक अजीब घटना घटी। हालाँकि कैथरीन को हवाई यात्रा से बेहद डर लगता था और विमान में सवार होने के दौरान उसे कई पेय पदार्थों से खुद को हिम्मत देनी पड़ती थी, फिर भी वह 1982 की वसंत ऋतु में स्टुअर्ट के साथ शिकागो में एक चिकित्सा सम्मेलन में गई। वहाँ उसने स्टुअर्ट पर कला संग्रहालय में मिस्र की प्रदर्शनी देखने का दबाव डाला, जहाँ उन्होंने एक निर्देशित भ्रमण में भाग लिया।
कैथरीन को प्राचीन मिस्र की कलाकृतियों और उस काल की अवशेषों की प्रतिकृतियों में हमेशा से रुचि रही थी। वह कोई विद्वान तो नहीं थी और उसने इतिहास के उस दौर का कभी अध्ययन भी नहीं किया था, फिर भी किसी न किसी तरह वे वस्तुएं उसे परिचित सी लगती थीं।
जब गाइड प्रदर्शनी में रखी कुछ कलाकृतियों का वर्णन करने लगा, तो कैथरीन ने उसे टोकना शुरू कर दिया... और वह सही थी! गाइड हैरान रह गया; कैथरीन दंग रह गई। उसे ये सब कैसे पता था? उसे इतना यकीन क्यों था कि वह सही है, इतना आत्मविश्वास क्यों था कि उसने सबके सामने गाइड को टोक दिया? शायद बचपन की कुछ यादें उसके दिमाग से निकल गई थीं।
अगली मुलाकात में उसने मुझे सब कुछ बताया। कुछ महीने पहले मैंने कैथरीन को सम्मोहन करवाने का सुझाव दिया था, लेकिन वह डर गई थी और उसने मना कर दिया था। मिस्र की

प्रदर्शनी में हुए अपने अनुभव के कारण, अब वह अनिच्छा से मान गई।
सम्मोहन किसी मरीज को लंबे समय से भूली हुई घटनाओं को याद दिलाने में एक उत्कृष्ट साधन है। इसमें कुछ भी रहस्यमय नहीं है। यह बस एकाग्रता की एक अवस्था है। एक प्रशिक्षित सम्मोहनकर्ता के मार्गदर्शन में, मरीज का शरीर शिथिल हो जाता है, जिससे स्मृति तेज हो जाती है। मैंने सैकड़ों मरीजों का सम्मोहन किया था और पाया था कि यह चिंता कम करने, भय दूर करने, बुरी आदतों को बदलने और दमित यादों को याद दिलाने में सहायक होता है। कई बार, मैं मरीजों को उनके बचपन में, यहाँ तक कि दो या तीन साल की उम्र तक वापस ले जाने में सफल रहा था, जिससे उनके जीवन को अस्त-व्यस्त करने वाले लंबे समय से भूले हुए आघातों की यादें ताजा हो जाती थीं। मुझे पूरा विश्वास था कि सम्मोहन कैथरीन की मदद करेगा।
मैंने कैथरीन को सोफे पर आंखें थोड़ी बंद करके और सिर एक छोटे तकिए पर रखकर लेटने को कहा। पहले हमने उसकी सांसों पर ध्यान केंद्रित किया। हर सांस छोड़ने के साथ वह अपने अंदर जमा तनाव और चिंता को दूर कर रही थी; हर सांस लेने के साथ वह और भी अधिक आराम महसूस कर रही थी। कुछ मिनटों के बाद, मैंने उसे अपनी मांसपेशियों को धीरे-धीरे शिथिल होते हुए देखने को कहा, सबसे पहले चेहरे और जबड़े की मांसपेशियों को, फिर गर्दन और कंधों को, बांहों, पीठ और पेट की मांसपेशियों को, और अंत में पैरों को। उसने महसूस किया कि उसका पूरा शरीर सोफे में और भी गहराई तक धंसता जा रहा है।
फिर मैंने उसे अपने सिर के ऊपर, अपने शरीर के भीतर एक चमकदार सफेद रोशनी की कल्पना करने का निर्देश दिया। बाद में, जैसे-जैसे मैंने उस रोशनी को धीरे-धीरे उसके शरीर पर फैलाया, उसने उसकी हर मांसपेशी, हर नस, हर अंग—उसके पूरे शरीर—को पूरी तरह से आराम दिया, जिससे वह गहरी शांति और विश्राम की अवस्था में पहुँच गई। उसे नींद आने लगी और वह अधिक से अधिक शांत और स्थिर महसूस करने लगी। अंततः, मेरे निर्देश पर, रोशनी ने उसके पूरे शरीर को भर दिया और उसे चारों ओर से घेर लिया।
मैंने धीरे-धीरे दस से एक तक उल्टी गिनती गिनी। हर गिनती के साथ, वह विश्राम की गहरी अवस्था में प्रवेश करती गई। उसकी समाधि की अवस्था और गहरी होती गई। वह मेरी आवाज़ पर ध्यान केंद्रित कर पा रही थी और आसपास के सभी शोरों को नज़रअंदाज़ कर रही थी। एक की गिनती तक, वह पहले से ही सम्मोहन की मध्यम गहरी अवस्था में पहुँच चुकी थी। पूरी प्रक्रिया में लगभग बीस मिनट लगे।
कुछ देर बाद मैंने उसे धीरे-धीरे बचपन की यादें याद करने को कहा। वह गहरी सम्मोहन अवस्था में रहते हुए भी बात कर पा रही थी और मेरे सवालों के जवाब दे रही थी। उसे छह साल की उम्र में दंत चिकित्सक के पास हुई एक दर्दनाक घटना याद आई। उसे पाँच साल की उम्र में डाइविंग बोर्ड से पूल में धकेले जाने का भयानक अनुभव भी स्पष्ट रूप से याद था। उस समय उसे उल्टी जैसा महसूस हुआ था और उसका दम घुट रहा था, उसने थोड़ा पानी भी निगल लिया था, और इसके बारे में बात करते हुए मेरे क्लिनिक में भी उसे उल्टी जैसा महसूस होने लगा। मैंने उसे बताया कि वह अनुभव अब खत्म हो चुका है, वह पानी से बाहर आ चुकी है। उल्टी आना बंद हो गई और उसने सामान्य रूप से सांस लेना शुरू कर दिया। वह अभी भी गहरी सम्मोहन अवस्था में थी।
तीन साल की उम्र में, सबसे भयानक घटना घटी थी। उसे याद था कि वह अपने अंधेरे कमरे में जागी थी और उसे पता था कि उसके पिता उसके कमरे में हैं। उनके मुंह से शराब की बदबू आ रही थी, और अब भी उसे वह बदबू महसूस हो रही थी। उन्होंने उसे छुआ और रगड़ा, यहाँ तक कि उसके गुप्तांगों को भी। वह बहुत डर गई और रोने लगी, इसलिए उन्होंने अपने खुरदुरे हाथ से उसका मुंह ढक दिया। वह सांस नहीं ले पा रही थी। पच्चीस साल बाद, मेरे दफ्तर में,

मेरे सोफे पर, कैथरीन सिसकने लगी। मुझे लगा कि अब हमारे पास जानकारी है, ताला खोलने की चाबी। मुझे यकीन था कि उसके लक्षणों में जल्दी और नाटकीय रूप से सुधार होगा। मैंने धीरे से उसे बताया कि वह अनुभव समाप्त हो गया है, वह अब अपने कमरे में नहीं है बल्कि शांति से आराम कर रही है, अभी भी एक तरह की बेहोशी की अवस्था में है। सिसकना बंद हो गया। मैंने उसे समय में आगे ले जाकर उसकी वर्तमान उम्र में पहुँचाया। मैंने उसे सम्मोहन के बाद की विधि से यह निर्देश देने के बाद जगाया कि वह मुझे जो कुछ भी बताया था, उसे याद करे। हमने सत्र के शेष समय में उसके पिता के साथ हुए उस दर्दनाक अनुभव की अचानक स्पष्ट हुई याद पर चर्चा की। मैंने उसे अपने "नए" ज्ञान को स्वीकार करने और आत्मसात करने में मदद करने की कोशिश की। अब वह अपने पिता के साथ अपने रिश्ते, उनकी प्रतिक्रियाओं, उनकी दूरी और उनके प्रति अपने डर को समझ चुकी थी। जब वह दफ्तर से निकली तो भी वह कांप रही थी, लेकिन मुझे पता था कि उसे जो समझ मिली थी, वह क्षणिक असुविधा के लायक थी।

उसकी दर्दनाक और गहरी दबी हुई यादों को उजागर करने के नाटक में, मैं मिस्र की कलाकृतियों के बारे में उसके ज्ञान के बचपन से संभावित संबंध की तलाश करना पूरी तरह से भूल गया था। लेकिन कम से कम उसे अपने अतीत के बारे में और अधिक समझ आ गई थी। उसे कई भयानक घटनाएँ याद आ गई थीं, और मुझे उसके लक्षणों में महत्वपूर्ण सुधार की उम्मीद थी।

इस नई समझ के बावजूद, अगले सप्ताह उसने बताया कि उसके लक्षण पहले जैसे ही गंभीर थे। मैं हैरान रह गई। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या गड़बड़ है। क्या तीन साल की उम्र से पहले कुछ हुआ होगा? हमने उसके दम घुटने, पानी, अंधेरे और फँस जाने के डर के पर्याप्त कारण खोज लिए थे, फिर भी उसके तीव्र भय और लक्षण, अनियंत्रित चिंता, उसके जागते हुए पलों को भी बुरी तरह प्रभावित कर रहे थे। उसके बुरे सपने पहले की तरह ही भयानक थे। मैंने उसे और पीछे ले जाने का फैसला किया।

सम्मोहन की अवस्था में, कैथरीन ने धीमी और सधी हुई फुसफुसाहट में बात की। इसी वजह से मैं उनके शब्दों को शब्दशः लिख सका और उन्हें सीधे कैथरीन के शब्दों में उद्धृत किया है। (बीच में दिए गए बिंदु विरामों को दर्शाते हैं, न कि शब्दों के लोप या मेरे द्वारा किए गए संपादन को। हालांकि, कुछ दोहराव वाली सामग्री को यहां शामिल नहीं किया गया है।)

धीरे-धीरे, मैंने कैथरीन को उसके दो साल की उम्र में वापस ले जाने की कोशिश की, लेकिन उसे कोई खास यादें याद नहीं थीं। मैंने उसे दृढ़ता और स्पष्ट रूप से निर्देश दिया: "उस समय में वापस जाओ जब से तुम्हारे लक्षण शुरू हुए हैं।" आगे जो हुआ उसके लिए मैं बिल्कुल भी तैयार नहीं थी।

“मुझे एक इमारत की ओर जाती हुई सफेद सीढ़ियाँ दिखाई देती हैं, एक बड़ी सफेद इमारत जिसमें खंभे हैं, सामने से खुली हुई है। कोई दरवाजा नहीं है। मैंने एक लंबी पोशाक पहनी हुई है... खुरदुरे कपड़े से बनी बोरी जैसी। मेरे बाल गुंथे हुए हैं, लंबे सुनहरे बाल।”

मैं उलझन में था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि क्या हो रहा है। मैंने उससे पूछा कि कौन सा साल है, उसका नाम क्या है। उसने कहा, “अरोंडा... मैं अठारह साल की हूँ। मुझे इमारत के सामने एक बाज़ार दिखाई देता है। वहाँ टोकरियाँ हैं... तुम टोकरियाँ अपने कंधों पर ढोती हो। हम एक घाटी में रहते हैं... यहाँ पानी नहीं है। साल 1863 ईसा पूर्व है। यह इलाका बंजर, गर्म और रेतीला है। यहाँ एक कुआँ है, नदियाँ नहीं हैं। घाटी में पानी पहाड़ों से आता है।”

जब उसने भौगोलिक स्थिति के बारे में और अधिक जानकारी दी, तो मैंने उससे कहा कि वह कुछ साल आगे जाकर देखे कि उसे वहां क्या दिखाई दिया।

“यहाँ पेड़ और एक पत्थर की सड़क है। मुझे खाना पकाने के लिए आग जलती हुई दिख रही

है। मेरे बाल सुनहरे हैं। मैंने एक लंबी, खुरदरी भूरी पोशाक और सैंडल पहनी हुई हैं। मेरी उम्र पच्चीस साल है। मेरी एक बेटी है जिसका नाम क्लेस्ट्रा है... वो राहेल है। [राहेल फिलहाल उसकी भतीजी है; उनका हमेशा से बहुत करीबी रिश्ता रहा है।] बहुत गर्मी है।"
मैं चौंक गया। मेरा पेट गुड़गुड़ाने लगा और कमरा ठंडा लगने लगा। उसकी कल्पनाएँ और यादें इतनी स्पष्ट लग रही थीं। वह ज़रा भी संशय में नहीं थी। नाम, तारीखें, कपड़े, पेड़—सब कुछ एकदम साफ़-साफ़ दिख रहा था! यहाँ क्या हो रहा था? जो बच्ची उसके पास तब थी, वह अब उसकी भतीजी कैसे हो सकती है? मैं और भी ज़्यादा उलझन में पड़ गया। मैंने हज़ारों मनोरोगियों की जाँच की थी, जिनमें से कई सम्मोहन के अधीन थे, और मैंने पहले कभी इस तरह की कल्पनाएँ नहीं देखी थीं—सपनों में भी नहीं। मैंने उसे उसकी मृत्यु के समय में जाने के लिए कहा। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि इतनी स्पष्ट कल्पना (या स्मृति?) के बीच किसी का साक्षात्कार कैसे किया जाए, लेकिन मैं उन दर्दनाक घटनाओं की तलाश में था जो मौजूदा डर या लक्षणों का कारण हो सकती हैं। मृत्यु के समय के आसपास की घटनाएँ विशेष रूप से दर्दनाक हो सकती थीं। ऐसा लगता था कि बाढ़ या सुनामी ने गाँव को तबाह कर दिया था।
"बड़ी-बड़ी लहरें पेड़ों को गिरा रही हैं। भागने की कोई जगह नहीं है। ठंड है; पानी बहुत ठंडा है। मुझे अपने बच्चे को बचाना है, लेकिन मैं बचा नहीं सकती... बस उसे कसकर पकड़े रहना है। मैं डूब रही हूँ; पानी मेरा दम घोंट रहा है। मैं साँस नहीं ले पा रही, निगल नहीं पा रही... खारा पानी। मेरा बच्चा मेरी बाहों से छिन गया।" कैथरीन हाँफ रही थी और उसे साँस लेने में कठिनाई हो रही थी। अचानक उसका शरीर पूरी तरह से शिथिल हो गया, और उसकी साँसें गहरी और नियमित हो गईं।
मुझे बादल दिख रहे हैं... मेरा बच्चा मेरे साथ है। और मेरे गांव के दूसरे लोग भी हैं। मुझे मेरा भाई दिख रहा है।
वह विश्राम कर रही थी; उसका यह जीवन समाप्त हो चुका था। वह अभी भी गहरी समाधि में थी। मैं दंग रह गया! पिछले जन्म? पुनर्जन्म? मेरे वैज्ञानिक मन ने कहा कि वह इन सब बातों की कल्पना नहीं कर रही थी, न ही ये सब मनगढ़ंत बातें थीं। उसके विचार, उसके हाव-भाव, छोटी-छोटी बातों पर उसका ध्यान, सब कुछ उसकी सचेत अवस्था से अलग था। मेरे मन में मनोरोग संबंधी सभी संभावित निदान कौंध गए, लेकिन उसकी मानसिक स्थिति और उसके स्वभाव से इन बातों की व्याख्या नहीं हो पा रही थी। सिज़ोफ्रेनिया? नहीं, उसमें कभी भी किसी संज्ञानात्मक या चिंतन संबंधी विकार का कोई लक्षण नहीं दिखा था। उसे कभी भी आवाजें सुनने जैसी श्रवण मतिभ्रम, जागते समय दृश्य मतिभ्रम या दृश्य दृश्य, या किसी अन्य प्रकार के मनोविकार के दौरे नहीं पड़े थे। वह भ्रमित नहीं थी, न ही वास्तविकता से कटी हुई थी। उसमें कई या विभाजित व्यक्तित्व नहीं थे। केवल एक ही कैथरीन थी, और उसका सचेत मन इस बात से पूरी तरह अवगत था। उसमें कोई समाजविरोधी या असामाजिक प्रवृत्ति नहीं थी। वह अभिनेत्री नहीं थी। वह न तो नशीली दवाओं का सेवन करती थी और न ही मतिभ्रम पैदा करने वाले पदार्थों का। वह शराब का सेवन बहुत कम करती थी। उसे कोई तंत्रिका संबंधी या मनोवैज्ञानिक बीमारी नहीं थी जो सम्मोहन के दौरान हुए इस स्पष्ट और तात्कालिक अनुभव की व्याख्या कर सके।
ये किसी न किसी तरह की यादें थीं, लेकिन कहाँ से? मेरा पहला एहसास यही था कि मैं किसी ऐसी चीज़ के संपर्क में आ गया हूँ जिसके बारे में मुझे बहुत कम जानकारी है—पुनर्जन्म और पिछले जन्म की यादें। ऐसा हो ही नहीं सकता, मैंने खुद से कहा; मेरा वैज्ञानिक रूप से प्रशिक्षित दिमाग इसे मानने से इनकार कर रहा था। फिर भी, यह सब मेरी आँखों के सामने घट रहा था। मैं इसे समझा नहीं सकता था, लेकिन मैं इसकी वास्तविकता को नकार भी नहीं

सकता था।
“बताओ,” मैंने थोड़ा घबराते हुए लेकिन जो कुछ हो रहा था उससे मोहित होकर कहा। “क्या तुम्हें कुछ और याद है?” उसे अपने दो अन्य जन्मों के कुछ अंश याद आए।
“मैंने काले फीते वाली पोशाक पहनी है, और मेरे सिर पर भी काले फीते हैं। मेरे बाल काले हैं जिनमें सफ़ेद बाल भी हैं। यह सन् 1756 है। मैं स्पेनिश हूँ। मेरा नाम लुइसा है और मेरी उम्र छप्पन वर्ष है। मैं नाच रही हूँ; दूसरे लोग भी नाच रहे हैं। [लंबा विराम] मैं बीमार हूँ; मुझे बुखार है, ठंडे पसीने आ रहे हैं… बहुत से लोग बीमार हैं; लोग मर रहे हैं… डॉक्टरों को नहीं पता कि यह पानी की वजह से हुआ है।” मैंने उसे समय से आगे ले लिया। “मैं ठीक हो जाती हूँ, लेकिन मेरे सिर में अभी भी दर्द है; बुखार और पानी की वजह से मेरी आँखों और सिर में अभी भी दर्द है… बहुत से लोग मर जाते हैं।”
बाद में उसने मुझे बताया कि वह उस जन्म में एक वेश्या थी, लेकिन उसने यह जानकारी इसलिए नहीं दी क्योंकि उसे इस बात पर शर्म आती थी। जाहिर है, सम्मोहन की अवस्था में, कैथरीन अपनी कुछ यादों को छिपा सकती थी जो उसने मुझे बताईं।
चूंकि कैथरीन ने अपने एक पुराने जन्म में अपनी भतीजी को पहचान लिया था, इसलिए मैंने सहज ही उससे पूछा कि क्या मैं उसके किसी जन्म में मौजूद थी। मैं उसकी यादों में अपनी भूमिका (यदि कोई हो तो) के बारे में जानने के लिए उत्सुक थी। उसने तुरंत जवाब दिया, जो पहले की धीमी और सोच-समझकर की गई याददाश्त से बिल्कुल विपरीत था।
“आप मेरे गुरु हैं, एक चबूतरे पर बैठे हुए। आप हमें किताबों से पढ़ाते हैं। आप बूढ़े हैं, आपके बाल सफ़ेद हैं। आपने सोने की किनारी वाला सफ़ेद वस्त्र पहना है… आपका नाम डायोजेन्स है। आप हमें प्रतीक, त्रिभुज सिखाते हैं। आप बहुत बुद्धिमान हैं, लेकिन मुझे समझ नहीं आता। वर्ष 1568 ईसा पूर्व है।” (यह प्रसिद्ध यूनानी दार्शनिक डायोजेन्स से लगभग बारह सौ वर्ष पहले की बात है। यह नाम असामान्य नहीं था।)
पहला सत्र समाप्त हो चुका था। इससे भी कहीं अधिक अद्भुत सत्र अभी आने बाकी थे।
कैथरीन के जाने के बाद, और अगले कई दिनों तक, मैं सम्मोहन प्रतिगमन की बारीकियों पर विचार करता रहा। मेरे लिए विचार करना स्वाभाविक था। यहाँ तक कि एक सामान्य थेरेपी सत्र से भी बहुत कम बातें मेरे गहन मानसिक विश्लेषण से बच पाती थीं, और यह सत्र तो बिल्कुल भी सामान्य नहीं था। इसके अलावा, मैं मृत्यु के बाद जीवन, पुनर्जन्म, शरीर से बाहर के अनुभवों और उनसे संबंधित घटनाओं के बारे में बहुत संशय में था। आख़िरकार, मेरे तार्किक मन ने सोचा, यह उसकी कल्पना हो सकती है। मैं वास्तव में उसके किसी भी दावे या कल्पना को साबित नहीं कर पाऊँगा। लेकिन मुझे एक और विचार का भी एहसास था, हालाँकि बहुत धुंधला सा। खुले दिमाग से सोचो, विचार ने कहा; सच्चा विज्ञान अवलोकन से शुरू होता है। उसकी "यादें" कल्पना या मनगढ़ंत कहानी नहीं हो सकतीं। आँखों से या अन्य इंद्रियों से जो दिखाई देता है, उससे कहीं अधिक कुछ हो सकता है। खुले दिमाग से सोचो। और अधिक जानकारी जुटाओ।
मेरे मन में एक और चिंता सता रही थी। क्या कैथरीन, जो पहले से ही चिंता और भय से ग्रस्त रहती है, दोबारा सम्मोहन प्रक्रिया से गुजरने से इतनी डर जाएगी? मैंने उसे फोन न करने का फैसला किया। उसे भी इस अनुभव को समझने का समय दें। मैं अगले सप्ताह तक इंतजार करूंगी।

अध्याय
तीन

एक सप्ताह बाद, कैथरीन अपने अगले सम्मोहन सत्र के लिए मेरे कार्यालय में आई। पहले से ही सुंदर, वह पहले से कहीं अधिक तेजस्वी लग रही थी। उसने खुशी-खुशी बताया कि डूबने का उसका जीवन भर का डर गायब हो गया था। दम घुटने का उसका डर भी कुछ हद तक कम हो गया था। पुल गिरने के बुरे सपने से उसकी नींद अब नहीं टूटती थी। हालाँकि उसे अपने पिछले जन्म की यादें याद थीं, लेकिन उसने अभी तक उन बातों को पूरी तरह आत्मसात नहीं किया था।

पूर्व जन्मों और पुनर्जन्म की अवधारणाएँ उसकी ब्रह्मांडीय समझ से बिल्कुल परे थीं, फिर भी उसकी यादें इतनी जीवंत थीं, दृश्य, ध्वनियाँ और गंध इतनी स्पष्ट थीं, और उसे यह अहसास इतना प्रबल और प्रत्यक्ष था कि वह सचमुच वहाँ थी। उसे इस बात पर कोई संदेह नहीं था; अनुभव इतना तीव्र था। फिर भी वह इस बात को लेकर चिंतित थी कि यह उसके पालन-पोषण और मान्यताओं से कितना मेल खाता है।

इस सप्ताह मैंने कोलंबिया विश्वविद्यालय में अपने प्रथम वर्ष के दौरान लिए गए तुलनात्मक धर्म पाठ्यक्रम की पाठ्यपुस्तक की समीक्षा की। पुराने और नए नियम दोनों में पुनर्जन्म के संदर्भ मौजूद थे। 325 ईस्वी में रोमन सम्राट कॉन्स्टेंटाइन द ग्रेट ने अपनी माता हेलेना के साथ मिलकर नए नियम में पुनर्जन्म के संदर्भों को हटा दिया था। 553 ईस्वी में हुई कॉन्स्टेंटिनोपल की दूसरी परिषद ने इस कार्रवाई की पुष्टि की और पुनर्जन्म की अवधारणा को विधर्म घोषित कर दिया। जाहिर तौर पर, उनका मानना था कि यह अवधारणा मनुष्यों को मोक्ष प्राप्त करने के लिए बहुत अधिक समय देकर चर्च की बढ़ती शक्ति को कमजोर कर देगी। फिर भी मूल संदर्भ मौजूद थे; प्रारंभिक चर्च पिताओं ने पुनर्जन्म की अवधारणा को स्वीकार किया था। प्रारंभिक ग्नोस्टिक - अलेक्जेंड्रिया के क्लेमेंट, ओरिजन, सेंट जेरोम और कई अन्य - मानते थे कि वे पहले भी जी चुके हैं और फिर से जिएंगे।

हालांकि, मैं पुनर्जन्म में कभी विश्वास नहीं करता था। वास्तव में, मैंने इस बारे में कभी ज्यादा सोचा भी नहीं था। हालांकि मेरी प्रारंभिक धार्मिक शिक्षा में मृत्यु के बाद "आत्मा" के किसी अस्पष्ट अस्तित्व के बारे में सिखाया गया था, लेकिन मैं इस अवधारणा से सहमत नहीं था। मैं चार बच्चों में सबसे बड़ा था, हम तीनों के बीच तीन-तीन साल का अंतर था। हम न्यू जर्सी के समुद्र तट के पास स्थित रेड बैंक नामक एक छोटे से शहर में एक रूढ़िवादी यहूदी आराधनालय से जुड़े थे। मैं अपने परिवार में शांतिदूत और मार्गदर्शक था। मेरे पिता हम सब से कहीं अधिक धर्म में आस्था रखते थे। वे धर्म को बहुत गंभीरता से लेते थे, जैसे वे जीवन के हर पहलू को लेते थे। उनके बच्चों की शैक्षणिक उपलब्धियाँ उनके जीवन की सबसे बड़ी खुशी थीं। वे घर के कलह से आसानी से परेशान हो जाते थे और एकांतवास में चले जाते थे, जिससे मुझे मध्यस्थता करनी पड़ती थी। हालाँकि यह मनोचिकित्सा में करियर के लिए एक उत्कृष्ट प्रारंभिक प्रशिक्षण साबित हुआ, लेकिन मेरा बचपन जितना मैं चाहता था, उससे कहीं अधिक बोझिल और ज़िम्मेदार था। मैं एक बहुत ही गंभीर युवक के रूप में उभरा, जो अत्यधिक ज़िम्मेदारी उठाने का आदी हो गया था।

मेरी माँ हमेशा अपना प्यार ज़ाहिर करती थीं। कोई भी सीमा उनके रास्ते में नहीं आती थी। मेरे पिता से कहीं ज़्यादा सरल स्वभाव की, वह अपराधबोध, बलिदान की भावना, अत्यधिक शर्मिंदगी और अपने बच्चों के साथ परोक्ष जुड़ाव जैसी भावनाओं का इस्तेमाल बिना किसी संकोच के अपने प्रभाव जमाने के लिए करती थीं। फिर भी, वह शायद ही कभी उदास होती थीं, और हम हमेशा उनके प्यार और समर्थन पर भरोसा कर सकते थे।
मेरे पिता एक औद्योगिक फोटोग्राफर के रूप में अच्छी नौकरी करते थे, और हालाँकि हमारे पास खाने-पीने की कोई कमी नहीं थी, फिर भी पैसों की बहुत तंगी रहती थी। मेरे सबसे छोटे भाई, पीटर का जन्म तब हुआ जब मैं नौ साल की थी। हमें अपने छोटे से दो कमरों वाले बगीचे के अपार्टमेंट में छह लोगों के साथ रहना पड़ता था।
इस छोटे से अपार्टमेंट में जीवन भागदौड़ भरा और शोरगुल वाला था, और मैं किताबों में सुकून ढूंढता था। जब मैं बेसबॉल या बास्केटबॉल नहीं खेल रहा होता था, जो मेरे बचपन के अन्य शौक थे, तो मैं घंटों पढ़ता रहता था। मुझे पता था कि शिक्षा ही इस छोटे से कस्बे से बाहर निकलने का मेरा रास्ता है, चाहे वह कितना भी आरामदायक क्यों न हो, और मैं हमेशा अपनी कक्षा में प्रथम या द्वितीय स्थान पर रहता था।
जब मुझे कोलंबिया विश्वविद्यालय में पूरी छात्रवृत्ति मिली, तब तक मैं एक गंभीर और मेहनती युवक बन चुका था। शैक्षणिक सफलता मुझे लगातार मिलती रही। मैंने रसायन विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और सम्मान के साथ स्नातक हुआ। मैंने मनोचिकित्सक बनने का फैसला किया क्योंकि यह क्षेत्र विज्ञान में मेरी रुचि और मानव मन की कार्यप्रणाली के प्रति मेरे आकर्षण को जोड़ता था। इसके अलावा, चिकित्सा के क्षेत्र में करियर मुझे अन्य लोगों के प्रति अपनी चिंता और करुणा व्यक्त करने का अवसर देता। इसी दौरान, कैट्सकिल पर्वत के एक होटल में गर्मियों की छुट्टियों के दौरान मेरी मुलाकात कैरोल से हुई, जहाँ मैं एक बसबॉय के रूप में काम कर रहा था और वह वहाँ मेहमान थी। हम दोनों एक-दूसरे के प्रति तुरंत आकर्षित हुए और एक-दूसरे के साथ सहजता और आराम का गहरा अनुभव किया। हमने पत्र-व्यवहार किया, डेटिंग की, प्यार में पड़ गए और कोलंबिया में अपने जूनियर वर्ष तक हमारी सगाई हो गई। वह बुद्धिमान और सुंदर दोनों थी। सब कुछ ठीक चल रहा था। बहुत कम युवा जीवन और मृत्यु और मृत्यु के बाद के जीवन के बारे में चिंता करते हैं, खासकर जब सब कुछ सुचारू रूप से चल रहा हो, और मैं भी अपवाद नहीं था। मैं एक वैज्ञानिक बन रहा था और तार्किक, निष्पक्ष और "सिद्ध करो" तरीके से सोचना सीख रहा था।
येल विश्वविद्यालय में मेडिकल स्कूल और रेजीडेंसी ने इस वैज्ञानिक पद्धति को और अधिक स्पष्ट किया। मेरा शोध प्रबंध मस्तिष्क रसायन विज्ञान और न्यूरोट्रांसमीटर की भूमिका पर था, जो मस्तिष्क के ऊतकों में रासायनिक संदेशवाहक होते हैं।
मैं जैविक मनोचिकित्सकों की नई पीढ़ी में शामिल हो गया, जो पारंपरिक मनोचिकित्सा सिद्धांतों और तकनीकों को मस्तिष्क रसायन विज्ञान के नए विज्ञान के साथ जोड़ते हैं। मैंने कई वैज्ञानिक शोध पत्र लिखे, स्थानीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों में व्याख्यान दिए और अपने क्षेत्र में काफी नाम कमाया। मैं थोड़ा जुनूनी, गंभीर और दृढ़ निश्चयी था, लेकिन एक चिकित्सक के लिए ये उपयोगी गुण थे। मुझे ऐसा लगता था कि मैं अपने क्लिनिक में चिकित्सा के लिए आने वाले किसी भी व्यक्ति का इलाज करने के लिए पूरी तरह से तैयार हूं।
फिर कैथरीन, अरोंडा बन गई, एक युवती जो 1863 ईसा पूर्व में रहती थी। या शायद इसका उल्टा हुआ था? और वह फिर से मेरे सामने थी, पहले से कहीं ज्यादा खुश।
मुझे फिर से चिंता हुई कि कैथरीन शायद आगे बढ़ने से डर जाए। हालांकि, उसने उत्सुकता से सम्मोहन के लिए तैयारी की और जल्दी ही सम्मोहन की अवस्था में चली गई।

“मैं पानी पर फूलों की मालाएं फेंक रही हूँ। यह एक रस्म है। मेरे बाल सुनहरे हैं और गुंथे हुए हैं। मैंने सुनहरे काम वाली भूरी पोशाक और सैंडल पहनी हैं। किसी की मृत्यु हो गई है, राजपरिवार में किसी की... माँ की। मैं राजपरिवार में नौकरानी हूँ और भोजन बनाने में मदद करती हूँ। हम शवों को तीस दिनों तक खारे पानी में रखते हैं। फिर वे सूख जाते हैं और उनके अंगों को निकाल लिया जाता है। मुझे उसकी गंध आ रही है, शवों की गंध।”
वह अनायास ही अरोंडा के जीवनकाल में वापस चली गई थी, लेकिन उसके एक अलग हिस्से में, उस समय में जब उसका कर्तव्य मृतकों के शवों को तैयार करना था।
“एक अलग इमारत में,” कैथरीन ने आगे कहा, “मैं शवों को देख सकती हूँ। हम शवों को लपेट रहे हैं। आत्मा का पारगमन होता है। आप अपना सामान अपने साथ ले जाते हैं, ताकि अगले और बेहतर जीवन के लिए तैयार हो सकें।” वह मृत्यु और परलोक के बारे में एक मिस्री अवधारणा व्यक्त कर रही थी, जो हमारी मान्यताओं से बिल्कुल अलग थी। उस धर्म में, आप अपना सामान अपने साथ ले जा सकते थे।
उसने वर्तमान जीवन को त्याग दिया और विश्राम किया। वह कुछ मिनटों तक रुकी रही, फिर एक प्राचीन काल में प्रवेश कर गई।
“मुझे गुफा में बर्फ लटकती हुई दिखाई दे रही है... चट्टानें...” उसने एक अंधेरी और दयनीय जगह का अस्पष्ट वर्णन किया, और अब वह स्पष्ट रूप से असहज थी। बाद में उसने खुद के बारे में बताया कि उसने क्या देखा था। “मैं बदसूरत, गंदी और बदबूदार थी।” वह इस बात को टालने के लिए चली गई।
“कुछ इमारतें हैं और पत्थर के पहियों वाली एक गाड़ी है। मेरे बाल भूरे हैं और उन पर कपड़ा लिपटा हुआ है। गाड़ी में भूसा भरा है। मैं खुश हूँ। मेरे पिता वहाँ हैं... वो मुझे गले लगा रहे हैं। ये... ये एडवर्ड हैं [वह बाल रोग विशेषज्ञ जिन्होंने मुझे दिखाने पर ज़ोर दिया था]। ये मेरे पिता हैं। हम पेड़ों से भरी एक घाटी में रहते हैं। आँगन में जैतून और अंजीर के पेड़ हैं। लोग कागज़ों पर लिख रहे हैं। उन पर अजीब से निशान हैं, जैसे अक्षर हों। लोग दिन भर लिखते रहते हैं, एक पुस्तकालय बना रहे हैं। यह 1536 ईसा पूर्व की बात है। ज़मीन बंजर है। मेरे पिता का नाम पर्सियस है।”
वर्ष पूरी तरह से मेल नहीं खा रहा था, लेकिन मुझे यकीन था कि वह उसी जीवनकाल में थी जिसके बारे में उसने पिछले सप्ताह के सत्र में बताया था। मैंने उसे समय में आगे ले जाकर उसी जीवनकाल में रखा।
“मेरे पिताजी आपको (यानी मुझे) जानते हैं। आप और वे फसलों, कानून और सरकार के बारे में बातें करते हैं। वे कहते हैं कि आप बहुत बुद्धिमान हैं और मुझे आपकी बात सुननी चाहिए।”
मैंने उन्हें कुछ और आगे के समय में ले जाकर बताया, “मेरे पिताजी एक अंधेरे कमरे में लेटे हैं। वे बूढ़े और बीमार हैं। ठंड है... मुझे बहुत खालीपन महसूस हो रहा है।” फिर वे अपनी मृत्यु की ओर बढ़ गईं। “अब मैं बूढ़ी और कमजोर हूँ। मेरी बेटी मेरे बिस्तर के पास है। मेरे पति की मृत्यु हो चुकी है। मेरी बेटी के पति और उनके बच्चे वहाँ हैं। आसपास बहुत से लोग हैं।”
इस बार उनकी मृत्यु शांतिपूर्ण थी। वह तैर रही थीं। तैर रही थीं? इससे मुझे डॉ. रेमंड मूडी के मृत्यु के निकट के अनुभवों के पीड़ितों पर किए गए अध्ययन याद आ गए। उनके अध्ययन में शामिल लोगों को भी तैरने और फिर अपने शरीर में वापस खींचे जाने का अनुभव याद था। मैंने उनकी किताब कई साल पहले पढ़ी थी और अब उसे दोबारा पढ़ने का मन बना लिया। मैंने सोचा कि क्या कैथरीन को अपनी मृत्यु के बाद कुछ और याद होगा, लेकिन वह केवल इतना ही कह सकीं, "मैं बस तैर रही हूँ।" मैंने उन्हें जगाया और वह सत्र समाप्त किया।
पुनर्जन्म पर प्रकाशित किसी भी वैज्ञानिक शोधपत्र को जानने की अदम्य जिज्ञासा के साथ,

मैंने चिकित्सा पुस्तकालयों में खोजबीन की। मैंने वर्जीनिया विश्वविद्यालय में मनोचिकित्सा के एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर, डॉ. इयान स्टीवेन्सन के कार्यों का अध्ययन किया, जिन्होंने मनोचिकित्सा साहित्य में व्यापक रूप से लेखन कार्य किया है। डॉ. स्टीवेन्सन ने पुनर्जन्म से संबंधित स्मृतियों और अनुभवों वाले दो हजार से अधिक बच्चों के उदाहरण एकत्र किए हैं। इनमें से कई बच्चों में विदेशी भाषा बोलने की क्षमता थी, जबकि वे उस भाषा के संपर्क में कभी नहीं आए थे। उनके केस रिपोर्ट सावधानीपूर्वक पूर्ण, गहन शोध पर आधारित और वास्तव में उल्लेखनीय हैं।

मैंने एडगर मिशेल द्वारा लिखित एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक समीक्षा पढ़ी। मैंने ड्यूक विश्वविद्यालय के ईएसपी डेटा और ब्राउन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर सी. जे. डुकासे के लेखों का बड़े चाव से अध्ययन किया, और डॉ. मार्टिन एबोन, डॉ. हेलेन वामबाक, डॉ. गर्ट्रूड श्मेडलर, डॉ. फ्रेडरिक लेंज़ और डॉ. एडिथ फियोरे के अध्ययनों का गहन विश्लेषण किया। जितना अधिक मैं पढ़ता गया, उतना ही अधिक पढ़ने की इच्छा होती गई। मुझे यह एहसास होने लगा कि भले ही मैं मन के हर आयाम के बारे में खुद को अच्छी तरह से शिक्षित मानता था, लेकिन मेरी शिक्षा बहुत सीमित थी। इस शोध और साहित्य से भरी हुई लाइब्रेरी हैं, फिर भी बहुत कम लोग इसके बारे में जानते हैं। इस शोध का अधिकांश भाग प्रतिष्ठित चिकित्सकों और वैज्ञानिकों द्वारा किया गया, सत्यापित किया गया और दोहराया गया। क्या वे सभी गलत या भ्रमित हो सकते हैं? सबूत बेहद सहायक प्रतीत होते थे, फिर भी मुझे संदेह था। चाहे सबूत इतने प्रबल हों या न हों, मुझे इस पर विश्वास करना मुश्किल लग रहा था।

कैथरीन और मैं, दोनों ही अपने-अपने तरीके से, इस अनुभव से बहुत प्रभावित हो चुके थे। कैथरीन भावनात्मक रूप से बेहतर हो रही थी, और मैं अपने विचारों का दायरा बढ़ा रहा था। कैथरीन कई वर्षों से अपने डर से त्रस्त थी और आखिरकार उसे कुछ राहत महसूस हो रही थी। चाहे वास्तविक यादों के माध्यम से हो या जीवंत कल्पनाओं के माध्यम से, मैंने उसकी मदद करने का एक तरीका ढूंढ लिया था, और मैं अब रुकने वाला नहीं था।

अगले सत्र की शुरुआत में जब कैथरीन समाधि जैसी अवस्था में चली गई, तो कुछ क्षणों के लिए मैंने इन सब बातों पर विचार किया। सम्मोहन की प्रक्रिया शुरू होने से पहले, उसने एक सपने के बारे में बताया था जिसमें पुराने पत्थर की सीढ़ियों पर एक खेल खेला जा रहा था, एक ऐसा खेल जिसमें छेदों वाली शतरंज की बिसात का इस्तेमाल हो रहा था। उसे वह सपना बहुत स्पष्ट लगा था। अब मैंने उससे कहा कि वह समय और स्थान की सामान्य सीमाओं से परे जाकर देखे कि क्या उसके सपने की जड़ें उसके पिछले जन्म में थीं।

“मुझे एक मीनार की ओर जाती सीढ़ियाँ दिखाई दे रही हैं... जहाँ से पहाड़ और समुद्र दोनों दिखाई देते हैं। मैं एक लड़का हूँ... मेरे बाल सुनहरे हैं... अजीब से बाल। मेरे कपड़े छोटे, भूरे और सफेद हैं, जो जानवरों की खाल से बने हैं। कुछ आदमी मीनार के ऊपर खड़े होकर देख रहे हैं... पहरेदार। वे गंदे हैं। वे शतरंज जैसा कोई खेल खेल रहे हैं, पर शतरंज नहीं। बोर्ड गोल है, चौकोर नहीं। वे नुकीले, खंजर जैसे मोहरों से खेल रहे हैं, जो छेदों में फिट होते हैं। मोहरों पर जानवरों के सिर बने हैं। क्या यह किरुस्तान [उच्चारण के अनुसार वर्तनी] क्षेत्र है? नीदरलैंड से, लगभग 1473 के आसपास।”

मैंने उससे उसके रहने की जगह का नाम पूछा और यह भी पूछा कि क्या वह साल देख या सुन सकती है। उसने कहा, “मैं अभी एक बंदरगाह शहर में हूँ; ज़मीन समुद्र में मिलती है। यहाँ एक किला है... और पानी है। मुझे एक झोपड़ी दिखती है... मेरी माँ मिट्टी के बर्तन में खाना बना रही है। मेरा नाम जोहान है।”

उनकी मृत्यु हो चुकी थी। हमारे सत्रों के इस चरण में, मैं अभी भी उस एक भयावह घटना की तलाश में था जो उनके वर्तमान जीवन के लक्षणों का कारण या व्याख्या कर सके। भले ही ये

बेहद स्पष्ट दृश्य कल्पनाएँ हों, और मुझे इस बारे में पक्का पता नहीं था, फिर भी उनके विश्वास या विचार उनके लक्षणों का आधार हो सकते थे। आखिरकार, मैंने ऐसे लोगों को देखा था जो अपने सपनों से आघातग्रस्त थे। कुछ लोग यह याद नहीं कर पाते थे कि बचपन का कोई आघात वास्तव में हुआ था या सपने में, फिर भी उस आघात की स्मृति उनके वयस्क जीवन को सताती रहती थी।

मुझे उस समय इस बात का पूरी तरह से एहसास नहीं था कि माता-पिता की तीखी आलोचनाओं जैसे लगातार, दिन-प्रतिदिन पड़ने वाले नकारात्मक प्रभावों का असर किसी एक दर्दनाक घटना से भी कहीं अधिक मनोवैज्ञानिक आघात पहुंचा सकता है। ये हानिकारक प्रभाव, क्योंकि ये हमारे जीवन की रोजमर्रा की पृष्ठभूमि में घुलमिल जाते हैं, इसलिए इन्हें याद रखना और इनसे छुटकारा पाना कहीं अधिक कठिन होता है। लगातार आलोचना झेलने वाला बच्चा उतना ही आत्मविश्वास और आत्मसम्मान खो सकता है जितना कि कोई बच्चा किसी एक भयावह दिन हुए अपमान को याद रखता है। जिस बच्चे का परिवार गरीब है और जिसके पास रोजमर्रा के आधार पर बहुत कम भोजन उपलब्ध है, वह अंततः उसी तरह की मनोवैज्ञानिक समस्याओं से ग्रस्त हो सकता है जैसा कि कोई बच्चा किसी दुर्घटना में लगभग भुखमरी का शिकार होने के एक गंभीर अनुभव से गुजरता है। मुझे जल्द ही यह एहसास हो गया कि नकारात्मक शक्तियों के लगातार पड़ने वाले प्रभावों को पहचानना और उनका समाधान करना उतना ही जरूरी है जितना कि किसी एक बेहद दर्दनाक घटना पर ध्यान दिया जाता है।

कैथरीन बोलने लगी।

“यहाँ डोंगी जैसी, चमकीले रंगों से रंगी हुई नावें हैं। प्रोविडेंस इलाका है। हमारे पास हथियार हैं, भाले, गुलेल, धनुष और तीर, लेकिन ये बड़े हैं। नाव पर बड़े-बड़े, अजीब से चप्पू हैं... सबको चप्पू चलाना होगा। हम शायद रास्ता भटक गए हैं; अँधेरा है। कोई रोशनी नहीं है। मुझे डर लग रहा है। हमारे साथ दूसरी नावें भी हैं [शायद कोई हमलावर दल]। मुझे जानवरों से डर लग रहा है। हम गंदी, बदबूदार जानवरों की खालों पर सोते हैं। हम खोजबीन कर रहे हैं। मेरे जूते अजीब से दिखते हैं, बोरियों जैसे... टखनों पर जानवरों की खालों से बंधी पट्टियाँ हैं। [लंबा विराम] आग से मेरा चेहरा झुलस गया है। मेरे लोग दूसरों को मार रहे हैं, लेकिन मैं नहीं। मैं मारना नहीं चाहता। मेरा चाकू मेरे हाथ में है।”

अचानक उसके गले से घरघराहट की आवाज आने लगी और वह हांफने लगी। उसने बताया कि एक दुश्मन सैनिक ने उसे पीछे से गर्दन से पकड़ लिया और चाकू से उसका गला काट दिया। मरने से पहले उसने अपने हत्यारे का चेहरा देखा। वह स्टुअर्ट था। तब वह अलग दिख रहा था, लेकिन वह जानती थी कि वह वही है। जोहान की मृत्यु इक्कीस वर्ष की आयु में हो गई थी।

इसके बाद उसने खुद को अपने शरीर के ऊपर तैरते हुए पाया और नीचे के दृश्य को निहारने लगी। वह बादलों की ओर बढ़ती गई, असमंजस और उलझन में थी। जल्द ही उसने महसूस किया कि उसे एक "छोटे, गर्म" स्थान में खींचा जा रहा है। उसका जन्म होने वाला था।

“कोई मुझे थामे हुए है,” उसने धीरे से और सपने में खोई हुई आवाज़ में फुसफुसाया, “कोई जिसने मेरे जन्म में मदद की थी। उसने हरे रंग की पोशाक और सफेद एप्रन पहना हुआ है। उसके सिर पर सफेद टोपी है, जिसके कोने पीछे की ओर मुड़े हुए हैं। कमरे में अजीब सी खिड़कियाँ हैं... कई हिस्से हैं। इमारत पत्थर की बनी है। मेरी माँ के लंबे, काले बाल हैं। वह मुझे गोद में लेना चाहती है। मेरी माँ ने एक अजीब सी... खुरदरी नाइटशर्ट पहनी हुई है। उससे रगड़ लगने पर दर्द होता है। धूप में रहना और फिर से गर्म महसूस करना अच्छा लग रहा है... यह... यह वही माँ है जो अब मेरे पास है!”

पिछले सत्र के दौरान, मैंने उसे निर्देश दिया था कि वह इन जन्मों के महत्वपूर्ण व्यक्तियों का ध्यानपूर्वक अवलोकन करे ताकि वह उन्हें अपने वर्तमान जन्म, कैथरीन के रूप में, महत्वपूर्ण व्यक्तियों के रूप में पहचान सके। अधिकांश लेखकों के अनुसार, आत्माओं के समूह बार-बार एक साथ पुनर्जन्म लेते हैं, और कई जन्मों के दौरान अपने कर्मों (दूसरों और स्वयं के प्रति ऋण, सीखे जाने वाले सबक) का फल भोगते हैं।

दुनिया से बेखबर, मेरे शांत, मंद रोशनी वाले दफ्तर में घट रहे इस विचित्र और अद्भुत नाटक को समझने की कोशिश में, मैं इस जानकारी की पुष्टि करना चाहता था। मुझे लगा कि कैथरीन के मुख से निकली इस अत्यंत असामान्य बात का मूल्यांकन करने के लिए मुझे वैज्ञानिक पद्धति का प्रयोग करना चाहिए, जिसका मैंने पिछले पंद्रह वर्षों से अपने शोध में कड़ाई से पालन किया था।

सत्रों के बीच कैथरीन की मानसिक क्षमता लगातार बढ़ती जा रही थी। उसे लोगों और घटनाओं के बारे में अंतर्ज्ञान होने लगा था जो सच साबित हुआ। सम्मोहन के दौरान, मेरे प्रश्न पूछने से पहले ही वह उनका अनुमान लगाने लगी थी। उसके कई सपनों में भविष्य की भविष्यवाणी का संकेत मिलता था।

एक बार जब उसके माता-पिता उससे मिलने आए, तो उसके पिता ने जो कुछ हो रहा था उस पर गहरा संदेह व्यक्त किया। उन्हें यह साबित करने के लिए कि यह सच है, वह उन्हें घुड़दौड़ के मैदान में ले गई। वहाँ, उनकी आँखों के सामने, उसने हर दौड़ के विजेता का नाम बताया। वह दंग रह गए। जब उसे यकीन हो गया कि उसने अपनी बात साबित कर दी है, तो उसने जीती हुई सारी रकम घुड़दौड़ के मैदान से बाहर निकलते समय रास्ते में मिले पहले गरीब व्यक्ति को दे दी। उसे सहज रूप से महसूस हुआ कि उसे मिली नई आध्यात्मिक शक्तियों का उपयोग धन के लिए नहीं किया जाना चाहिए। उसके लिए, उनका एक बहुत ही उच्च अर्थ था। उसने मुझे बताया कि यह अनुभव उसके लिए थोड़ा डरावना था, लेकिन वह अपनी प्रगति से इतनी प्रसन्न थी कि वह आध्यात्मिक प्रतिगमन जारी रखने के लिए उत्सुक थी। मैं उसकी मानसिक क्षमताओं से, विशेष रूप से घुड़दौड़ के मैदान वाली घटना से, चकित और मोहित दोनों था। यह ठोस प्रमाण था। उसके पास हर दौड़ का जीतने वाला टिकट था। यह कोई संयोग नहीं था। पिछले कुछ हफ्तों से कुछ बहुत ही अजीब हो रहा था, और मैं अपना दृष्टिकोण बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा था। मैं उसकी मानसिक क्षमताओं से इनकार नहीं कर सकता था। और अगर ये क्षमताएं वास्तविक थीं और ठोस प्रमाण प्रस्तुत कर सकती थीं, तो क्या उनके द्वारा बताए गए पिछले जन्म की घटनाएं भी सच हो सकती थीं?

अब वह उस जीवन में लौट आई जिसमें उसका अभी-अभी जन्म हुआ था। यह जन्म हाल का प्रतीत होता था, लेकिन वह वर्ष नहीं बता सकती थी। उसका नाम एलिजाबेथ था।

“अब मैं बड़ी हो गई हूँ, मेरा एक भाई और दो बहनें हैं। मैं खाने की मेज देखती हूँ... मेरे पिताजी वहाँ हैं... वो एडवर्ड हैं [बाल रोग विशेषज्ञ, जो उनके पिता के रूप में दोबारा अभिनय कर रहे हैं]। मेरे माता-पिता फिर से लड़ रहे हैं। खाने में आलू और दालें हैं। वो इसलिए नाराज़ हैं क्योंकि खाना ठंडा है। वे बहुत लड़ते हैं। वो हमेशा शराब पीते रहते हैं... वो मेरी माँ को मारते हैं। [कैथरीन की आवाज़ में डर था और वो साफ़ तौर पर काँप रही थी।] वो बच्चों को धक्का देते हैं। वो पहले जैसे नहीं रहे, बिल्कुल अलग इंसान। मुझे वो पसंद नहीं हैं। काश वो चले जाते।” वो एक बच्चे की तरह बोल रही थी।

इन सत्रों के दौरान कैथरीन से मेरे सवाल पूछने का तरीका पारंपरिक मनोचिकित्सा से बिलकुल अलग था। मैंने कैथरीन के लिए एक मार्गदर्शक की भूमिका निभाई, एक-दो घंटे में उसके पूरे जीवन की समीक्षा करने की कोशिश की, उन दर्दनाक घटनाओं और हानिकारक आदतों को खोजने का प्रयास किया जो उसके वर्तमान लक्षणों की व्याख्या कर सकें।

पारंपरिक चिकित्सा कहीं अधिक विस्तृत और आराम से की जाती है। रोगी द्वारा चुने गए हर शब्द का सूक्ष्म अर्थों और छिपे हुए भावों के लिए विश्लेषण किया जाता है। चेहरे के हर हावभाव, शरीर की हर हरकत, आवाज़ के हर उतार-चढ़ाव पर विचार और मूल्यांकन किया जाता है। हर भावनात्मक प्रतिक्रिया की बारीकी से जांच की जाती है। व्यवहार के पैटर्न को बड़ी मेहनत से जोड़ा जाता है। लेकिन कैथरीन के मामले में, साल मिनटों में बीत जाते थे। कैथरीन के सत्र ऐसे थे जैसे इंडी 500 रेस को पूरी रफ्तार से चलाना... और भीड़ में से चेहरों को पहचानने की कोशिश करना।

मैंने अपना ध्यान फिर से कैथरीन पर केंद्रित किया और उससे समय बढ़ाने के लिए कहा।

“अब मेरी शादी हो चुकी है। हमारे घर में एक बड़ा कमरा है। मेरे पति के बाल सुनहरे हैं। मैं उन्हें नहीं जानती। [अर्थात, कैथरीन के वर्तमान जीवनकाल में वे अभी तक प्रकट नहीं हुए हैं।] हमारे अभी तक कोई बच्चे नहीं हैं... वे मेरे साथ बहुत अच्छे से पेश आते हैं। हम एक-दूसरे से प्यार करते हैं और खुश हैं।” जाहिर है, वे अपने माता-पिता के घर के उत्पीड़न से सफलतापूर्वक बच निकली थीं। मैंने उनसे पूछा कि क्या वे उस इलाके की पहचान बता सकती हैं जहाँ वे रहती हैं।

“ब्रेनिंगटन?” कैथरीन ने हिचकिचाते हुए फुसफुसाया। “मुझे अजीबोगरीब पुराने कवर वाली किताबें दिख रही हैं। बड़ी वाली किताब पट्टे से बंद होती है। यह बाइबिल है। इस पर बड़े-बड़े आकर्षक अक्षर हैं... गेलिक भाषा में।”

यहां उसने कुछ ऐसे शब्द कहे जिन्हें मैं पहचान नहीं सका। वे गेलिक भाषा के थे या नहीं, मुझे इसका कोई अंदाजा नहीं है।

“हम अंदरूनी इलाके में रहते हैं, समुद्र के पास नहीं। काउंटी... ब्रेनिंगटन? मुझे सूअरों और मेमनों वाला एक खेत दिख रहा है। यही हमारा खेत है।” वह समय से आगे बढ़ गई थी।

“हमारे दो बेटे हैं... बड़ा वाला शादी कर रहा है। मुझे चर्च का शिखर दिख रहा है... एक बहुत पुरानी पत्थर की इमारत।” अचानक उसके सिर में दर्द हुआ और कैथरीन दर्द से कराह उठी, उसने अपने बाएं कनपटी को पकड़ लिया। उसने बताया कि वह पत्थर की सीढ़ियों पर गिर गई थी, लेकिन संभल गई। बुढ़ापे के कारण उसकी मृत्यु हो गई, घर पर अपने बिस्तर पर, परिवार के सदस्यों के बीच।

अपनी मृत्यु के बाद वह एक बार फिर अपने शरीर से बाहर निकली, लेकिन इस बार वह न तो हैरान थी और न ही भ्रमित।

“मुझे एक तेज रोशनी का एहसास हो रहा है। यह अद्भुत है; इस रोशनी से ऊर्जा मिलती है।” वह मृत्यु के बाद, दो जन्मों के बीच विश्राम कर रही थी। कुछ मिनट खामोशी में बीत गए। अचानक वह बोली, लेकिन उस धीमी फुसफुसाहट में नहीं जो वह पहले हमेशा इस्तेमाल करती थी। उसकी आवाज अब कर्कश और बुलंद थी, बिना किसी झिझक के।

“हमारा काम सीखना है, ज्ञान के माध्यम से ईश्वर के समान बनना है। हम बहुत कम जानते हैं। आप यहाँ मेरे शिक्षक बनने के लिए हैं। मुझे बहुत कुछ सीखना है। ज्ञान के द्वारा हम ईश्वर के निकट पहुँचते हैं, और तब हमें विश्राम मिलता है। फिर हम वापस आकर दूसरों को सिखाते और उनकी मदद करते हैं।”

मैं अवाक रह गया। ये तो उसकी मृत्यु के बाद की, उस मध्यवर्ती अवस्था की एक सीख थी। इस सामग्री का स्रोत क्या था? ये तो कैथरीन की आवाज़ से बिलकुल अलग थी। उसने कभी इस तरह बात नहीं की थी, न ही इन शब्दों का प्रयोग किया था। उसकी आवाज़ का लहजा भी बिल्कुल बदल गया था।

उस समय मुझे यह एहसास नहीं हुआ कि यद्यपि कैथरीन ने वे शब्द कहे थे, लेकिन उनके

विचार उसके नहीं थे। वह तो बस वही बता रही थी जो उसे कहा जा रहा था। बाद में उसने गुरुओं, यानी उन उच्च कोटि की आत्माओं को, जो वर्तमान में शरीर में नहीं हैं, इसका स्रोत बताया। वे उसके माध्यम से मुझसे बात कर सकते थे। कैथरीन न केवल अपने पिछले जन्मों में जा सकती थी, बल्कि अब वह परलोक से ज्ञान भी प्राप्त कर सकती थी। अद्भुत ज्ञान। मैंने अपनी निष्पक्षता बनाए रखने के लिए बहुत संघर्ष किया।
एक नया आयाम जुड़ गया था। कैथरीन ने डॉ. एलिज़ाबेथ कुबलर-रॉस या डॉ. रेमंड मूडी के अध्ययन कभी नहीं पढ़े थे, जिन्होंने मृत्यु के निकट के अनुभवों पर लिखा है। उन्होंने तिब्बती 'मृतकों की पुस्तक' के बारे में भी कभी नहीं सुना था। फिर भी, वह इन लेखों में वर्णित अनुभवों से मिलते-जुलते अनुभव बता रही थीं। यह एक तरह का प्रमाण था। काश, और अधिक तथ्य होते, और अधिक ठोस विवरण होते जिनकी मैं पुष्टि कर पाता। मेरा संदेह डगमगाता रहा, फिर भी बना रहा। शायद उन्होंने किसी पत्रिका के लेख में मृत्यु के निकट के शोध के बारे में पढ़ा हो या किसी टेलीविजन कार्यक्रम में कोई साक्षात्कार देखा हो। हालाँकि उन्होंने ऐसे किसी लेख या कार्यक्रम की सचेत स्मृति से इनकार किया, शायद उनके अवचेतन मन में कोई स्मृति रह गई हो। लेकिन वह इन पूर्व लेखों से आगे बढ़कर इस मध्यवर्ती अवस्था से एक संदेश भेज रही थीं। काश, मेरे पास और अधिक तथ्य होते।
जागने के बाद, कैथरीन को हमेशा की तरह अपने पिछले जन्मों की सारी बातें याद आ गईं। हालाँकि, एलिज़ाबेथ के रूप में अपनी मृत्यु के बाद जो कुछ भी हुआ, वह उसे याद नहीं था। भविष्य में उसे बीच की अवस्थाओं की कोई भी बात याद नहीं रहेगी। उसे केवल बीते जन्मों की ही बातें याद रहेंगी।
“ज्ञान के द्वारा हम ईश्वर के निकट पहुँचते हैं।” हम अपने मार्ग पर चल पड़े।

अध्याय
चार

“मुझे एक चौकोर सफेद घर दिख रहा है जिसके सामने रेतीली सड़क है। लोग घोड़ों पर सवार होकर इधर-उधर आ-जा रहे हैं।” कैथरीन अपनी हमेशा की तरह स्वप्निल फुसफुसाहट में बोल रही थी। “वहाँ पेड़ हैं... एक बागान है, एक बड़ा घर है जिसके साथ कई छोटे-छोटे घर हैं, जैसे गुलामों के घर। बहुत गर्मी है। यह दक्षिण में है... वर्जीनिया?” उसे लगा कि तारीख 1873 है। वह एक बच्ची थी।
“यहाँ घोड़े हैं और ढेर सारी फसलें हैं... मक्का, तंबाकू।” वह और अन्य नौकरानियाँ बड़े घर की रसोई में खाना खा रही थीं। वह अश्वेत थी और उसका नाम एबी था। उसे एक अनहोनी का आभास हुआ और उसका शरीर तनावग्रस्त हो गया। मुख्य घर में आग लगी हुई थी और वह उसे जलते हुए देख रही थी। मैंने उसके समय को पंद्रह साल आगे बढ़ाकर 1888 में पहुँचा दिया।
“मैंने एक पुरानी पोशाक पहनी हुई है और एक ईंट के घर की दूसरी मंजिल पर एक दर्पण साफ कर रही हूँ। उस घर में बहुत सारी खिड़कियाँ हैं। दर्पण टेढ़ा-मेढ़ा है, सीधा नहीं, और उसके सिरों पर घुंडी लगी हुई है। घर के मालिक का नाम जेम्स मैनसन है। उसने तीन बटनों वाला एक अजीब सा कोट पहना हुआ है, जिसका कॉलर बड़ा और काला है। उसकी दाढ़ी है... मैं उसे पहचान नहीं पा रही हूँ [कैथरीन के वर्तमान जीवनकाल के किसी व्यक्ति के रूप में]। वह मेरे साथ अच्छा व्यवहार करता है। मैं उसी संपत्ति पर बने एक घर में रहती हूँ। मैं

कमरे साफ करती हूँ। संपत्ति पर एक स्कूल भी है, लेकिन मुझे स्कूल में जाने की अनुमति नहीं है। मैं मक्खन भी बनाती हूँ!"
कैथरीन बहुत धीरे-धीरे फुसफुसा रही थी, बहुत सरल शब्दों का प्रयोग कर रही थी और हर छोटी-छोटी बात पर पूरा ध्यान दे रही थी। अगले पाँच मिनट में मैंने मक्खन बनाना सीख लिया। एब्बी को मक्खन बनाने की जो जानकारी थी, वह कैथरीन के लिए भी नई थी। मैंने उसे आगे बढ़ा दिया।
"मैं किसी के साथ हूँ, लेकिन मुझे नहीं लगता कि हमारी शादी हुई है। हम साथ सोते हैं... लेकिन हमेशा साथ नहीं रहते। मुझे उसके साथ ठीक लगता है, पर कुछ खास नहीं। मुझे कोई बच्चे नहीं दिखते। यहाँ सेब के पेड़ और बत्तखें हैं। दूर कुछ लोग हैं। मैं सेब तोड़ रही हूँ। कुछ मेरी आँखों में खुजली कर रहा है।" कैथरीन आँखें बंद करके मुँह बना रही थी। "धुएँ की वजह से है। हवा इसे इधर ला रही है... जलती हुई लकड़ी का धुआँ। वे लकड़ी के बैरल जला रहे हैं।" अब उसे खाँसी आ रही थी। "ऐसा अक्सर होता है। वे बैरल के अंदर का हिस्सा काला कर रहे हैं... तारकोल से... ताकि वह वाटरप्रूफ हो जाए।"
पिछले सप्ताह के सत्र के उत्साह के बाद, मैं फिर से उस मध्यवर्ती अवस्था में पहुँचने के लिए उत्सुक थी। हम पहले ही नब्बे मिनट तक एक सेविका के रूप में उनके जीवन का अध्ययन कर चुके थे। मैंने पलंग, मक्खन और बर्तनों के बारे में सीखा था; मैं एक अधिक आध्यात्मिक पाठ की भूखी थी। अपना धैर्य त्यागकर, मैंने उन्हें मृत्यु की ओर अग्रसर किया।
"सांस लेना मुश्किल हो रहा है। सीने में बहुत दर्द हो रहा है।" कैथरीन हांफ रही थी, साफ तौर पर दर्द में थी। "दिल में दर्द हो रहा है; यह बहुत तेजी से धड़क रहा है। मुझे बहुत ठंड लग रही है... मेरा शरीर कांप रहा है।" कैथरीन थरथराने लगी। "कमरे में लोग हैं, मुझे चाय के पत्ते पीने को दे रहे हैं। इसकी अजीब सी गंध आ रही है। वे मेरे सीने पर मलहम लगा रहे हैं। बुखार है... लेकिन मुझे बहुत ठंड लग रही है।" वह चुपचाप मर गई। छत की ओर तैरते हुए, वह बिस्तर पर अपने शरीर को देख सकती थी, एक छोटी, मुरझाई हुई, साठ साल की महिला। वह बस तैर रही थी, किसी के आने और उसकी मदद करने का इंतजार कर रही थी। उसे एक रोशनी का एहसास हुआ, वह उसकी ओर खिंची चली गई। रोशनी तेज और चमकदार होती जा रही थी। हम चुपचाप इंतजार करते रहे, मिनट धीरे-धीरे बीतते गए। अचानक वह एक दूसरे जीवन में पहुंच गई, एबी से हजारों साल पहले।
कैथरीन धीरे से फुसफुसा रही थी, "मुझे एक खुले कमरे में बहुत सारा लहसुन लटका हुआ दिख रहा है। मुझे उसकी खुशबू आ रही है। ऐसा माना जाता है कि यह खून में मौजूद कई बुराइयों को दूर करता है और शरीर को शुद्ध करता है, लेकिन इसे हर दिन लेना पड़ता है। लहसुन बाहर भी है, बगीचे के ऊपर। वहाँ और भी जड़ी-बूटियाँ हैं... अंजीर, खजूर और दूसरी जड़ी-बूटियाँ। ये पौधे सेहत के लिए फायदेमंद हैं। मेरी माँ लहसुन और दूसरी जड़ी-बूटियाँ खरीद रही हैं। घर में कोई बीमार है। ये अजीब सी जड़ें हैं। कभी-कभी इन्हें बस मुँह में, या कानों में, या किसी और अंग में रख लेते हैं। बस इन्हें अंदर ही रखते हैं।"
"मुझे दाढ़ी वाला एक बूढ़ा आदमी दिखाई देता है। वह गाँव के वैद्यों में से एक है। वह बताता है कि क्या करना है। किसी तरह की महामारी फैली हुई है जिससे लोग मर रहे हैं। वे शवों को संरक्षित नहीं कर रहे हैं क्योंकि उन्हें बीमारी का डर है। लोगों को बस दफना दिया जा रहा है। लोग इससे दुखी हैं। उन्हें लगता है कि इस तरह आत्मा का पारगमन नहीं हो सकता [कैथरीन की मृत्यु के बाद की रिपोर्टों के विपरीत]। लेकिन बहुत से लोग मर चुके हैं। मवेशी भी मर रहे हैं। पानी... बाढ़... बाढ़ के कारण लोग बीमार हैं। [उसे शायद अभी-अभी महामारी विज्ञान का यह तथ्य समझ आया।] मुझे भी पानी से कुछ बीमारी हो गई है। इससे पेट में दर्द होता है। यह आंत और पेट की बीमारी है। शरीर से बहुत सारा पानी निकल जाता है। मैं पानी लाने के

लिए वहाँ हूँ, लेकिन यही हमें मार रहा है। मैं पानी ला रही हूँ। मुझे अपनी माँ और भाई दिखाई देते हैं। मेरे पिता की मृत्यु हो चुकी है। मेरे भाई बहुत बीमार हैं।"
समय के साथ आगे बढ़ने से पहले मैं रुक गई। मैं इस बात से बेहद प्रभावित थी कि मृत्यु और परलोक के बारे में उसकी धारणाएँ हर जन्म में कितनी बदलती थीं। फिर भी, मृत्यु का उसका अनुभव हर बार इतना एक जैसा, इतना समान होता था। मृत्यु के क्षण के आसपास उसका एक सचेत भाग शरीर से निकल जाता, ऊपर तैरता हुआ एक अद्भुत, ऊर्जावान प्रकाश की ओर खिंचा चला जाता। फिर वह किसी के आने और उसकी सहायता करने का इंतज़ार करती। आत्मा स्वतः ही आगे बढ़ जाती। शव को संरक्षित करना, अंतिम संस्कार करना या मृत्यु के बाद की कोई भी प्रक्रिया इससे संबंधित नहीं थी। यह स्वतः ही होता था, किसी तैयारी की आवश्यकता नहीं होती थी, मानो किसी खुले दरवाजे से अंदर चले जाना।
"यह ज़मीन बंजर और सूखी है... मुझे यहाँ आसपास कोई पहाड़ नहीं दिखते, बस ज़मीन ही ज़मीन है, एकदम सपाट और सूखी। मेरे एक भाई की मृत्यु हो गई है। मैं थोड़ा बेहतर महसूस कर रही हूँ, लेकिन दर्द अभी भी है।" हालाँकि, वह ज़्यादा देर तक जीवित नहीं रही। "मैं किसी तरह के आवरण से ढकी हुई एक चटाई पर लेटी हूँ।" वह बहुत बीमार थी, और लहसुन या अन्य जड़ी-बूटियों का सेवन भी उसकी मृत्यु को नहीं रोक सका। जल्द ही वह अपने शरीर से ऊपर तैरने लगी, परिचित प्रकाश की ओर खिंची चली गई। वह धैर्यपूर्वक किसी के आने का इंतज़ार करती रही।
उसका सिर धीरे-धीरे इधर-उधर घूमने लगा, मानो वह किसी दृश्य का जायजा ले रही हो। उसकी आवाज फिर से कर्कश और तेज हो गई थी।
"वे मुझसे कहते हैं कि अनेक देवता हैं, क्योंकि ईश्वर हममें से प्रत्येक में विद्यमान है।"
मैंने उस आवाज को उसकी कर्कशता और संदेश के स्पष्ट रूप से आध्यात्मिक लहजे से पहचान लिया, जो मैंने जन्म-पूर्व अवस्था में सुनी थी। इसके बाद उसने जो कहा, उससे मेरी सांसें थम गईं, मानो फेफड़ों से हवा निकल रही हो।
"तुम्हारे पिता यहाँ हैं, और तुम्हारा नन्हा सा बेटा भी। तुम्हारे पिता कहते हैं कि तुम उसे पहचान लोगी क्योंकि उसका नाम अब्रोम है, और तुम्हारी बेटी का नाम भी उसी के नाम पर रखा गया है। उसकी मृत्यु हृदय रोग के कारण हुई थी। तुम्हारे बेटे का हृदय भी महत्वपूर्ण था, क्योंकि वह मुर्गी के हृदय की तरह उल्टा था। उसने तुम्हारे लिए प्रेमवश एक बड़ा बलिदान दिया। उसकी आत्मा बहुत उन्नत है... उसकी मृत्यु ने उसके माता-पिता के ऋण चुका दिए। साथ ही, वह तुम्हें यह दिखाना चाहता था कि चिकित्सा की भी एक सीमा होती है, उसका दायरा बहुत सीमित है।"
कैथरीन ने बोलना बंद कर दिया, और मैं सन्नाटे में बैठा रहा, मेरा सुन्न दिमाग चीजों को समझने की कोशिश कर रहा था। कमरा बर्फ की तरह ठंडा लग रहा था।
कैथरीन को मेरे निजी जीवन के बारे में बहुत कम जानकारी थी। मेरी डेस्क पर मेरी बेटी की बचपन की एक तस्वीर थी, जिसमें वह अपने दो निचले दूध के दांतों के साथ मुस्कुरा रही थी, जबकि उसका मुंह वैसे तो खाली था। उसके बगल में मेरे बेटे की तस्वीर थी। इसके अलावा, कैथरीन को मेरे परिवार या मेरे निजी इतिहास के बारे में लगभग कुछ भी पता नहीं था। मैंने पारंपरिक मनोचिकित्सा तकनीकों में अच्छी तरह से प्रशिक्षण प्राप्त किया था। चिकित्सक को एक खाली स्लेट की तरह माना जाता था, जिस पर रोगी अपनी भावनाओं, विचारों और दृष्टिकोणों को रख सकता था। फिर चिकित्सक इनका विश्लेषण करता था, जिससे रोगी के मन का दायरा विस्तृत होता था। मैंने कैथरीन से यही चिकित्सीय दूरी बनाए रखी थी। वह मुझे केवल एक मनोचिकित्सक के रूप में जानती थी, मेरे अतीत या मेरे निजी जीवन के बारे में कुछ भी नहीं। मैंने अपने डिप्लोमा भी कभी कार्यालय में प्रदर्शित नहीं किए थे।

मेरे जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी हमारे पहले बेटे एडम की असमय मृत्यु थी, जो सन् 1971 की शुरुआत में मात्र तेईस दिन का था। अस्पताल से घर लाने के लगभग दस दिन बाद ही उसे सांस लेने में तकलीफ और उल्टी होने लगी। निदान करना बेहद मुश्किल था। हमें बताया गया, "एट्रियल सेप्टल डिफेक्ट के साथ पल्मोनरी वेनस ड्रेनेज की पूर्ण विसंगति है। यह लगभग हर दस लाख जन्मों में एक बार होता है।" फेफड़ों की नसें, जिन्हें ऑक्सीजन युक्त रक्त हृदय तक वापस लाना चाहिए था, गलत दिशा में थीं और हृदय में गलत तरफ से प्रवेश कर रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो उसका हृदय उल्टा, पीछे की ओर मुड़ गया हो। यह बेहद दुर्लभ मामला था।

दिल की सर्जरी के बावजूद एडम को बचाया नहीं जा सका और कुछ दिनों बाद उसकी मृत्यु हो गई। हम महीनों तक शोक में डूबे रहे, हमारी सारी आशाएँ और सपने चकनाचूर हो गए। एक साल बाद हमारे बेटे जॉर्डन का जन्म हुआ, जो हमारे घावों पर मरहम जैसा था।

एडम की मृत्यु के समय, मैंने मनोचिकित्सा को अपने करियर के रूप में चुनने के अपने पूर्व निर्णय पर दुविधा पाल रखी थी। मैं आंतरिक चिकित्सा में अपनी इंटर्नशिप का आनंद ले रही थी, और मुझे चिकित्सा में रेजीडेंसी का प्रस्ताव भी मिला था। एडम की मृत्यु के बाद, मैंने दृढ़ता से निर्णय लिया कि मैं मनोचिकित्सा को ही अपना पेशा बनाऊंगी। मुझे इस बात का बहुत गुस्सा था कि आधुनिक चिकित्सा, अपनी तमाम उन्नत तकनीकों और कौशल के बावजूद, मेरे बेटे, इस सीधे-सादे नन्हे बच्चे को नहीं बचा सकी।

मेरे पिता सन् 1979 की शुरुआत में, 61 वर्ष की आयु में, एक भीषण हृदयघात से पहले तक बिल्कुल स्वस्थ थे। वे शुरुआती दौर में तो बच गए, लेकिन उनके हृदय की दीवार को अपरिवर्तनीय क्षति पहुँच चुकी थी, और तीन दिन बाद उनका निधन हो गया। यह कैथरीन की पहली मुलाकात से लगभग नौ महीने पहले की बात है।

मेरे पिता एक धार्मिक व्यक्ति थे, आध्यात्मिकता से अधिक कर्मकांडी। उनका हिब्रू नाम, अव्रोम, अंग्रेजी नाम एल्विन से अधिक उन पर जंचता था। उनकी मृत्यु के चार महीने बाद हमारी बेटी एमी का जन्म हुआ और उसका नाम उन्हीं के नाम पर रखा गया।

सन् 1982 में, मेरे शांत, अंधेरे दफ्तर में, छिपे हुए, गुप्त सत्यों का एक झरझरा सैलाब मुझ पर उमड़ रहा था। मैं आध्यात्मिक सागर में डूबा हुआ था, और मुझे वह जल बहुत प्यारा लग रहा था। मेरे हाथ-पैर कांप रहे थे। कैथरीन को यह जानकारी बिल्कुल भी नहीं हो सकती थी। इसे खोजने का कोई रास्ता भी नहीं था। मेरे पिता का हिब्रू नाम, मेरा एक बेटा जो बचपन में ही दस लाख में से एक दुर्लभ हृदय दोष से मर गया था, दवाइयों के बारे में मेरा चिंतन, मेरे पिता की मृत्यु, और मेरी बेटी का नामकरण—यह सब कुछ बहुत ज़्यादा, बहुत विशिष्ट, बहुत सच्चा था। यह साधारण सी प्रयोगशाला तकनीशियन मेरे लिए पारलौकिक ज्ञान का माध्यम थी। और अगर वह इन सत्यों को प्रकट कर सकती थी, तो और क्या-क्या हो सकता था? मुझे और जानना था।

मैंने हकलाते हुए कहा, "कौन है वहां? कौन है तुम्हें ये सब बातें?"

“गुरुओं ने,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “गुरु आत्माओं ने मुझे बताया है। उन्होंने मुझे बताया है कि मैं भौतिक रूप में छियासी बार जन्म ले चुकी हूँ।”

कैथरीन की सांसें धीमी हो गईं और उसका सिर इधर-उधर लुढ़कना बंद हो गया। वह आराम कर रही थी। मैं आगे बोलना चाहता था, लेकिन उसकी कही बातों के निहितार्थ मुझे विचलित कर रहे थे। क्या सचमुच उसके छियासी पिछले जन्म थे? और "गुरुओं" का क्या? क्या ऐसा हो सकता है? क्या हमारे जीवन का मार्गदर्शन ऐसी आत्माएं कर सकती हैं जिनका कोई भौतिक शरीर नहीं है, लेकिन जिनके पास अपार ज्ञान प्रतीत होता है? क्या ईश्वर तक पहुँचने के मार्ग में कोई चरण हैं? क्या यह सब सच था? उसने जो कुछ अभी बताया था, उसे देखते

हुए मुझे संदेह करना मुश्किल लग रहा था, फिर भी मुझे विश्वास करने में कठिनाई हो रही थी। मैं वर्षों से चली आ रही वैकल्पिक सोच से बाहर निकलने की कोशिश कर रहा था। लेकिन अपने मन, हृदय और अंतरात्मा में, मैं जानता था कि वह सही कह रही थी। वह सत्य प्रकट कर रही थी।

और मेरे पिता और मेरे बेटे का क्या? एक तरह से, वे अभी भी जीवित थे; वे वास्तव में कभी मरे ही नहीं थे। वे अपने अंतिम संस्कार के वर्षों बाद भी मुझसे बात कर रहे थे, और विशेष, अत्यंत गुप्त जानकारी देकर इसे साबित कर रहे थे। और चूंकि यह सब सच था, तो क्या मेरा बेटा आध्यात्मिक रूप से उतना ही उन्नत था जितना कैथरीन ने कहा था? क्या उसने सचमुच हमारे यहाँ जन्म लेने और फिर तेईस दिन बाद मरने के लिए सहमति दी थी ताकि हमारे कर्मों के ऋण चुकाने में हमारी मदद कर सके और साथ ही मुझे चिकित्सा और मानव जाति के बारे में सिखा सके, मुझे मनोचिकित्सा की ओर वापस प्रेरित कर सके? इन विचारों से मुझे बहुत हिम्मत मिली। मेरे अंदर एक गहरी भावना उमड़ रही थी, स्वर्ग और पृथ्वी के साथ एकात्मता और जुड़ाव का एक मजबूत एहसास। मुझे अपने पिता और बेटे की बहुत याद आ रही थी। उनसे फिर से बात करना अच्छा लगा।

मेरी ज़िंदगी अब कभी पहले जैसी नहीं रहेगी। किसी ने आकर मेरी ज़िंदगी की दिशा हमेशा के लिए बदल दी। मैंने जो भी पढ़ा था, जिसे मैंने बड़ी सावधानी और संशयपूर्ण तटस्थता से पढ़ा था, वह सब सच साबित हो गया। कैथरीन की यादें और संदेश सच थे। उसके अनुभवों की सटीकता के बारे में मेरा अनुमान सही निकला। मेरे पास तथ्य थे। मेरे पास सबूत थे।

फिर भी, उस आनंद और समझ के क्षण में भी, उस रहस्यमय अनुभव के क्षण में भी, मेरे मन के पुराने और परिचित तार्किक और संशयी हिस्से ने आपत्ति जताई। शायद यह सिर्फ ईएसपी या कोई मानसिक कौशल है। माना कि यह एक अद्भुत कौशल है, लेकिन इससे पुनर्जन्म या आत्माओं का अस्तित्व सिद्ध नहीं होता। फिर भी इस बार मैं बेहतर जानता था। वैज्ञानिक साहित्य में दर्ज हजारों मामले, विशेषकर उन बच्चों के मामले जो ऐसी विदेशी भाषाएँ बोलते हैं जिनसे वे कभी परिचित नहीं हुए, जिनके शरीर पर पहले के घावों के निशान होते हैं, और इन्हीं बच्चों को पता होता है कि हजारों मील दूर दशकों या सदियों पहले छिपी या दबी हुई कीमती वस्तुएँ कहाँ रखी थीं, ये सभी कैथरीन के संदेश की पुष्टि करते थे। मैं कैथरीन के चरित्र और उसके मन को जानता था। मैं जानता था कि वह क्या है और क्या नहीं है। नहीं, इस बार मेरा मन मुझे धोखा नहीं दे सकता था। सबूत बहुत मजबूत और स्पष्ट थे। यह सच था। जैसे-जैसे हमारे सत्र आगे बढ़ते, वह और अधिक पुष्टि करती जाती।

अगले कुछ हफ्तों में कई बार मैं इस सत्र की शक्ति और तात्कालिकता को भूल जाता था। कई बार मैं रोजमर्रा की जिंदगी की दिनचर्या में वापस लौट जाता, उन्हीं पुरानी बातों की चिंता करने लगता। मन में संदेह उठने लगते। ऐसा लगता था मानो मेरा मन, जब एकाग्र नहीं होता, तो पुरानी आदतों, मान्यताओं और संशय में वापस भटकने लगता है। लेकिन फिर मैं खुद को याद दिलाता—यह सचमुच हुआ था! मुझे एहसास हुआ कि व्यक्तिगत अनुभव के बिना इन अवधारणाओं पर विश्वास करना कितना मुश्किल है। बौद्धिक समझ में भावनात्मक विश्वास जोड़ने के लिए अनुभव आवश्यक है। लेकिन अनुभव का प्रभाव हमेशा कुछ हद तक कम हो जाता है।

पहले तो मुझे समझ ही नहीं आया कि मुझमें इतना बदलाव क्यों आ रहा है। मैं जानती थी कि मैं पहले से ज़्यादा शांत और धैर्यवान हो गई हूँ, और दूसरे लोग भी मुझे बता रहे थे कि मैं कितनी शांत दिखती हूँ, कितनी तरोताज़ा और खुश नज़र आती हूँ। मुझे अपने जीवन में

ज़्यादा उम्मीद, ज़्यादा खुशी, ज़्यादा उद्देश्य और ज़्यादा संतुष्टि महसूस हो रही थी। मुझे एहसास हुआ कि मैं मृत्यु के भय से मुक्त हो रही हूँ। मुझे अपनी मृत्यु या अस्तित्वहीनता का भय नहीं था। मुझे दूसरों को खोने का भय भी कम हो गया था, हालाँकि मैं उन्हें ज़रूर याद करूँगी। मृत्यु का भय कितना शक्तिशाली होता है! लोग इस भय से बचने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं: मध्य जीवन संकट, कम उम्र के लोगों के साथ संबंध, कॉस्मेटिक सर्जरी, व्यायाम का जुनून, भौतिक संपत्ति का संचय, नाम को आगे बढ़ाने के लिए संतानोत्पत्ति, अधिकाधिक युवा दिखने का प्रयास, इत्यादि।
हम अपनी मृत्यु को लेकर बेहद चिंतित रहते हैं, कभी-कभी तो इतना अधिक कि हम अपने जीवन के वास्तविक उद्देश्य को ही भूल जाते हैं।
मैं पहले से कम जुनूनी हो रहा था। मुझे हर समय नियंत्रण में रहने की ज़रूरत नहीं थी। हालाँकि मैं कम गंभीर होने की कोशिश कर रहा था, फिर भी यह बदलाव मेरे लिए मुश्किल था। मुझे अभी बहुत कुछ सीखना बाकी था।
अब मेरा मन इस संभावना, बल्कि पूरी संभावना, के लिए खुला था कि कैथरीन की बातें सच थीं। मेरे पिता और मेरे बेटे के बारे में अविश्वसनीय तथ्य सामान्य इंद्रियों से प्राप्त नहीं किए जा सकते थे। उनका ज्ञान और क्षमताएं निश्चित रूप से एक असाधारण मानसिक क्षमता साबित करती थीं। उन पर विश्वास करना तर्कसंगत था, लेकिन मैं लोकप्रिय साहित्य में पढ़ी बातों को लेकर सतर्क और संशय में था। ये लोग कौन हैं जो मानसिक घटनाओं, मृत्यु के बाद जीवन और अन्य आश्चर्यजनक अलौकिक घटनाओं की रिपोर्ट कर रहे हैं? क्या वे अवलोकन और सत्यापन की वैज्ञानिक पद्धति में प्रशिक्षित हैं? कैथरीन के साथ अपने अद्भुत और शानदार अनुभव के बावजूद, मैं जानता था कि मेरा स्वाभाविक रूप से आलोचनात्मक मन हर नए तथ्य, हर जानकारी की बारीकी से जांच करता रहेगा। मैं यह देखता कि क्या यह हर सत्र के साथ बन रहे ढांचे में फिट बैठता है। मैं इसे एक वैज्ञानिक के सूक्ष्मदर्शी से हर कोण से जांचता। और फिर भी मैं इस बात से इनकार नहीं कर सकता था कि ढांचा पहले से ही मौजूद था।

अध्याय
पाँच

हम अभी भी सत्र के बीच में थे। कैथरीन ने अपना विश्राम समाप्त किया और एक मंदिर के सामने हरी मूर्तियों के बारे में बात करने लगीं। मैं अपनी तल्लीनता से बाहर आया और सुनने लगा। वह किसी प्राचीन जन्म में, एशिया में कहीं, थीं, लेकिन मैं अभी भी गुरुओं के साथ था। अविश्वसनीय, मैंने मन ही मन सोचा। वह पिछले जन्मों, पुनर्जन्म के बारे में बात कर रही हैं, और फिर भी गुरुओं से संदेश सुनने की तुलना में यह कुछ खास नहीं लगता। हालांकि, मुझे यह एहसास हो रहा था कि शरीर छोड़ने और मध्यवर्ती अवस्था तक पहुँचने से पहले उन्हें एक जन्म से गुजरना होगा। वह सीधे इस अवस्था तक नहीं पहुँच सकती थीं। और केवल वहीं पर वह गुरुओं से मिल सकती थीं।
“हरे रंग की मूर्तियाँ एक विशाल मंदिर के सामने हैं,” उसने धीरे से फुसफुसाते हुए कहा, “एक इमारत जिसमें शिखर और भूरे रंग के गोले हैं। सामने सत्रह सीढ़ियाँ हैं, और सीढ़ियाँ चढ़ने के बाद एक कमरा है। अगरबत्ती जल रही है। किसी ने जूते नहीं पहने हैं। उनके सिर मुंडे

हुए हैं। उनके गोल चेहरे और काली आँखें हैं। वे सांवली त्वचा वाले हैं। मैं वहाँ हूँ। मेरे पैर में चोट लगी है और मैं मदद के लिए वहाँ गई हूँ। मेरा पैर सूजा हुआ है; मैं उस पर पैर नहीं रख सकती। मेरे पैर में कुछ फंसा हुआ है। उन्होंने मेरे पैर पर कुछ पत्ते रखे... अजीब पत्ते... टैनिन? [टैनिन, या टैनिक एसिड, जो कई पौधों की जड़ों, लकड़ी, छाल, पत्तियों और फलों में प्राकृतिक रूप से पाया जाता है, अपने रक्तस्राव रोधी या कसैले गुणों के कारण प्राचीन काल से ही औषधि के रूप में उपयोग किया जाता रहा है।] पहले मेरे पैर को साफ किया गया। यह देवताओं के सामने एक अनुष्ठान है। मेरे पैर में कुछ जहर है। मैंने किसी चीज पर पैर रख दिया था। मेरा घुटना सूजा हुआ है। मेरा पैर भारी है और उस पर धारियाँ हैं [रक्त विषाक्तता?]। उन्होंने पैर में एक छेद किया और उस पर कुछ बहुत गर्म रखा।"

कैथरीन दर्द से तड़प रही थी। उसे एक बहुत ही कड़वा पेय पिलाया गया था, जिससे उसे उल्टी जैसा महसूस हो रहा था। यह पेय पीले पत्तों से बना था। वह ठीक तो हो गई, लेकिन उसके पैर और टांग की हड्डियाँ पहले जैसी नहीं रहीं। मैंने समय के साथ उसकी हालत देखी। उसने केवल एक निराशाजनक और गरीबी से भरी जिंदगी देखी। वह अपने परिवार के साथ एक छोटे से एक कमरे की झोपड़ी में रहती थी, जिसमें मेज भी नहीं थी। वे किसी तरह का चावल खाते थे, लेकिन हमेशा भूखे रहते थे। वह तेजी से बूढ़ी होती गई, गरीबी और भूख से कभी बाहर नहीं निकल पाई, और अंत में उसकी मृत्यु हो गई। मैं इंतजार करता रहा, लेकिन कैथरीन की कमजोरी साफ दिख रही थी। इससे पहले कि मैं उसे जगा पाता, उसने मुझे बताया कि रॉबर्ट जैरोड को मेरी मदद की जरूरत है। मुझे नहीं पता था कि रॉबर्ट जैरोड कौन था, या मैं उसकी मदद कैसे कर सकता था। अब उसका कोई अस्तित्व नहीं था।

समाधि से जागने के बाद, कैथरीन को अपने पिछले जन्म की यादों के कई विवरण फिर से याद आ गए। उसे मृत्यु के बाद के अनुभवों के बारे में कुछ भी याद नहीं था, मध्यवर्ती अवस्था के बारे में कुछ भी नहीं, गुरुओं के बारे में कुछ भी नहीं, और न ही उस अविश्वसनीय ज्ञान के बारे में जो उसे प्रकट हुआ था। मैंने उससे एक प्रश्न पूछा।

"कैथरीन, 'मास्टर्स' शब्द का तुम्हारे लिए क्या अर्थ है?" उसे लगा कि यह कोई गोल्फ प्रतियोगिता है! अब उसकी स्थिति में तेज़ी से सुधार हो रहा था, लेकिन पुनर्जन्म की अवधारणा को अपने धर्मशास्त्र में आत्मसात करने में उसे अभी भी कठिनाई हो रही थी। इसलिए, मैंने उसे अभी मास्टर्स के बारे में न बताने का फैसला किया। इसके अलावा, मुझे यह भी नहीं पता था कि किसी को यह कैसे बताया जाए कि वह एक अविश्वसनीय रूप से प्रतिभाशाली ट्रान्स मीडियम है जो मास्टर स्पिरिट्स से अद्भुत, अलौकिक ज्ञान प्राप्त कर सकती है।

कैथरीन मेरी पत्नी को अगले सत्र में शामिल होने देने के लिए सहमत हो गईं। कैरोल एक प्रशिक्षित और बेहद कुशल मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता हैं, और मैं इन अविश्वसनीय घटनाओं के बारे में उनकी राय जानना चाहता था। जब मैंने उन्हें बताया कि कैथरीन ने मेरे पिता और हमारे बेटे एडम के बारे में क्या कहा था, तो वह मदद करने के लिए उत्सुक हो गईं। कैथरीन जब बहुत धीरे-धीरे फुसफुसा रही थीं, तब मैंने उनके हर शब्द को नोट कर लिया, लेकिन गुरु बहुत तेज़ी से बोल रहे थे, इसलिए मैंने सब कुछ टेप पर रिकॉर्ड करने का फैसला किया।

एक सप्ताह बाद कैथरीन अपने अगले सेशन के लिए आई। उसकी हालत में लगातार सुधार हो रहा था, उसके डर और चिंताएँ कम हो रही थीं। उसकी चिकित्सकीय स्थिति में स्पष्ट सुधार हो रहा था, लेकिन मुझे अभी भी समझ नहीं आ रहा था कि वह इतनी बेहतर क्यों हो रही थी। उसे अरोंडा के रूप में डूबने, जोहान के रूप में गला काटे जाने, लुइसा के रूप में जलजनित महामारी का शिकार होने और अन्य भयानक दर्दनाक घटनाओं की याद थी। उसने गरीबी, गुलामी और परिवार के भीतर दुर्व्यवहार के कई जन्मों का अनुभव किया था या उन्हें फिर से

महसूस किया था। ये रोज़मर्रा के छोटे-छोटे आघातों के उदाहरण हैं जो हमारे मन पर गहरा प्रभाव डालते हैं। दोनों प्रकार के जन्मों की यादें उसके सुधार में योगदान दे सकती थीं। लेकिन एक और संभावना भी थी। क्या आध्यात्मिक अनुभव स्वयं सहायक हो सकता है? क्या यह ज्ञान कि मृत्यु वैसी नहीं है जैसी दिखती है, कल्याण की भावना और भय में कमी लाने में योगदान दे सकता है? क्या पूरी प्रक्रिया, न केवल यादें, उपचार का हिस्सा हो सकती है? कैथरीन की मानसिक शक्तियां बढ़ रही थीं और वह पहले से कहीं अधिक सहज ज्ञान प्राप्त कर रही थी। स्टुअर्ट के साथ उसकी कुछ समस्याएं अभी भी थीं, लेकिन अब वह उससे बेहतर तरीके से निपट पा रही थी। उसकी आंखें चमक रही थीं; उसकी त्वचा दमक रही थी। उसने बताया कि इस सप्ताह उसने एक अजीब सपना देखा था, लेकिन उसे उसका केवल एक अंश ही याद था। उसने सपने में देखा था कि एक मछली का लाल पंख उसके हाथ में धंसा हुआ है।

वह जल्दी और आसानी से सम्मोहन की अवस्था में चली गई और कुछ ही मिनटों में सम्मोहन की गहरी अवस्था में पहुंच गई।

“मुझे कुछ चट्टानें दिखाई दे रही हैं। मैं चट्टानों पर खड़ी होकर नीचे देख रही हूँ। मुझे जहाज़ों की तलाश करनी चाहिए—यही तो मुझे करना चाहिए... मैंने नीले रंग के कपड़े पहने हैं, नीले रंग की पैंट... छोटी पैंट और अजीब से जूते... काले जूते... और उनमें बकल लगे हैं। जूतों में बकल लगे हैं, बहुत ही अजीब जूते हैं... क्षितिज पर मुझे कोई जहाज़ नहीं दिख रहा।”

कैथरीन धीरे-धीरे फुसफुसा रही थी। मैंने उसे समय के साथ आगे बढ़ाते हुए उसके जीवन की अगली महत्वपूर्ण घटना की ओर ले गया।

“हम एले पी रहे हैं, स्टाउट एले। बहुत गहरा रंग है। बड़े-बड़े गिलास हैं। पुराने हैं, धातु के सहारे से जुड़े हुए हैं। इस जगह में बहुत बदबू आ रही है, और बहुत सारे लोग अंदर हैं। बहुत शोर है। सब लोग बातें कर रहे हैं, बहुत शोरगुल है।”

मैंने उससे पूछा कि क्या उसे किसी के द्वारा उसका नाम पुकारे जाने की आवाज सुनाई दे रही है।

“क्रिश्चियन... मेरा नाम क्रिश्चियन है।” वह फिर से एक पुरुष की तरह बोली। “हम बस एक तरह का मांस खा रहे हैं और बीयर पी रहे हैं। यह गहरे रंग की है और इसका स्वाद बहुत कड़वा है। इसमें नमक डाला गया है।”

उसे एक साल भी दिखाई नहीं दे रहा था। “वे युद्ध की बात कर रहे हैं, जहाजों द्वारा कुछ बंदरगाहों की नाकाबंदी की बात कर रहे हैं! लेकिन मुझे सुनाई नहीं दे रहा कि यह कहाँ हो रहा है। अगर वे चुप रहें, तो हम सुन सकते हैं, लेकिन हर कोई बात कर रहा है और शोर मचा रहा है।”

मैंने उससे पूछा कि वह कहाँ है। “हैमस्टेड... हैमस्टेड [उच्चारण के अनुसार वर्तनी]। यह वेल्स का एक बंदरगाह है। वे ब्रिटिश भाषा बोल रहे हैं।” वह आगे उस समय की बात बताने लगी जब क्रिश्चियन अपने जहाज पर था। “मुझे कुछ जलने की गंध आ रही है। यह बहुत भयानक गंध है। जलती हुई लकड़ी की, लेकिन कुछ और भी। यह नाक में जलन पैदा कर रही है... दूर कहीं आग लगी है, कोई जहाज, कोई पाल वाला जहाज। हम सामान लाद रहे हैं! हम बारूद से भरा कुछ लाद रहे हैं।” कैथरीन स्पष्ट रूप से घबरा रही थी।

“इसमें बारूद है, एकदम काला। यह हाथों से चिपक जाता है। आपको जल्दी से हिलना-डुलना होगा। जहाज पर हरा झंडा लगा है। झंडा गहरा है... यह हरे और पीले रंग का झंडा है। इस पर तीन बिंदुओं वाला एक मुकुट जैसा चिन्ह बना है।”

अचानक कैथरीन दर्द से कराह उठी। वह असहनीय पीड़ा से तड़प रही थी। "उह," वह कराहते हुए बोली, "मेरे हाथ में कितना दर्द है, मेरे हाथ में कितना दर्द है!"

मेरे हाथ में कोई धातु है, गर्म धातु। ये मुझे जला रही है! ओह! ओह!
मुझे सपने का वह अंश याद आ गया और अब मुझे उसके हाथ में धंसे लाल पंख का मतलब समझ आ गया। मैंने दर्द को दबाने की कोशिश की, लेकिन वह फिर भी कराह रही थी।
“ये टुकड़े धातु के हैं... जिस जहाज पर हम सवार थे, वह नष्ट हो गया... बंदरगाह वाला हिस्सा। आग पर काबू पा लिया गया है। कई लोग मारे गए हैं... बहुत सारे लोग। मैं बच गई... बस मेरे हाथ में चोट लगी है, लेकिन समय के साथ ठीक हो जाएगी।” मैंने उसे समय में आगे ले जाकर अगली महत्वपूर्ण घटना चुनने का मौका दिया।
मुझे कोई प्रिंटिंग प्रेस दिखाई दे रही है, जहाँ ब्लॉक और स्याही से कुछ छप रहा है। वे किताबें छाप रहे हैं और उनकी जिल्दें बाँध रहे हैं... किताबों के चमड़े के कवर हैं और उन्हें चमड़े की डोरियों से बाँधा गया है। मुझे एक लाल किताब दिखाई दे रही है... यह इतिहास से संबंधित कुछ है। मैं शीर्षक नहीं देख पा रहा हूँ; छपाई अभी पूरी नहीं हुई है। किताबें बहुत सुंदर हैं। उनके कवर कितने चिकने हैं, चमड़े के। वे अद्भुत किताबें हैं; वे आपको ज्ञान देती हैं।
स्पष्ट रूप से क्रिश्चियन को किताबें देखना और छूना अच्छा लगता था, और उसे इस तरह सीखने की संभावनाओं का हल्का-फुल्का एहसास भी था। हालाँकि, वह काफी हद तक अशिक्षित प्रतीत होता था। मैंने क्रिश्चियन के जीवन के अंतिम दिन तक की कहानी सुनाई।
“मुझे नदी पर एक पुल दिखाई दे रहा है। मैं एक बूढ़ा आदमी हूँ... बहुत बूढ़ा। चलना मुश्किल है। मैं पुल पार कर रहा हूँ... दूसरी तरफ... मुझे सीने में दर्द हो रहा है—दबाव, भयानक दबाव—सीने में दर्द! ओह!” कैथरीन के मुँह से घरघराहट की आवाज़ें निकल रही थीं, मानो उसे भी वही दिल का दौरा पड़ रहा हो जो क्रिश्चियन को पुल पर पड़ा था। उसकी साँसें तेज़ और उथली थीं; उसका चेहरा और गर्दन पसीने से भीगे हुए थे। उसे खाँसी आने लगी और साँस लेने में तकलीफ़ होने लगी। मैं चिंतित था। क्या पिछले जन्म के दिल के दौरे को दोबारा अनुभव करना खतरनाक था? यह एक नया अनुभव था; किसी को भी जवाब नहीं पता था।
आखिरकार, क्रिश्चियन की मृत्यु हो गई। कैथरीन अब सोफे पर शांति से लेटी हुई थी, गहरी और नियमित साँसें ले रही थी। मैंने राहत की गहरी साँस ली।
“मैं आज़ाद महसूस कर रही हूँ... आज़ाद,” कैथरीन ने धीरे से फुसफुसाया। “मैं बस अँधेरे में तैर रही हूँ... बस तैर रही हूँ। चारों ओर एक रोशनी है... और आत्माएँ, दूसरे लोग।”
मैंने उनसे पूछा कि क्या उनके मन में उस जीवन के बारे में कोई विचार हैं जो अभी-अभी समाप्त हुआ है, एक ईसाई के रूप में उनका जीवन।
मुझे और अधिक क्षमाशील होना चाहिए था, लेकिन मैं नहीं थी। मैंने उन गलतियों को माफ नहीं किया जो लोगों ने मेरे साथ की थीं, जबकि मुझे करना चाहिए था। मैंने उन गलतियों को माफ नहीं किया। मैंने उन्हें अपने भीतर दबाए रखा, और कई वर्षों तक उन्हें अपने अंदर संजोए रखा... मुझे आंखें दिखाई देती हैं... आंखें।”
“आँखें?” मैंने स्पर्श महसूस करते हुए दोहराया। “किस तरह की आँखें?”
“सर्वशक्तिमान आत्माओं की निगाहें,” कैथरीन ने फुसफुसाते हुए कहा, “लेकिन मुझे इंतजार करना होगा। मुझे कुछ बातों पर विचार करना है।” कुछ मिनट तनावपूर्ण सन्नाटे में बीत गए। मैंने लंबे समय से चली आ रही चुप्पी को तोड़ते हुए उम्मीद भरी निगाहों से पूछा, "आपको कैसे पता चलेगा कि वे तैयार हैं?"
“वे मुझे बुलाएँगे,” उसने उत्तर दिया। कुछ और मिनट बीत गए। फिर अचानक, उसका सिर इधर-उधर लुढ़कने लगा, और उसकी कर्कश और दृढ़ आवाज ने इस बदलाव का संकेत दिया।
“इस आयाम में अनेक आत्माएँ हैं। मैं अकेली नहीं हूँ। हमें धैर्य रखना चाहिए। यह बात मैंने भी कभी नहीं सीखी... अनेक आयाम हैं...” मैंने उससे पूछा कि क्या वह पहले भी यहाँ आ चुकी है, क्या उसका कई बार पुनर्जन्म हुआ है।

“मैं अलग-अलग समय पर अलग-अलग स्तरों पर जा चुकी हूँ। हर स्तर चेतना की एक उच्चतर अवस्था है। हम किस स्तर पर जाते हैं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हमने कितनी प्रगति की है...” वह फिर चुप हो गई। मैंने उससे पूछा कि प्रगति करने के लिए उसे कौन से सबक सीखने पड़े। उसने तुरंत जवाब दिया।

हमें अपना ज्ञान दूसरों के साथ साझा करना चाहिए। हम सभी में उन क्षमताओं की भरमार है जिनका हम उपयोग नहीं करते। कुछ लोग इसे दूसरों से जल्दी जान लेते हैं। इस अवस्था में आने से पहले ही आपको अपनी बुरी आदतों पर काबू पा लेना चाहिए। अगर आप ऐसा नहीं करते, तो आप उन्हें अपने साथ अगले जन्म में ले जाते हैं। केवल हम ही अपने आप को उन बुरी आदतों से मुक्त कर सकते हैं जो हम शारीरिक अवस्था में रहते हुए अपना लेते हैं। गुरु हमारे लिए ऐसा नहीं कर सकते। अगर आप उनसे लड़ने का विकल्प चुनते हैं और उनसे छुटकारा नहीं पाते, तो आप उन्हें अगले जन्म में ले जाते हैं। और जब आप यह तय कर लेते हैं कि आप बाहरी समस्याओं पर काबू पाने के लिए पर्याप्त रूप से सक्षम हैं, तभी अगले जन्म में वे समस्याएं आपके साथ नहीं रहेंगी।

हमें यह भी सीखना होगा कि हमें केवल उन्हीं लोगों के पास नहीं जाना चाहिए जिनकी ऊर्जा हमारे जैसी हो। यह स्वाभाविक है कि हम अपने समान ऊर्जा स्तर वाले व्यक्ति की ओर आकर्षित हों। लेकिन यह गलत है। हमें उन लोगों के पास भी जाना चाहिए जिनकी ऊर्जा आपसे भिन्न हो। इन लोगों की मदद करने में यही महत्व है।

हमें सहज शक्तियां दी गई हैं जिनका हमें पालन करना चाहिए, न कि उनका विरोध करना चाहिए। जो विरोध करेंगे उन्हें खतरे का सामना करना पड़ेगा। हम प्रत्येक लोक से समान शक्तियों के साथ वापस नहीं भेजे जाते। हममें से कुछ के पास दूसरों की तुलना में अधिक शक्तियां होती हैं, क्योंकि वे हमें अन्य समयों से प्राप्त हुई हैं। इस प्रकार सभी मनुष्य समान रूप से सृजित नहीं हुए हैं। लेकिन अंततः हम एक ऐसे बिंदु पर पहुंचेंगे जहां हम सभी समान होंगे।

कैथरीन रुक गई। मैं जानती थी कि ये विचार उसके नहीं थे। उसे भौतिकी या तत्वमीमांसा का कोई ज्ञान नहीं था; उसे तलों, आयामों और कंपनों के बारे में कुछ भी नहीं पता था। लेकिन इन सबसे परे, शब्दों और विचारों की सुंदरता, इन कथनों के दार्शनिक निहितार्थ—ये सब कैथरीन की समझ से परे थे। उसने पहले कभी इतने संक्षिप्त, काव्यात्मक ढंग से बात नहीं की थी। मैं महसूस कर सकती थी कि कोई दूसरी, उच्चतर शक्ति उसके मन और स्वरयंत्रों से जूझ रही थी ताकि इन विचारों को शब्दों में ढाल सके, ताकि मैं समझ सकूँ। नहीं, यह कैथरीन नहीं थी।

उसकी आवाज में एक स्वप्निल सा एहसास था।

“जो लोग कोमा में हैं... वे एक तरह से निलंबित अवस्था में हैं। वे अभी दूसरे लोक में जाने के लिए तैयार नहीं हैं... जब तक कि वे यह तय नहीं कर लेते कि वे जाना चाहते हैं या नहीं। यह निर्णय केवल वे ही ले सकते हैं। यदि उन्हें लगता है कि शारीरिक रूप से उनमें सीखने की क्षमता और नहीं बची है... तो उन्हें जाने की अनुमति है। लेकिन यदि उनमें और सीखने की क्षमता है, तो उन्हें वापस आना होगा, भले ही वे न चाहें।”

इसलिए कोमा में पड़े लोग यह तय कर सकते हैं कि वे वापस लौटना चाहते हैं या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उन्हें भौतिक अवस्था में कितना ज्ञान प्राप्त करना बाकी है। यदि उन्हें लगता है कि अब और कुछ सीखने को नहीं है, तो वे आधुनिक चिकित्सा के बावजूद सीधे आध्यात्मिक अवस्था में जा सकते हैं। यह जानकारी मृत्यु के निकट के अनुभवों पर प्रकाशित हो रहे शोध और कुछ लोगों द्वारा वापस लौटने के कारणों से अच्छी तरह मेल खाती है। दूसरों को यह विकल्प नहीं दिया गया; उन्हें लौटना ही पड़ा क्योंकि उन्हें और भी बहुत कुछ

सीखना था। बेशक, मृत्यु के निकट के अनुभवों के बारे में साक्षात्कार किए गए सभी लोग अपने शरीर में वापस लौट आए। उनकी कहानियों में एक उल्लेखनीय समानता है। वे अपने शरीर से अलग हो जाते हैं और अपने शरीर के ऊपर से पुनर्जीवन के प्रयासों को "देखते" हैं। अंततः उन्हें दूर से एक तेज रोशनी या एक चमकती हुई "आध्यात्मिक" आकृति दिखाई देती है, कभी-कभी किसी सुरंग के अंत में। उन्हें कोई दर्द महसूस नहीं होता। जैसे ही उन्हें एहसास होता है कि पृथ्वी पर उनके कार्य अभी पूरे नहीं हुए हैं और उन्हें अपने शरीर में वापस लौटना होगा, वे तुरंत अपने शरीर से जुड़ जाते हैं और एक बार फिर दर्द और अन्य शारीरिक संवेदनाओं से अवगत हो जाते हैं।

मेरे पास कई ऐसे मरीज़ आए हैं जिन्हें मृत्यु के निकट का अनुभव हुआ है। सबसे दिलचस्प मामला एक सफल दक्षिण अमेरिकी व्यवसायी का था, जिनसे कैथरीन का इलाज समाप्त होने के लगभग दो साल बाद मैंने कई सत्रों में पारंपरिक मनोचिकित्सा करवाई थी। जैकब 1975 में हॉलैंड में एक मोटरसाइकिल से टकराकर बेहोश हो गए थे, उस समय उनकी उम्र तीस के आसपास थी। उन्हें याद है कि वे अपने शरीर के ऊपर तैर रहे थे और दुर्घटनास्थल को देख रहे थे, एम्बुलेंस, उनकी चोटों का इलाज कर रहे डॉक्टर और वहाँ जमा भीड़ को देख रहे थे। उन्हें दूर एक सुनहरी रोशनी दिखाई दी और जैसे ही वे उसके पास पहुँचे, उन्होंने भूरे रंग का वस्त्र पहने एक भिक्षु को देखा। भिक्षु ने जैकब से कहा कि यह उनका मृत्यु का समय नहीं है, उन्हें अपने शरीर में वापस लौटना होगा। जैकब ने भिक्षु के ज्ञान और शक्ति को महसूस किया, जिन्होंने जैकब के जीवन की कई भावी घटनाओं के बारे में भी बताया, जो बाद में घटित हुईं। जैकब को अचानक अपने शरीर में वापस लाया गया, जो अब अस्पताल के बिस्तर पर था, उन्हें होश आया और पहली बार उन्हें असहनीय दर्द का एहसास हुआ।

1980 में, इज़राइल की यात्रा के दौरान, यहूदी जैकब ने हेब्रोन में स्थित पैट्रिआर्क की गुफा का दौरा किया, जो यहूदियों और मुसलमानों दोनों के लिए एक पवित्र स्थल है। हॉलैंड में अपने अनुभव के बाद, वह अधिक धार्मिक हो गए थे और अधिक बार प्रार्थना करने लगे थे। उन्होंने पास की मस्जिद देखी और वहाँ मुसलमानों के साथ प्रार्थना करने बैठ गए। थोड़ी देर बाद, वह जाने के लिए उठे। एक बूढ़ा मुस्लिम व्यक्ति उनके पास आया और बोला, “आप दूसरों से अलग हैं। वे बहुत कम ही हमारे साथ प्रार्थना करने बैठते हैं।” बूढ़ा व्यक्ति एक पल के लिए रुका, जैकब को ध्यान से देखने के बाद बोला, “आप भिक्षु से मिले हैं। उन्होंने जो कहा है उसे मत भूलना।” दुर्घटना के पाँच साल बाद और हज़ारों मील दूर, एक बूढ़े व्यक्ति को जैकब की भिक्षु से हुई मुलाकात के बारे में पता था, एक ऐसी मुलाकात जो तब हुई थी जब जैकब बेहोश थे।

दफ्तर में, कैथरीन के हालिया खुलासों पर विचार करते हुए, मैं सोच रहा था कि हमारे संस्थापक पिता इस बात पर क्या सोचते कि सभी मनुष्य समान नहीं हैं। लोग जन्म से ही प्रतिभाओं, क्षमताओं और शक्तियों के साथ पैदा होते हैं जो उन्हें पिछले जन्मों से प्राप्त होती हैं। "लेकिन अंततः हम एक ऐसे मुकाम पर पहुंचेंगे जहां हम सभी समान होंगे।" मुझे संदेह था कि यह मुकाम कई जन्मों बाद आएगा।

मैंने युवा मोजार्ट और उनकी बचपन की अद्भुत प्रतिभाओं के बारे में सोचा। क्या यह भी उनकी पिछली क्षमताओं का ही परिणाम था? जाहिर है, हम अपनी क्षमताओं के साथ-साथ अपनी जिम्मेदारियों को भी आगे बढ़ाते हैं।

मैंने सोचा कि लोग अक्सर एक जैसे समूहों में इकट्ठा होते हैं, बाहरी लोगों से बचते हैं और अक्सर उनसे डरते हैं। यही पूर्वाग्रह और समूहगत नफरत की जड़ है। “हमें यह भी सीखना होगा कि सिर्फ उन्हीं लोगों के पास न जाएं जिनकी भावनाएं हमसे मिलती-जुलती हों।” इन

दूसरे लोगों की मदद करें। मुझे उनके शब्दों में आध्यात्मिक सत्य का अनुभव हुआ।
“मुझे वापस आना ही होगा,” कैथरीन ने बोलना शुरू किया। “मुझे वापस आना ही होगा।”
लेकिन मैं और जानना चाहता था। मैंने उससे पूछा कि रॉबर्ट जैरोड कौन है। उसने पिछले सत्र में उसका नाम लिया था और कहा था कि उसे मेरी मदद की ज़रूरत है।
“मुझे नहीं पता... हो सकता है वो किसी और दुनिया में हो, इस दुनिया में नहीं।” जाहिर तौर पर वो उसे ढूंढ नहीं पा रही थी। “जब वो चाहेगा, जब वो मेरे पास आने का फैसला करेगा,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “वो मुझे संदेश भेजेगा। उसे तुम्हारी मदद की ज़रूरत है।”
मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा था कि मैं कैसे मदद कर सकता हूँ।
“मुझे नहीं पता,” कैथरीन ने जवाब दिया। “लेकिन सीखने की ज़िम्मेदारी तुम्हारी है, मेरी नहीं।”
यह दिलचस्प था। क्या यह सामग्री मेरे लिए थी? या मुझे रॉबर्ट जारोड की मदद करने के लिए सीखना था? हमें उनसे कभी कोई खबर नहीं मिली।
“मुझे वापस जाना होगा,” उसने दोहराया। “मुझे पहले प्रकाश की ओर जाना होगा।”
अचानक वह घबरा गई। “ओह, ओह, मैंने बहुत देर कर दी... मेरी हिचकिचाहट की वजह से मुझे फिर से इंतजार करना पड़ेगा।” जब वह इंतजार कर रही थी, मैंने उससे पूछा कि वह क्या देख और महसूस कर रही है।
“बस दूसरी आत्माएँ, दूसरी रूहें। वे भी प्रतीक्षा कर रही हैं।” मैंने उनसे पूछा कि क्या प्रतीक्षा करते हुए हमें कुछ सिखाना है? “क्या आप हमें वह बता सकती हैं जो हमें जानना चाहिए?” मैंने पूछा।
“वे मुझे बताने के लिए यहाँ नहीं हैं,” उसने जवाब दिया। यह बात वाकई रोचक है। अगर गुरु उसे सुनने के लिए वहाँ मौजूद नहीं होते, तो कैथरीन स्वतंत्र रूप से यह ज्ञान प्राप्त नहीं कर सकती थी।
“यहाँ रहकर मैं बहुत बेचैन हूँ। मैं जाना चाहती हूँ... जब सही समय आएगा, मैं चली जाऊँगी।” फिर कुछ मिनट खामोशी से बीत गए। आखिरकार, समय आ ही गया होगा। वह एक नए जीवन में प्रवेश कर चुकी थी।
“मुझे सेब के पेड़ दिख रहे हैं... और एक घर, एक सफेद घर। मैं उस घर में रहती हूँ। सेब सड़े हुए हैं... कीड़े लगे हैं, खाने लायक नहीं हैं। वहाँ एक झूला है, पेड़ पर एक झूला।” मैंने उससे खुद को देखने को कहा।
“मेरे बाल हल्के सुनहरे हैं; मेरी उम्र पाँच साल है। मेरा नाम कैथरीन है।” मैं हैरान रह गई। वह अपने वर्तमान जीवन में आ गई थी; वह पाँच साल की कैथरीन थी। लेकिन वह यहाँ किसी कारण से ही तो है। “क्या वहाँ कुछ हुआ है, कैथरीन?”
“मेरे पिताजी हम पर गुस्सा हैं... क्योंकि हमें बाहर नहीं होना चाहिए। वो... वो मुझे डंडे से मार रहे हैं। डंडा बहुत भारी है; दर्द हो रहा है... मुझे डर लग रहा है।” वह बच्चों की तरह रोते हुए बोल रही थी। “जब तक हमें चोट न लग जाए, वो रुकेंगे नहीं। वो हमारे साथ ऐसा क्यों करते हैं? वो इतने निर्दयी क्यों हैं?” मैंने उससे कहा कि वह अपने जीवन को एक उच्चतर दृष्टिकोण से देखे और अपने सवालों के जवाब खुद ढूंढे। मैंने हाल ही में पढ़ा था कि लोग ऐसा कर पाते हैं। कुछ लेखकों ने इस दृष्टिकोण को व्यक्ति का उच्चतर स्व या महान स्व कहा है। मैं यह जानने के लिए उत्सुक थी कि क्या कैथरीन इस अवस्था तक पहुँच सकती है, यदि यह संभव है। यदि वह पहुँच सकती है, तो यह एक शक्तिशाली चिकित्सीय तकनीक होगी, अंतर्दृष्टि और समझ का एक आसान रास्ता।
“वह हमें कभी नहीं चाहता था,” उसने बहुत धीमी आवाज़ में फुसफुसाते हुए कहा। “उसे लगता है कि हम उसके जीवन में दखलंदाज़ी हैं... वह हमें नहीं चाहता।”

“तुम्हारा भाई भी?” मैंने पूछा।
“हाँ, मेरा भाई तो और भी ज्यादा। उन्होंने मेरे भाई के लिए कभी योजना नहीं बनाई थी। जब उसका गर्भ धारण हुआ तब उनकी शादी नहीं हुई थी।” यह जानकारी कैथरीन के लिए चौंकाने वाली साबित हुई। उसे शादी से पहले की गर्भावस्था के बारे में कभी पता नहीं था। बाद में उसकी माँ ने कैथरीन के खुलासे की सत्यता की पुष्टि की।
हालांकि कैथरीन अपने पूरे जीवन का वर्णन कर रही थी, फिर भी अब उसके जीवन के प्रति एक ऐसी बुद्धिमत्ता और दृष्टिकोण प्रकट हो रहा था जो पहले केवल मध्यवर्ती या आध्यात्मिक अवस्था तक ही सीमित था। किसी तरह उसके मन का एक "उच्चतर" भाग, एक प्रकार का अतिचेतन, जागृत हो गया था। शायद यही वह उच्चतर आत्मा थी जिसका वर्णन अन्य लोगों ने किया है। हालांकि वह गुरुओं और उनके अद्भुत ज्ञान से संपर्क में नहीं थी, फिर भी अपनी अतिचेतन अवस्था में उसके पास गहन अंतर्दृष्टि और जानकारी थी, जैसे कि उसके भाई का गर्भधारण। जागृत अवस्था में, सचेत कैथरीन कहीं अधिक चिंतित और सीमित, कहीं अधिक सरल और अपेक्षाकृत सतही थी। वह इस अतिचेतन अवस्था का उपयोग नहीं कर सकती थी। मैंने सोचा कि क्या पूर्वी और पश्चिमी धर्मों के पैगंबर और ऋषि, जिन्हें "साक्षात्कार प्राप्त" कहा जाता है, अपनी बुद्धि और ज्ञान प्राप्त करने के लिए इस अतिचेतन अवस्था का उपयोग कर सकते थे। यदि ऐसा है, तो हम सभी में ऐसा करने की क्षमता है, क्योंकि हम सभी में यह अतिचेतन अवस्था अवश्य ही होती है। मनोविश्लेषक कार्ल जंग चेतना के विभिन्न स्तरों से परिचित थे। उन्होंने सामूहिक अचेतन के बारे में लिखा, एक ऐसी अवस्था जो कैथरीन की अतिचेतन अवस्था से मिलती-जुलती है।
कैथरीन की सचेत, जागृत बुद्धि और उसकी सम्मोहन अवस्था की अतिचेतन मन के बीच की अथाह खाई से मैं लगातार निराश होता जा रहा था। सम्मोहन की अवस्था में, मैं उसके साथ अतिचेतन स्तर पर दिलचस्प दार्शनिक संवाद करता था। लेकिन जागृत अवस्था में, कैथरीन को दर्शन या उससे संबंधित विषयों में कोई रुचि नहीं थी। वह रोजमर्रा की छोटी-छोटी बातों की दुनिया में जीती थी, अपने भीतर छिपी प्रतिभा से बेखबर।
इसी बीच, उसके पिता उसे प्रताड़ित कर रहे थे, और इसके कारण स्पष्ट होते जा रहे थे। मैंने प्रश्नवाचक स्वर में कहा, "उन्हें अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।"
“हां... तो वह ऐसा करता है।”
मैंने उससे पूछा कि क्या वह जानती है कि उसे क्या सीखना है। “यह ज्ञान मुझे प्रकट नहीं होता।” उसका स्वर उदासीन और दूरीपूर्ण था। “मुझे वही प्रकट होता है जो मेरे लिए महत्वपूर्ण है, जो मुझे चिंतित करता है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वयं के बारे में सोचना चाहिए... स्वयं को पूर्ण बनाने के बारे में। हम सभी को सबक सीखने हैं... हममें से प्रत्येक को। इन्हें एक-एक करके... क्रम से सीखना होगा। तभी हम जान पाएंगे कि दूसरे व्यक्ति को क्या चाहिए, उसमें क्या कमी है या हममें क्या कमी है, ताकि हम पूर्ण हो सकें।” वह धीमी फुसफुसाहट में बोली, और उसकी फुसफुसाहट में प्रेमपूर्ण अलगाव का भाव था।
जब कैथरीन ने दोबारा बोलना शुरू किया, तो उसकी मासूम आवाज़ लौट आई थी। “वह मुझे बीमार कर रहा है! वह मुझे ये सब चीज़ें खिला रहा है जो मैं नहीं खाना चाहती। ये कुछ खाना है... सलाद पत्ता, प्याज, ऐसी चीज़ें जिनसे मुझे नफ़रत है। वह मुझे ये सब खिला रहा है, और उसे पता है कि मैं बीमार पड़ जाऊंगी। लेकिन उसे कोई परवाह नहीं!” कैथरीन को उल्टी आने लगी। वह हांफ रही थी। मैंने फिर से उसे सुझाव दिया कि वह इस स्थिति को एक बड़े नज़रिए से देखे, कि उसे समझना चाहिए कि उसके पिता ऐसा क्यों कर रहे हैं।
कैथरीन ने कर्कश फुसफुसाहट में कहा, “इससे उसके अंदर का कोई खालीपन तो भरता ही होगा। उसने जो किया, उसकी वजह से वह मुझसे नफरत करता है। वह उस बात के लिए

मुझसे नफरत करता है, और खुद से भी नफरत करता है।" मैं उसके साथ हुए यौन उत्पीड़न के बारे में लगभग भूल ही गई थी, जब वह तीन साल की थी। "तो वह मुझे सज़ा ज़रूर देगा... मैंने ज़रूर कुछ ऐसा किया होगा जिससे उसने ऐसा किया।" वह सिर्फ़ तीन साल की थी, और उसके पिता नशे में थे। फिर भी, वह तब से इस अपराधबोध को अपने भीतर गहराई से दबाए बैठी थी। मैंने उसे स्पष्ट बात समझा दी।

"तुम तो बस एक नन्हे बच्चे थे। अब तुम्हें इस अपराधबोध से खुद को मुक्त करना होगा। तुमने कुछ नहीं किया। एक तीन साल का बच्चा क्या कर सकता है? यह तुम नहीं थे; यह तुम्हारे पिता थे।"

"उस समय भी वह मुझसे नफरत करता होगा," उसने धीरे से फुसफुसाते हुए कहा। "मैं उसे पहले से जानती थी, लेकिन अब मुझे उस जानकारी का सहारा नहीं लेना। मुझे उस समय में वापस जाना होगा।" हालांकि कई घंटे बीत चुके थे, मैं उनके पुराने रिश्ते में वापस जाना चाहती थी। मैंने उसे विस्तार से निर्देश दिए।

"आप गहरी अवस्था में हैं। अभी मैं तीन से एक तक उल्टी गिनती शुरू करूँगा। आप और भी गहरी अवस्था में होंगे और पूरी तरह सुरक्षित महसूस करेंगे। आपका मन फिर से अतीत में जाने के लिए स्वतंत्र होगा, उस समय में जब आपके वर्तमान जीवन में आपके पिता से आपका संबंध शुरू हुआ था, उस समय में जिसका आपके बचपन में आपके और उनके बीच घटी घटनाओं पर सबसे गहरा प्रभाव पड़ा था। जब मैं 'एक' कहूँगा, तो आप उस जीवनकाल में वापस चले जाएँगे और उसे याद करेंगे। यह आपके उपचार के लिए महत्वपूर्ण है। आप ऐसा कर सकते हैं। तीन... दो... एक।" काफी देर तक सन्नाटा रहा।

"मुझे वो दिखाई नहीं दे रहा... लेकिन मुझे लोग मरते हुए दिख रहे हैं!" उसकी आवाज़ तेज़ और कर्कश हो गई। "हमें लोगों के जीवन को उनके कर्मों का फल भोगने से पहले ही समाप्त करने का कोई अधिकार नहीं है। और हम यही कर रहे हैं। हमें कोई अधिकार नहीं है। अगर हम उन्हें जीने देंगे तो उन्हें और भी भयानक दंड भुगतना पड़ेगा। जब वे मरकर दूसरे लोक में जाएंगे, तो उन्हें वहाँ कष्ट सहना पड़ेगा। वे बहुत बेचैन अवस्था में रहेंगे। उन्हें शांति नहीं मिलेगी। और उन्हें वापस भेजा जाएगा, लेकिन उनका जीवन बहुत कठिन होगा। और उन्हें उन लोगों के प्रति अपने अन्याय का प्रायश्चित करना होगा जिन्हें उन्होंने चोट पहुँचाई थी। वे इन लोगों के जीवन को समाप्त कर रहे हैं, और उन्हें ऐसा करने का कोई अधिकार नहीं है। केवल भगवान ही उन्हें दंडित कर सकते हैं, हम नहीं। उन्हें दंड मिलेगा।"

एक मिनट का सन्नाटा छा गया। "वे चले गए," उसने फुसफुसाते हुए कहा। सर्वशक्तिमान आत्माओं ने आज हमें एक और स्पष्ट संदेश दिया था। चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों, हमें हत्या नहीं करनी है। केवल ईश्वर ही दंड दे सकता है।

कैथरीन बहुत थकी हुई थी। मैंने उसके पिता से उसके पिछले जन्म के संबंध की खोज को स्थगित करने का फैसला किया और उसे समाधि से बाहर निकाला। उसे क्रिश्चियन और युवा कैथरीन के रूप में अपने जन्मों के अलावा कुछ भी याद नहीं था। वह थकी हुई थी, फिर भी शांत और तनावमुक्त थी, मानो उसके ऊपर से कोई भारी बोझ उतर गया हो। मेरी नज़रें कैरोल से मिलीं। हम भी थके हुए थे। हम ठंड से कांप रहे थे और पसीने से तरबतर थे, हर शब्द को ध्यान से सुन रहे थे। हमने एक अविश्वसनीय अनुभव साझा किया था।

अध्याय
छह

अब मैंने कैथरीन के साप्ताहिक सत्रों का समय दिन के अंत में निर्धारित किया, क्योंकि वे कई घंटों तक चलते थे। अगले सप्ताह जब वह आई तो उसके चेहरे पर वही शांत भाव था। उसने अपने पिता से फोन पर बात की थी। उन्हें कोई विवरण दिए बिना, उसने अपने तरीके से उन्हें माफ कर दिया था। मैंने उसे इतना शांत पहले कभी नहीं देखा था। मैं उसकी प्रगति की गति देखकर चकित रह गया। इतने पुराने, गहरे बैठे तनाव और भय से पीड़ित किसी मरीज का इतनी तेजी से ठीक होना दुर्लभ था। लेकिन फिर, ज़ाहिर है, कैथरीन कोई साधारण मरीज नहीं थी, और उसकी चिकित्सा का तरीका निश्चित रूप से अनोखा था।

“मुझे किसी शेल्फ पर एक चीनी मिट्टी की गुड़िया बैठी हुई दिख रही है।” वह अचानक गहरी समाधि में चली गई। “अग्निगृह के दोनों ओर किताबें रखी हैं। यह किसी घर का एक कमरा है। गुड़िया के बगल में मोमबत्तियाँ रखी हैं। और एक चित्र... चेहरे का, एक आदमी के चेहरे का। यह वही है...” वह कमरे का जायजा ले रही थी। मैंने उससे पूछा कि वह क्या देख रही है।

“फर्श पर किसी तरह की परत बिछी है। यह रोएँदार है, जैसे... हाँ, यह किसी जानवर की खाल है... फर्श पर किसी जानवर की खाल की परत बिछी है। दाईं ओर दो कांच के दरवाजे हैं... जो बरामदे की ओर खुलते हैं। घर के सामने चार सीढ़ियाँ हैं—चार खंभे—जो नीचे की ओर जाती हैं। ये एक रास्ते की ओर खुलती हैं। चारों ओर बड़े-बड़े पेड़ हैं... बाहर कुछ घोड़े हैं। घोड़ों को लगाम से बांधा गया है... जो सामने लगे कुछ खंभों से बंधे हैं।”

“क्या आपको पता है यह कहाँ है?” मैंने पूछा। कैथरीन ने गहरी सांस ली।

“मुझे कोई नाम तो नहीं दिख रहा,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “पर साल तो कहीं न कहीं होगा। अठारहवीं सदी है, पर मुझे याद नहीं आ रहा... यहाँ पेड़ हैं और पीले फूल हैं, बहुत सुंदर पीले फूल।” वह इन फूलों में खोई हुई थी। “इनकी खुशबू लाजवाब है; मीठी खुशबू है इन फूलों की... अजीब फूल, बड़े फूल... पीले फूल जिनके बीच में काला रंग है।” वह फूलों के बीच रुक गई। मुझे दक्षिणी फ्रांस में सूरजमुखी के खेत की याद आ गई। मैंने उससे वहाँ के मौसम के बारे में पूछा।

“मौसम बहुत सुहावना है, पर हवा नहीं चल रही। न ज़्यादा गर्मी है न ज़्यादा ठंड।” हमें जगह का पता लगाने में कोई तरक्की नहीं हो रही थी। मैं उसे वापस घर के अंदर ले गई, उन मनमोहक पीले फूलों से दूर, और मैंने उससे पूछा कि मेंटलपीस के ऊपर किसका चित्र लगा है।

“मैं नहीं कर सकती... मुझे बार-बार आरोन का नाम सुनाई दे रहा है... उसका नाम आरोन है।” मैंने पूछा कि क्या वह घर का मालिक है। “नहीं, उसका बेटा है। मैं वहाँ काम करती हूँ।” एक बार फिर उसे नौकरानी के रूप में चित्रित किया गया। वह क्लियोपेट्रा या नेपोलियन के दर्जे के आस-पास भी नहीं पहुँच पाई थी। पुनर्जन्म पर संदेह करने वाले, जिनमें पिछले दो महीनों तक मेरा वैज्ञानिक रूप से प्रशिक्षित मन भी शामिल था, अक्सर प्रसिद्ध व्यक्तियों के रूप में पुनर्जन्म की अपेक्षा से कहीं अधिक आवृत्ति की ओर इशारा करते हैं। अब मैं खुद को एक ऐसी असामान्य स्थिति में पा रही थी जहाँ मेरे मनोचिकित्सा विभाग के कार्यालय में पुनर्जन्म वैज्ञानिक रूप से सही साबित हो रहा था। और पुनर्जन्म से कहीं अधिक बातें सामने आ रही थीं।

“मेरा पैर बहुत...” कैथरीन ने आगे कहा, “बहुत भारी है। दर्द हो रहा है। ऐसा लग रहा है जैसे पैर है ही नहीं... मेरे पैर में चोट लगी है। घोड़ों ने मुझे लात मारी।” मैंने उससे कहा कि वह खुद को देखे।

“मेरे बाल भूरे हैं, घुंघराले भूरे बाल। मैंने एक तरह की टोपी पहनी है, शायद सफेद टोपी... एक नीली पोशाक जिसके ऊपर एक एप्रन है। मैं जवान हूँ, पर बच्ची नहीं। लेकिन मेरे पैर में दर्द हो रहा है। अभी-अभी हुआ। बहुत दर्द हो रहा है।” वह साफ तौर पर बहुत दर्द में थी।
“जूता... जूता। उसने मुझे अपने जूते से लात मारी। वह बहुत ही दुष्ट घोड़ा है।” दर्द कम होते ही उसकी आवाज धीमी हो गई। “मुझे खलिहान में घास और चारे की खुशबू आ रही है। अस्तबल में दूसरे लोग काम कर रहे हैं।” मैंने उससे उसके काम के बारे में पूछा।
“मैं बड़े घर में सेवा करने के लिए ज़िम्मेदार था... गायों का दूध दुहने में भी मेरा कुछ हाथ था।” मैं मालिकों के बारे में और जानना चाहता था।
“पत्नी थोड़ी मोटी और बेहद भद्दी दिखती है। और दो बेटियाँ हैं... मैं उन्हें नहीं जानती,” उन्होंने मेरे अगले प्रश्न का अनुमान लगाते हुए कहा कि क्या कैथरीन के वर्तमान जीवनकाल में उनकी कोई संतान हुई है। मैंने अठारहवीं शताब्दी में उनके अपने परिवार के बारे में पूछताछ की।
“मुझे नहीं पता; मुझे वे दिखाई नहीं देते। मुझे अपने साथ कोई नहीं दिखता।” मैंने पूछा कि क्या वह वहाँ रहती है। “हाँ, मैं यहाँ रहती थी, लेकिन मुख्य घर में नहीं। बहुत छोटा है... घर हमें दिया गया है। मुर्गियाँ हैं। हम अंडे इकट्ठा करते हैं। वे भूरे अंडे हैं। मेरा घर बहुत छोटा है... और सफेद... एक कमरा है। मुझे एक आदमी दिखाई देता है। मैं उसके साथ रहती हूँ। उसके बाल बहुत घुंघराले हैं और आँखें नीली हैं।” मैंने पूछा कि क्या वे शादीशुदा हैं।
“उनकी विवाह संबंधी समझ नहीं, नहीं।” क्या उनका जन्म वहीं हुआ था? “नहीं, मुझे बहुत छोटी उम्र में ही उस जागीर में लाया गया था। मेरा परिवार बहुत गरीब था।” उनका साथी उन्हें जाना-पहचाना नहीं लगा। मैंने उन्हें उस जीवनकाल की अगली महत्वपूर्ण घटना की ओर बढ़ने का निर्देश दिया।
मुझे कुछ सफेद दिख रहा है... सफेद जिस पर कई रिबन लगे हैं। टोपी होगी। किसी तरह की बोनट, जिस पर पंख और सफेद रिबन लगे हों।"
“टोपी किसने पहनी है? क्या यह—” उसने मेरी बात बीच में ही काट दी।
“ज़ाहिर है, घर की मालकिन की शादी है।” मुझे थोड़ी शर्मिंदगी महसूस हुई। “उनकी एक बेटी की शादी है। पूरी जागीर ने जश्न मनाया।” मैंने पूछा कि क्या अखबार में शादी के बारे में कुछ छपा है। अगर छपा होता, तो मैं उनसे तारीख देखने को कहती।
“नहीं, मुझे नहीं लगता कि वहाँ अखबार होंगे। मुझे ऐसा कुछ भी नहीं दिख रहा।” इस जीवन में दस्तावेज़ मिलना मुश्किल साबित हो रहा था। “क्या आप खुद को शादी में देखती हैं?” मैंने पूछा। उसने जल्दी से, धीमी आवाज़ में जवाब दिया।
“हम शादी में मौजूद नहीं हैं। हम सिर्फ लोगों को आते-जाते देख सकते हैं। नौकरों को अंदर जाने की अनुमति नहीं है।”
"आप क्या महसूस कर रहे हो?"
"नफरत।"
“क्यों? क्या वे आपके साथ बुरा बर्ताव करते हैं?”
“क्योंकि हम गरीब हैं,” उसने धीमी आवाज़ में उत्तर दिया, “और हम उनसे बंधे हुए हैं। और उनके पास जो कुछ है, उसकी तुलना में हमारे पास बहुत कम है।”
“क्या आपको कभी इस संपत्ति को छोड़ने का मौका मिलता है? या आप अपना पूरा जीवन यहीं बिताते हैं?”
उसने उदास स्वर में उत्तर दिया, “मैंने अपना जीवन वहीं बिताया।” मैं उसकी उदासी को महसूस कर सकता था। उसका जीवन कठिन और निराशा से भरा था। मैंने उसकी मृत्यु के दिन तक की कहानी सुनाई।

“मुझे एक घर दिखाई देता है। मैं बिस्तर पर लेटी हुई हूँ। वे मुझे कुछ पीने को दे रहे हैं, कुछ गर्म। उसमें पुदीने जैसी खुशबू आ रही है। मेरा सीना बहुत भारी है। साँस लेने में कठिनाई हो रही है... मेरे सीने और पीठ में दर्द है... बहुत तेज दर्द है... बात करना मुश्किल है।” वह बहुत दर्द में थी और उसकी साँसें तेज़ और उथली चल रही थीं। कुछ मिनटों की पीड़ा के बाद, उसका चेहरा नरम पड़ गया और शरीर आराम महसूस करने लगा। उसकी साँसें सामान्य हो गईं।
“मैंने अपना शरीर त्याग दिया है।” उसकी आवाज़ तेज़ और भारी हो गई। “मुझे एक अद्भुत प्रकाश दिखाई दे रहा है... लोग मेरी ओर आ रहे हैं। वे मेरी मदद करने आ रहे हैं। अद्भुत लोग। वे भयभीत नहीं हैं... मुझे बहुत हल्कापन महसूस हो रहा है...।” कुछ देर का विराम रहा।
"क्या आपके मन में उस जीवन के बारे में कोई विचार हैं जिसे आपने अभी-अभी पीछे छोड़ा है?"
“वो तो बाद की बात है। अभी तो बस शांति का अनुभव हो रहा है। यह सुकून का समय है। सबको सुकून मिलना चाहिए। आत्मा... आत्मा को यहाँ शांति मिलती है। आप अपने सारे शारीरिक कष्टों को पीछे छोड़ देते हैं। आपकी आत्मा शांत और निर्मल हो जाती है। यह एक अद्भुत एहसास है... अद्भुत, जैसे सूरज हमेशा आप पर चमक रहा हो। प्रकाश कितना चमकीला है! सब कुछ प्रकाश से ही आता है! ऊर्जा इसी प्रकाश से आती है। हमारी आत्मा तुरंत वहाँ पहुँच जाती है। यह लगभग एक चुंबकीय शक्ति की तरह है जिसकी ओर हम आकर्षित होते हैं। यह अद्भुत है। यह एक शक्ति स्रोत की तरह है। यह उपचार करना जानता है।”
क्या इसका कोई रंग है?
“इसमें कई रंग हैं।” वह थोड़ी देर रुकी, इस रोशनी में विश्राम करती हुई।
मैंने पूछा, "आप क्या अनुभव कर रहे हैं?"
“कुछ नहीं... बस शांति। आप अपने दोस्तों के बीच हैं। वे सब यहीं हैं। मुझे बहुत से लोग दिख रहे हैं। कुछ जाने-पहचाने हैं; कुछ नहीं। लेकिन हम सब यहीं हैं, इंतज़ार कर रहे हैं।” मिनट धीरे-धीरे बीतते गए और वह इंतज़ार करती रही। मैंने गति बढ़ाने का फैसला किया।
मुझे एक सवाल पूछना है।
“किसके बारे में?” कैथरीन ने पूछा।
“कोई तो हो—आप या गुरुजी?” मैंने हिचकिचाते हुए कहा। “मुझे लगता है कि इसे समझने से हमें मदद मिलेगी। सवाल यह है: क्या हम अपने जन्म और मृत्यु का समय और तरीका खुद चुनते हैं? क्या हम अपनी परिस्थितियाँ चुन सकते हैं? क्या हम अपने अंत का समय दोबारा चुन सकते हैं? मुझे लगता है कि इसे समझने से आपके कई डर कम हो जाएँगे। क्या यहाँ कोई है जो इस सवाल का जवाब दे सके?” कमरा ठंडा सा लग रहा था। जब कैथरीन ने दोबारा बोलना शुरू किया, तो उसकी आवाज़ गहरी और गूंजदार थी। मैंने ऐसी आवाज़ पहले कभी नहीं सुनी थी। यह एक कवि की आवाज़ थी।
“हाँ, हम ही चुनते हैं कि हम कब शारीरिक रूप धारण करेंगे और कब इस दुनिया से विदा होंगे। हम जानते हैं कि हमने वह कार्य कब पूरा कर लिया है जिसके लिए हमें यहाँ भेजा गया था। हम जानते हैं कि कब समय समाप्त हो गया है, और आप अपनी मृत्यु को स्वीकार करेंगे।”
क्योंकि आप जानते हैं कि इस जीवन से आपको इससे अधिक कुछ नहीं मिल सकता। जब आपके पास समय हो, जब आपको विश्राम करने और अपनी आत्मा को पुनः ऊर्जावान बनाने का समय मिल जाए, तब आपको भौतिक अवस्था में पुनः प्रवेश करने का विकल्प मिलेगा।

जो लोग संकोच करते हैं, जो यहाँ लौटने को लेकर आश्वस्त नहीं हैं, वे उस अवसर को खो सकते हैं जो उन्हें दिया गया था, भौतिक अवस्था में रहते हुए अपने कर्तव्य को पूरा करने का अवसर।
मुझे तुरंत और पूरी तरह से पता चल गया कि यह कैथरीन नहीं बोल रही थी। "मुझसे कौन बात कर रहा है?" मैंने विनती की; "कौन बोल रहा है?"
कैथरीन ने अपनी जानी-पहचानी धीमी आवाज़ में जवाब दिया, "मुझे नहीं पता। किसी बहुत ही... किसी ऐसे व्यक्ति की आवाज़ जो सब कुछ नियंत्रित करता है, लेकिन मैं नहीं जानती कि वह कौन है। मैं केवल उसकी आवाज़ सुन सकती हूँ और कोशिश कर सकती हूँ कि वह क्या कह रहा है।"
वह यह भी जानती थी कि यह ज्ञान स्वयं से नहीं आ रहा था, न ही अवचेतन मन से, न ही अचेतन मन से। यहाँ तक कि उसके अतिचेतन मन से भी नहीं। वह किसी विशेष व्यक्ति के शब्दों या विचारों को सुन रही थी, और फिर उन्हें मुझ तक पहुँचा रही थी, किसी ऐसे व्यक्ति से जो "चीजों को नियंत्रित करता है"। इस प्रकार एक नए गुरु का आगमन हुआ, जो उस एक या अनेक गुरुओं से भिन्न थे जिनसे पहले ज्ञान से भरे संदेश आए थे। यह एक नई आत्मा थी, जिसकी एक विशिष्ट वाणी और शैली थी, काव्यात्मक और शांत। यह एक ऐसे गुरु थे जो मृत्यु के बारे में बिना किसी संकोच के बोलते थे, फिर भी उनकी वाणी और विचार प्रेम से ओतप्रोत थे। प्रेम गर्मजोशी और वास्तविकता से भरा हुआ था, फिर भी अनासक्त और सार्वभौमिक था। यह आनंदमय था, फिर भी घुटन भरा, भावुक या बंधनकारी नहीं था। इसने प्रेममय अनासक्ति या अनासक्त प्रेममयी करुणा का भाव व्यक्त किया, और यह दूर से परिचित सा प्रतीत हुआ।
कैथरीन की फुसफुसाहट तेज होती गई। "मुझे इन लोगों पर बिल्कुल भरोसा नहीं है।"
मैंने पूछा, "किन लोगों में विश्वास नहीं है?"
"मास्टर्स में।"
“कोई आस्था नहीं?”
“नहीं, मुझमें आस्था की कमी थी। इसीलिए मेरा जीवन इतना कठिन रहा। उस जन्म में मुझमें आस्था नहीं थी।” वह शांत भाव से अपने अठारहवीं सदी के जीवन का मूल्यांकन कर रही थी। मैंने उससे पूछा कि उसने उस जन्म में क्या सीखा।
“मैंने क्रोध और आक्रोश के बारे में सीखा, लोगों के प्रति अपनी भावनाओं को मन में दबाकर रखने के बारे में सीखा। मुझे यह भी सीखना पड़ा कि मेरे जीवन पर मेरा कोई नियंत्रण नहीं है। मैं नियंत्रण चाहती हूँ, लेकिन मेरे पास कोई नियंत्रण नहीं है। मुझे गुरुओं पर विश्वास रखना होगा। वे मेरा मार्गदर्शन करेंगे। लेकिन मुझमें विश्वास नहीं था। मुझे शुरू से ही ऐसा लग रहा था जैसे मेरा अंत निश्चित है। मैंने कभी भी चीजों को सकारात्मक दृष्टि से नहीं देखा। हमें विश्वास रखना चाहिए... हमें विश्वास रखना चाहिए। और मुझे संदेह है। मैं विश्वास करने के बजाय संदेह करना चुनती हूँ।” वह थोड़ी देर रुकी।
“हम दोनों को बेहतर बनने के लिए क्या करना चाहिए? क्या हमारा रास्ता एक ही है?” मैंने पूछा। जवाब उस गुरु ने दिया, जिन्होंने पिछले हफ्ते अंतर्ज्ञान की शक्तियों और कोमा से वापस आने की बात कही थी। उनकी आवाज़, शैली, लहजा, सब कुछ कैथरीन और उस मर्दाना, काव्यात्मक गुरु से बिल्कुल अलग था, जिन्होंने अभी-अभी बात की थी।
“हर किसी का रास्ता मूलत: एक जैसा ही होता है। हम सभी को शारीरिक अवस्था में रहते हुए कुछ निश्चित दृष्टिकोण सीखने पड़ते हैं। कुछ लोग इन्हें दूसरों की तुलना में जल्दी अपना लेते हैं। दान, आशा, विश्वास, प्रेम... हम सभी को इन चीजों को जानना चाहिए और अच्छी तरह से जानना चाहिए। यह केवल एक आशा, एक विश्वास और एक प्रेम की बात नहीं है—

इनमें से प्रत्येक में अनेक चीजें समाहित हैं। इन्हें प्रदर्शित करने के अनेक तरीके हैं। और फिर भी हमने इनमें से प्रत्येक का केवल थोड़ा-थोड़ा ही अनुभव किया है...।"
"धार्मिक संप्रदायों के लोग हममें से किसी से भी कहीं अधिक करीब आए हैं क्योंकि उन्होंने ब्रह्मचर्य और आज्ञाकारिता की प्रतिज्ञा ली है। उन्होंने बदले में कुछ भी मांगे बिना बहुत कुछ त्याग दिया है। हम बाकी लोग पुरस्कार मांगते रहते हैं—अपने व्यवहार के लिए पुरस्कार और औचित्य... जबकि कोई पुरस्कार नहीं है, वो पुरस्कार जो हम चाहते हैं। असली पुरस्कार तो कर्म करने में है, लेकिन बिना किसी अपेक्षा के कर्म करना... निस्वार्थ भाव से कर्म करना।"
"मैंने यह नहीं सीखा है," कैथरीन ने धीमी आवाज़ में फुसफुसाते हुए कहा।
एक क्षण के लिए मैं "पवित्रता" शब्द से भ्रमित हो गया था, लेकिन मुझे याद आया कि इसका मूल अर्थ "शुद्ध" है, जो केवल यौन संयम की स्थिति से बहुत अलग स्थिति को संदर्भित करता है।
"... हद से ज्यादा लिप्त नहीं होना चाहिए," उसने आगे कहा। "कोई भी चीज हद से ज्यादा करना... हद से ज्यादा... आप समझ जाएंगे। आप सचमुच समझ जाएंगे।" वह फिर रुक गई।
"मैं कोशिश कर रही हूँ," मैंने आगे कहा। फिर मैंने कैथरीन पर ध्यान केंद्रित करने का फैसला किया। शायद गुरु अभी गए नहीं थे। "कैथरीन को उसके डर और चिंताओं से उबरने और सबक सीखने में मदद करने के लिए मैं सबसे अच्छा क्या कर सकती हूँ? क्या यही सबसे अच्छा तरीका है, या मुझे कुछ बदलना चाहिए? या किसी खास क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहिए? मैं उसकी सबसे अच्छी मदद कैसे कर सकती हूँ?"
उत्तर कवि गुरु की गहरी आवाज में आया। मैं अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गया।
"तुम सही काम कर रहे हो। लेकिन यह तुम्हारे लिए है, उसके लिए नहीं।" एक बार फिर, संदेश यही था कि यह कैथरीन के फायदे से ज़्यादा मेरे फायदे के लिए था।
"मेरे लिए?"
"जी हाँ। हम जो कह रहे हैं वो तुम्हारे लिए है।" वह न केवल कैथरीन के बारे में तीसरे व्यक्ति के रूप में बात कर रहा था, बल्कि उसने "हम" शब्द का प्रयोग किया। वास्तव में, वहाँ कई मास्टर स्पिरिट्स उपस्थित थे।
"क्या मैं आपके नाम जान सकती हूँ?" मैंने पूछा, और अपने सवाल की साधारण प्रकृति पर तुरंत ही असहज महसूस किया। "मुझे मार्गदर्शन की ज़रूरत है। मुझे बहुत कुछ जानना है।"
उत्तर एक प्रेम कविता थी, मेरे जीवन और मेरी मृत्यु के बारे में एक कविता। आवाज़ कोमल और मधुर थी, और मैंने एक सार्वभौमिक आत्मा की प्रेममयी तटस्थता का अनुभव किया। मैंने विस्मय से सुना।
समय आने पर तुम्हारा मार्गदर्शन किया जाएगा। समय आने पर तुम्हारा मार्गदर्शन किया जाएगा। जब तुम अपना उद्देश्य पूरा कर लोगे, तब तुम्हारा जीवन समाप्त हो जाएगा। लेकिन उससे पहले नहीं। तुम्हारे पास बहुत समय है... बहुत समय।
मुझे एक साथ चिंता और राहत दोनों महसूस हो रही थी। मुझे खुशी थी कि उसने और अधिक विस्तार से नहीं बताया। कैथरीन बेचैन हो रही थी। वह धीमी आवाज़ में फुसफुसा रही थी।
"मैं गिर रही हूँ, गिर रही हूँ... अपनी ज़िंदगी ढूँढ़ने की कोशिश कर रही हूँ... गिर रही हूँ।"
उसने आह भरी, और मैंने भी। गुरुजन जा चुके थे। मैंने उन चमत्कारी संदेशों पर विचार किया, जो आध्यात्मिक स्रोतों से आए अत्यंत व्यक्तिगत संदेश थे। उनके निहितार्थ बहुत गहरे थे। मृत्यु के बाद का प्रकाश और मृत्यु के बाद का जीवन; हमारे जन्म और मृत्यु का चुनाव; गुरुजनों का अचूक मार्गदर्शन; जीवन का मापन वर्षों में नहीं, बल्कि सीखे गए पाठों और पूरे किए गए कार्यों में होता है; दान, आशा, विश्वास और प्रेम; प्रतिफल की अपेक्षा के बिना कार्य

करना—यह ज्ञान मेरे लिए था। लेकिन किस उद्देश्य से? मुझे यहाँ क्या पूरा करने के लिए भेजा गया था?

कार्यालय में मुझ पर घटित हो रहे नाटकीय संदेशों और घटनाओं ने मेरे व्यक्तिगत और पारिवारिक जीवन में आए गहरे बदलावों को प्रतिबिंबित किया। यह परिवर्तन धीरे-धीरे मेरे ध्यान में आया। उदाहरण के लिए, मैं अपने बेटे के साथ कॉलेज के बेसबॉल मैच के लिए जा रहा था, तभी हम एक भयंकर ट्रैफिक जाम में फंस गए। मुझे हमेशा से ही ट्रैफिक जाम से चिढ़ होती रही है, और अब तो हम पहले एक-दो ओवर भी चूक जाते। मुझे इस बात का एहसास था कि मुझे गुस्सा नहीं आ रहा है। मैं किसी लापरवाह ड्राइवर पर दोष नहीं डाल रहा था। मेरी गर्दन और कंधे की मांसपेशियां शिथिल थीं। मैंने अपनी झुंझलाहट अपने बेटे पर नहीं निकाली, और हम एक-दूसरे से बातें करते हुए समय बिता रहे थे। मुझे इस बात का एहसास हुआ कि मैं जॉर्डन के साथ एक खुशनुमा दोपहर बिताना चाहता था, एक ऐसा मैच देखना चाहता था जिसका हम दोनों आनंद लेते हैं। दोपहर का उद्देश्य बस साथ में समय बिताना था। अगर मैं चिढ़ जाता और गुस्सा हो जाता, तो पूरा कार्यक्रम बर्बाद हो जाता।

मैं अपने बच्चों और पत्नी को देखता और सोचता कि क्या हम पहले भी साथ थे? क्या हमने इस जीवन के सुख-दुखों और कठिनाइयों को आपस में बांटने का चुनाव किया था? क्या हम अमर थे? मुझे उनके प्रति गहरा प्रेम और स्नेह महसूस होता था। मुझे एहसास हुआ कि उनकी कमियां और खामियां मामूली हैं। ये वास्तव में इतनी महत्वपूर्ण नहीं हैं। प्रेम ही महत्वपूर्ण है। इन्हीं कारणों से मैंने अपनी खुद की कमियों को भी नज़रअंदाज़ करना शुरू कर दिया। मुझे हर समय परिपूर्ण या नियंत्रण में रहने की कोशिश करने की ज़रूरत नहीं थी। किसी को प्रभावित करने की कोई ज़रूरत नहीं थी।

मुझे बहुत खुशी हुई कि मैं यह अनुभव कैरोल के साथ साझा कर सकी। हम अक्सर रात के खाने के बाद बातें करते और कैथरीन के सत्रों के बारे में मेरी भावनाओं और प्रतिक्रियाओं को सुलझाते। कैरोल का दिमाग विश्लेषणात्मक है और वह बहुत समझदार हैं। वह जानती थीं कि मैं कैथरीन के साथ इस अनुभव को सावधानीपूर्वक और वैज्ञानिक तरीके से आगे बढ़ाने के लिए कितनी उत्सुक थी, और वह मुझे इस जानकारी को निष्पक्ष रूप से देखने में मदद करने के लिए हमेशा तर्क देती थीं। जैसे-जैसे इस बात के पुख्ता सबूत सामने आते गए कि कैथरीन वाकई महान सत्य प्रकट कर रही थीं, कैरोल ने मेरी आशंकाओं और खुशियों को महसूस किया और उनमें मेरा साथ दिया।

अध्याय सात

एक हफ्ते बाद जब कैथरीन अपनी अगली मुलाकात के लिए आई, तो मैं पिछले हफ्ते की अद्भुत बातचीत की टेप चलाने के लिए तैयार था। आखिर, वह मुझे पिछले जन्मों की याद दिलाने के साथ-साथ दिव्य कविताएँ भी सुना रही थी। मैंने उसे बताया कि उसके पास मृत्यु के बाद के अनुभवों से जुड़ी जानकारी है, भले ही उसे बीच की या आध्यात्मिक अवस्था की कोई याद न हो। वह सुनने को तैयार नहीं थी। बहुत बेहतर और खुश होने के कारण, उसे इस सामग्री को सुनने की कोई ज़रूरत नहीं थी। इसके

अलावा, यह सब कुछ कुछ अजीब सा लग रहा था। मैंने उसे सुनने के लिए मना लिया। यह अद्भुत, सुंदर, प्रेरणादायक था, और यह सब उसी के माध्यम से प्रकट हुआ था। मैं इसे उसके साथ साझा करना चाहता था। उसने टेप पर अपनी धीमी फुसफुसाहट को केवल कुछ मिनटों के लिए सुना, और फिर उसने मुझे इसे बंद करने के लिए कहा। उसने कहा कि यह बहुत अजीब था और उसे असहज कर रहा था। चुपचाप, मुझे याद आया, "यह तुम्हारे लिए है, उसके लिए नहीं।"

मुझे आश्चर्य होता था कि ये सेशन कब तक चलेंगे क्योंकि हर हफ्ते उसकी हालत सुधर रही थी। अब उसके कभी अशांत रहने वाले स्वभाव में बस कुछ ही हलचलें बची थीं। उसे अभी भी बंद जगहों से डर लगता था, और स्टुअर्ट के साथ उसका रिश्ता अभी भी बहुत नाजुक था। इसके अलावा उसकी प्रगति उल्लेखनीय थी।

हमने महीनों से कोई पारंपरिक मनोचिकित्सा सत्र नहीं लिया था। इसकी कोई आवश्यकता भी नहीं थी। हम कुछ मिनटों के लिए बातचीत करते, सप्ताह भर की घटनाओं का हालचाल लेते, फिर तुरंत सम्मोहन प्रतिगमन की ओर बढ़ जाते। चाहे गंभीर आघातों की वास्तविक यादों के कारण हो, या दैनिक छोटे-मोटे आघातों के कारण, या अनुभवों को फिर से जीने की प्रक्रिया के कारण, कैथरीन लगभग ठीक हो गई थी। उसके भय और घबराहट के दौरे लगभग गायब हो गए थे। उसे मृत्यु या मरने का कोई भय नहीं था। उसे अब नियंत्रण खोने का भी भय नहीं था। मनोचिकित्सक अब कैथरीन जैसे लक्षणों वाले लोगों के इलाज के लिए ट्रैंक्विलाइज़र और एंटीडिप्रेसेंट दवाओं की उच्च खुराक का उपयोग कर रहे हैं। दवाओं के अलावा, मरीज़ अक्सर गहन मनोचिकित्सा में भी शामिल होते हैं या भय समूह चिकित्सा सत्रों में भाग लेते हैं। कई मनोचिकित्सकों का मानना है कि कैथरीन जैसे लक्षणों का एक जैविक आधार है, कि मस्तिष्क में एक या कई रसायनों की कमी है।

जब मैंने कैथरीन को सम्मोहन द्वारा गहरी समाधि अवस्था में पहुँचाया, तो मैंने सोचा कि यह कितना अद्भुत और आश्चर्यजनक था कि कुछ ही हफ्तों में, बिना दवाओं, पारंपरिक चिकित्सा या समूह चिकित्सा के, वह लगभग ठीक हो गई थी। यह केवल लक्षणों को दबाना या दांत पीसकर भय से भरी जिंदगी जीना नहीं था। यह एक इलाज था, लक्षणों का पूरी तरह से खत्म हो जाना। और वह मेरी कल्पना से भी कहीं अधिक तेजस्वी, शांत और खुश थी।

उसकी आवाज़ फिर से धीमी फुसफुसाहट में बदल गई। “मैं एक इमारत में हूँ, जिसकी छत गुंबदनुमा है। छत नीली और सुनहरी है। मेरे साथ कुछ और लोग भी हैं। उन्होंने... पुराने... किसी तरह के चोगे पहने हैं, बहुत पुराने और गंदे। मुझे नहीं पता हम यहाँ कैसे पहुँचे। कमरे में कई आकृतियाँ हैं। कुछ चीज़ें भी हैं, कुछ पत्थर की संरचना पर खड़ी हैं। कमरे के एक कोने में एक बड़ी सुनहरी मूर्ति है। वह प्रकट होता है... वह बहुत विशाल है, उसके पंख हैं। वह बहुत दुष्ट है। कमरे में बहुत गर्मी है, बहुत ज़्यादा... गर्मी इसलिए है क्योंकि कमरे में कोई खुला रास्ता नहीं है। हमें गाँव से दूर रहना होगा। हमारे साथ कुछ गड़बड़ है।”

"क्या आप बीमार हैं?"

“हाँ, हम सब बीमार हैं। पता नहीं हमें क्या हुआ है, लेकिन हमारी त्वचा रूखी हो रही है। एकदम काली पड़ रही है। मुझे बहुत ठंड लग रही है। हवा बहुत सूखी और घुटन भरी है। हम गाँव वापस नहीं जा सकते। हमें यहीं बाहर रहना होगा। कुछ लोगों के चेहरे बिगड़ गए हैं।”

यह बीमारी कुष्ठ रोग जैसी भयानक लग रही थी। अगर उसने कभी शानदार जीवन जिया भी था, तो हमें अभी तक इसका पता नहीं चला था। "आपको वहां कितने दिन रहना होगा?"

“हमेशा के लिए,” उसने उदास स्वर में उत्तर दिया, “जब तक हम मर नहीं जाते। इसका कोई इलाज नहीं है।”

“क्या आपको इस बीमारी का नाम पता है? इसे क्या कहते हैं?”
“नहीं। त्वचा बहुत सूख जाती है और सिकुड़ जाती है। मैं कई सालों से वहीं हूँ। कुछ और लोग अभी-अभी आए हैं। वापस लौटने का कोई रास्ता नहीं है। हमें यहाँ से निकाल दिया गया है... मरने के लिए।”
वह एक गुफा में रहकर दयनीय जीवन व्यतीत करती थी।
“हमें अपने भोजन के लिए शिकार करना होगा। मुझे एक जंगली जानवर दिखाई दे रहा है जिसका हम शिकार कर रहे हैं... सींगों वाला। वह भूरे रंग का है और उसके बड़े-बड़े सींग हैं।”
क्या कोई आपसे मिलने आता है?
“नहीं, वे पास नहीं जा सकते, वरना उन्हें भी बुराई का सामना करना पड़ेगा। हमें शाप मिला है... किसी बुरे काम के लिए। और यही हमारी सज़ा है।” उनके जीवन की घड़ी में उनकी धार्मिक मान्यताएँ लगातार बदलती रहती थीं। मृत्यु के बाद, आध्यात्मिक अवस्था में ही उन्हें एक सुखद और आश्वस्त करने वाली स्थिरता मिलती थी।
"क्या आपको पता है कि यह कौन सा साल है?"
“हम समय का हिसाब भूल चुके हैं। हम बीमार हैं; हम बस अपनी मृत्यु की प्रतीक्षा कर रहे हैं।”
“क्या कोई उम्मीद नहीं है?” मैंने उस संक्रामक निराशा को महसूस किया।
कोई उम्मीद नहीं है। हम सब मर जाएंगे। और मेरे हाथों में बहुत दर्द है। मेरा पूरा शरीर कमजोर है। मैं बूढ़ा हो गया हूँ। मेरे लिए हिलना-डुलना मुश्किल है।
"क्या होता है जब आप हिल-डुल नहीं सकते?"
"तुम्हें दूसरी गुफा में ले जाया जाता है, और तुम्हें वहीं मरने के लिए छोड़ दिया जाता है।"
“वे मृतकों का क्या करते हैं?”
उन्होंने गुफा के प्रवेश द्वार को सील कर दिया।
"क्या वे किसी व्यक्ति की मृत्यु से पहले गुफा को सील करते हैं?" मैं बंद जगहों के प्रति उसके डर का सुराग ढूंढ रहा था।
“मुझे नहीं पता। मैं कभी वहां नहीं गया। मैं दूसरे लोगों के साथ कमरे में हूं। बहुत गर्मी है। मैं दीवार के सहारे लेटा हुआ हूं।”
यह कमरा किसलिए है?
“यह कई देवताओं की पूजा के लिए है... यहाँ बहुत गर्मी है।”
मैंने उसे समय से पहले ही आगे बढ़ा दिया। “मुझे कुछ सफेद दिख रहा है। मुझे कुछ सफेद दिख रहा है, किसी तरह की छतरी। वे किसी को ले जा रहे हैं।”
"क्या यह आप है?"
“मुझे नहीं पता। मैं मौत का स्वागत करूंगी। मेरा शरीर बहुत दर्द में है।” दर्द से कैथरीन के होंठ सिकुड़ गए थे और गुफा की गर्मी के कारण वह हांफ रही थी। मैं उसे उसकी मृत्यु के दिन ले गई। वह तब भी हांफ रही थी।
मैंने पूछा, "क्या सांस लेने में तकलीफ हो रही है?"
“हाँ, यहाँ बहुत गर्मी है... बहुत गर्मी लग रही है, बहुत अँधेरा है। मुझे कुछ दिखाई नहीं दे रहा... और मैं हिल भी नहीं सकती।” वह मरणासन्न अवस्था में थी, लकवाग्रस्त और अकेली, उस गर्म, अँधेरी गुफा में। गुफा का मुँह पहले ही बंद कर दिया गया था। वह डरी हुई और दुखी थी। उसकी साँसें तेज़ और अनियमित होती गईं, और अंत में उसने दयापूर्वक मृत्यु को प्राप्त कर लिया, इस पीड़ादायक जीवन का अंत हो गया।
मुझे बहुत हल्कापन महसूस हो रहा है... जैसे मैं हवा में तैर रहा हूँ। यहाँ बहुत रोशनी है। यह अद्भुत है!

क्या आपको दर्द हो रहा है?
“नहीं!” वह रुकी, और मैं गुरु की प्रतीक्षा करने लगा। लेकिन अचानक, उसे ले जाया गया। “मैं बहुत तेज़ी से गिर रही हूँ। मैं वापस शरीर में जा रही हूँ!” वह मेरी ही तरह हैरान लग रही थी।
“मुझे इमारतें दिख रही हैं, गोल खंभों वाली इमारतें। बहुत सारी इमारतें हैं। हम बाहर हैं। चारों ओर पेड़ हैं—जैतून के पेड़। यह बहुत सुंदर है। हम कुछ देख रहे हैं... लोगों ने बहुत अजीब मुखौटे पहन रखे हैं; इनसे उनके चेहरे ढके हुए हैं। कोई उत्सव चल रहा है। उन्होंने लंबे चोगे पहन रखे हैं, और उनके चेहरे पर मुखौटे लगे हैं। वे दिखावा कर रहे हैं कि वे कुछ और हैं। वे एक चबूतरे पर हैं... जहाँ हम बैठे हैं, उसके ऊपर।”
क्या आप कोई नाटक देख रहे हैं?
"हाँ।"
तुम कैसे दिखते हो? खुद को देखो।
“मेरे बाल भूरे हैं। मेरी चोटी बनी हुई है।” वह थोड़ी देर रुकी। उसके अपने बारे में दिए गए विवरण और जैतून के पेड़ों की मौजूदगी ने मुझे ईसा से पंद्रह सौ साल पहले कैथरीन के यूनानी जीवन की याद दिला दी, जब मैं उसका शिक्षक, डायोजेन्स था। मैंने इस बारे में और जानने का फैसला किया।
क्या आपको तारीख पता है?
"नहीं।"
क्या आपके साथ ऐसे लोग हैं जिन्हें आप जानते हैं?
“हां, मेरे पति मेरे बगल में बैठे हैं। मैं उन्हें नहीं जानती” [अपने वर्तमान जीवन में]।
"आपके बच्चे है क्या?"
“मैं अब गर्भवती हूँ।” उनके शब्दों का चुनाव दिलचस्प था, किसी तरह प्राचीन और कैथरीन की सचेत शैली से बिल्कुल अलग।
क्या तुम्हारे पिता वहां हैं?
“मुझे वो दिखाई नहीं दे रहा। तुम कहीं तो हो... लेकिन मेरे साथ नहीं।” तो मैं सही था। हम पैंतीस सदियाँ पीछे चले गए थे।
मुझे वहां क्या करना है?
“आप सिर्फ देख रहे हैं, लेकिन आप सिखाते भी हैं। आप सिखाते हैं... हमने आपसे बहुत कुछ सीखा है... वर्ग और वृत्त, मजेदार चीजें। डायोजेन्स, आप वहीं हैं।”
आप मेरे बारे में और क्या जानते हैं?
“आप बूढ़े हैं। किसी न किसी तरह हमारा रिश्ता है... आप मेरी मां के भाई हैं।”
क्या आप मेरे परिवार के अन्य सदस्यों को जानते हैं?
“मैं आपकी पत्नी को जानता हूँ... और आपके बच्चों को भी। आपके बेटे हैं। उनमें से दो मुझसे बड़े हैं। मेरी माँ का निधन हो चुका है; उनका निधन बहुत कम उम्र में हो गया था।”
“क्या तुम्हारे पिता ने तुम्हारा पालन-पोषण किया है?”
"हां, लेकिन अब मेरी शादी हो चुकी है।"
“क्या आप गर्भवती हैं?”
“हां। मुझे डर लग रहा है। मैं बच्चे के जन्म के समय मरना नहीं चाहती।”
क्या तुम्हारी माँ के साथ भी ऐसा ही हुआ था?
"हाँ।"
और आपको डर है कि आपके साथ भी ऐसा ही होगा?
ऐसा कई बार होता है।

क्या यह आपका पहला बच्चा है?
“हाँ; मैं डरी हुई हूँ। मुझे जल्द ही प्रसव की उम्मीद है। मेरा पेट बहुत बड़ा हो गया है। हिलना-डुलना मेरे लिए मुश्किल हो रहा है... ठंड लग रही है।” उसने समय से पहले ही खुद को आगे कर लिया था। बच्चा जन्म लेने ही वाला था। कैथरीन ने कभी बच्चे को जन्म नहीं दिया था, और मैंने भी मेडिकल स्कूल में प्रसूति विज्ञान के प्रशिक्षण के बाद से चौदह वर्षों में किसी बच्चे को जन्म देने में मदद नहीं की थी।
मैंने पूछा, “तुम कहाँ हो?”
“मैं किसी पत्थर पर लेटी हूँ। बहुत ठंड है। मुझे दर्द हो रहा है... कोई मेरी मदद करो। कोई मेरी मदद करो।” मैंने उससे गहरी साँस लेने को कहा; बच्चा बिना दर्द के पैदा होगा। वह हाँफ रही थी और साथ ही कराह भी रही थी। उसका प्रसव कुछ और दर्दनाक मिनटों तक चला, और फिर उसका बच्चा पैदा हुआ। उसकी एक बेटी हुई।
"क्या अब आपको बेहतर महसूस हो रहा है?"
“बहुत कमजोर... बहुत खून बह रहा है!”
"क्या आपको पता है कि आप उसका नाम क्या रखेंगे?"
“नहीं, मैं बहुत थक गई हूँ... मुझे मेरा बच्चा चाहिए।”
मैंने बिना सोचे-समझे कहा, "आपका बच्चा आ गया है, एक छोटी बच्ची।"
“हां, मेरे पति खुश हैं।” वह बहुत थकी हुई थी। मैंने उसे थोड़ी देर झपकी लेने और तरोताज़ा होकर उठने की सलाह दी। एक-दो मिनट बाद मैंने उसे झपकी से जगाया।
"क्या अब आपको बेहतर महसूस हो रहा है?"
“हाँ... मुझे जानवर दिख रहे हैं। वे अपनी पीठ पर कुछ ढो रहे हैं। उनके पास टोकरियाँ हैं। टोकरियों में बहुत सी चीजें हैं... खाना... कुछ लाल फल...।”
"क्या यह एक खूबसूरत जगह है?"
"हां, खूब सारे खाने के साथ।"
“क्या आपको उस भूमि का नाम पता है? जब कोई अजनबी आपसे गाँव का नाम पूछता है, तो आप उसे क्या कहते हैं?”
“कैथरीन... कैथरीन।”
मैंने पूछा, "यह किसी ग्रीक शहर जैसा लगता है।"
“मुझे नहीं पता। क्या आपको पता है? आप गाँव से दूर गए थे और वापस आ गए हैं। मैं नहीं गया।” यह एक चौंकाने वाली बात थी। चूंकि उस जन्म में मैं उसका चाचा था, उम्र में बड़ा और समझदार, इसलिए वह मुझसे पूछ रही थी कि क्या मुझे अपने ही सवाल का जवाब पता है। दुर्भाग्य से, मेरे पास उस जानकारी तक पहुँच नहीं थी।
मैंने पूछा, "क्या आपने अपना पूरा जीवन गांव में ही बिताया है?"
“हाँ,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “लेकिन आप यात्रा करते हैं, ताकि आप जो सिखाते हैं उसे जान सकें। आप सीखने के लिए यात्रा करते हैं, ज़मीन को जानने के लिए... विभिन्न व्यापार मार्गों को जानने के लिए ताकि आप उन्हें लिख सकें और नक्शे बना सकें... आप बूढ़े हैं। आप युवाओं के साथ जाते हैं क्योंकि आप मानचित्रों को समझते हैं। आप बहुत बुद्धिमान हैं।”
“आप किन चार्टों की बात कर रहे हैं? तारों के चार्टों की?”
“आप, आप प्रतीकों को समझते हैं। आप उनकी मदद कर सकते हैं... मानचित्र बनाने में उनकी मदद कर सकते हैं।”
क्या आप गांव के अन्य लोगों को पहचानते हैं?
मैं उन्हें नहीं जानता... लेकिन मैं तुम्हें जानता हूँ।
“ठीक है। हमारा रिश्ता कैसा चल रहा है?”

“बहुत बढ़िया। आप बहुत दयालु हैं। मुझे बस आपके बगल में बैठना अच्छा लगता है; इससे बहुत सुकून मिलता है... आपने हमारी मदद की है। आपने मेरी बहनों की मदद की है...।”
"लेकिन एक समय ऐसा आएगा जब मुझे तुम्हें छोड़कर जाना पड़ेगा, क्योंकि मैं बूढ़ा हो गया हूँ।"
“नहीं।” वह मेरी मृत्यु का सामना करने के लिए तैयार नहीं थी। “मुझे कुछ रोटी दिख रही है, चपटी रोटी, बहुत चपटी और पतली।”
क्या लोग रोटी खा रहे हैं?
“हां, मेरे पिता, मेरे पति और मैं। और गांव के अन्य लोग भी।”
“यह किस अवसर पर है?”
“यह एक अद्भुत... अद्भुत त्योहार है।”
क्या तुम्हारे पिता वहां हैं?
"हाँ।"
क्या आपका बच्चा वहां है?
“हां, लेकिन वह मेरे साथ नहीं है। वह मेरी बहन के साथ है।”
मैंने सुझाव दिया, "अपनी बहन को ध्यान से देखो," मैं कैथरीन के वर्तमान जीवन में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति की पहचान तलाश रहा था।
“हां। मैं उसे नहीं जानता।”
क्या तुम अपने पिता को पहचानते हो?
“हाँ... हाँ... एडवर्ड। यहाँ अंजीर, अंजीर और जैतून हैं... और लाल फल भी। यहाँ रोटी भी है। और उन्होंने कुछ भेड़ें मारी हैं। वे भेड़ों को भून रहे हैं।” थोड़ी देर का सन्नाटा छा गया।
“मुझे कुछ सफेद दिख रहा है...।” वह फिर से समय के साथ आगे बढ़ी। “यह एक सफेद... यह एक चौकोर डिब्बा है। मरने के बाद लोगों को इसमें रखा जाता है।”
"तो क्या किसी की मौत हुई?"
“हां... मेरे पिता। मुझे उन्हें देखना अच्छा नहीं लगता। मैं उन्हें देखना नहीं चाहती।”
क्या आपको देखना ही होगा?
“हां। वे उसे दफनाने के लिए ले जाएंगे। मुझे बहुत दुख हो रहा है।”
“हां, मुझे पता है। आपके कितने बच्चे हैं?” मेरे अंदर का पत्रकार उसे शोक मनाने नहीं दे रहा था।
“मेरे तीन बच्चे हैं, दो लड़के और एक लड़की।” मेरे सवाल का जवाब देने के बाद, वह फिर से अपने दुख में डूब गई। “उन्होंने उसके शव को किसी चीज़ के नीचे, किसी आवरण के नीचे रखा है...।” वह बहुत दुखी लग रही थी।
"क्या मैं भी अब तक मर चुका हूँ?"
“नहीं। हम कुछ अंगूर पी रहे हैं, एक कप में अंगूर।”
मैं अब कैसा दिखता हूँ?
आप बहुत, बहुत बूढ़े हैं।
"क्या अब आप बेहतर महसूस कर रहे हैं?"
नहीं! जब तुम मर जाओगे तो मैं अकेला रह जाऊंगा।
क्या आपके बच्चे आपसे पहले मर चुके हैं? वे आपका ख्याल रखेंगे।
"लेकिन आपको तो बहुत कुछ पता है।" उसकी आवाज़ एक छोटी बच्ची जैसी लग रही थी।
“तुम सब संभाल लोगी। तुम्हें बहुत कुछ पता भी है। तुम सुरक्षित रहोगी।” मैंने उसे आश्वस्त किया, और वह शांति से सोती हुई प्रतीत हुई।
“क्या अब आपको अधिक शांति मिल रही है? आप अभी कहाँ हैं?”

“मुझे नहीं पता।” ऐसा प्रतीत होता था कि वह आध्यात्मिक अवस्था में प्रवेश कर चुकी थी, हालाँकि उसने उस जीवन में अपनी मृत्यु का अनुभव नहीं किया था। इस सप्ताह हमने दो जन्मों का विस्तृत वर्णन किया था। मैं गुरुओं की प्रतीक्षा कर रहा था, लेकिन कैथरीन विश्राम करती रही। कुछ और मिनटों की प्रतीक्षा के बाद, मैंने उससे पूछा कि क्या वह गुरु आत्माओं से बात कर सकती है।
उन्होंने समझाया, “मैं अभी उस स्तर तक नहीं पहुंची हूं। जब तक मैं वहां नहीं पहुंच जाती, तब तक मैं कुछ नहीं कह सकती।”
वह उस मुकाम तक कभी नहीं पहुंच पाई। काफी इंतजार के बाद, मैंने उसे समाधि की अवस्था से बाहर निकाला।

अध्याय
आठ

अगले सत्र से पहले तीन सप्ताह बीत गए। अपनी छुट्टियों के दौरान, एक उष्णकटिबंधीय समुद्र तट पर लेटे हुए, मुझे कैथरीन के साथ घटी घटनाओं पर विचार करने का समय और अवसर मिला: सम्मोहन द्वारा पिछले जन्मों की यात्रा, जिसमें वस्तुओं, प्रक्रियाओं और तथ्यों का विस्तृत अवलोकन और स्पष्टीकरण शामिल था—जिनके बारे में उसे सामान्य, जागृत अवस्था में कोई जानकारी नहीं थी; सम्मोहन के माध्यम से उसके लक्षणों में सुधार—ऐसा सुधार जो उपचार के पहले अठारह महीनों में पारंपरिक मनोचिकित्सा से दूर-दूर तक भी प्राप्त नहीं हुआ था; मृत्यु के बाद की आध्यात्मिक अवस्था से चौंकाने वाले सटीक खुलासे, जिनसे उसे ऐसा ज्ञान प्राप्त हुआ जिस तक उसकी पहुँच नहीं थी; आध्यात्मिक कविताएँ, और मृत्यु के बाद के आयामों, जीवन और मृत्यु, जन्म और पुनर्जन्म के बारे में उन गुरु आत्माओं से शिक्षाएँ, जिन्होंने कैथरीन की क्षमताओं से परे ज्ञान और शैली में बात की। वास्तव में, चिंतन करने के लिए बहुत कुछ था।
वर्षों के दौरान मैंने सैकड़ों, शायद हजारों, मनोरोगियों का इलाज किया था, और उनमें भावनात्मक विकारों की पूरी श्रृंखला समाहित थी। मैंने चार प्रमुख मेडिकल स्कूलों में इनपेशेंट यूनिट्स का संचालन किया था। मैंने मनोरोग आपातकालीन कक्षों, आउट पेशेंट क्लीनिकों और विभिन्न अन्य स्थानों पर कई वर्षों तक आउट पेशेंट का मूल्यांकन और उपचार किया था। मैं सिज़ोफ्रेनिया के श्रवण और दृश्य मतिभ्रमों और भ्रमों के बारे में भली-भांति जानता था। मैंने बॉर्डरलाइन सिंड्रोम और हिस्टीरिकल चरित्र विकारों, जिनमें विभाजित या बहु व्यक्तित्व शामिल हैं, से पीड़ित कई रोगियों का इलाज किया था। मैं राष्ट्रीय औषधि दुरुपयोग संस्थान (एनआईडीए) द्वारा वित्त पोषित मादक पदार्थों और शराब के दुरुपयोग का एक पेशेवर शिक्षक था, और मस्तिष्क पर मादक पदार्थों के प्रभावों की व्यापक जानकारी से भली-भांति परिचित था।
कैथरीन में इनमें से कोई भी लक्षण या सिंड्रोम नहीं था। जो कुछ हुआ था वह किसी मानसिक बीमारी का संकेत नहीं था। वह मनोविकार से ग्रसित नहीं थी, वास्तविकता से कटी हुई नहीं थी, और उसे कभी मतिभ्रम (ऐसी चीजें देखना या सुनना जो वास्तव में मौजूद नहीं हैं) या भ्रम (झूठे विश्वास) नहीं हुए थे।

वह नशीले पदार्थों का सेवन नहीं करती थी और उसमें समाज-विरोधी लक्षण नहीं थे। उसका स्वभाव उन्मादी नहीं था और उसमें वियोगात्मक प्रवृत्तियाँ भी नहीं थीं। कहने का तात्पर्य यह है कि वह आम तौर पर अपने कार्यों और विचारों के प्रति सचेत रहती थी, स्वचालित रूप से प्रतिक्रिया नहीं करती थी और उसमें कभी भी विभाजित या बहु व्यक्तित्व का विकास नहीं हुआ था। उसके द्वारा रचित सामग्री शैली और विषयवस्तु दोनों ही दृष्टि से उसकी सचेत क्षमताओं से परे थी। इसमें से कुछ विशेष रूप से मानसिक थी, जैसे कि मेरे अतीत की विशिष्ट घटनाओं और तथ्यों का उल्लेख (उदाहरण के लिए, मेरे पिता और मेरे पुत्र के बारे में जानकारी), साथ ही उसके अपने अतीत का भी। उसके पास ऐसा ज्ञान था जो उसने अपने वर्तमान जीवन में कभी प्राप्त नहीं किया था और न ही अर्जित किया था। यह ज्ञान, साथ ही पूरा अनुभव, उसकी संस्कृति और परवरिश से परे था और उसकी कई मान्यताओं के विपरीत था।

कैथरीन एक सरल और ईमानदार व्यक्ति हैं। वह विद्वान नहीं हैं, और उनके द्वारा व्यक्त किए गए तथ्य, विवरण, ऐतिहासिक घटनाएँ, वर्णन और कविताएँ उनकी कल्पना से नहीं बन सकती थीं। एक मनोचिकित्सक और वैज्ञानिक होने के नाते, मुझे पूरा विश्वास था कि यह सामग्री उनके अवचेतन मन के किसी हिस्से से उत्पन्न हुई थी। यह निर्विवाद रूप से वास्तविक थी। यहाँ तक कि अगर कैथरीन एक कुशल अभिनेत्री भी होतीं, तो भी वह इन घटनाओं को हूबहू नहीं रच सकती थीं। यह ज्ञान इतना सटीक और विशिष्ट था कि उनकी क्षमता से परे था। मैंने कैथरीन के पिछले जन्मों का पता लगाने के चिकित्सीय उद्देश्य पर विचार किया। एक बार जब हम इस नए क्षेत्र में प्रवेश कर गए, तो बिना किसी दवा के उसकी स्थिति में नाटकीय रूप से तेजी से सुधार हुआ। इस क्षेत्र में कोई शक्तिशाली उपचारात्मक शक्ति है, जो स्पष्ट रूप से पारंपरिक चिकित्सा या आधुनिक दवाओं से कहीं अधिक प्रभावी है। इस शक्ति में न केवल महत्वपूर्ण दर्दनाक घटनाओं को याद करना और उन्हें फिर से जीना शामिल है, बल्कि हमारे शरीर, मन और अहंकार पर होने वाले दैनिक अपमान भी शामिल हैं। अपने प्रश्नों में, जब हम पिछले जन्मों का विश्लेषण कर रहे थे, मैं इन अपमानों के पैटर्न की तलाश कर रहा था, जैसे कि दीर्घकालिक भावनात्मक या शारीरिक शोषण, गरीबी और भुखमरी, बीमारी और विकलांगता, लगातार उत्पीड़न और भेदभाव, बार-बार असफलताएँ, इत्यादि। मैं उन अधिक मार्मिक त्रासदियों पर भी नज़र रख रहा था, जैसे कि दर्दनाक मृत्यु का अनुभव, बलात्कार, सामूहिक आपदा, या कोई अन्य भयावह घटना जो स्थायी छाप छोड़ सकती है। यह तकनीक पारंपरिक चिकित्सा में बचपन की समीक्षा करने के समान थी, सिवाय इसके कि समय सीमा सामान्य दस या पंद्रह वर्षों के बजाय कई हजार वर्षों की थी। इसलिए मेरे प्रश्न पारंपरिक चिकित्सा की तुलना में अधिक सीधे और दिशासूचक थे। लेकिन हमारी इस अपरंपरागत खोज की सफलता निर्विवाद थी। वह (और अन्य लोग जिनका मैंने बाद में सम्मोहन प्रतिगमन विधि से उपचार किया) अत्यंत तेजी से ठीक हो रही थीं।

लेकिन क्या कैथरीन की पूर्व जन्म की यादों के लिए कोई और स्पष्टीकरण हो सकते थे? क्या ये यादें उसके जीन में निहित थीं? वैज्ञानिक दृष्टि से यह संभावना बहुत कम है। आनुवंशिक स्मृति के लिए पीढ़ी दर पीढ़ी आनुवंशिक सामग्री का निर्बाध प्रवाह आवश्यक है। कैथरीन पृथ्वी के विभिन्न भागों में रही, और उसकी आनुवंशिक वंश-परंपरा बार-बार बाधित हुई। वह अपने बच्चों के साथ बाढ़ में मर जाती, या निःसंतान रहती, या युवावस्था में ही मर जाती। उसका आनुवंशिक भंडार समाप्त हो गया और आगे नहीं बढ़ पाया। और मृत्यु के बाद उसके अस्तित्व और मध्यवर्ती अवस्था का क्या? न तो शरीर था और न ही कोई आनुवंशिक सामग्री, फिर भी उसकी यादें बनी रहीं। नहीं, आनुवंशिक स्पष्टीकरण को खारिज करना ही होगा। जंग के सामूहिक अचेतन मन के विचार का क्या? यह एक ऐसा भंडार है जिसमें सभी

मानवीय स्मृतियाँ और अनुभव समाहित होते हैं और जिनका किसी न किसी रूप में उपयोग किया जा सकता है। विभिन्न संस्कृतियों में अक्सर समान प्रतीक पाए जाते हैं, यहाँ तक कि सपनों में भी। जंग के अनुसार, सामूहिक अचेतन मन व्यक्तिगत रूप से अर्जित नहीं होता, बल्कि मस्तिष्क की संरचना में किसी न किसी रूप में "विरासत में" प्राप्त होता है। इसमें ऐसे भाव और छवियाँ शामिल हैं जो प्रत्येक संस्कृति में नए सिरे से उत्पन्न होती हैं, बिना किसी ऐतिहासिक परंपरा या प्रसार पर निर्भर किए। मुझे लगा कि कैथरीन की यादें इतनी विशिष्ट थीं कि उन्हें जंग की अवधारणा से समझाना मुश्किल था। उन्होंने प्रतीकों, सार्वभौमिक छवियों या भावों का खुलासा नहीं किया। उन्होंने विशिष्ट लोगों और स्थानों का विस्तृत वर्णन किया। जंग के विचार बहुत अस्पष्ट प्रतीत हुए। और अभी भी मध्यवर्ती अवस्था पर विचार करना बाकी था। कुल मिलाकर, पुनर्जन्म की अवधारणा ही सबसे अधिक तर्कसंगत प्रतीत हुई।
कैथरीन का ज्ञान न केवल विस्तृत और विशिष्ट था, बल्कि उसकी चेतना से परे भी था। वह ऐसी बातें जानती थी जो किसी किताब से पढ़कर अस्थायी रूप से भूली नहीं जा सकती थीं। उसका ज्ञान बचपन में अर्जित करके चेतना से दबाया या मिटाया नहीं जा सकता था। और गुरुओं और उनके संदेशों का क्या? यह कैथरीन के माध्यम से आया, लेकिन कैथरीन का नहीं था। और उनकी बुद्धिमत्ता कैथरीन के जन्म-जन्मों की यादों में भी झलकती थी। मैं जानता था कि यह जानकारी और ये संदेश सत्य थे। मैं यह न केवल लोगों, उनके मन, बुद्धि और व्यक्तित्व के वर्षों के गहन अध्ययन से जानता था, बल्कि अपने पिता और पुत्र के आने से पहले ही सहज रूप से भी जानता था। वर्षों के गहन वैज्ञानिक प्रशिक्षण से मेरा मस्तिष्क यह जानता था, और मेरी हड्डियाँ भी जानती थीं।
“मुझे कुछ बर्तन दिख रहे हैं जिनमें किसी तरह का तेल भरा है।” तीन हफ़्तों के अंतराल के बावजूद, कैथरीन जल्दी ही गहरी समाधि में चली गई। वह किसी दूसरे शरीर में, किसी दूसरे समय में खो गई थी। “बर्तनों में अलग-अलग तरह के तेल हैं। ऐसा लगता है जैसे यह कोई भंडारगृह या ऐसी जगह है जहाँ वे सामान रखते हैं। बर्तन लाल हैं... लाल, किसी तरह की लाल मिट्टी से बने हैं। उनके चारों ओर नीली पट्टियाँ हैं, ऊपर की तरफ भी नीली पट्टियाँ हैं। मुझे वहाँ कुछ आदमी दिख रहे हैं... गुफा में आदमी हैं। वे घड़े और बर्तन इधर-उधर कर रहे हैं, उन्हें ढेर लगा रहे हैं और एक खास जगह पर रख रहे हैं। उनके सिर मुंडे हुए हैं... उनके सिर पर बाल नहीं हैं। उनकी त्वचा भूरी है... भूरी त्वचा।”
"क्या आप मौजूद हैं?"
“हां... मैं कुछ जारों को किसी प्रकार के मोम से सील कर रहा हूं... जारों के ऊपरी हिस्से को मोम से सील कर रहा हूं।”
"क्या आप जानते हैं कि इन तेलों का उपयोग किस लिए किया जाता है?"
"मुझें नहीं पता।"
“क्या तुम खुद को देख पा रही हो? खुद को देखो। मुझे बताओ कि तुम कैसी दिखती हो।” खुद को निहारते हुए वह थोड़ी देर रुकी।
“मेरी चोटी बनी हुई है। मेरे बालों में एक चोटी है। मैंने किसी तरह का लंबा कपड़ा पहना हुआ है। इसके बाहरी किनारे पर सोने की किनारी है।”
"क्या आप इन पुजारियों—या उन पुरुषों—के लिए काम करते हैं जिनके सिर मुंडे हुए हैं?"
“मोम से जारों को सील करना मेरा काम है। यही मेरी जिम्मेदारी है।”
लेकिन आपको नहीं पता कि इन जारों का इस्तेमाल किस लिए होता है?
“ऐसा लगता है कि इनका इस्तेमाल किसी धार्मिक अनुष्ठान में किया जाता है। लेकिन मुझे

पक्का पता नहीं है कि यह क्या है। कुछ अभिषेक किया जा रहा है, सिर पर कुछ लगाया जा रहा है... सिर और हाथों पर कुछ। मुझे एक पक्षी दिखाई दे रहा है, एक सुनहरा पक्षी, जो मेरे गले में लिपटा हुआ है। यह चपटा है। इसकी पूंछ चपटी है, एकदम चपटी, और इसका सिर नीचे की ओर... मेरे पैरों की तरफ इशारा कर रहा है।"
"क्या आप खड़े हो सकते हैं?"
“हां, इसे इसी तरह पहनना चाहिए। इसमें एक काला... चिपचिपा पदार्थ है। मुझे नहीं पता यह क्या है।"
"कहाँ है?"
“यह संगमरमर के डिब्बे में है। वे उसका भी इस्तेमाल करते हैं, लेकिन मुझे नहीं पता कि किस लिए।"
"क्या गुफा में पढ़ने के लिए कुछ है जिससे आप मुझे उस देश—उस जगह—का नाम बता सकें जहाँ आप रहते हैं, या तारीख बता सकें?"
“दीवारों पर कुछ नहीं है; वे खाली हैं। मुझे नाम नहीं पता।" मैंने उसे धीरे-धीरे आगे बढ़ने के लिए कहा।
“वहाँ एक सफेद रंग का जार है, किसी प्रकार का सफेद जार। ऊपर का हैंडल सोने का है, उस पर सोने की किसी प्रकार की नक्काशी है।"
जार में क्या है?
“किसी प्रकार का मरहम। इसका संबंध परलोक में प्रवेश से है।"
"क्या आप ही वह व्यक्ति हैं जो अभी यहाँ से गुजर सकते हैं?"
“नहीं! यह कोई ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसे मैं जानता हूँ।"
"क्या यह आपका भी काम है? लोगों को इस अंश के लिए तैयार करना?"
“नहीं। यह काम पुजारी को करना चाहिए, मुझे नहीं। हम तो बस उन्हें मलहम और धूप मुहैया कराते रहते हैं..."
“अब आपकी उम्र लगभग कितनी लगती है?"
"सोलह।"
क्या आप अपने माता-पिता के साथ रह रहे हैं?
“हां, एक पत्थर का घर, किसी प्रकार का पत्थर का मकान। यह बहुत बड़ा नहीं है। यह बहुत गर्म और शुष्क है। जलवायु बहुत गर्म है।"
अपने घर जाओ।
"मैं यहाँ हूँ।"
क्या आपको अपने परिवार में अन्य लोग दिखाई देते हैं?
"मुझे एक भाई दिख रहा है, और मेरी माँ वहाँ है, और एक बच्चा है, किसी का बच्चा।"
"क्या यह तुम्हारा बच्चा है?"
"नहीं।"
“अभी महत्वपूर्ण क्या है? किसी ऐसी महत्वपूर्ण चीज़ की ओर बढ़ें जो आपके वर्तमान जीवन में आपके लक्षणों की व्याख्या करती हो। हमें समझना होगा। इसका अनुभव करना सुरक्षित है। घटनाओं की ओर बढ़ें।"
उसने बहुत धीमी आवाज़ में फुसफुसाते हुए जवाब दिया, “सब कुछ समय पर होता है... मैं लोगों को मरते हुए देखती हूँ।"
“क्या लोग मर रहे हैं?"
“हां... उन्हें नहीं पता कि यह क्या है।"
“एक बीमारी?" अचानक मुझे समझ आया कि वह फिर से अपने किसी पुराने जन्म की बात

कर रही थी, जिसमें वह पहले भी जा चुकी थी। उस जन्म में, पानी से फैलने वाली एक महामारी ने कैथरीन के पिता और उसके एक भाई की जान ले ली थी। कैथरीन भी उस बीमारी से पीड़ित थी, लेकिन उसकी मृत्यु नहीं हुई थी। लोग महामारी से बचने के लिए लहसुन और अन्य जड़ी-बूटियों का इस्तेमाल करते थे। कैथरीन इसलिए दुखी थी क्योंकि मृतकों का ठीक से संरक्षण नहीं किया जा रहा था।
लेकिन अब हमने उस जीवन को एक अलग नजरिए से देखा। मैंने पूछा, "क्या इसका पानी से कुछ संबंध है?"
“उनका यही मानना है। बहुत से लोग मर रहे हैं।” मुझे तो अंत पहले से ही पता था।
"लेकिन इससे तो मौत नहीं होती, है ना?"
नहीं, मैं नहीं मरूंगा।
लेकिन आप बीमार पड़ जाते हैं। आप अस्वस्थ हो जाते हैं।
“हाँ, मुझे बहुत ठंड लग रही है... बहुत ठंड। मुझे पानी चाहिए... पानी। उन्हें लगता है कि यह पानी से आता है... और किसी काली चीज़ से... किसी की मौत हो जाती है।”
“कौन मरता है?”
“मेरे पिता की मृत्यु हो गई, और मेरे एक भाई की भी। मेरी माँ ठीक हैं; वे ठीक हो रही हैं। वे बहुत कमजोर हैं। उन्हें लोगों को दफनाना होगा। उन्हें दफनाना ही होगा, और लोग परेशान हैं क्योंकि यह धार्मिक रीति-रिवाजों के खिलाफ है।”
“क्या प्रथा थी?” मैं उसकी याददाश्त की सटीकता पर आश्चर्यचकित था, उसने एक-एक तथ्य ठीक वैसे ही बताया था जैसे उसने कुछ महीने पहले अपने जीवनकाल का वर्णन किया था। सामान्य अंतिम संस्कार की रस्मों से यह विचलन उसे फिर से बहुत परेशान कर रहा था।
“लोगों को गुफाओं में रखा गया। शवों को गुफाओं में रखा गया। लेकिन पहले, पुजारियों द्वारा शवों को तैयार किया जाना था। उन्हें लपेटा और अभिषेक किया जाना था। उन्हें गुफाओं में रखा गया, लेकिन ज़मीन में बाढ़ आ गई है... वे कहते हैं कि पानी खराब है। पानी मत पियो।”
“क्या इसका कोई इलाज है? क्या किसी चीज से फायदा हुआ?”
हमें जड़ी-बूटियाँ दी गईं, अलग-अलग तरह की जड़ी-बूटियाँ। उनकी गंध... उन जड़ी-बूटियों की गंध... और... उस गंध को सूंघो। मैं उसे सूंघ सकता हूँ!
क्या आप इस गंध को पहचानते हैं?
“यह सफेद रंग का है। इसे छत से लटकाया जाता है।”
क्या यह लहसुन जैसा है?
“यह प्रचलित है... इसके गुण मिलते-जुलते हैं, हाँ। इसके गुण... आप इसे अपने मुँह में, कानों में, नाक में, हर जगह लगाते थे। इसकी गंध तेज़ थी। ऐसा माना जाता था कि यह बुरी आत्माओं को शरीर में प्रवेश करने से रोकता है। बैंगनी रंग का... फल या कोई गोल चीज़ जिस पर बैंगनी रंग की परत चढ़ी हो, बैंगनी रंग की त्वचा हो...।”
“क्या आप जिस संस्कृति में हैं उसे पहचानते हैं? क्या यह आपको परिचित लगती है?”
"मुझें नहीं पता।"
"क्या बैंगनी रंग किसी प्रकार का फल है?"
“टैनिस।”
“क्या इससे आपको मदद मिलेगी? क्या यह बीमारी के लिए है?”
“यह उस समय की बात है।”
“टैनिस,” मैंने फिर से दोहराया, यह जानने की कोशिश करते हुए कि क्या वह टैनिन या टैनिक एसिड की बात कर रही है। “क्या वे इसे यही कहते हैं? टैनिस?”

मुझे बस... बार-बार 'टैनिस' सुनाई दे रहा है।
"इस जीवन में ऐसी क्या बात हुई थी जिसने आपके वर्तमान जीवन में अपना असर डाला है? आप बार-बार यहाँ क्यों लौटते हैं? ऐसी क्या बात है जो आपको इतना असहज महसूस कराती है?"
"धर्म," कैथरीन ने फुसफुसाते हुए कहा, "उस समय का धर्म। वह भय का धर्म था... भय। डरने लायक बहुत सी चीजें थीं... और बहुत सारे देवता थे।"
क्या आपको किसी देवता का नाम याद है?
"मुझे आंखें दिखाई देती हैं। मुझे एक काला... किसी प्रकार का... सियार जैसा दिखता है। वह एक मूर्ति में है। वह किसी प्रकार का संरक्षक है... मुझे एक महिला, एक देवी दिखाई देती है, जिसके सिर पर किसी प्रकार का आभूषण है।"
"क्या आप उस देवी का नाम जानते हैं?"
"ओसिरिस... सिरस... कुछ ऐसा ही। मुझे एक आँख दिख रही है... आँख, बस एक आँख, एक चेन पर एक आँख। यह सोने की है।"
"एक आँख?"
"हाँ... हैथोर कौन है?"
"क्या?"
"हाथोर! वो कौन है!"
मैंने हैथोर के बारे में कभी नहीं सुना था, हालाँकि मुझे पता था कि ओसिरिस, अगर उच्चारण सही है, तो मिस्र की एक प्रमुख देवी आइसिस का भाई-पति था। बाद में मुझे पता चला कि हैथोर प्रेम, उल्लास और आनंद की मिस्र की देवी थी। "क्या वह देवताओं में से एक है?" मैंने पूछा।
"हाथोर! हाथोर।" काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। "पक्षी... वो चपटा है... चपटा, एक फीनिक्स की तरह...।" वह फिर चुप हो गई।
"अब समय में आगे बढ़ो, अपने जीवनकाल के अंतिम दिन तक। अपने अंतिम दिन तक जाओ, लेकिन मरने से पहले। मुझे बताओ कि तुम क्या देखते हो।"
उसने बहुत धीमी आवाज़ में फुसफुसाते हुए जवाब दिया, "मुझे लोग और इमारतें दिखाई दे रही हैं। मुझे सैंडल दिखाई दे रही हैं, सैंडल। वहाँ एक मोटा कपड़ा है, किसी तरह का मोटा कपड़ा।"
"क्या होता है? अब अपने मरने के समय में जाओ। तुम्हारे साथ क्या होता है? तुम इसे देख सकते हो।"
मुझे यह दिखाई नहीं देता... मुझे अब खुद की भी झलक नहीं दिखती।
"तुम कहाँ हो? तुम्हें क्या दिखाई दे रहा है?"
"कुछ नहीं... बस अंधेरा... मुझे एक रोशनी दिख रही है, एक गर्म रोशनी।" वह पहले ही मर चुकी थी, आध्यात्मिक अवस्था में प्रवेश कर चुकी थी। जाहिर है, उसे अपनी वास्तविक मृत्यु का अनुभव दोबारा करने की आवश्यकता नहीं थी।
मैंने पूछा, "क्या तुम रोशनी में आ सकते हो?"
"मैं जा रही हूँ।" वह शांति से आराम कर रही थी, फिर से प्रतीक्षा कर रही थी।
"क्या अब आप उस जीवनकाल के अनुभवों को याद कर सकते हैं? क्या आप उनसे अवगत हैं?"
"नहीं," उसने फुसफुसाते हुए कहा। वह इंतज़ार करती रही। अचानक वह सतर्क हो उठी, हालाँकि उसकी आँखें बंद ही रहीं, जैसा कि सम्मोहन की अवस्था में हमेशा होता था। उसका सिर इधर-उधर घूम रहा था।

“अब आपको क्या दिख रहा है? क्या हो रहा है?”
उसकी आवाज़ तेज़ हो गई। "मुझे ऐसा लग रहा है... जैसे कोई मुझसे बात कर रहा हो!"
वे क्या कहते हैं?
“धैर्य की बात हो रही है। धैर्य रखना जरूरी है...।”
"हां जारी रखो।"
इसका उत्तर कवि मास्टर ने दिया। “धैर्य और समय... हर चीज़ अपने तय समय पर आती है। जीवन को जल्दबाजी में नहीं जिया जा सकता, इसे उस तरह से समय-सारणीबद्ध नहीं किया जा सकता जैसा कि बहुत से लोग चाहते हैं। हमें जो भी समय पर मिलता है, उसे स्वीकार करना चाहिए और अधिक की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। लेकिन जीवन अनंत है, इसलिए हम कभी मरते नहीं; हमारा कभी जन्म ही नहीं हुआ। हम बस जीवन के विभिन्न चरणों से गुजरते हैं। इसका कोई अंत नहीं है। मनुष्य के अनेक आयाम हैं। लेकिन समय वैसा नहीं है जैसा हम देखते हैं, बल्कि यह उन सीखों में निहित है जो हम सीखते हैं।”
काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। फिर कवि गुरु ने बोलना जारी रखा।
“समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। लेकिन आपको अब तक दी गई जानकारी को समझने का मौका मिलना चाहिए।” कैथरीन चुप रही।
मैंने पूछा, "क्या मुझे और भी कुछ सीखना चाहिए?"
“वे चले गए हैं,” उसने धीमी आवाज़ में फुसफुसाते हुए कहा। “मुझे किसी की आवाज़ नहीं सुनाई दे रही है।”

अध्याय नौ

हर हफ्ते कैथरीन के मन से मानसिक भय और चिंताओं की एक-एक परत हटती जा रही थी। हर हफ्ते वह थोड़ी और शांत, थोड़ी और कोमल और धैर्यवान होती जा रही थी। वह अधिक आत्मविश्वासी हो गई थी और लोग उसकी ओर आकर्षित होने लगे थे। कैथरीन अधिक प्रेममय महसूस करने लगी थी और दूसरे भी उसे प्रेम लौटाने लगे थे। उसके भीतर छिपा हीरा, जो उसका सच्चा व्यक्तित्व था, सबके सामने चमक रहा था।
कैथरीन के अंतर्मन के अनुभव सदियों पुराने थे। हर बार जब वह सम्मोहन की अवस्था में जाती, तो मुझे यह नहीं पता होता था कि उसके जन्मों की कड़ियाँ कहाँ जाकर मिलेंगी। प्रागैतिहासिक गुफाओं से लेकर प्राचीन मिस्र और आधुनिक युग तक—वह हर जगह जा चुकी थी। और उसके सभी जन्मों की देखरेख, समय से परे कहीं, गुरुओं द्वारा बड़े प्रेम से की गई थी। आज के सत्र में वह बीसवीं शताब्दी में प्रकट हुई, लेकिन कैथरीन के रूप में नहीं।
"मुझे एक विमान का ढांचा और एक हवाई पट्टी दिखाई दे रही है, किसी तरह की हवाई पट्टी," उसने धीरे से फुसफुसाते हुए कहा।
"क्या आप जानते है यह कहाँ है?"
“मुझे समझ नहीं आ रहा... अल्सेशियन?” फिर, और भी स्पष्ट रूप से, “अल्सेशियन।”
“फ्रांस में?”
“मुझे नहीं पता, बस अल्सेशियन जैसा लग रहा है। ... मुझे वॉन मार्क्स नाम दिख रहा है, वॉन मार्क्स [उच्चारण के अनुसार]। किसी तरह का भूरा हेलमेट या टोपी... चश्मा लगी टोपी। टुकड़ी नष्ट हो चुकी है। यह बहुत ही दूरदराज का इलाका लगता है। मुझे नहीं लगता कि

आस-पास कोई कस्बा है।”
"आप क्या देखते हैं?"
“मुझे तबाह इमारतें दिख रही हैं। मुझे इमारतें दिख रही हैं... बमबारी से ज़मीन पूरी तरह से उखड़ गई है। यहाँ एक बहुत ही छिपा हुआ इलाका है।”
"आप क्या कर रहे हो?"
मैं घायलों की मदद कर रहा हूँ। वे उन्हें उठाकर ले जा रहे हैं।
खुद को देखो। अपने बारे में बताओ। नीचे देखो और देखो कि तुमने क्या पहना है।
मैंने एक जैकेट पहनी हुई है। मेरे बाल सुनहरे हैं। मेरी आंखें नीली हैं। मेरी जैकेट बहुत गंदी है। बहुत सारे लोग घायल हैं।
क्या आपको घायलों की सहायता करने का प्रशिक्षण प्राप्त है?
"नहीं।"
“क्या आप वहां रहते हैं या आपको वहां लाया गया है? आप कहां रहते हैं?”
"मुझें नहीं पता।"
आपकी उम्र लगभग कितनी है?
“पैंतीस।” कैथरीन खुद उनतीस साल की थी, और उसकी आँखें नीली नहीं बल्कि भूरी थीं। मैंने पूछताछ जारी रखी।
“क्या आपका कोई नाम है? क्या वह जैकेट पर लिखा है?”
“जैकेट पर पंख बने हुए हैं। मैं एक पायलट हूँ... किसी तरह का पायलट।”
“क्या आप हवाई जहाज उड़ाते हैं?”
"हां मुझे यह करना है।"
“आपको कौन उड़ाता है?”
“मैं उड़ान भरने की सेवा में हूं। यही मेरा काम है।”
"क्या तुम बम भी गिराते हो?"
"विमान में एक गनर है। एक नेविगेटर भी है।"
आप किस प्रकार का विमान उड़ाते हैं?
“कोई हेलीकॉप्टर जैसा विमान है। इसमें चार प्रोपेलर हैं। यह फिक्स्ड विंग वाला विमान है।”
मुझे हंसी आ गई, क्योंकि कैथरीन को हवाई जहाजों के बारे में कुछ भी नहीं पता था। मैं सोच रहा था कि वह “फिक्स्ड विंग” का क्या मतलब समझती होगी। लेकिन, मक्खन बनाने या मृत शरीर को संरक्षित करने की तरह, सम्मोहन की अवस्था में उसके पास ज्ञान का विशाल भंडार था। हालांकि, इस ज्ञान का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही उसके सचेत मन के लिए उपलब्ध था। मैंने आगे सवाल करना जारी रखा।
क्या आपका परिवार है?
वे मेरे साथ नहीं हैं।
“क्या वे सुरक्षित हैं?”
मुझे नहीं पता। मुझे डर लग रहा है... डर लग रहा है कि वे वापस आ जाएँगे। मेरे दोस्त मर रहे हैं!
आपको किससे डर लगता है कि वह वापस आ जाएगा?
"दुश्मन।"
"कौन हैं वे?"
“अंग्रेज़... अमेरिकी सशस्त्र बल... अंग्रेज़।”
“हां। क्या आपको अपना परिवार याद है?”
“याद है? बहुत ज्यादा भ्रम है।”

“चलिए उसी जीवनकाल में वापस चलते हैं, उस खुशहाल समय में, युद्ध से पहले के समय में, जब आप अपने परिवार के साथ घर पर थे। आप उसे देख सकते हैं। मुझे पता है यह मुश्किल है, लेकिन मैं चाहता हूं कि आप शांत हो जाएं। याद करने की कोशिश करें।”
कैथरीन थोड़ी देर रुकी, फिर फुसफुसाते हुए बोली, "मुझे एरिक नाम सुनाई दे रहा है... एरिक। मुझे सुनहरे बालों वाली एक बच्ची दिखाई दे रही है।"
"क्या यह आपकी बेटी है?"
"हां, यह मार्गोट ही होगी..."
क्या वह आपके करीब है?
“वह मेरे साथ है। हम पिकनिक पर हैं। आज का दिन बहुत खूबसूरत है।”
"क्या मार्गोट के अलावा आपके साथ कोई और भी है?"
मुझे भूरे बालों वाली एक महिला घास पर बैठी हुई दिखाई देती है।
क्या वह आपकी पत्नी है?
“हां... मैं उसे नहीं जानती,” उसने कैथरीन के वर्तमान जीवनकाल में किसी को पहचानने का जिक्र करते हुए कहा।
“क्या आप मार्गोट को जानते हैं?” मार्गोट को ध्यान से देखिए। क्या आप उसे जानते हैं?”
"हां, लेकिन मुझे पक्का नहीं पता कैसे... मैं उसे कहीं से जानती थी।"
“तुम्हें समझ आ जाएगा। उसकी आँखों में देखो।”
“मैं जूडी हूँ,” उसने जवाब दिया। जूडी इस समय कैथरीन की सबसे अच्छी दोस्त थी। पहली मुलाकात में ही उनके बीच तुरंत एक गहरा जुड़ाव हो गया था और वे सच्ची दोस्त बन गई थीं, एक-दूसरे पर पूरा भरोसा करती थीं, एक-दूसरे के मन की बात और ज़रूरतें बिना बोले ही समझ जाती थीं।
“जूडी?” मैंने दोहराया।
“हां, जूडी। वह बिल्कुल उसके जैसी दिखती है... उसकी मुस्कान भी बिल्कुल उसके जैसी है।”
“हां, यह अच्छी बात है। क्या आप घर पर खुश हैं, या कोई समस्या है?”
“कोई समस्या नहीं है।” [लंबा विराम] “जी हाँ, यह अशांति का दौर है। जर्मन सरकार और राजनीतिक ढांचे में गहरी समस्या है। बहुत से लोग अलग-अलग दिशाओं में जाना चाहते हैं। अंततः यह हमें तोड़ देगा... लेकिन मुझे अपने देश के लिए लड़ना होगा।”
क्या आपके मन में अपने देश के लिए गहरी भावनाएं हैं?
मुझे युद्ध पसंद नहीं है। मुझे लगता है कि हत्या करना गलत है, लेकिन मुझे अपना कर्तव्य निभाना ही होगा।
“वापस जाओ, जहाँ तुम थे वहाँ, ज़मीन पर खड़े विमान के पास, बमबारी के पास, और युद्ध के पास। अब समय बीत चुका है; युद्ध शुरू हो चुका है। अंग्रेज और अमेरिकी तुम्हारे आस-पास बम गिरा रहे हैं। वापस जाओ। क्या तुम्हें फिर से विमान दिखाई दे रहा है?”
"हाँ।"
"क्या कर्तव्य, हत्या और युद्ध के बारे में आपकी भावनाएं अभी भी वैसी ही हैं?"
"हाँ, हम व्यर्थ में मरेंगे।"
"क्या?"
“हम व्यर्थ ही मरेंगे,” उसने धीमी और भारी आवाज़ में दोहराया।
“कुछ नहीं? क्यों व्यर्थ? क्या इसमें कोई गौरव नहीं? क्या इसमें अपनी भूमि या अपने प्रियजनों की रक्षा नहीं?”
"हम कुछ लोगों के विचारों की रक्षा के लिए अपनी जान दे देंगे।"

“भले ही ये आपके देश के नेता थे? वे गलत हो सकते हैं—” उसने मुझे तुरंत बीच में ही रोक दिया।
“वे नेता नहीं हैं। अगर वे नेता होते, तो सरकार में इतना आंतरिक कलह नहीं होता...”
“कुछ लोग उन्हें पागल कहते हैं। क्या यह बात आपको समझ में आती है? सत्ता के भूखे?”
“हम सब पागल ही होंगे अगर हम उनके बहकावे में आ जाएं, उन्हें हमें लोगों को मारने के लिए प्रेरित करने दें... और खुद को भी मार डालें...।”
"क्या तुम्हारे अभी भी कोई दोस्त बचे हैं?"
"हां, अभी भी कुछ लोग जीवित हैं।"
“क्या आपके विमान के चालक दल में कोई ऐसा सदस्य है जिसके आप विशेष रूप से करीब हैं? क्या आपका गनर और आपका नेविगेटर अभी भी जीवित हैं?”
मुझे वे दिखाई नहीं दे रहे हैं, लेकिन मेरा विमान नष्ट नहीं हुआ है।
क्या आप दोबारा हवाई जहाज में यात्रा करेंगे?
"हां, हमें बाकी बचे विमानों को रनवे से जल्दी हटाना होगा... इससे पहले कि वे वापस आ जाएं।"
"अपने विमान में जाओ।"
“मैं नहीं जाना चाहती।” ऐसा लग रहा था मानो वह मुझसे मोलभाव कर सकती हो।
लेकिन इसे शुरू करने के लिए आपको ऐसा करना ही होगा।
“यह तो बिलकुल बेतुका है...।”
“युद्ध से पहले आपका क्या पेशा था? क्या आपको याद है? एरिक क्या करता था?”
"मैं एक छोटे विमान में दूसरे नंबर का कमांडर था... एक ऐसा विमान जो मालवाहक विमान था।"
तो आप पायलट भी थे?
"हाँ।"
"क्या इसकी वजह से आपको घर से अक्सर दूर रहना पड़ता था?"
उसने बहुत धीमी, उदास स्वर में उत्तर दिया, "हाँ।"
मैंने निर्देश दिया, "समय से पहले अगली उड़ान के लिए आगे बढ़ो। क्या तुम ऐसा कर सकते हो?"
अगली उड़ान उपलब्ध नहीं है।
क्या आपके साथ कुछ घटित हुआ?
“हाँ।” उसकी साँसें तेज़ हो रही थीं और वह बेचैन हो रही थी। वह सीधे अपनी मृत्यु के दिन में पहुँच गई थी।
"क्या हो रहा है?"
मैं आग से भाग रहा हूँ। मेरी पार्टी आग की चपेट में आकर बिखर रही है।
क्या तुम इससे बच पाओगे?
“कोई नहीं बचता... युद्ध में कोई नहीं बचता। मैं मर रही हूँ!” उसकी साँसें तेज़ चल रही थीं।
“खून! हर जगह खून ही खून है! मेरे सीने में दर्द हो रहा है। मेरे सीने में चोट लगी है... और मेरे पैर में... और मेरी गर्दन में। बहुत दर्द हो रहा है...।” वह दर्द से तड़प रही थी; लेकिन जल्द ही उसकी साँसें धीमी और नियमित हो गईं; उसके चेहरे की मांसपेशियाँ शिथिल हो गईं, और उसके चेहरे पर शांति का भाव आ गया। मैंने संक्रमण की इस शांत अवस्था को पहचान लिया।
“तुम अब ज़्यादा सहज लग रही हो। क्या सब खत्म हो गया?” वह थोड़ी देर रुकी, फिर बहुत धीमी आवाज़ में बोली।

“मैं तैर रहा हूँ... अपने शरीर से दूर। मेरा कोई शरीर नहीं है। मैं फिर से आत्मा के रूप में हूँ।”
“अच्छा। आराम करो। तुम्हारा जीवन कठिन रहा है। तुम्हारी मृत्यु भी कष्टदायी रही। तुम्हें आराम करने की जरूरत है। खुद को तरोताजा करो। तुमने उस जीवन से क्या सीखा?”
“मैंने नफरत के बारे में सीखा... बेमतलब की हत्याओं के बारे में... गलत दिशा में निर्देशित नफरत के बारे में... ऐसे लोगों के बारे में जो नफरत करते हैं और उन्हें खुद नहीं पता कि क्यों। हम बुराई से प्रेरित होते हैं... जब हम शारीरिक अवस्था में होते हैं...।”
“क्या देश के प्रति कर्तव्य से बढ़कर कोई और कर्तव्य है? क्या कोई ऐसी चीज है जो आपको हत्या करने से रोक सकती थी? भले ही आपको आदेश दिया गया हो? क्या आपका स्वयं के प्रति कोई कर्तव्य है?”
“हां...” लेकिन उन्होंने इस बारे में विस्तार से नहीं बताया।
क्या आप अब किसी चीज का इंतजार कर रहे हैं?
“हां... मैं नवीनीकरण की अवस्था में जाने की प्रतीक्षा कर रहा हूँ। मुझे प्रतीक्षा करनी होगी। वे मेरे लिए आएंगे... वे आएंगे...।”
“अच्छा। उनके आने पर मैं उनसे बात करना चाहूँगी।” हमने कुछ और मिनट इंतज़ार किया। फिर अचानक उनकी आवाज़ तेज़ और कर्कश हो गई, और कवि गुरु नहीं, बल्कि मूल गुरु आत्मा बोल रही थी।
“आपने यह मानकर सही किया कि शारीरिक अवस्था में रहने वालों के लिए यही उचित उपचार है। आपको उनके मन से भय को पूरी तरह मिटाना होगा। भय की उपस्थिति में ऊर्जा व्यर्थ है। यह उन्हें उस उद्देश्य को पूरा करने से रोकता है जिसके लिए उन्हें यहाँ भेजा गया है। अपने आस-पास के वातावरण से संकेत लें। उन्हें पहले एक बहुत ही गहरे स्तर पर ले जाना होगा... जहाँ वे अपने शरीर को महसूस न कर सकें। तभी आप उन तक पहुँच सकते हैं। समस्याएँ केवल सतह पर ही होती हैं...। उनकी आत्मा की गहराई में, जहाँ विचार उत्पन्न होते हैं, वहीं आपको उन तक पहुँचना होगा।”
“ऊर्जा... सब कुछ ऊर्जा है। बहुत सी ऊर्जा व्यर्थ ही बर्बाद हो जाती है। पहाड़... पहाड़ के अंदर शांति होती है; केंद्र में सन्नाटा रहता है। लेकिन परेशानी बाहर ही छिपी होती है। मनुष्य केवल बाहरी भाग देख सकता है, लेकिन आप बहुत गहराई तक जा सकते हैं। आपको ज्वालामुखी को देखना होगा। इसके लिए आपको उसके भीतर गहराई तक जाना होगा।”
“शारीरिक अवस्था में होना असामान्य है। जब आप आध्यात्मिक अवस्था में होते हैं, तो यह आपके लिए स्वाभाविक होता है। जब हमें वापस भेजा जाता है, तो ऐसा लगता है जैसे हमें किसी अनजान जगह पर वापस भेज दिया गया हो। इसमें हमें अधिक समय लगेगा। आध्यात्मिक जगत में आपको प्रतीक्षा करनी पड़ती है, और फिर आपका पुनर्जन्म होता है। वहाँ पुनर्जन्म की एक अवस्था होती है। यह अन्य आयामों की तरह ही एक आयाम है, और आप लगभग उस अवस्था तक पहुँचने में सफल हो चुके हैं...।”
यह देखकर मैं आश्चर्यचकित रह गया। मैं नवीनीकरण की अवस्था के इतने करीब कैसे पहुँच सकता हूँ? "क्या मैं लगभग वहाँ पहुँच गया हूँ?" मैंने अविश्वास से पूछा।
“हाँ। तुम दूसरों से कहीं ज़्यादा जानते हो। तुम कहीं ज़्यादा समझते हो। उनके साथ धैर्य रखो। उनके पास वह ज्ञान नहीं है जो तुम्हारे पास है। तुम्हारी मदद के लिए आत्माएँ भेजी जाएँगी। लेकिन तुम जो कर रहे हो वह सही है... जारी रखो। इस ऊर्जा को व्यर्थ नहीं जाने देना चाहिए। तुम्हें डर से छुटकारा पाना होगा। यही तुम्हारा सबसे बड़ा हथियार होगा...।”
परमपिता मौन थे। मैंने इस अद्भुत संदेश के अर्थ पर विचार किया। मैं जानता था कि मैं कैथरीन के भय को सफलतापूर्वक दूर कर रहा हूँ, लेकिन इस संदेश का अर्थ कहीं अधिक व्यापक था। यह केवल एक चिकित्सीय उपकरण के रूप में सम्मोहन की प्रभावशीलता की

पुष्टि से कहीं अधिक था। इसमें भूतपूर्व जन्मों के प्रतिगमन से भी कहीं अधिक गहराई थी, जिसे आम लोगों पर एक-एक करके लागू करना कठिन होगा। नहीं, मेरा मानना था कि यह मृत्यु के भय से संबंधित था, जो ज्वालामुखी के भीतर गहराई में छिपा हुआ भय है। मृत्यु का भय, वह छिपा हुआ, निरंतर भय जिसे धन या शक्ति की कोई मात्रा बेअसर नहीं कर सकती —यही मूल है। लेकिन अगर लोगों को पता होता कि "जीवन अनंत है; इसलिए हम कभी नहीं मरते; हमारा वास्तव में कभी जन्म नहीं हुआ," तो यह भय दूर हो जाता। अगर उन्हें पता होता कि वे पहले अनगिनत बार जी चुके हैं और फिर अनगिनत बार जिएंगे, तो उन्हें कितना सुकून मिलता। अगर उन्हें पता होता कि आत्माएँ उनके भौतिक अवस्था में उनकी सहायता के लिए मौजूद हैं और मृत्यु के बाद, आध्यात्मिक अवस्था में, वे इन आत्माओं से, जिनमें उनके दिवंगत प्रियजन भी शामिल हैं, मिल जाएँगे, तो उन्हें कितना आराम मिलता। अगर उन्हें पता होता कि संरक्षक "देवदूत" सचमुच मौजूद हैं, तो वे कितना अधिक सुरक्षित महसूस करते। अगर उन्हें पता होता कि लोगों के खिलाफ हिंसा और अन्याय के कृत्य अनदेखे नहीं रहते, बल्कि उनका बदला अगले जन्मों में भुगतना पड़ता है, तो उनके मन में क्रोध और प्रतिशोध की भावना कितनी कम होती। और अगर सच में, "ज्ञान से ही हम ईश्वर के निकट पहुँचते हैं," तो भौतिक संपत्ति या शक्ति का क्या उपयोग है, जब वे स्वयं में ही लक्ष्य हैं, न कि उस तक पहुँचने का साधन? लालच या सत्ता की भूख का कोई मूल्य नहीं है।

लेकिन इस ज्ञान को लोगों तक कैसे पहुँचाया जाए? अधिकांश लोग अपने गिरजाघरों, सभाघरों, मस्जिदों या मंदिरों में प्रार्थना करते हैं, ऐसी प्रार्थनाएँ जो आत्मा की अमरता का बखान करती हैं। फिर भी, पूजा समाप्त होने के बाद, वे अपनी प्रतिस्पर्धी आदतों में वापस लौट जाते हैं, लालच, छल और स्वार्थ का अभ्यास करते हैं। ये लक्षण आत्मा की प्रगति में बाधा डालते हैं। इसलिए, यदि आस्था पर्याप्त नहीं है, तो शायद विज्ञान मदद कर सकता है। शायद कैथरीन और मेरे जैसे अनुभवों का अध्ययन, विश्लेषण और निष्पक्ष, वैज्ञानिक तरीके से व्यवहारिक और भौतिक विज्ञान में प्रशिक्षित लोगों द्वारा रिपोर्ट किए जाने की आवश्यकता है। फिर भी, इस समय, एक वैज्ञानिक शोध पत्र या पुस्तक लिखना मेरे दिमाग में सबसे दूर की बात थी, एक दूर की और लगभग असंभव संभावना। मैं उन आत्माओं के बारे में सोच रहा था जिन्हें मेरी मदद के लिए वापस भेजा जाएगा। मेरी किस काम में मदद करेंगे?

कैथरीन हिली और फुसफुसाने लगी, "गिदोन नाम का कोई, गिदोन नाम का कोई... गिदोन। वह मुझसे बात करने की कोशिश कर रहा है।"

वह क्या कहता है?

"वह हर जगह मौजूद है। वह रुकता नहीं है। वह किसी तरह का संरक्षक है... कुछ तो है। लेकिन अभी वह मेरे साथ खेल रहा है।"

क्या वह आपके अभिभावकों में से एक है?

"हां, लेकिन वह खेल रहा है... वह इधर-उधर उछल-कूद कर रहा है। मुझे लगता है कि वह मुझे यह बताना चाहता है कि वह मेरे चारों ओर है... हर जगह।"

"गिदोन?" मैंने दोहराया।

वह वहीं है।

"क्या इससे आपको अधिक सुरक्षित महसूस होता है?"

"हां। जब मुझे उसकी जरूरत होगी, वह वापस आ जाएगा।"

"अच्छा। क्या हमारे आसपास आत्माएं हैं?"

उसने अपने अतिचेतन मन से फुसफुसाते हुए उत्तर दिया, "ओह, हाँ... अनेक आत्माएँ। वे तभी आती हैं जब वे चाहती हैं। वे आती हैं... जब वे चाहती हैं। हम सब आत्माएँ हैं। लेकिन अन्य... कुछ भौतिक अवस्था में हैं और कुछ नवीनीकरण की अवस्था में हैं। और कुछ संरक्षक

हैं। लेकिन हम सब वहाँ जाते हैं। हम भी संरक्षक रह चुके हैं।"
"हम सीखने के लिए बार-बार क्यों लौटते हैं? हम आत्मा के रूप में क्यों नहीं सीख सकते?"
"ये सीखने के अलग-अलग स्तर हैं, और हमें इनमें से कुछ को शारीरिक अनुभव से सीखना होगा। हमें दर्द का एहसास करना होगा। जब आप आत्मा होते हैं तो आपको कोई दर्द महसूस नहीं होता। यह नवीनीकरण का समय होता है। आपकी आत्मा का नवीनीकरण हो रहा होता है। जब आप शारीरिक अवस्था में होते हैं, तो आप दर्द महसूस कर सकते हैं; आपको चोट लग सकती है। आध्यात्मिक रूप में आप कुछ भी महसूस नहीं करते। केवल आनंद होता है, एक सुखद अनुभूति होती है। लेकिन यह हमारे लिए नवीनीकरण का समय है। आध्यात्मिक रूप में लोगों के बीच का संवाद अलग होता है। जब आप शारीरिक अवस्था में होते हैं... तो आप रिश्तों का अनुभव कर सकते हैं।"
"मैं समझती हूँ। सब ठीक हो जाएगा।" वह फिर चुप हो गई। कुछ मिनट बीत गए।
"मुझे एक गाड़ी दिख रही है," उसने कहना शुरू किया, "एक नीली गाड़ी।"
"एक शिशु गाड़ी?"
नहीं, एक गाड़ी जिसमें आप सवारी करते हैं... कुछ नीला! ऊपर नीली झालर, बाहर से नीला...
क्या घोड़े गाड़ी खींचते हैं?
"इसके पहिए बड़े हैं। मुझे इसमें कोई बैठा हुआ नहीं दिख रहा, बस दो घोड़े बंधे हुए हैं... एक भूरा और एक धूसर। भूरे घोड़े का नाम एप्पल है, क्योंकि उसे सेब पसंद हैं। दूसरे का नाम ड्यूक है। वे बहुत अच्छे हैं। वे आपको काटेंगे नहीं। उनके पैर बड़े हैं... बड़े-बड़े पैर।"
क्या कोई दुष्ट घोड़ा भी है? कोई दूसरा घोड़ा?
नहीं। वे बहुत अच्छे हैं।
"क्या आप मौजूद हैं?"
"हां। मुझे उसकी नाक दिख रही है। वह मुझसे बहुत बड़ा है।"
"क्या तुम गाड़ी में सवारी करती हो?" उसके जवाबों के भाव से मुझे पता चल गया कि वह एक बच्ची है।
"वहाँ घोड़े हैं। वहाँ एक लड़का भी है।"
"आपकी आयु कितनी है?"
"बहुत कम। मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि मुझे गिनना आता है।"
"क्या आप उस लड़के को जानते हैं? आपका दोस्त? आपका भाई?"
"वह पड़ोसी है। वह वहाँ किसी पार्टी के लिए आया है। वहाँ शादी या कुछ और हो रहा है।"
क्या आपको पता है कि किसकी शादी हो रही है?
"नहीं। हमें गंदा न होने के लिए कहा गया था। मेरे बाल भूरे हैं... मेरे जूते ऐसे हैं जिनमें किनारे पर ऊपर तक बटन लगे हैं।"
"क्या ये आपके पार्टी के कपड़े हैं? अच्छे कपड़े हैं?"
"यह एक सफेद रंग की... किसी प्रकार की सफेद पोशाक है जिसके ऊपर... कुछ झालरदार सा है, और यह पीछे से बंधी हुई है।"
क्या आपका घर आस-पास ही है?
"यह एक बड़ा घर है," बच्चे ने उत्तर दिया।
क्या आप वहीं रहते हैं?
"हाँ।"
"अच्छा। अब आप घर के अंदर देख सकते हैं; कोई बात नहीं। आज का दिन महत्वपूर्ण है। बाकी लोग भी अच्छे कपड़े पहने होंगे, खास पोशाकें।"

वे खाना बना रहे हैं, ढेर सारा खाना।
"क्या आपके लिए इसे सूंघना संभव है?"
“हाँ। वे किसी तरह की रोटी बना रहे हैं। रोटी... मांस... हमें फिर से बाहर जाने को कहा गया है।” मुझे इस पर हंसी आ गई। मैंने उससे कहा था कि अंदर जाना ठीक है, और अब उसे फिर से बाहर जाने का आदेश दिया गया था।
क्या वे तुम्हारा नाम पुकारते हैं?
“... मैंडी ... मैंडी और एडवर्ड।”
क्या वह लड़का है?
"हाँ।"
“वे तुम्हें घर में रहने नहीं देंगे?”
नहीं, वे बहुत व्यस्त हैं।
"आप इस बारे में कैसे महसूस करते हैं?"
हमें परवाह नहीं है। लेकिन साफ-सुथरा रहना मुश्किल है। हम कुछ नहीं कर सकते।
क्या आप शादी में पहुँचेंगे? उसी दिन बाद में?
“हाँ... मुझे बहुत सारे लोग दिख रहे हैं। कमरा खचाखच भरा है। गर्मी है, आज का दिन बहुत गर्म है। वहाँ एक पादरी हैं; वो पादरी वहाँ हैं... एक अजीब सी टोपी पहने हुए, एक बड़ी सी टोपी... काली। वो टोपी उनके चेहरे पर काफी दूर तक फैली हुई है।”
क्या यह आपके परिवार के लिए खुशी का समय है?
"हाँ।"
क्या आपको पता है कि किसकी शादी हो रही है?
“बस मेरी बहन।”
क्या वह काफी उम्रदराज है?
"हाँ।"
“क्या अब आप उसे देख पा रहे हैं? क्या उसने अपनी शादी की पोशाक पहनी हुई है?”
"हाँ।"
"क्या वह सुंदर है?"
“हां। उसके बालों के चारों ओर बहुत सारे फूल लगे हुए हैं।”
“उसे ध्यान से देखो। क्या तुम उसे किसी और समय से जानते हो? उसकी आँखों को देखो, उसके मुँह को देखो...”
“हाँ। मुझे लगता है वो बेकी है... लेकिन छोटी, बहुत छोटी।” बेकी कैथरीन की दोस्त और सहकर्मी थी। वे बहुत करीबी थीं, फिर भी कैथरीन को बेकी का आलोचनात्मक रवैया और उसके जीवन और फैसलों में दखलंदाजी करना पसंद नहीं था। आखिर वो दोस्त थी, परिवार की सदस्य नहीं। लेकिन शायद अब ये फर्क इतना स्पष्ट नहीं था। “वो... वो मुझे पसंद करती है... और मैं आगे की सीटों पर इसलिए खड़ी हो सकती हूँ क्योंकि वो मुझे पसंद करती है।”
“अच्छा। अपने आस-पास देखो। क्या तुम्हारे माता-पिता यहाँ हैं?”
"हाँ।"
"क्या वे भी तुम्हें उतना ही पसंद करते हैं?"
"हाँ।"
“यह अच्छी बात है। इन्हें ध्यान से देखो। पहले अपनी माँ को देखो। देखो कि क्या तुम्हें वह याद है। उनका चेहरा देखो।”
कैथरीन ने कई गहरी सांसें लीं। "मैं उसे नहीं जानती।"
“अपने पिता को देखो। उन्हें ध्यान से देखो। उनके चेहरे के भाव, उनकी आँखें... और उनका

मुँह भी देखो। क्या तुम उन्हें पहचानते हो?"
"ये स्टुअर्ट है," उसने तुरंत जवाब दिया। तो, स्टुअर्ट एक बार फिर सामने आ गया था। इस मामले की और छानबीन करना ज़रूरी था।
"उसके साथ आपका रिश्ता कैसा है?"
"मैं उससे बहुत प्यार करती हूँ... वह मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार करता है। लेकिन वह मुझे एक परेशानी समझता है। वह बच्चों को परेशानी समझता है।"
"क्या वह कुछ ज्यादा ही गंभीर है?"
नहीं, उसे हमारे साथ खेलना अच्छा लगता है। लेकिन हम बहुत ज्यादा सवाल पूछते हैं। वैसे तो वह हमारे साथ बहुत अच्छा व्यवहार करता है, बस हम बहुत ज्यादा सवाल पूछते हैं।
"क्या इससे कभी-कभी उसे गुस्सा आता है?"
"हां, हमें शिक्षक से सीखना चाहिए, न कि उससे। इसीलिए तो हम स्कूल जाते हैं... सीखने के लिए।"
"ऐसा लग रहा है जैसे वो बोल रहा हो। क्या वो तुमसे ऐसा कहता है?"
"हां, उनके पास करने के लिए और भी महत्वपूर्ण काम हैं। उन्हें खेत का कामकाज संभालना होगा।"
क्या यह एक बड़ा फार्म है?
"हाँ।"
"क्या आप जानते है यह कहाँ है?"
"नहीं।"
"क्या वे कभी शहर या राज्य का जिक्र करते हैं? कस्बे का नाम?"
वह थोड़ी देर रुकी और ध्यान से सुनने लगी। "मुझे वह सुनाई नहीं दे रहा है।" वह फिर चुप हो गई।
"ठीक है, क्या आप इस जीवन में और अधिक खोज करना चाहते हैं? समय में आगे बढ़ना चाहते हैं या फिर यही..."
उसने मेरी बात काट दी। "बस बहुत हो गया।"
कैथरीन के साथ इस पूरी प्रक्रिया के दौरान, मैं अन्य पेशेवरों के साथ उनके खुलासों पर चर्चा करने से हिचकिचा रही थी। वास्तव में, कैरोल और कुछ अन्य "सुरक्षित" लोगों को छोड़कर, मैंने यह महत्वपूर्ण जानकारी किसी और के साथ साझा नहीं की थी। मुझे पता था कि हमारे सत्रों से मिली जानकारी सही और बेहद महत्वपूर्ण थी, फिर भी अपने पेशेवर और वैज्ञानिक सहयोगियों की प्रतिक्रियाओं के डर से मैं चुप रही। मुझे अपनी प्रतिष्ठा, करियर और दूसरों की मेरे बारे में राय की चिंता सता रही थी।
सप्ताह दर सप्ताह उनके मुख से निकलने वाले प्रमाणों ने मेरे व्यक्तिगत संदेह को धीरे-धीरे कम कर दिया था। मैं अक्सर ऑडियो टेपों को दोबारा सुनता और उन सत्रों को, उनकी नाटकीयता और तात्कालिकता के साथ, फिर से अनुभव करता। लेकिन दूसरों को मेरे अनुभवों पर ही निर्भर रहना पड़ता, जो शक्तिशाली तो थे, लेकिन फिर भी उनके अपने नहीं थे। मुझे और अधिक जानकारी जुटाने की प्रेरणा मिली।
जैसे-जैसे मैंने धीरे-धीरे उन संदेशों को स्वीकार करना और उन पर विश्वास करना शुरू किया, मेरा जीवन सरल और अधिक संतोषजनक होता गया। अब मुझे कोई खेल खेलने, दिखावा करने, कोई भूमिका निभाने या अपने वास्तविक स्वरूप से अलग होने की आवश्यकता नहीं रही। रिश्ते अधिक ईमानदार और सीधे हो गए। पारिवारिक जीवन कम उलझन भरा और

अधिक सहज हो गया। कैथरीन के माध्यम से मुझे जो ज्ञान प्राप्त हुआ था, उसे दूसरों के साथ साझा करने की मेरी झिझक कम होने लगी। आश्चर्यजनक रूप से, अधिकांश लोग बहुत रुचि रखते थे और अधिक जानना चाहते थे। कई लोगों ने मुझे अपने अत्यंत निजी अनुभवों के बारे में बताया, चाहे वह ईएसपी (आध्यात्मिक दृष्टि), डेजा वू (प्रतीत की अनुभूति), शरीर से बाहर का अनुभव, पूर्व जन्म के सपने या अन्य कुछ हो। कई लोगों ने तो इन अनुभवों के बारे में अपने जीवनसाथी को भी कभी नहीं बताया था। लगभग सभी लोग इस बात से डरते थे कि अपने अनुभवों को साझा करने पर, दूसरे लोग, यहाँ तक कि उनके अपने परिवार और चिकित्सक भी, उन्हें अजीब या विचित्र समझेंगे। फिर भी, ये परामानसिक घटनाएँ काफी आम हैं, लोगों की सोच से कहीं अधिक बार होती हैं। केवल मानसिक घटनाओं के बारे में दूसरों को बताने की झिझक ही उन्हें दुर्लभ बनाती है। और जो लोग अधिक प्रशिक्षित होते हैं, वे ही इन्हें साझा करने में सबसे अधिक अनिच्छुक होते हैं।

मेरे अस्पताल के एक प्रमुख क्लिनिकल विभाग के सम्मानित अध्यक्ष एक ऐसे व्यक्ति हैं जिनकी विशेषज्ञता के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा की जाती है। वे अपने दिवंगत पिता से बात करते हैं, जिन्होंने कई बार उन्हें गंभीर खतरे से बचाया है। एक अन्य प्रोफेसर को सपने आते हैं जो उनके जटिल शोध प्रयोगों के अधूरे चरणों या समाधानों को उजागर करते हैं। ये सपने हमेशा सही होते हैं। एक अन्य प्रसिद्ध डॉक्टर आमतौर पर फोन उठाने से पहले ही जान जाते हैं कि उन्हें कौन कॉल कर रहा है। मध्य-पश्चिमी विश्वविद्यालय में मनोचिकित्सा विभाग के अध्यक्ष की पत्नी के पास मनोविज्ञान में पीएचडी है। उनकी शोध परियोजनाएं हमेशा सावधानीपूर्वक योजनाबद्ध और क्रियान्वित होती हैं। उन्होंने कभी किसी को नहीं बताया कि जब वे पहली बार रोम गईं, तो वे शहर में ऐसे घूमीं जैसे उनके दिमाग में एक रोड मैप छपा हो। उन्हें अचूक पता था कि अगले मोड़ पर क्या है। हालांकि वे पहले कभी इटली नहीं गई थीं और उन्हें भाषा नहीं आती थी, फिर भी इतालवी लोग बार-बार उनसे इतालवी में बात करते थे, और उन्हें लगातार स्थानीय निवासी समझ लेते थे। उनका दिमाग रोम के अपने अनुभवों को समझने के लिए संघर्ष कर रहा था।

मैं समझ गया कि ये उच्च प्रशिक्षित पेशेवर क्यों अपनी पहचान छुपाए रखते थे। मैं भी उन्हीं में से एक था। हम अपने अनुभवों और भावनाओं को नकार नहीं सकते थे। फिर भी, हमारा प्रशिक्षण कई मायनों में उस जानकारी, अनुभव और मान्यताओं के बिल्कुल विपरीत था जो हमने अर्जित की थीं। इसलिए हम चुप रहे।

अध्याय दस

सप्ताह जल्दी बीत गया। मैंने पिछले सप्ताह के सत्र की रिकॉर्डिंग बार-बार सुनी। मैं नवीकरण की अवस्था की ओर किस तरह बढ़ रहा था? मुझे कोई विशेष ज्ञानोदय का अनुभव नहीं हुआ। और अब मेरी सहायता के लिए आत्माओं को वापस भेजा जाएगा। लेकिन मुझे क्या करना चाहिए? मुझे कब पता चलेगा? क्या मैं इस कार्य को पूरा कर पाऊँगा? मैं जानता था कि मुझे प्रतीक्षा करनी होगी और धैर्य रखना होगा। मुझे कवि गुरु के शब्द याद आए।

“धैर्य और सही समय... हर चीज़ अपने तय समय पर होती है... समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। लेकिन आपको अब तक दी गई जानकारी को समझने का मौका मिलना

चाहिए।” इसलिए मैं इंतज़ार करूँगा।
इस सत्र की शुरुआत में कैथरीन ने कुछ रात पहले देखे गए अपने एक सपने का अंश सुनाया। सपने में वह अपने माता-पिता के घर में थी और रात में आग लग गई थी। वह स्थिति को संभाल रही थी और घर खाली कराने में मदद कर रही थी, लेकिन उसके पिता सुस्त थे और स्थिति की गंभीरता के प्रति उदासीन प्रतीत हो रहे थे। उसने उन्हें जल्दी से बाहर भेजा। तभी उन्हें याद आया कि उन्होंने घर में कुछ छोड़ दिया है, और उन्होंने कैथरीन को उस वस्तु को लाने के लिए भयंकर आग में वापस भेज दिया। कैथरीन को याद नहीं आ रहा था कि वह क्या वस्तु थी। मैंने अभी सपने की व्याख्या न करने का निर्णय लिया, बल्कि यह देखने का इंतजार किया कि क्या सम्मोहन के दौरान ऐसा करने का अवसर मिलता है।
वह तुरंत गहरी सम्मोहन अवस्था में चली गई। “मुझे एक महिला दिखाई दे रही है जिसके सिर पर एक हुड है, जो उसके चेहरे को नहीं, बल्कि केवल उसके बालों को ढके हुए है।” फिर वह चुप हो गई।
“क्या अब आपको वो दिख रहा है? वो हुड?”
“मैं उसे खो बैठा। ... मुझे किसी तरह का काला कपड़ा दिखाई दिया, ब्रोकेड जैसा कपड़ा जिस पर सोने की डिज़ाइन बनी हुई थी। ... मुझे एक इमारत दिखाई दी जिस पर कुछ संरचनात्मक बिंदु थे... सफेद रंग के।”
क्या आप इस इमारत को पहचानते हैं?
"नहीं।"
क्या यह एक बड़ी इमारत है?
“नहीं। पृष्ठभूमि में एक पहाड़ है जिसके शिखर पर थोड़ी बर्फ है। लेकिन घाटी में घास हरी है... जहाँ हम हैं।”
क्या आप इमारत के अंदर जा सकते हैं?
“हां। यह किसी प्रकार के संगमरमर से बना है... छूने पर बहुत ठंडा लगता है।”
"क्या यह किसी प्रकार का मंदिर या धार्मिक भवन है?"
मुझे नहीं पता। मुझे लगा कि यह एक जेल हो सकती है।
“जेल?” मैंने दोहराया। “क्या इमारत में लोग हैं? उसके आसपास?”
“हाँ, कुछ सैनिक। उनकी वर्दी काली है, काले रंग की, जिस पर सुनहरे रंग के शोल्डर पैड लगे हैं... सुनहरे रंग के लटकन लटक रहे हैं। काले हेलमेट पर कुछ सोने की... नुकीली सी सोने की चीज़ लगी है... हेलमेट के ऊपर। और कमर पर लाल रंग का पट्टा।”
क्या आपके आसपास कोई सैनिक हैं?
"शायद दो या तीन।"
"क्या आप मौजूद हैं?"
मैं कहीं हूँ, लेकिन इमारत में नहीं हूँ। लेकिन मैं आस-पास ही हूँ।
"आस-पास देखो। पता लगाने की कोशिश करो कि तुम खुद को कहाँ पाते हो... पहाड़ हैं, घास है... और सफेद इमारत है। क्या यहाँ और भी इमारतें हैं?"
“अगर यहाँ और भी इमारतें हैं, तो वे इसके पास स्थित नहीं हैं। मुझे एक अलग-थलग इमारत दिख रही है, जिसके पीछे किसी तरह की दीवार बनी हुई है... एक दीवार।”
"क्या आपको लगता है कि यह कोई किला है या जेल या कुछ ऐसा ही?"
"ऐसा हो सकता है, लेकिन... यह बहुत ही अलग-थलग इलाका है।"
“यह आपके लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है?” [लंबा विराम] “क्या आप उस कस्बे या देश का नाम जानते हैं जहाँ आप हैं? जहाँ सैनिक हैं?”
मुझे बार-बार ‘यूक्रेन’ दिखाई दे रहा है।

“यूक्रेन?” मैंने उनकी जीवन यात्रा की विविधता से मंत्रमुग्ध होकर दोहराया। “क्या आपको कोई एक वर्ष दिखाई देता है? क्या वह आपके दिमाग में आता है? या कोई समयावधि?”
“सत्रह सौ सत्रह,” उसने हिचकिचाते हुए उत्तर दिया, फिर खुद को सुधारते हुए कहा। “सत्रह सौ अट्ठावन... सत्रह सौ अट्ठावन। बहुत सारे सैनिक हैं। मुझे नहीं पता उनका उद्देश्य क्या है। लंबी, घुमावदार तलवारों के साथ।”
मैंने पूछा, "आपको और क्या दिखाई या सुनाई देता है?"
मुझे एक फव्वारा दिखाई देता है, एक ऐसा फव्वारा जहाँ घोड़ों को पानी पिलाया जाता है।
क्या सैनिक घोड़ों पर सवार होते हैं?
"हाँ।"
“क्या सैनिकों को किसी और नाम से जाना जाता है? क्या वे खुद को किसी विशेष नाम से पुकारते हैं?” उसने ध्यान से सुना।
मुझे ऐसा कुछ सुनाई नहीं दिया।
क्या आप उनमें से एक हैं?
“नहीं।” उसके जवाब फिर से एक बच्चे जैसे थे, संक्षिप्त और अक्सर एक-शब्द वाले। मुझे एक बहुत ही सक्रिय साक्षात्कारकर्ता बनना पड़ा।
लेकिन क्या आप उन्हें आस-पास देख रहे हैं?
"हाँ।"
क्या आप शहर में हैं?
"हाँ।"
क्या आप वहां रहते हैं?
"मुझे ऐसा विश्वास है।"
“अच्छा। देखो, क्या तुम खुद को और अपने रहने की जगह को ढूंढ पाते हो?”
मुझे कुछ बेहद फटे-पुराने कपड़े दिख रहे हैं। मुझे बस एक बच्चा, एक लड़का दिख रहा है। उसके कपड़े फटे हुए हैं। उसे ठंड लग रही है...।”
“क्या कस्बे में उसका कोई घर है?” काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा।
“मुझे ऐसा नहीं लगता,” वह आगे कहती है। ऐसा लग रहा था कि उसे इस जीवन से जुड़ने में कुछ कठिनाई हो रही है। उसके जवाब कुछ अस्पष्ट थे, मानो वह अनिश्चित हो।
“ठीक है। क्या आपको उस लड़के का नाम पता है?”
"नहीं।"
“उस लड़के का क्या हुआ? उसके साथ जाओ। देखो क्या होता है।”
"उसका कोई परिचित कैदी है।"
“कोई दोस्त? कोई रिश्तेदार?”
“मुझे लगता है कि यह उसके पिता हैं।” उसके जवाब संक्षिप्त थे।
क्या तुम वही लड़के हो?
"मुझे यकीन नहीं है।"
"क्या आपको पता है कि उसके पिता के जेल में होने के बारे में वह कैसा महसूस करता है?"
"हां... वह बहुत डरा हुआ है, उसे डर है कि कहीं वे उसे मार न डालें।"
“उसके पिता ने क्या किया है?”
"उसने सैनिकों से कुछ चुराया है, कुछ कागजात या कुछ और।"
“क्या लड़का पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा है?”
नहीं। हो सकता है कि वह अपने पिता को फिर कभी न देख पाए।
क्या उसे अपने पिता से मिलने का मौका मिल पाएगा?

"नहीं।"
“क्या उन्हें पता है कि उसके पिता कितने समय तक जेल में रहेंगे? या फिर वे जीवित भी रहेंगे या नहीं?”
“नहीं!” उसने जवाब दिया। उसकी आवाज़ कांप रही थी। वह बहुत परेशान और दुखी थी। वह ज़्यादा जानकारी नहीं दे रही थी, फिर भी जो कुछ वह देख और अनुभव कर रही थी, उससे वह स्पष्ट रूप से विचलित थी।
मैंने आगे कहा, “आप उस लड़के की भावनाओं को महसूस कर सकते हैं, उस तरह का डर और चिंता। क्या आप इसे महसूस कर रहे हैं?”
“हां।” एक बार फिर वह चुप रही।
“क्या होगा? अब समय में आगे बढ़ो। मुझे पता है यह मुश्किल है। समय में आगे बढ़ो। कुछ तो होगा।”
उसके पिता को फांसी दे दी गई।
अब उसे कैसा लग रहा है?
“यह उस चीज़ के लिए था जो उसने कभी नहीं की थी। लेकिन वे लोगों को बिना किसी कारण के भी फांसी दे देते हैं।”
"लड़का इस बात से बहुत परेशान होगा।"
मुझे नहीं लगता कि वह पूरी तरह से समझ पाया है कि क्या हुआ है।
क्या उसके पास मदद के लिए दूसरे लोग भी हैं?
"हां, लेकिन उसका जीवन बहुत कठिन होगा।"
उस लड़के का क्या हुआ?
“मुझे नहीं पता। शायद उसकी मौत हो जाएगी...” उसकी आवाज़ में उदासी थी। वह फिर चुप हो गई, फिर इधर-उधर देखने लगी।
"आप क्या देख रहे हैं?"
“मुझे एक हाथ दिखाई दे रहा है... एक हाथ किसी चीज़ को जकड़ रहा है... सफ़ेद रंग की। मुझे नहीं पता कि यह क्या है...।” वह फिर चुप हो गई, और कुछ मिनट बीत गए।
मैंने पूछा, "आपको और क्या दिखाई दे रहा है?"
“कुछ नहीं... अंधेरा।” या तो उसकी मृत्यु हो गई थी या वह किसी तरह उस उदास लड़के से अलग हो गई थी जो दो सौ साल से भी अधिक समय पहले यूक्रेन में रहता था।
"क्या तुमने लड़के को छोड़ दिया है?"
“हां,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। वह आराम कर रही थी।
“उस जीवन से आपने क्या सीखा? वह जीवन महत्वपूर्ण क्यों था?”
“लोगों के बारे में जल्दबाजी में राय नहीं बनानी चाहिए। सबके साथ निष्पक्ष व्यवहार करना चाहिए। जल्दबाजी में फैसले लेने से कई जिंदगियां बर्बाद हो गईं।”
"उस लड़के का जीवन छोटा और कठिन था, क्योंकि उसके पिता के खिलाफ उस फैसले ने उसे विवश कर लिया था।"
“हां।” वह फिर चुप हो गई।
“क्या अब आपको कुछ और दिख रहा है? क्या आपको कुछ सुनाई दे रहा है?”
“नहीं।” एक बार फिर संक्षिप्त उत्तर आया और फिर सन्नाटा छा गया। किसी कारणवश, यह छोटा सा जीवन विशेष रूप से कष्टदायक रहा था। मैंने उसे आराम करने के लिए कहा।
“आराम करो। शांति का अनुभव करो। तुम्हारा शरीर खुद को ठीक कर रहा है; तुम्हारी आत्मा को आराम मिल रहा है... क्या अब तुम बेहतर महसूस कर रहे हो? आराम मिल गया? उस छोटे लड़के के लिए यह मुश्किल था। बहुत कठिन। लेकिन अब तुम फिर से आराम कर रहे

हो। तुम्हारा मन तुम्हें दूसरी जगहों पर, दूसरे समयों में... दूसरी यादों में ले जा सकता है। क्या तुम्हें आराम मिल रहा है?"
"हाँ।" मैंने जलते हुए घर, उसके पिता की बेपरवाह सुस्ती और उसके द्वारा उसे अपनी कोई चीज़ वापस लाने के लिए आग में वापस भेजने के सपने के उस अंश की पड़ताल करने का फैसला किया।
"अब मुझे आपके उस सपने के बारे में एक सवाल पूछना है जो आपने अपने पिता के साथ देखा था... आपको वह सपना अब याद आ रहा होगा; यह सुरक्षित है। आप गहरी समाधि की अवस्था में हैं। क्या आपको याद है?"
"हाँ।"
"तुम कुछ लेने के लिए घर के अंदर गए थे। क्या तुम्हें याद है?"
"हां... यह एक धातु का डिब्बा था।"
"ऐसा क्या था कि वह तुम्हें जलते हुए घर में वापस भेजना चाहता था?"
"उसके स्टैम्प और उसके सिक्के... जिन्हें वह सहेज कर रखता है," उसने उत्तर दिया।
सम्मोहन के दौरान सपने की विस्तृत जानकारी, जागृत अवस्था में उसकी अस्पष्ट जानकारी से बिलकुल अलग थी। सम्मोहन एक शक्तिशाली यंत्र था, जो न केवल मन के सबसे दूरस्थ, छिपे हुए क्षेत्रों तक पहुँच प्रदान करता था, बल्कि कहीं अधिक विस्तृत स्मृति को भी संभव बनाता था।
क्या उनके लिए उनके डाक टिकट और सिक्के बहुत महत्वपूर्ण थे?
"हाँ।"
लेकिन सिर्फ डाक टिकटों और सिक्कों के लिए जलते हुए घर में वापस जाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालना—"
उसने मेरी बात काट दी। "उसे नहीं लगा कि वह जोखिम उठा रहा है।"
"क्या उसे लगा कि यह सुरक्षित है?"
"हाँ।"
"तो फिर, आपकी जगह वह वापस क्यों नहीं गया?"
"क्योंकि उसे लगा कि मैं उससे तेज जा सकता हूँ।"
"मैं समझ गया। लेकिन क्या आपको कोई खतरा था?"
"हां, लेकिन उन्हें इस बात का एहसास नहीं था।"
"क्या उस सपने का आपके लिए कोई गहरा अर्थ था? आपके पिता के साथ आपके रिश्ते के बारे में?"
"मुझें नहीं पता।"
"ऐसा नहीं लग रहा था कि उसे जलते हुए घर से बाहर निकलने की कोई जल्दी थी।"
"नहीं।"
"वह इतना आराम से क्यों चल रहा था? तुम तो तेज थे; तुमने खतरे को भांप लिया था।"
"क्योंकि वह चीजों से छिपने की कोशिश करता है।" मैंने सपने के एक हिस्से की व्याख्या करने के लिए इस क्षण का फायदा उठाया।
"हाँ, यह उसकी पुरानी आदत है, और तुम उसके लिए कई काम करती हो, जैसे बक्सा लाना। मुझे उम्मीद है कि वह तुमसे सीख सकता है। मुझे लगता है कि आग समय के खत्म होने का प्रतीक है, कि तुम्हें खतरे का एहसास है और उसे नहीं। जब वह टालमटोल करता है और तुम्हें सामान लाने के लिए बार-बार भेजता है, तब तुम उससे कहीं ज्यादा जानती हो... और उसे बहुत कुछ सिखा सकती हो, लेकिन लगता है कि वह सीखना नहीं चाहता।"
"नहीं," उसने सहमति जताते हुए कहा। "वह ऐसा नहीं करता।"

“मैं इस सपने को इसी तरह देखता हूँ। लेकिन आप उसे मजबूर नहीं कर सकते। इसे केवल वही साकार कर सकता है।”
“हाँ,” उसने फिर सहमति जताई, और उसकी आवाज़ गहरी और कर्कश हो गई, “अगर हमें ज़रूरत न हो तो हमारे शरीरों का आग में जल जाना कोई मायने नहीं रखता...” एक परमात्मा ने सपने पर एक बिल्कुल अलग दृष्टिकोण डाल दिया था। मैं इस अचानक आगमन से हैरान था, और मैं बस उसके विचार को दोहरा ही सका।
“हमें अपने शरीर की जरूरत नहीं है?”
“नहीं। हम इस जीवन में अनेक अवस्थाओं से गुज़रते हैं। हम शिशु शरीर त्यागकर बच्चे के शरीर में प्रवेश करते हैं, बच्चे से वयस्क और वयस्क से वृद्धावस्था में प्रवेश करते हैं। तो फिर हम एक कदम आगे बढ़कर वयस्क शरीर त्यागकर आध्यात्मिक स्तर पर क्यों न जाएँ? यही तो हम करते हैं। हम बढ़ना बंद नहीं करते; हम निरंतर बढ़ते रहते हैं। जब हम आध्यात्मिक स्तर पर पहुँचते हैं, तो वहाँ भी हमारा विकास जारी रहता है। हम विकास के विभिन्न चरणों से गुज़रते हैं। जब हम वहाँ पहुँचते हैं, तो हम पूरी तरह से थक चुके होते हैं। हमें नवीनीकरण, सीखने और निर्णय लेने के चरणों से गुज़रना पड़ता है। हम तय करते हैं कि हम कब, कहाँ और किन कारणों से लौटना चाहते हैं। कुछ लोग वापस न लौटने का चुनाव करते हैं। वे विकास के एक और चरण में जाने का चुनाव करते हैं। और वे आध्यात्मिक रूप में रहते हैं... कुछ लोग लौटने से पहले दूसरों से ज़्यादा समय तक रहते हैं। यह सब विकास और सीखना है... निरंतर विकास। हमारा शरीर यहाँ रहते हुए हमारे लिए केवल एक साधन है। हमारी आत्मा और हमारा प्राण ही शाश्वत हैं।”
मुझे आवाज और बोलने का तरीका अपरिचित लगा। कोई नया गुरु बोल रहा था, और वह महत्वपूर्ण ज्ञान की बातें कर रहा था। मैं इन आध्यात्मिक क्षेत्रों के बारे में और अधिक जानना चाहता था।
“क्या भौतिक अवस्था में सीखना तेज़ होता है? क्या ऐसे कोई कारण हैं कि सभी लोग आध्यात्मिक अवस्था में नहीं रहते?”
नहीं। आध्यात्मिक अवस्था में सीखना भौतिक अवस्था की तुलना में कहीं अधिक तीव्र और त्वरित होता है। लेकिन हम यह चुनते हैं कि हमें क्या सीखना है। यदि हमें किसी रिश्ते को सुलझाने के लिए वापस आना पड़े, तो हम आते हैं। यदि वह रिश्ता समाप्त हो गया है, तो हम आगे बढ़ते हैं। आध्यात्मिक अवस्था में आप चाहें तो भौतिक अवस्था में मौजूद लोगों से संपर्क कर सकते हैं। लेकिन केवल तभी जब कोई बात महत्वपूर्ण हो... जब आपको उन्हें कुछ ऐसा बताना हो जो उनके लिए जानना आवश्यक हो।
“आप संपर्क कैसे स्थापित करते हैं? संदेश कैसे पहुंचाया जाता है?”
मुझे आश्चर्य हुआ जब कैथरीन ने जवाब दिया। उसकी फुसफुसाहट तेज़ और दृढ़ थी। “कभी-कभी आप उस व्यक्ति के सामने प्रकट हो सकते हैं... और ठीक वैसे ही दिख सकते हैं जैसे आप यहाँ थे। कभी-कभी आप केवल मानसिक संपर्क स्थापित करते हैं। कभी-कभी संदेश गूढ़ होते हैं, लेकिन अक्सर व्यक्ति समझ जाता है कि इसका क्या मतलब है। वे समझ जाते हैं। यह मन से मन का संपर्क है।”
मैंने कैथरीन से बात की। “जो ज्ञान आपके पास अभी है, यह जानकारी, यह बुद्धिमत्ता, जो बहुत महत्वपूर्ण है... जब आप जागृत अवस्था में और शारीरिक रूप से मौजूद होती हैं, तब यह आपके लिए सुलभ क्यों नहीं होती?”
मुझे लगता है कि मैं इसे समझ नहीं पाऊंगा। मैं इसे समझने में सक्षम नहीं हूं।
"तो शायद मैं आपको इसे समझने में मदद कर सकूँ, ताकि यह आपको डराए नहीं और आप इससे सीख सकें।"

"हाँ।"
“जब आप गुरुओं की वाणी सुनते हैं, तो वे वैसी ही बातें कहते हैं जैसी आप अभी मुझे बता रही हैं। आप बहुत सारी जानकारी साझा करती होंगी।” इस अवस्था में उनके पास मौजूद ज्ञान से मैं बहुत प्रभावित हुआ।
“हां,” उसने सरलता से उत्तर दिया।
“और यह सब तुम्हारे अपने दिमाग की उपज है?”
"लेकिन उन्होंने ही इसे वहां रखा है।" इसलिए उन्होंने इसका श्रेय मास्टर्स को दिया।
“हां,” मैंने स्वीकार किया। “मैं इसे आप तक सबसे अच्छे तरीके से कैसे पहुंचाऊं ताकि आप सीख सकें और अपने डर को दूर कर सकें?”
“आप यह पहले ही कर चुकी हैं,” उसने धीरे से उत्तर दिया। वह सही थी; उसके डर लगभग खत्म हो चुके थे। सम्मोहन प्रतिगमन शुरू होने के बाद, उसकी चिकित्सीय प्रगति अविश्वसनीय रूप से तीव्र थी।
“आपको अभी कौन से सबक सीखने की जरूरत है? इस जीवनकाल में आप सबसे महत्वपूर्ण बात क्या सीख सकते हैं जिससे आप निरंतर विकास और समृद्धि प्राप्त कर सकें?”
“भरोसा,” उसने तुरंत जवाब दिया। वह जानती थी कि उसका मुख्य कार्य क्या है।
“भरोसा?” मैंने उसकी त्वरित प्रतिक्रिया से आश्चर्यचकित होकर दोहराया।
“हाँ। मुझे आस्था रखना सीखना होगा, लेकिन साथ ही लोगों पर भरोसा करना भी। मैं नहीं कर पाती। मुझे लगता है कि हर कोई मेरा बुरा करने की कोशिश कर रहा है। इसी वजह से मैं उन लोगों और परिस्थितियों से दूर रहती हूँ जिनसे मुझे शायद दूर नहीं रहना चाहिए। यह मुझे उन लोगों के साथ जोड़े रखता है जिनसे मुझे नाता तोड़ लेना चाहिए।”
जब वह अतिचेतन अवस्था में होती थी, तो उसकी अंतर्दृष्टि अद्भुत होती थी। वह अपनी कमजोरियों और खूबियों को जानती थी। वह उन क्षेत्रों को जानती थी जिन पर ध्यान देने और काम करने की आवश्यकता थी, और वह जानती थी कि स्थिति को सुधारने के लिए क्या करना चाहिए। एकमात्र समस्या यह थी कि इन अंतर्दृष्टियों को उसके चेतन मन तक पहुंचना था और उन्हें उसके जागृत जीवन में लागू करना था। अतिचेतन अंतर्दृष्टि आकर्षक थी, लेकिन अपने आप में यह उसके जीवन को बदलने के लिए पर्याप्त नहीं थी।
मैंने पूछा, "ये लोग कौन होते हैं जिनसे अलग होना चाहते हैं?"
वह थोड़ी देर रुकी। “मुझे बेकी से डर लगता है। मुझे स्टुअर्ट से डर लगता है... कि किसी न किसी तरह उनसे मुझे नुकसान पहुँच सकता है।”
"क्या आप इससे अलग हो सकते हैं?"
“पूरी तरह से नहीं, लेकिन उनके कुछ विचारों से, हाँ। स्टुअर्ट मुझे कैद में रखने की कोशिश कर रहा है, और वह इसमें सफल भी हो रहा है। वह जानता है कि मैं डरी हुई हूँ। वह जानता है कि मैं उससे दूर रहने से डरती हूँ, और वह इसी जानकारी का फायदा उठाकर मुझे अपने साथ रखता है।”
और बेकी?
“वह लगातार उन लोगों पर मेरा भरोसा तोड़ने की कोशिश करती रहती है जिन पर मुझे भरोसा है। जब मुझे अच्छाई दिखती है, तो उसे बुराई दिखती है। और वह मेरे मन में ये बीज बोने की कोशिश करती है। मैं उन लोगों पर भरोसा करना सीख रही हूँ जिन पर मुझे भरोसा करना चाहिए, लेकिन वह मुझे उनके बारे में संदेह से भर देती है। और यह उसकी समस्या है। मैं उसे अपने हिसाब से सोचने नहीं दे सकती।”
अपनी अतिचेतन अवस्था में, कैथरीन बेकी और स्टुअर्ट दोनों के चरित्र की प्रमुख कमियों को पहचानने में सक्षम थी। सम्मोहन की अवस्था में कैथरीन एक उत्कृष्ट मनोचिकित्सक बन

सकती थी, क्योंकि वह सहानुभूतिशील और अचूक अंतर्ज्ञानी थी। जागृत अवस्था में कैथरीन में ये गुण नहीं थे। मेरा काम इस खाई को पाटना था। उसके नैदानिक स्वास्थ्य में नाटकीय सुधार का अर्थ था कि कुछ हद तक यह बात सामने आ रही थी। मैंने इस खाई को पाटने का और प्रयास किया।
मैंने पूछा, "आप किस पर भरोसा कर सकते हैं? ज़रा सोचिए। वे कौन लोग हैं जिन पर आप भरोसा कर सकते हैं, जिनसे सीख सकते हैं और जिनके करीब आ सकते हैं? वे कौन हैं?"
“मैं तुम पर भरोसा कर सकती हूँ,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। मैं यह जानती थी, लेकिन मुझे यह भी पता था कि उसे अपने रोजमर्रा के जीवन में लोगों पर और भी अधिक भरोसा करने की ज़रूरत है।
“हाँ, तुम कर सकती हो। तुम मेरे करीब हो, लेकिन तुम्हें अपने जीवन में दूसरे लोगों के भी करीब आना चाहिए, ऐसे लोग जो मेरे से भी ज़्यादा तुम्हारे साथ रह सकें।” मैं चाहती थी कि वह पूर्ण और आत्मनिर्भर हो, मुझ पर निर्भर न रहे।
“मैं अपनी बहन पर भरोसा कर सकती हूँ। बाकी लोगों को मैं नहीं जानती। मैं स्टुअर्ट पर भरोसा कर सकती हूँ, लेकिन एक हद तक ही। वह मेरी परवाह तो करता है, लेकिन उलझन में है। अपनी इस उलझन में वह अनजाने में मुझे नुकसान पहुँचा रहा है।”
“हां, यह सच है। क्या कोई और ऐसा आदमी है जिस पर आप भरोसा कर सकें?”
“मैं रॉबर्ट पर भरोसा कर सकती हूँ,” उसने जवाब दिया। वह अस्पताल में एक और चिकित्सक था। वे अच्छे दोस्त थे।
“हां। हो सकता है कि भविष्य में आपको और भी लोगों से मिलना पड़े...”
“हां,” उसने स्वीकार किया।
भविष्य के ज्ञान का विचार बेहद दिलचस्प था। अतीत के बारे में उनकी जानकारी कितनी सटीक थी। गुरुओं के माध्यम से उन्हें विशिष्ट, गुप्त तथ्य पता थे। क्या वे भविष्य के तथ्यों को भी जान सकते हैं? यदि हाँ, तो क्या हम इस पूर्वज्ञान को साझा कर सकते हैं? मेरे मन में हजारों प्रश्न उमड़ पड़े।
“जब आप अपने अतिचेतन मन से संपर्क स्थापित करते हैं, जैसे कि अभी, और यह ज्ञान प्राप्त करते हैं, तो क्या आप मानसिक क्षेत्र में भी क्षमताएं विकसित करते हैं? क्या आपके लिए भविष्य देखना संभव है? हमने अतीत में ऐसा बहुत कुछ किया है।”
"ऐसा संभव है," उसने स्वीकार किया, "लेकिन फिलहाल मुझे ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है।"
“क्या यह संभव है?” मैंने भी यही सवाल दोहराया।
"मुझे ऐसा विश्वास है।"
क्या आप बिना डरे ऐसा कर सकते हैं? क्या आप भविष्य में जाकर ऐसी तटस्थ जानकारी प्राप्त कर सकते हैं जो आपको डराए नहीं? क्या आप भविष्य देख सकते हैं?
उसका जवाब तुरंत आया। “मुझे ऐसा नहीं लगता। वे इसकी अनुमति नहीं देंगे।” मैं समझ गया कि उसका मतलब मास्टर्स टूर्नामेंट से था।
"क्या वे अभी आपके आसपास हैं?"
"हाँ।"
क्या वे आपसे बात कर रहे हैं?
“नहीं। वे सब कुछ निगरानी में रखते हैं।” निगरानी में होने के कारण, उसे भविष्य में झाँकने की अनुमति नहीं थी। शायद हमें व्यक्तिगत रूप से ऐसी झलक से कोई लाभ नहीं होता। शायद इस साहसिक कार्य से कैथरीन बहुत चिंतित हो जाती। शायद हम अभी इस जानकारी से निपटने के लिए तैयार नहीं थे। मैंने इस पर ज़ोर नहीं दिया।

“जो आत्मा पहले तुम्हारे आसपास थी, गिदोन...”
"हाँ।"
“उसे क्या चाहिए? वह यहाँ क्यों है? क्या आप उसे जानते हैं?”
नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।
"लेकिन वह आपको खतरे से बचाता है?"
"हाँ।"
“मास्टर्स....”
मुझे वे दिखाई नहीं दे रहे हैं।
“कभी-कभी उनके पास मेरे लिए संदेश होते हैं, ऐसे संदेश जो आपकी और मेरी मदद करते हैं। क्या ये संदेश आपको तब भी मिलते हैं जब वे बोल नहीं रहे होते? क्या वे आपके मन में विचार उत्पन्न करते हैं?”
"हाँ।"
“क्या वे इस बात पर नज़र रखते हैं कि आप कितनी दूर तक जा सकते हैं? आपको क्या याद रहता है?”
"हाँ।"
"तो जीवनकाल की इस व्याख्या का एक उद्देश्य है..."
"हाँ।"
“...आपके और मेरे लिए... हमें सिखाने के लिए। हमारे मन से भय को दूर करने के लिए।”
“संचार के अनेक तरीके हैं। वे कई तरीकों का चुनाव करते हैं... यह दिखाने के लिए कि उनका अस्तित्व है।” चाहे कैथरीन उनकी आवाज़ें सुन रही हो, अतीत की छवियों और दृश्यों की कल्पना कर रही हो, मानसिक घटनाओं का अनुभव कर रही हो, या उसके मन में विचार और कल्पनाएँ आ रही हों, उद्देश्य एक ही था—यह दिखाना कि उनका अस्तित्व है और उससे भी आगे, हमारी मदद करना, अंतर्दृष्टि और ज्ञान प्रदान करके हमारे मार्ग में हमारा मार्गदर्शन करना, हमें ज्ञान के माध्यम से ईश्वर के समान बनने में सहायता करना।
“क्या आप जानते हैं कि उन्होंने आपको क्यों चुना है...?”
"नहीं।"
“...एक चैनल बनने के लिए?”
यह एक नाजुक सवाल था, क्योंकि जागती हुई कैथरीन टेप सुन भी नहीं सकती थी। "नहीं," उसने धीरे से फुसफुसाया।
क्या इससे आपको डर लगता है?
"कभी-कभी।"
और कभी-कभी नहीं?
"हाँ।"
मैंने आगे कहा, "यह तसल्ली देने वाला हो सकता है। अब हम जानते हैं कि हम अमर हैं, इसलिए मृत्यु का भय समाप्त हो जाता है।"
“हाँ,” उसने सहमति जताई। वह थोड़ी देर रुकी। “मुझे भरोसा करना सीखना होगा।” वह अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण सबक पर लौट आई थी। “जब मुझे कुछ बताया जाए, तो मुझे उस पर भरोसा करना सीखना होगा... बशर्ते वह व्यक्ति जानकार हो।”
मैंने आगे कहा, "निश्चित रूप से कुछ लोग ऐसे भी होते हैं जिन पर भरोसा नहीं किया जा सकता।"
“हाँ, लेकिन मैं उलझन में हूँ। और जिन लोगों पर मुझे भरोसा करना चाहिए, उन पर भी मुझे भरोसा नहीं होता। और मैं किसी पर भी भरोसा नहीं करना चाहती।” उसकी समझदारी की मैं

फिर से प्रशंसा कर रही थी, और वह चुप रही।
“पिछली बार हमने तुम्हारे बचपन की बात की थी, जब तुम घोड़ों के साथ एक बगीचे में थे। तुम्हें याद है? तुम्हारी बहन की शादी?”
"थोड़ा।"
“क्या उस समय से और भी जानकारी मिल सकती थी? क्या आपको पता है?”
"हाँ।"
"क्या अब वापस जाकर उस जगह का पता लगाना सार्थक होगा?"
“अब यह वापस नहीं आएगा। एक जीवनकाल में बहुत सी चीजें होती हैं... हर जन्म से बहुत सारा ज्ञान प्राप्त होता है। हाँ, हमें खोजबीन करनी चाहिए, लेकिन अब यह वापस नहीं आएगा।”
इसलिए मैंने एक बार फिर उसके पिता के साथ उसके जटिल रिश्ते की ओर रुख किया।
"तुम्हारे पिता के साथ तुम्हारा रिश्ता एक और पहलू है, जिसने इस जीवन में तुम्हें गहराई से प्रभावित किया है।"
“हां,” उसने सरलता से उत्तर दिया।
“यह अभी भी अन्वेषण का एक और क्षेत्र है। इस रिश्ते से आपको बहुत कुछ सीखने को मिला है। इसकी तुलना यूक्रेन के उस छोटे लड़के से कीजिए जिसने कम उम्र में अपने पिता को खो दिया था। और इस बार यह हानि आपके साथ नहीं हुई। फिर भी, आपके पिता का यहाँ होना, भले ही कुछ कठिनाइयाँ कम थीं...”
“यह एक बोझ जैसा था,” उसने निष्कर्ष निकाला। “विचार...,” उसने आगे कहा,
“विचार...।”
“क्या विचार?” मुझे लगा कि वह एक नए क्षेत्र में है।
“एनेस्थीसिया के बारे में। जब वे आपको एनेस्थीसिया देते हैं, तो क्या आप सुन पाती हैं? आप तब भी सुन सकती हैं!” उसने अपने ही सवाल का जवाब दे दिया था। अब वह तेज़ी से फुसफुसा रही थी, उत्साहित हो रही थी। “आपका दिमाग़ पूरी तरह से इस बात से अवगत रहता है कि क्या हो रहा है। वे मेरे दम घुटने के बारे में, मेरे गले की सर्जरी के दौरान दम घुटने की संभावना के बारे में बात कर रहे थे।”
मुझे कैथरीन की वोकल कॉर्ड सर्जरी याद आ गई, जो मुझसे उसकी पहली मुलाकात से कुछ महीने पहले हुई थी। सर्जरी से पहले वह घबराई हुई थी, लेकिन रिकवरी रूम में होश आने पर वह बुरी तरह डर गई थी। नर्सिंग स्टाफ को उसे शांत करने में घंटों लग गए थे। अब ऐसा लग रहा था कि ऑपरेशन के दौरान, जब वह गहरी बेहोशी की हालत में थी, सर्जनों द्वारा कही गई बातों ने उसके डर को और बढ़ा दिया था। मेरा दिमाग मेडिकल स्कूल और सर्जरी रोटेशन के दिनों में चला गया। मुझे ऑपरेशन के दौरान, जब मरीज बेहोश होते थे, होने वाली अनौपचारिक बातचीत याद आ गई। मुझे चुटकुले, गालियां, बहसें और सर्जनों के गुस्से के दौरे याद आ गए। मरीजों ने अवचेतन स्तर पर क्या सुना होगा? होश आने के बाद उनके विचारों और भावनाओं, उनके डर और चिंताओं पर कितना असर पड़ा होगा? क्या ऑपरेशन के बाद की स्थिति, यानी सर्जरी से मरीज का ठीक होना, ऑपरेशन के दौरान की गई टिप्पणियों से सकारात्मक या नकारात्मक रूप से प्रभावित हुआ था? क्या सर्जरी के दौरान सुनी गई नकारात्मक बातों के कारण किसी की मृत्यु हुई थी? क्या वे निराश होकर हार मान गए थे? मैंने पूछा, "क्या तुम्हें याद है कि वे क्या कह रहे थे?"
“उन्हें मेरे गले में एक ट्यूब डालनी पड़ी। जब उन्होंने ट्यूब निकाली, तो मेरा गला सूज सकता था। उन्हें लगा कि मैं सुन नहीं सकता।”
लेकिन तुमने किया।

“हाँ। इसीलिए मुझे इतनी सारी परेशानियाँ थीं।” आज के सेशन के बाद, कैथरीन को निगलने या घुटन का कोई डर नहीं रहा। बात बस इतनी सी थी। “सारी घबराहट...” उसने आगे कहा, “मुझे लगता था कि मेरा दम घुट जाएगा।”
मैंने पूछा, "क्या आपको आजादी महसूस हो रही है?"
“हां। आप उनके किए को पलट सकते हैं।”
"क्या मैं?"
“हां। आप हैं। ... उन्हें अपनी बातों को लेकर बहुत सावधान रहना चाहिए। मुझे अब याद आ रहा है। उन्होंने मेरे गले में एक नली डाली थी। और उसके बाद मैं बोल नहीं पा रहा था, इसलिए उन्हें कुछ बता नहीं पाया।”
अब तुम आज़ाद हो... तुमने उनकी बातें सुनी थीं।
“हाँ, मैंने उन्हें बात करते सुना...” वह एक-दो मिनट के लिए चुप हो गई, फिर अपना सिर इधर-उधर घुमाने लगी। ऐसा लग रहा था जैसे वह कुछ सुन रही हो।
“ऐसा लगता है कि आपको संदेश सुनाई दे रहे हैं। क्या आपको पता है कि वह संदेश कहाँ से आया? मुझे उम्मीद थी कि मास्टर्स टूर्नामेंट होगा।”
"किसी ने मुझे बताया था," यह उसका रहस्यमय जवाब था।
"क्या कोई आपसे बात कर रहा था?"
लेकिन वे चले गए। मैंने उन्हें वापस लाने की कोशिश की।
"देखो, क्या तुम हमारे लिए संदेश लेकर आत्माओं को वापस ला सकते हो... ताकि वे हमारी मदद कर सकें।"
"वे तभी आते हैं जब वे चाहते हैं, न कि जब मैं चाहूँ," उसने दृढ़ता से उत्तर दिया।
“क्या इस पर आपका कोई नियंत्रण नहीं है?”
"नहीं।"
“ठीक है,” मैंने मान लिया, “लेकिन एनेस्थीसिया के बारे में संदेश आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण था। उसी से आपको घुटन हुई।”
“यह तुम्हारे लिए ज़रूरी था, मेरे लिए नहीं,” उसने पलटकर जवाब दिया। उसका जवाब मेरे मन में गूंज उठा। वह घुटन के डर से तो ठीक हो जाएगी, लेकिन यह बात मेरे लिए उससे ज़्यादा महत्वपूर्ण थी। मैं ही तो उसे ठीक कर रहा था। उसके सीधे-सादे जवाब में कई अर्थ छिपे थे। मुझे लगा कि अगर मैं इन अर्थों को, इन गहरे अर्थों को सचमुच समझ लूँ, तो मानवीय रिश्तों को समझने में मुझे बहुत बड़ी सफलता मिलेगी। शायद मदद करना इलाज से ज़्यादा ज़रूरी था।
“क्या मैं आपकी मदद करूँ?” मैंने पूछा।
“हाँ। आप उनके किए को सुधार सकते हैं। आप उनके किए को सुधारते आ रहे हैं...” वह आराम कर रही थी। हम दोनों ने एक बड़ा सबक सीखा था।
अपनी बेटी एमी के तीसरे जन्मदिन के कुछ ही समय बाद, वह दौड़कर मेरे पास आई और मेरे पैरों से लिपट गई। उसने ऊपर देखकर कहा, "पापा, मैं आपको चालीस हज़ार सालों से प्यार करती आ रही हूँ।" मैंने उसके नन्हे से चेहरे को देखा और मुझे बहुत खुशी हुई।

अध्याय
ग्यारह

कुछ रातों बाद गहरी नींद से मेरी नींद अचानक टूट गई। तुरंत होश में आते ही मुझे कैथरीन का चेहरा दिखाई दिया, जो असल आकार से कई गुना बड़ा था। वह परेशान लग रही थी, मानो उसे मेरी मदद की ज़रूरत हो। मैंने घड़ी देखी; सुबह के 3:36 बज रहे थे। बाहर से कोई आवाज़ नहीं आई थी जिससे मेरी नींद खुली हो। कैरोल मेरे बगल में शांति से सो रही थी। मैंने उस घटना को नज़रअंदाज़ कर दिया और फिर से सो गया।

उसी सुबह लगभग 3:30 बजे, कैथरीन एक बुरे सपने से घबराकर जाग उठी। उसे पसीना आ रहा था और दिल की धड़कन तेज़ हो रही थी। उसने आराम पाने के लिए ध्यान करने का फैसला किया और कल्पना की कि मैं ऑफिस में उसे सम्मोहित कर रहा हूँ। उसने मेरा चेहरा देखा, मेरी आवाज़ सुनी और धीरे-धीरे फिर से सो गई।

कैथरीन की मानसिक क्षमता बढ़ती जा रही थी, और जाहिर तौर पर मेरी भी। मुझे अपने पुराने मनोचिकित्सा के प्रोफेसरों की बातें याद आ रही थीं, जो चिकित्सीय संबंधों में स्थानांतरण और प्रति-स्थानांतरण प्रतिक्रियाओं के बारे में बात करते थे। स्थानांतरण रोगी द्वारा अपनी भावनाओं, विचारों और इच्छाओं को चिकित्सक पर आरोपित करना है, जो रोगी के अतीत के किसी व्यक्ति का प्रतिनिधित्व करता है। प्रति-स्थानांतरण इसका विपरीत है, चिकित्सक की रोगी के प्रति अचेतन भावनात्मक प्रतिक्रियाएँ। लेकिन यह सुबह 3:30 बजे का संवाद इनमें से कोई भी नहीं था। यह सामान्य चैनलों से परे एक तरंगदैर्ध्य पर एक टेलीपैथिक बंधन था। किसी तरह सम्मोहन इस चैनल को खोल रहा था। या क्या यह श्रोता थे, आत्माओं का एक विविध समूह—गुरु, संरक्षक और अन्य—जो इस नई तरंगदैर्ध्य के लिए जिम्मेदार थे? मैं आश्चर्य की स्थिति से परे था।

अगले सत्र में, कैथरीन जल्दी ही गहरी सम्मोहन अवस्था में पहुँच गई। वह तुरंत घबरा गई। “मुझे एक बड़ा बादल दिखाई दिया... मैं डर गई। वह वहीं था।” उसकी साँसें तेज़ चल रही थीं।

"क्या यह अभी भी वहीं है?"

“मुझे नहीं पता। वो पल भर में आया और चला गया... पहाड़ की ऊँचाई पर कुछ था।” वो घबराई हुई थी और ज़ोर-ज़ोर से साँस ले रही थी। मुझे डर था कि कहीं उसे बम तो नहीं दिख रहा। क्या वो भविष्य देख सकती थी?

क्या आपको पहाड़ दिख रहा है? क्या यह बम जैसा है?

"मुझें नहीं पता।"

“इससे आपको डर क्यों लगा?”

“यह बहुत अचानक हुआ। यह बस वहीं था। बहुत धुआँ है... बहुत धुआँ। यह बड़ा है। यह दूर है। ओह...।”

“आप सुरक्षित हैं। क्या आप इसके और करीब जा सकते हैं?”

“मैं पास नहीं जाना चाहती!” उसने तीखे स्वर में जवाब दिया। उसका इतना विरोध करना दुर्लभ था।

“तुम इससे इतना क्यों डरते हो?” मैंने दोबारा पूछा।

“मुझे लगता है ये किसी रसायन या ऐसी ही किसी चीज़ की वजह से है। इसके आसपास रहने पर सांस लेना मुश्किल हो जाता है।” वह मुश्किल से सांस ले रही थी।

“क्या यह गैस की तरह है? क्या यह पहाड़ से ही आ रही है... जैसे ज्वालामुखी से?”

“मुझे ऐसा ही लगता है। यह एक बड़े मशरूम जैसा है। यह बिल्कुल वैसा ही दिखता है... एक

सफेद रंग का।”
“लेकिन बम नहीं? यह परमाणु बम या उस तरह की कोई चीज नहीं है?” वह थोड़ी देर रुकी और फिर बोली।
“ये तो... शायद कोई ज्वालामुखी है। बहुत डरावना है। साँस लेना मुश्किल हो रहा है। हवा में धूल ही धूल है। मैं वहाँ नहीं रहना चाहती।” धीरे-धीरे उसकी साँसें सम्मोहन की अवस्था वाली गहरी और नियमित हो गईं। वो उस डरावने दृश्य से निकल चुकी थी।
"क्या अब सांस लेना आसान हो गया है?"
"हाँ।"
“अच्छा। अब आपको क्या दिख रहा है?”
“कुछ नहीं... मुझे एक हार दिखाई दे रहा है, किसी के गले में एक हार। यह नीला है... यह चांदी का है और इसमें एक नीला पत्थर लटका हुआ है, और उसके नीचे छोटे-छोटे पत्थर लगे हुए हैं।”
"क्या नीले पत्थर पर कुछ है?"
“नहीं, यह पारदर्शी है। इसके आर-पार देखा जा सकता है। महिला के काले बाल हैं और उसने नीली टोपी पहन रखी है... जिस पर एक बड़ा पंख लगा है, और उसकी पोशाक मखमल की है।”
क्या आप उस महिला को जानते हैं?
"नहीं।"
"क्या आप वहां हैं, या आप वह महिला हैं?"
"मुझें नहीं पता।"
"लेकिन क्या तुमने उसे देखा?"
“जी हां। मैं वो महिला नहीं हूं।”
"उसकी क्या उम्र है?"
“वह चालीस की उम्र में है। लेकिन वह अपनी उम्र से अधिक बड़ी दिखती है।”
क्या वह कुछ कर रही है?
“नहीं, वो बस मेज के बगल में खड़ी है। मेज पर इत्र की एक बोतल रखी है। सफेद रंग की है और उस पर हरे फूल बने हैं। साथ में चांदी के हैंडल वाला एक ब्रश और एक कंघी भी है।”
मुझे उसकी बारीकी से ध्यान देने की क्षमता देखकर बहुत अच्छा लगा।
"क्या यह उसका कमरा है, या यह किसी दुकान में है?"
“यह उसका कमरा है। इसमें एक पलंग है... जिसमें चार खंभे लगे हैं। यह भूरे रंग का पलंग है। मेज पर एक जग रखा है।”
“एक पिचर?”
"हां, कमरे में कोई तस्वीरें नहीं हैं। वहां अजीब से काले पर्दे लगे हैं।"
क्या यहाँ कोई और है?
"नहीं।"
"इस महिला का आपसे क्या रिश्ता है?"
“मैं उसकी सेवा करती हूँ।” एक बार फिर वह एक नौकरानी बन गई।
"क्या तुम उसके साथ लंबे समय से हो?"
“नहीं... कुछ महीने।”
"क्या आपको वह हार पसंद है?"
“हां। वह बहुत ही शालीन हैं।”
"क्या आपने कभी यह हार पहना है?"

“नहीं।” उसके संक्षिप्त उत्तरों से बुनियादी जानकारी प्राप्त करने के लिए मुझे सक्रिय मार्गदर्शन की आवश्यकता पड़ी। वह मुझे मेरे किशोरवय से पहले के बेटे की याद दिलाती थी।
"अब आप कितने साल के हैं?"
“शायद तेरह, चौदह...।” लगभग उसी उम्र के।
मैंने पूछा, "तुमने अपना परिवार क्यों छोड़ दिया?"
“मैंने उन्हें छोड़ा नहीं है,” उसने मुझे सुधारते हुए कहा। “मैं बस वहां काम करती हूं।”
“मैं समझ गया। क्या आप उसके बाद अपने परिवार के पास घर जाते हैं?”
“हाँ।” उनके जवाबों ने आगे की पड़ताल के लिए बहुत कम गुंजाइश छोड़ी।
क्या वे आस-पास रहते हैं?
“काफी हद तक सही... हम बहुत गरीब हैं। हमारे लिए काम करना... सेवा करना जरूरी है।”
क्या आपको उस महिला का नाम पता है?
“बेलिंडा।”
"क्या वह आपके साथ अच्छा व्यवहार करती है?"
"हाँ।"
“अच्छा। क्या तुम मेहनती हो?”
“यह ज्यादा थकाने वाला नहीं है।” किशोरों का साक्षात्कार लेना कभी आसान नहीं था, यहाँ तक कि पहले भी। सौभाग्य से मुझे इसका अच्छा अभ्यास था।
“अच्छा। क्या तुम अब भी उससे मिल रहे हो?”
"नहीं।"
"अभी आप कहाँ हैं?"
“दूसरे कमरे में। वहाँ एक मेज है जिस पर काले रंग का आवरण है... और नीचे की तरफ झालर लगी है। वहाँ से कई जड़ी-बूटियों की खुशबू आ रही है... तेज इत्र की खुशबू।”
“क्या यह सब तुम्हारी प्रेमिका का है? क्या वह बहुत ज्यादा इत्र लगाती है?”
नहीं, यह दूसरा कमरा है। मैं दूसरे कमरे में हूँ।
यह किसका कमरा है?
"यह किसी सांवली महिला का है।"
“अंधेरा कैसा? क्या तुम उसे देख सकते हो?”
“उसने अपने सिर पर कई आवरण ओढ़ रखे हैं,” कैथरीन ने फुसफुसाते हुए कहा, “कई शॉल। वह बूढ़ी और झुर्रियों वाली है।”
“उससे आपका क्या रिश्ता है?”
मैं अभी उससे मिलने गया था।
"किस लिए?"
“तो शायद वो ताश के पत्ते पढ़ती होगी।” मुझे सहज ही समझ आ गया था कि वो किसी ज्योतिषी के पास गई थी, शायद किसी ऐसे ज्योतिषी के पास जो ताश के पत्ते पढ़ता हो। ये एक विडंबनापूर्ण मोड़ था। कैथरीन और मैं एक अविश्वसनीय मानसिक रोमांच में उलझे हुए थे, जो कई जन्मों और उससे भी परे आयामों तक फैला हुआ था, और फिर भी, शायद दो सौ साल पहले, वो अपना भविष्य जानने के लिए एक ज्योतिषी के पास गई थी। मुझे पता था कि कैथरीन ने अपने वर्तमान जीवन में कभी किसी ज्योतिषी के पास नहीं गई थी, और उसे ताश के पत्तों या भविष्यवाणियों के बारे में ज़रा भी जानकारी नहीं थी; ये सब बातें उसे डराती थीं।
मैंने पूछा, "क्या वह भविष्य बताती है?"
वह चीजों को देखती है।
“क्या आपके मन में उनके लिए कोई सवाल है? आप क्या देखना चाहते हैं? आप क्या

जानना चाहते हैं?”
"किसी ऐसे आदमी के बारे में... जिससे मैं शादी कर सकूँ।"
"जब वह ताश खेलती है तो क्या कहती है?"
“एक कार्ड है जिस पर... कुछ खंभे बने हैं। खंभे और फूल... लेकिन खंभे, भाले, या किसी तरह की रेखा। एक और कार्ड है जिस पर एक प्याला बना है... मुझे एक कार्ड दिख रहा है जिस पर एक आदमी या लड़का ढाल लिए हुए है। वह कहती है कि मैं शादी करूंगी, लेकिन इस आदमी से शादी नहीं करूंगी... मुझे और कुछ नहीं दिख रहा।”
क्या आपको वह महिला दिखाई दे रही है?
मुझे कुछ सिक्के दिखाई दे रहे हैं।
"क्या तुम अब भी उसके साथ हो, या यह कोई अलग जगह है?"
मैं उसके साथ हूँ।
“ये सिक्के कैसे दिखते हैं?”
“ये सोने के हैं। इनके किनारे चिकने नहीं हैं। ये चौकोर हैं। एक तरफ मुकुट बना हुआ है।”
"देखो, सिक्कों पर कोई वर्ष छपा है या नहीं। कुछ ऐसा जिसे तुम पढ़ सको... अक्षरों में।"
“कुछ विदेशी संख्याएँ,” उसने जवाब दिया। “X और I□”
"क्या आपको पता है कि वह कौन सा साल है?"
“सत्रह... कुछ... पता नहीं कब।” वह फिर चुप हो गई।
"यह ज्योतिषी आपके लिए इतना महत्वपूर्ण क्यों है?"
"मुझें नहीं पता...।"
क्या उसकी भविष्यवाणी सच होगी?
“...लेकिन वो चली गई,” कैथरीन ने फुसफुसाते हुए कहा। “वो सब चला गया। मुझे नहीं पता।”
"क्या अब आपको कुछ दिखाई दे रहा है?"
"नहीं।"
“नहीं?” मैं हैरान रह गया। वह कहाँ थी? “क्या तुम्हें इस जन्म में अपना नाम याद है?” मैंने पूछा, इस उम्मीद में कि शायद सैकड़ों साल पहले के उस जीवन की कहानी को आगे बढ़ा सकूँ।
“मैं वहां से चली गई हूं।” वह इस जीवन से विदा हो चुकी थी और विश्राम कर रही थी। अब वह यह स्वयं कर सकती थी। इसके लिए उसे मृत्यु का अनुभव करना आवश्यक नहीं था।
हमने कुछ मिनट प्रतीक्षा की। यह जीवन कोई असाधारण नहीं था। उसे केवल कुछ विशेष घटनाओं का वर्णन और ज्योतिषी के पास हुई रोचक मुलाकात ही याद थी।
“क्या अब आपको कुछ दिखाई दे रहा है?” मैंने दोबारा पूछा।
“नहीं,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।
क्या आप आराम कर रहे हैं?
“हां... अलग-अलग रंगों के रत्न...।”
“गहने?”
“हां। ये सचमुच रोशनी हैं, लेकिन ये गहनों की तरह दिखती हैं...।”
“और क्या?” मैंने पूछा।
“बस...” वह रुकी, और फिर उसकी फुसफुसाहट तेज़ और दृढ़ हो गई। “बहुत सारे शब्द और विचार मन में उमड़ रहे हैं... यह सह-अस्तित्व और सद्भाव के बारे में है... चीजों के संतुलन के बारे में है।” मुझे पता था कि गुरु आस-पास ही हैं।
“हां,” मैंने उसे प्रोत्साहित करते हुए कहा। “मैं इन चीजों के बारे में जानना चाहता हूं। क्या

आप मुझे बता सकती हैं?”
“अभी तो ये सिर्फ शब्द हैं,” उसने जवाब दिया।
“सहअस्तित्व और सद्भाव,” मैंने उसे याद दिलाया। जब उसने जवाब दिया, तो वह कवि गुरु की आवाज़ थी। मुझे उनसे दोबारा सुनकर बहुत खुशी हुई।
“हाँ,” उसने उत्तर दिया। “हर चीज़ संतुलित होनी चाहिए। प्रकृति संतुलित है। जानवर सद्भाव से रहते हैं। मनुष्य यह नहीं सीख पाए हैं। वे खुद को नष्ट करते रहते हैं। उनमें कोई सद्भाव नहीं है, उनके कार्यों की कोई योजना नहीं है। प्रकृति में सब कुछ अलग है। प्रकृति संतुलित है। प्रकृति ऊर्जा और जीवन है... और पुनर्स्थापन भी। और मनुष्य केवल विनाश करते हैं। वे प्रकृति को नष्ट करते हैं। वे अन्य मनुष्यों को नष्ट करते हैं। अंततः वे खुद को भी नष्ट कर लेंगे।”
यह एक अशुभ भविष्यवाणी थी। दुनिया में लगातार अराजकता और उथल-पुथल मची हुई थी, इसलिए मैंने उम्मीद की कि ऐसा जल्द नहीं होगा। मैंने पूछा, "यह कब होगा?"
“यह उनकी सोच से कहीं जल्दी होगा। प्रकृति जीवित रहेगी। पौधे जीवित रहेंगे। लेकिन हम नहीं बचेंगे।”
"क्या हम उस विनाश को रोकने के लिए कुछ कर सकते हैं?"
नहीं। हर चीज में संतुलन होना चाहिए...।
“क्या यह विनाश हमारे जीवनकाल में होगा? क्या हम इसे टाल सकते हैं?”
“यह हमारे जीवनकाल में नहीं होगा। जब यह होगा, तब हम किसी और स्तर पर, किसी और आयाम में होंगे, लेकिन हम इसे देखेंगे।”
“क्या मानवजाति को शिक्षित करने का कोई तरीका नहीं है?” मैं किसी राहत की तलाश में इधर-उधर भटकता रहा।
“इसे एक अलग स्तर पर किया जाएगा। हम इससे सीखेंगे।”
मैंने सकारात्मक पक्ष देखा। "अच्छा, तो हमारी आत्माएं अलग-अलग स्थानों पर आगे बढ़ती हैं।"
“हाँ। हम अब यहाँ उस रूप में नहीं रहेंगे जैसा हम जानते हैं। हम इसे देखेंगे।”
“हां,” मैंने स्वीकार किया। “मुझे इन लोगों को सिखाने की ज़रूरत है, लेकिन मुझे नहीं पता कि उन तक कैसे पहुंचूं। क्या कोई तरीका है, या उन्हें यह खुद ही सीखना होगा?”
“आप हर किसी तक नहीं पहुँच सकते। विनाश को रोकने के लिए आपको हर किसी तक पहुँचना होगा, और आप ऐसा नहीं कर सकते। इसे रोका नहीं जा सकता। वे सीखेंगे। जब वे प्रगति करेंगे, तब वे सीखेंगे। शांति होगी, लेकिन यहाँ नहीं, इस आयाम में नहीं।”
“क्या अंततः शांति स्थापित होगी?”
"हां, एक अलग स्तर पर।"
“लेकिन ये तो बहुत दूर की बात लगती है,” मैंने शिकायत की। “आजकल लोग कितने छोटे दिल के हो गए हैं... लालची, सत्ता के भूखे, महत्वाकांक्षी। वे प्यार, समझ और ज्ञान को भूल गए हैं। अभी बहुत कुछ सीखना बाकी है।”
"हाँ।"
“क्या मैं इन लोगों की मदद के लिए कुछ लिख सकता हूँ? क्या कोई तरीका है?”
“तुम्हें रास्ता पता है। हमें तुम्हें बताने की ज़रूरत नहीं है। सब व्यर्थ होगा, क्योंकि हम सब उस स्तर तक पहुँच जाएँगे, और वे देख लेंगे। हम सब एक समान हैं। कोई भी किसी से श्रेष्ठ नहीं है। और यह सब बस सबक हैं... और दंड भी।”
“हाँ,” मैंने सहमति जताई। यह सबक बहुत गहरा था, और मुझे इसे समझने के लिए समय चाहिए था। कैथरीन चुप हो गई थी। हम इंतज़ार करते रहे, वह आराम कर रही थी और मैं

पिछले एक घंटे की नाटकीय बातों में मग्न था। आखिरकार, उसने चुप्पी तोड़ी।
“गहने गायब हो गए,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “गहने गायब हो गए। बत्ती भी... वो भी गायब हो गई।”
“वो आवाजें भी? वो शब्द भी?”
“हाँ। मुझे कुछ नहीं दिख रहा।” रुकते हुए, उसका सिर अगल-बगल हिलने लगा। “एक आत्मा... देख रही है।”
"आप पर?"
"हाँ।"
क्या आप उस आत्मा को पहचानते हैं?
“मुझे पक्का नहीं पता... मुझे लगता है कि यह एडवर्ड हो सकता है।” एडवर्ड की मृत्यु पिछले साल ही हो गई थी। एडवर्ड सचमुच सर्वव्यापी था। ऐसा लगता था मानो वह हमेशा उसके आसपास ही रहता हो।
“वह आत्मा कैसी दिखती थी?”
“बस... बस सफेद... रोशनी की तरह। उसका चेहरा नहीं दिख रहा था, जैसा कि हम जानते हैं, लेकिन मुझे पता है कि वह वही है।”
"क्या वह आपसे किसी भी तरह से संवाद कर रहा था?"
नहीं, वह तो बस देख रहा था।
"क्या वह मेरी बातें सुन रहा था?"
“हाँ,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “लेकिन अब वो चला गया है। वो बस ये देखना चाहता था कि मैं ठीक हूँ या नहीं।” मैंने संरक्षक देवदूत की प्रचलित पौराणिक कथा के बारे में सोचा। निश्चित रूप से एडवर्ड, एक प्रेममय आत्मा की भूमिका में, जो उस पर नज़र रख रहा था और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित कर रहा था, एक देवदूत जैसी भूमिका निभा रहा था। और कैथरीन पहले ही संरक्षक आत्माओं के बारे में बात कर चुकी थी। मैंने सोचा कि हमारे बचपन की कितनी “कथाएँ” वास्तव में धुंधली यादों से जुड़ी हुई थीं।
मैंने आत्माओं के पदानुक्रम के बारे में भी सोचा, कि कौन संरक्षक बनता है और कौन गुरु, और वे कौन हैं जो न तो संरक्षक हैं और न ही गुरु, बल्कि केवल सीखने वाले हैं। ज्ञान और बुद्धि के आधार पर निश्चित रूप से स्तर होंगे, जिसका अंतिम लक्ष्य ईश्वर के समान बनना और ईश्वर के निकट पहुंचना, शायद किसी तरह उनमें विलीन हो जाना है। यही वह लक्ष्य था जिसका वर्णन रहस्यवादी धर्मशास्त्रियों ने सदियों से परमानंदमय शब्दों में किया था। उन्हें ऐसे दिव्य मिलन की झलक मिली थी। ऐसे व्यक्तिगत अनुभव के अभाव में, कैथरीन जैसी असाधारण प्रतिभा वाली शख्सियतें ही सबसे अच्छा दृश्य प्रस्तुत करती थीं।
एडवर्ड जा चुका था, और कैथरीन चुप हो गई थी। उसका चेहरा शांत था, और वह शांति में डूबी हुई थी। उसके पास कितनी अद्भुत प्रतिभा थी—जीवन और मृत्यु से परे देखने की क्षमता, "देवताओं" से बात करने और उनके ज्ञान को साझा करने की क्षमता। हम ज्ञान के वृक्ष से फल खा रहे थे, अब यह वर्जित नहीं था। मुझे आश्चर्य हुआ कि कितने सेब बचे हैं।
कैरोल की मां, मिनेट, कैंसर से जूझ रही थीं, जो उनके स्तन से फैलकर हड्डियों और लीवर तक पहुंच गया था। यह बीमारी चार साल से चल रही थी और अब कीमोथेरेपी से भी धीमी नहीं हो पा रही थी। वह एक बहादुर महिला थीं, जिन्होंने धैर्यपूर्वक दर्द और कमजोरी सहन की। लेकिन बीमारी तेजी से बढ़ रही थी, और मुझे पता था कि उनकी मृत्यु निकट आ रही है।
कैथरीन के साथ सत्र साथ-साथ चल रहे थे, और मैंने मिनेट के साथ अपने अनुभव और

खुलासे साझा किए। मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ कि एक व्यावहारिक व्यवसायी महिला होने के बावजूद, उन्होंने इस ज्ञान को आसानी से स्वीकार कर लिया और अधिक सीखना चाहा। मैंने उन्हें पढ़ने के लिए किताबें दीं, और उन्होंने उन्हें बड़े चाव से पढ़ा। उन्होंने कैरोल और मेरे साथ कबालाह का एक कोर्स आयोजित किया और उसमें भाग लिया, जो सदियों पुराना यहूदी रहस्यवादी ग्रंथ है। पुनर्जन्म और बीच के लोक कबालाह साहित्य के मूल सिद्धांत हैं, फिर भी अधिकांश आधुनिक यहूदी इससे अनभिज्ञ हैं। जैसे-जैसे मिनेट का शरीर कमजोर होता गया, उनकी आत्मा मजबूत होती गई। मृत्यु का उनका भय कम होता गया। उन्हें अपने प्रिय पति बेन से पुनर्मिलन की आशा सताने लगी। उन्हें अपनी आत्मा की अमरता पर विश्वास था, और इससे उन्हें दर्द सहने में मदद मिली। वह जीवन से जुड़ी रहीं, अपनी बेटी डोना के पहले बच्चे, एक और पोते/पोती के जन्म की प्रतीक्षा कर रही थीं। उनकी मुलाकात कैथरीन से अस्पताल में उनके एक इलाज के दौरान हुई थी, और उनकी आंखें और शब्द शांतिपूर्वक और उत्सुकता से एक-दूसरे से जुड़ गए थे। कैथरीन की निष्ठा और सच्चाई ने मिनेट को यह विश्वास दिलाने में मदद की कि परलोक का अस्तित्व वास्तव में सत्य है।

अपनी मृत्यु से एक सप्ताह पहले, मिनेट को अस्पताल के कैंसर वार्ड में भर्ती कराया गया था। कैरोल और मुझे उनके साथ समय बिताने, जीवन और मृत्यु के बारे में बात करने और मृत्यु के बाद हम सभी का क्या होगा, इस पर चर्चा करने का अवसर मिला। एक अत्यंत गरिमामय महिला होने के नाते, उन्होंने अस्पताल में ही मरने का निर्णय लिया, जहाँ नर्सें उनकी देखभाल कर सकें। डोना, उनके पति और उनकी छह सप्ताह की बेटी उनसे मिलने और अंतिम विदाई देने आए। हम लगभग हर पल उनके साथ थे। जिस रात मिनेट की मृत्यु हुई, उस रात लगभग छह बजे, कैरोल और मैं, अस्पताल से घर लौटने के तुरंत बाद, वापस अस्पताल जाने की तीव्र इच्छा से भर गए। अगले छह-सात घंटे शांति और एक अलौकिक आध्यात्मिक ऊर्जा से भरे रहे। हालाँकि उनकी साँसें कठिन थीं, मिनेट को अब कोई दर्द नहीं था। हमने उनके मध्यवर्ती अवस्था में जाने, उज्ज्वल प्रकाश और आध्यात्मिक उपस्थिति के बारे में बात की। उन्होंने अपने जीवन की समीक्षा की, अधिकतर चुपचाप, और नकारात्मक पहलुओं को स्वीकार करने के लिए संघर्ष किया। ऐसा प्रतीत होता था कि वह जानती थीं कि जब तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, तब तक वह इस दुनिया से विदा नहीं हो सकतीं। वह सुबह-सुबह, एक विशेष समय पर मृत्यु की प्रतीक्षा कर रही थीं। वह इस समय के आने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी। मिनेट पहली ऐसी व्यक्ति थी जिसे मैंने इस तरह मृत्यु की ओर मार्गदर्शन दिया था। इस पूरे अनुभव से उसे शक्ति मिली और हमारा दुख भी कम हुआ।

मैंने पाया कि अपने मरीज़ों को ठीक करने की मेरी क्षमता में काफ़ी विस्तार हुआ था, न केवल भय और चिंताओं में, बल्कि विशेष रूप से मृत्यु और शोक से संबंधित परामर्श में। मैं सहज रूप से जान जाती थी कि क्या समस्या है और चिकित्सा में किस दिशा में आगे बढ़ना है। मैं शांति, सुकून और आशा की भावनाएँ व्यक्त करने में सक्षम थी। मिनेट की मृत्यु के बाद, कई अन्य लोग जो या तो मृत्यु के कगार पर थे या किसी प्रियजन की मृत्यु के बाद बचे हुए थे, मदद के लिए आए। कई लोग कैथरीन या मृत्यु के बाद के जीवन पर लिखे साहित्य के बारे में जानने के लिए तैयार नहीं थे। लेकिन इस तरह का विशिष्ट ज्ञान दिए बिना भी, मुझे लगा कि मैं अपना संदेश दे सकती हूँ। आवाज़ का लहजा, प्रक्रिया और उनके भय और भावनाओं की सहानुभूतिपूर्ण समझ, एक नज़र, एक स्पर्श, एक शब्द—ये सभी किसी न किसी स्तर पर उन तक पहुँच सकते थे और आशा, भूली हुई आध्यात्मिकता, साझा मानवता या उससे भी अधिक की भावना को छू सकते थे। और जो लोग और अधिक जानने के लिए तैयार थे, उनके लिए पठन सामग्री सुझाना और कैथरीन और अन्य लोगों के साथ अपने अनुभव साझा करना एक ताज़ी हवा के झोंके के लिए खिड़की खोलने जैसा था। जो लोग तैयार थे, वे पुनर्जीवित

हो गए। उन्होंने और भी तेज़ी से अंतर्दृष्टि प्राप्त की।
मेरा दृढ़ विश्वास है कि थेरेपिस्टों को खुले विचारों वाला होना चाहिए। जिस प्रकार कैथरीन जैसे मृत्यु और मृत्यु के अनुभवों को दस्तावेज़ित करने के लिए अधिक वैज्ञानिक कार्य आवश्यक है, उसी प्रकार इस क्षेत्र में अधिक अनुभवात्मक कार्य भी आवश्यक है। थेरेपिस्टों को मृत्यु के बाद जीवन की संभावना पर विचार करना चाहिए और इसे अपने परामर्श में शामिल करना चाहिए। उन्हें सम्मोहन प्रतिगमन का उपयोग करने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन उन्हें अपने विचारों को खुला रखना चाहिए, अपने ज्ञान को अपने रोगियों के साथ साझा करना चाहिए और अपने रोगियों के अनुभवों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।
आज लोग अपनी जान को खतरे में देखकर व्याकुल हैं। एड्स की महामारी, परमाणु युद्ध, आतंकवाद, बीमारियाँ और कई अन्य आपदाएँ हमारे सिर पर मंडरा रही हैं और हमें प्रतिदिन पीड़ा पहुँचा रही हैं। कई किशोरों को लगता है कि वे बीस वर्ष की आयु पार नहीं कर पाएंगे। यह अविश्वसनीय है, जो हमारे समाज में व्याप्त अत्यधिक तनाव को दर्शाता है।
व्यक्तिगत स्तर पर, कैथरीन के संदेशों पर मिनेट की प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक है। उसका मनोबल बढ़ा था और उसने शारीरिक पीड़ा और बिगड़ती स्थिति के बावजूद आशा की किरण देखी थी। लेकिन ये संदेश हम सभी के लिए हैं, न कि केवल मृत्यु की ओर अग्रसर लोगों के लिए। हमारे लिए भी आशा है। हमें और अधिक चिकित्सकों और वैज्ञानिकों की आवश्यकता है जो अन्य कैथरीनों के बारे में रिपोर्ट करें, ताकि उनके संदेशों की पुष्टि और विस्तार हो सके। उत्तर मौजूद हैं। हम अमर हैं। हम हमेशा साथ रहेंगे।

अध्याय
बारह

हमारे पहले सम्मोहन सत्र के बाद साढ़े तीन महीने बीत चुके थे। कैथरीन के लक्षण लगभग पूरी तरह गायब हो चुके थे, और वह ठीक होने से कहीं आगे बढ़ चुकी थी। वह बेहद खूबसूरत लग रही थी, उसके आस-पास एक शांत ऊर्जा का संचार हो रहा था। लोग उसकी ओर आकर्षित होते थे। जब वह अस्पताल की कैंटीन में नाश्ता करती, तो पुरुष और महिलाएं दोनों ही उसके पास आकर बैठ जाते। वे कहते, "आप बहुत सुंदर लग रही हैं; मैं बस यही कहना चाहता था।" एक मछुआरे की तरह, वह उन्हें एक अदृश्य मानसिक रेखा से अपनी ओर खींच लेती थी। और वह वर्षों से उसी कैंटीन में चुपचाप खाना खा रही थी।
हमेशा की तरह, वह मेरे मंद रोशनी वाले कार्यालय में जल्दी से एक गहरी सम्मोहक अवस्था में डूब गई, उसके सुनहरे बाल परिचित बेज रंग के तकिए पर धाराओं की तरह फैल गए।
“मुझे एक इमारत दिखाई देती है... यह पत्थर की बनी है। और इसके ऊपर कुछ नुकीला सा है। यह एक बहुत पहाड़ी इलाके में है। बाहर बहुत नमी है... बहुत उमस है। मुझे एक गाड़ी दिखाई देती है। मुझे एक गाड़ी आगे जाती हुई दिखाई देती है... सामने से। गाड़ी में घास है, किसी तरह का भूसा या घास या जानवरों के खाने के लिए कुछ और। वहाँ कुछ आदमी हैं। वे किसी तरह के झंडे लिए हुए हैं, किसी छड़ी के सिरे पर कुछ लहरा रहा है। बहुत चमकीले रंग। मैं उन्हें मूरों के बारे में बात करते हुए सुनता हूँ... मूर। और एक युद्ध जो लड़ा जा रहा है। उनके सिर पर किसी तरह की धातु की कोई चीज ढकी हुई है... धातु से बना कोई सिर ढकने वाला कपड़ा। साल 1483 है। डेनिश लोगों के बारे में कुछ। क्या हम डेनिश लोगों से लड़ रहे

हैं? कोई युद्ध लड़ा जा रहा है।"
मैंने पूछा, "क्या तुम वहाँ हो?"
“मुझे ऐसा कुछ नहीं दिख रहा,” उसने धीरे से उत्तर दिया। “मुझे गाड़ियाँ दिख रही हैं। उनमें दो पहिए लगे हैं, दो पहिए और पीछे का हिस्सा खुला है। वे खुली हैं; किनारे खुले हैं, जिनमें लकड़ी की पट्टियाँ लगी हैं। मुझे दिख रहा है... उनके गले में कुछ धातु की चीज़ है... क्रॉस के आकार की बहुत भारी धातु की चीज़। लेकिन उसके सिरे मुड़े हुए हैं, क्रॉस पर गोल हैं... किसी संत का पर्व है। ... मुझे तलवारें दिख रही हैं। उनके पास किसी तरह का चाकू या तलवार है... बहुत भारी, जिसका सिरा कुंद है। वे किसी युद्ध की तैयारी कर रहे हैं।”
मैंने निर्देश दिया, "देखो, क्या तुम खुद को ढूंढ सकते हो? चारों ओर देखो। शायद तुम एक सैनिक हो। तुम उन्हें कहीं से देख रहे हो।"
“मैं सैनिक नहीं हूँ।” इस बात पर वह पूरी तरह दृढ़ थी।
"आस-पास देखो।"
“मैं कुछ राशन लेकर आई हूँ। ये एक गाँव है, एक आम सा गाँव।” वह चुप रही।
अब आपको क्या दिखाई दे रहा है?
“मुझे एक बैनर दिखाई दे रहा है, किसी तरह का बैनर। यह लाल और सफेद रंग का है... सफेद रंग पर एक लाल क्रॉस बना हुआ है।”
मैंने पूछा, "क्या यह आपके लोगों का झंडा है?"
“यह राजा के सैनिकों का ध्वज है,” उसने जवाब दिया।
क्या यही तुम्हारा राजा है?
"हाँ।"
क्या आप राजा का नाम जानते हैं?
मुझे वह आवाज सुनाई नहीं दे रही है। वह वहां नहीं है।
“क्या आप देख सकते हैं कि आपने क्या पहना है? नीचे देखिए और देखिए कि आपने क्या पहना है।”
“किसी तरह का चमड़ा... चमड़े का कुर्ता... उसके ऊपर एक बहुत खुरदरी कमीज। चमड़े का कुर्ता... छोटा सा। किसी तरह के जानवरों की खाल के जूते... जूते नहीं, बल्कि बूट या मोकासिन जैसे। कोई मुझसे बात नहीं कर रहा।”
“मैं समझ गया। आपके बालों का रंग क्या है?”
"यह हल्का है, लेकिन मैं बूढ़ा हो गया हूं, और इसमें कुछ सफेद बाल भी आ गए हैं।"
इस युद्ध के बारे में आपकी क्या राय है?
“यह मेरी जीवनशैली बन गई है। पिछली झड़प में मैंने अपना एक बच्चा खो दिया था।”
"एक बेटा?"
“हां।” वह उदास थी।
“तुम्हारे लिए कौन बचा है? तुम्हारे परिवार में कौन बचा है?”
“मेरी पत्नी... और मेरी बेटी।”
आपके बेटे का नाम क्या था?
“मुझे उसका नाम नहीं दिख रहा। मैं उसे पहचानती हूँ। मुझे मेरी पत्नी दिख रही है।” कैथरीन कई बार पुरुष और स्त्री दोनों रूपों में जन्म ले चुकी थी। वर्तमान जीवन में निःसंतान होने के बावजूद, उसने अपने पिछले जन्मों में कई बच्चों का पालन-पोषण किया था।
आपकी पत्नी कैसी दिखती हैं?
“वह बहुत थकी हुई है, बहुत थकी हुई है। वह बूढ़ी है। हमारे पास कुछ बकरियां हैं।”
क्या आपकी बेटी अभी भी आपके साथ रहती है?

नहीं, उसकी शादी हो चुकी है और वह कुछ समय पहले ही चली गई थी।
"तो क्या आप दोनों अकेले हैं, आप और आपकी पत्नी?"
"हाँ।"
"आपका जीवन कैसे चल रहा है?"
“हम थक चुके हैं। हम बहुत गरीब हैं। यह आसान नहीं रहा है।”
“नहीं। आपने अपना बेटा खो दिया है। क्या आपको उसकी याद आती है?”
“हां,” उसने सरलता से उत्तर दिया, लेकिन उसके दुख को स्पष्ट रूप से महसूस किया जा सकता था।
“क्या आप किसान रहे हैं?” मैंने विषय बदल दिया।
“हां। गेहूं है... गेहूं, गेहूं जैसा कुछ।”
"क्या आपके जीवनकाल में आपके देश में कई युद्ध हुए हैं, जिनमें बहुत सी त्रासदी हुई हैं?"
"हाँ।"
लेकिन आप बुढ़ापे तक जी चुके हैं।
“लेकिन वे गांव में नहीं, गांव से दूर लड़ते हैं,” उन्होंने समझाया। “उन्हें युद्ध स्थल तक जाने के लिए कई पहाड़ों को पार करना पड़ता है।”
क्या आपको उस जगह का नाम पता है जहाँ आप रहते हैं? या उस शहर का नाम?
मुझे तो यह दिखाई नहीं दे रहा, लेकिन इसका कोई नाम तो होगा। मुझे तो यह दिखाई नहीं दे रहा।
“क्या यह आपके लिए बहुत धार्मिक समय है? आप सैनिकों के गले में क्रॉस देखते हैं।”
“दूसरों के लिए, हाँ। मेरे लिए नहीं।”
"क्या आपकी पत्नी और बेटी के अलावा आपके परिवार का कोई और सदस्य जीवित है?"
"नहीं।"
“क्या आपके माता-पिता का निधन हो गया है?”
"हाँ।"
"भाइयों और बहनों?"
“मेरी एक बहन है। वह जीवित है। मैं उसे नहीं जानती,” उसने कैथरीन के रूप में अपने जीवन का जिक्र करते हुए कहा।
“ठीक है। देखो, क्या तुम गाँव में या अपने परिवार में किसी और को पहचानती हो?” अगर लोग समूह में पुनर्जन्म लेते हैं, तो संभवतः उसे वहाँ कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाएगा जो उसके वर्तमान जीवन में भी महत्वपूर्ण हो।
मुझे एक पत्थर की मेज दिखाई देती है... मुझे कटोरे दिखाई देते हैं।
क्या यह आपका घर है?
“हाँ। कुछ चीज़ जो केर से बनी हो... कुछ पीली सी, कुछ मक्के से बनी... या कुछ... पीली सी। हम इसे खाते हैं...।”
“ठीक है,” मैंने गति बढ़ाने की कोशिश करते हुए कहा। “तुम्हारा जीवन बहुत कठिन रहा है, बहुत कठिन। तुम क्या सोच रहे हो?”
“घोड़े,” उसने फुसफुसाते हुए कहा।
क्या आपके पास घोड़े हैं? या किसी और के पास हैं?
“नहीं, सैनिक... उनमें से कुछ। अधिकतर पैदल चलते हैं। लेकिन वे घोड़े नहीं हैं; वे गधे हैं या घोड़ों से छोटे जानवर हैं। वे अधिकतर जंगली हैं।”
मैंने निर्देश दिया, "अब समय में आगे बढ़ो। तुम बहुत बूढ़े हो चुके हो। कोशिश करो कि अपने जीवन के आखिरी दिन तक एक बूढ़े व्यक्ति के रूप में रहो।"

“लेकिन मैं इतनी बूढ़ी नहीं हूँ,” उसने आपत्ति जताई। पिछले जन्मों के संदर्भ में वह आसानी से प्रभावित होने वाली नहीं थी। जो हो रहा था, सो हो रहा था। मैं वास्तविक यादों को मिटा नहीं सकती थी। मैं उसे बीते हुए वाकये को बदलने के लिए राजी नहीं कर सकती थी।
मैंने अपना दृष्टिकोण बदलते हुए पूछा, "क्या इस जीवनकाल में और भी कुछ घटित होना बाकी है?" "यह जानना हमारे लिए महत्वपूर्ण है।"
"कुछ खास नहीं," उसने बिना किसी भावना के जवाब दिया।
“तो फिर, आगे बढ़ो, समय रहते आगे बढ़ो। चलो पता लगाते हैं कि तुम्हें क्या सीखने की ज़रूरत थी। क्या तुम्हें पता है?”
नहीं। मैं अभी भी वहीं हूँ।
“हां, मुझे पता है। क्या आपको कुछ दिख रहा है?” एक-दो मिनट बीतने के बाद उसने जवाब दिया।
“मैं बस हवा में तैर रही हूँ,” उसने धीरे से फुसफुसाया।
"क्या तुमने उसे छोड़ दिया है?"
“हां, मैं हवा में तैर रही हूं।” वह एक बार फिर आध्यात्मिक अवस्था में प्रवेश कर चुकी थी।
“क्या अब आपको पता चल गया है कि आपको क्या सीखने की ज़रूरत थी? आपके लिए यह एक और कठिन जीवन था।”
मुझे नहीं पता। मैं बस हवा में तैर रहा हूँ।
“ठीक है। आराम करो... आराम करो।” कुछ मिनट खामोशी से बीत गए। फिर ऐसा लगा जैसे वह कुछ सुन रही हो। अचानक वह बोली। उसकी आवाज़ तेज़ और गहरी थी। यह कैथरीन नहीं थी।
कुल सात तल हैं, सात तल, जिनमें से प्रत्येक में कई स्तर हैं, जिनमें से एक स्मरण का तल है। उस तल पर आपको अपने विचारों को एकत्रित करने की अनुमति है। आपको अपने बीते हुए जीवन को देखने की अनुमति है। उच्च स्तरों पर रहने वालों को इतिहास देखने की अनुमति है। वे इतिहास का अध्ययन करके हमें सिखा सकते हैं। लेकिन हम निचले स्तरों पर रहने वालों को केवल अपना बीता हुआ जीवन ही देखने की अनुमति है।
“हमारे ऊपर कुछ ऋण हैं जिन्हें चुकाना आवश्यक है। यदि हमने ये ऋण नहीं चुकाए हैं, तो हमें इन्हें दूसरे जीवन में ले जाना होगा... ताकि इन्हें पूरा किया जा सके। ऋण चुकाने से ही प्रगति होती है। कुछ आत्माएँ दूसरों की तुलना में अधिक तेज़ी से प्रगति करती हैं। जब आप भौतिक रूप में होते हैं और जीवन के ऋणों को चुका रहे होते हैं, तो आप एक जीवन के ऋण को पूरा कर रहे होते हैं... यदि कोई बाधा आपकी उस ऋण को चुकाने की क्षमता में रुकावट डालती है, तो आपको स्मरण के लोक में लौटना होगा, और वहाँ आपको तब तक प्रतीक्षा करनी होगी जब तक कि वह आत्मा, जिसके प्रति आप ऋणी हैं, आपसे मिलने न आ जाए। और जब आप दोनों एक ही समय में भौतिक रूप में लौट सकते हैं, तब आपको लौटने की अनुमति मिलती है। लेकिन आप ही तय करते हैं कि आप कब लौटेंगे। आप ही तय करते हैं कि उस ऋण को चुकाने के लिए क्या करना होगा। आपको अपने पिछले जन्म याद नहीं रहेंगे... केवल वही जन्म याद रहेगा जिससे आप अभी-अभी आए हैं। केवल उच्च स्तर की आत्माएँ—ऋषि—ही इतिहास और अतीत की घटनाओं का आह्वान कर सकती हैं... ताकि वे हमारी सहायता करें, हमें सिखाएँ कि हमें क्या करना चाहिए।”
“सात लोक हैं... सात लोक जिनसे होकर हमें लौटना पड़ता है। उनमें से एक संक्रमण लोक है। वहाँ आपको प्रतीक्षा करनी होती है। उस लोक में यह निर्धारित होता है कि आप अगले जीवन में अपने साथ क्या लेकर जाएंगे। हम सभी में... एक प्रमुख गुण होगा। यह लोभ हो सकता है, या वासना, लेकिन जो भी निर्धारित हो, आपको उन लोगों के प्रति अपने ऋण

चुकाने होंगे। फिर आपको उस जीवन में इस पर विजय प्राप्त करनी होगी। आपको लोभ पर विजय प्राप्त करना सीखना होगा। यदि आप ऐसा नहीं करते हैं, तो लौटने पर आपको वह गुण, साथ ही एक और गुण, अपने अगले जीवन में ले जाना होगा। बोझ और भी बढ़ जाएगा। हर उस जीवन के साथ जिसमें आपने ये ऋण नहीं चुकाए, अगला जीवन और भी कठिन होगा। यदि आप उन्हें चुका देते हैं, तो आपको एक आसान जीवन मिलेगा। इसलिए आप ही चुनते हैं कि आपका जीवन कैसा होगा। अगले चरण में, आप अपने जीवन के लिए जिम्मेदार हैं। आप ही इसे चुनते हैं।" कैथरीन चुप हो गई।
यह स्पष्ट रूप से किसी गुरु का संदेश नहीं था। उन्होंने स्वयं को "निम्न स्तर के हम" बताया, जबकि उच्च स्तर के लोग "ऋषि" थे। लेकिन जो ज्ञान उन्होंने दिया वह स्पष्ट और व्यावहारिक था। मैं अन्य पाँच स्तरों और उनके गुणों के बारे में सोचने लगा। क्या नवीकरण का चरण उनमें से एक था? और अधिगम और निर्णय लेने के चरण का क्या? आध्यात्मिक अवस्था के विभिन्न आयामों में विद्यमान आत्माओं के इन संदेशों के माध्यम से प्रकट हुई सारी बुद्धि एक समान थी। प्रस्तुति का तरीका अलग था, शब्दावली और शब्द अलग थे, छंद और शब्दावली की परिष्कृतता अलग थी; लेकिन विषयवस्तु सुसंगत रही। मैं आध्यात्मिक ज्ञान का एक व्यवस्थित भंडार प्राप्त कर रहा था। यह ज्ञान प्रेम और आशा, आस्था और परोपकार की बात करता था। इसमें सद्गुणों और अवगुणों, दूसरों और स्वयं के प्रति ऋणों का विश्लेषण किया गया था। इसमें पिछले जन्म और जन्मों के बीच के आध्यात्मिक स्तर शामिल थे। और इसमें सामंजस्य और संतुलन, प्रेम और ज्ञान के माध्यम से आत्मा की प्रगति, ईश्वर के साथ एक रहस्यमय और परमानंदमय संबंध की ओर प्रगति की बात की गई थी।
रास्ते में कई व्यावहारिक सलाहें मिलीं: धैर्य और प्रतीक्षा का महत्व; प्रकृति के संतुलन में निहित ज्ञान; भय का उन्मूलन, विशेषकर मृत्यु का भय; विश्वास और क्षमा के बारे में सीखने की आवश्यकता; दूसरों का न्याय न करने या किसी के जीवन को रोकने का महत्व; अंतर्ज्ञान शक्तियों का संचय और उपयोग; और शायद सबसे महत्वपूर्ण, यह अटल ज्ञान कि हम अमर हैं। हम जीवन और मृत्यु से परे हैं, अंतरिक्ष और समय से परे हैं। हम देवता हैं, और वे हम हैं।
"मैं हवा में तैर रही हूँ," कैथरीन धीरे से फुसफुसा रही थी।
मैंने पूछा, "आप किस राज्य में हैं?"
"कुछ नहीं... मैं हवा में तैर रहा हूँ... एडवर्ड पर मेरा कुछ कर्ज़ है... उस पर मेरा कुछ कर्ज़ है।"
क्या आपको पता है कि वह आपका कितना बकाया है?
"नहीं... उसे कुछ जानकारी देनी है... शायद वह मेरा ऋणी है। उसे मुझे कुछ बताना था, शायद मेरी बहन के बच्चे के बारे में।"
"तुम्हारी बहन का बच्चा?" मैंने भी यही सवाल दोहराया।
"हां...यह एक लड़की है। उसका नाम स्टेफ़नी है।"
"स्टेफ़नी? आपको उसके बारे में क्या जानना है?"
"मुझे उससे संपर्क करने का तरीका जानना है," उसने जवाब दिया। कैथरीन ने मुझे इस भतीजी के बारे में कभी कुछ नहीं बताया था।
मैंने पूछा, "क्या वह आपके बहुत करीब है?"
नहीं, लेकिन वह उन्हें ढूंढना चाहेगी।
"किसे ढूँढना है?" मैंने पूछा। मैं असमंजस में था।
"मेरी बहन और उसका पति। और वह ऐसा सिर्फ मेरे ज़रिए ही कर सकती है। मैं ही वह कड़ी हूँ। उसके पास जानकारी है। उसके पिता डॉक्टर हैं; वे वर्मोंट के दक्षिणी हिस्से में कहीं प्रैक्टिस करते हैं। ज़रूरत पड़ने पर जानकारी मुझे मिल जाएगी।"

बाद में मुझे पता चला कि कैथरीन की बहन और उसके होने वाले पति ने अपनी नवजात बेटी को गोद देने के लिए दे दिया था। उस समय वे किशोर थे और उनकी शादी नहीं हुई थी। गोद लेने की व्यवस्था चर्च द्वारा की गई थी। उसके बाद की कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है।
“हां,” मैंने सहमति जताते हुए कहा। “जब सही समय आएगा।”
“हां। फिर वो मुझे बताएगा। वो मुझे बताएगा।”
"उसके पास आपके लिए और क्या जानकारी है?"
“मुझे नहीं पता, लेकिन उसे मुझसे कुछ कहना है। और वह मेरा कुछ एहसानमंद है... कुछ। मुझे नहीं पता क्या। वह मेरा कुछ एहसानमंद है।” वह चुप रही।
मैंने पूछा, "क्या तुम थके हुए हो?"
“मुझे एक लगाम दिख रही है,” उसने फुसफुसाते हुए जवाब दिया। “दीवार पर सामान टंगा है। एक लगाम... मुझे अस्तबल के बाहर एक कंबल पड़ा हुआ दिख रहा है।”
क्या यह खलिहान है?
“उनके पास घोड़े हैं। उनके पास बहुत सारे घोड़े हैं।”
“आपको और क्या दिखाई देता है?”
“मुझे बहुत सारे पेड़ दिख रहे हैं—जिन पर पीले फूल लगे हैं। मेरे पिताजी वहीं हैं। वे घोड़ों की देखभाल करते हैं।” मुझे एहसास हुआ कि मैं एक बच्चे से बात कर रहा हूँ।
"वह कैसा दिखता है?"
वह बहुत लंबा है और उसके बाल सफेद हैं।
क्या आप खुद को देख पा रहे हैं?
मैं एक बच्ची हूँ... एक लड़की हूँ।
"क्या आपके पिता घोड़ों के मालिक हैं या सिर्फ उनकी देखभाल करते हैं?"
“वह बस उनकी देखभाल करता है। हम पास में ही रहते हैं।”
"क्या आपको घोड़े पसंद हैं?"
"हाँ।"
"आपका कोई पसंदीदा है?"
“हाँ। मेरा घोड़ा। उसका नाम एप्पल है।” मुझे मैंडी के रूप में उसका वो समय याद आया, जब एप्पल नाम का एक घोड़ा भी सामने आया था। क्या वो फिर से वही जीवन जी रही थी जो हम पहले ही जी चुके थे? शायद वो इसे एक अलग नज़रिए से देख रही थी।
“एप्पल... हाँ। क्या तुम्हारे पिताजी तुम्हें एप्पल चलाने देते हैं?”
“नहीं, लेकिन मैं उसे खाना खिला सकता हूँ। वह मालिक की गाड़ी खींचने का काम करता है। वह बहुत बड़ा है। उसके पैर बड़े-बड़े हैं। अगर आप सावधान नहीं रहे तो वह आप पर पैर रख देगा।”
आपके साथ और कौन है?
“मेरी मां वहां हैं। मुझे अपनी बहन दिख रही है... वो मुझसे बड़ी है। मुझे और कोई नहीं दिख रहा।”
अब आपको क्या दिखाई दे रहा है?
मुझे बस घोड़े ही दिखाई देते हैं।
क्या यह आपके लिए खुशी का समय है?
“हाँ। मुझे खलिहान की गंध अच्छी लगती है।” वह बहुत ही स्पष्ट रूप से उस पल की बात कर रही थी, खलिहान में।
क्या आपको घोड़ों की गंध आ रही है?
"हाँ।"

"सूखी घास?"
“हाँ... उनके चेहरे बहुत कोमल हैं। वहाँ कुत्ते भी हैं... काले रंग के, कुछ काले रंग के और कुछ बिल्लियाँ... बहुत सारे जानवर। कुत्तों का इस्तेमाल शिकार के लिए किया जाता है। जब वे पक्षियों का शिकार करते हैं, तो कुत्तों को भी साथ जाने दिया जाता है।”
क्या आपके साथ कुछ होता है?
“नहीं।” मेरा सवाल बहुत अस्पष्ट था।
"क्या आप इसी फार्म में पले-बढ़े हैं?"
“हां। वो आदमी जो घोड़ों की देखभाल कर रहा है।” वह थोड़ी देर रुकी। “वो असल में मेरे पिता नहीं हैं।” मैं असमंजस में पड़ गया।
“क्या वो तुम्हारे असली पिता नहीं हैं?”
“मुझे नहीं पता, वो... वो मेरे असली पिता नहीं हैं, नहीं। लेकिन वो मेरे लिए पिता समान हैं। वो मेरे दूसरे पिता हैं। वो मेरे साथ बहुत अच्छा व्यवहार करते हैं। उनकी आँखें हरी हैं।”
“उसकी हरी आँखों में देखो और देखो कि क्या तुम उसे पहचान सकते हो। वह तुम्हारे साथ अच्छा व्यवहार करता है। वह तुमसे प्यार करता है।”
“ये मेरे दादाजी हैं... मेरे दादाजी। वो हमसे बहुत प्यार करते थे। मेरे दादाजी हमसे बहुत प्यार करते थे। वो हमें अक्सर अपने साथ बाहर ले जाते थे। हम उनके साथ वहाँ जाते थे जहाँ वो शराब पीते थे और हमें सोडा मिल जाता था। वो हमें बहुत पसंद करते थे।” मेरे सवाल ने उन्हें उस दौर से बाहर निकालकर उनकी गहरी चेतना में ला दिया। अब वो कैथरीन के जीवन और उसके दादाजी के साथ उसके रिश्ते को देख रही थीं।
मैंने पूछा, "क्या तुम्हें अब भी उसकी याद आती है?"
“हां,” उसने धीमी आवाज में उत्तर दिया।
"लेकिन देखो, वह पहले भी तुम्हारे साथ रह चुका है।" मैं उसे समझाते हुए, उसकी पीड़ा को कम करने की कोशिश कर रही थी।
“वह हमारे प्रति बहुत अच्छे थे। वह हमसे प्यार करते थे। उन्होंने कभी हम पर चिल्लाया नहीं। वह हमें पैसे देते थे और हमेशा हमें अपने साथ ले जाते थे। उन्हें यह अच्छा लगता था। लेकिन उनका निधन हो गया।”
“हां, लेकिन तुम उससे फिर मिलोगी। तुम यह जानती हो।”
“हां। मैं पहले भी उनके साथ रह चुकी हूं। वह मेरे पिता जैसे नहीं थे। वे दोनों बहुत अलग हैं।”
"एक व्यक्ति आपसे इतना प्यार क्यों करता है और आपके साथ इतना अच्छा व्यवहार क्यों करता है, जबकि दूसरा बिल्कुल अलग है?"
“क्योंकि एक ने सबक सीख लिया है। उसने अपना कर्ज चुका दिया है। मेरे पिता ने अपना कर्ज नहीं चुकाया है। वे वापस आ गए हैं... बिना समझे। उन्हें फिर से यह करना होगा।”
“हां,” मैंने सहमति जताई। “उसे प्यार करना, देखभाल करना सीखना होगा।”
“हां,” उसने उत्तर दिया।
मैंने आगे कहा, "अगर वे इसे नहीं समझते हैं, तो वे बच्चों को प्यार करने वाले लोगों की बजाय संपत्ति की तरह मानते हैं।"
“हां,” उसने सहमति जताई।
"तुम्हारे पिता को अभी यह सीखना बाकी है।"
"हाँ।"
“तुम्हारे दादाजी को पहले से ही पता है...।”
“मुझे पता है,” उसने बीच में कहा। भौतिक अवस्था में रहते हुए हम कई चरणों से गुज़रते हैं... विकास के अन्य चरणों की तरह। हमें शैशवावस्था, शिशु अवस्था, बाल्यावस्था से

गुज़रना पड़ता है... अपने लक्ष्य तक पहुँचने से पहले हमें बहुत लंबा सफर तय करना है। भौतिक अवस्था के चरण कठिन होते हैं। सूक्ष्म जगत के चरण आसान होते हैं। वहाँ हम बस आराम करते हैं और प्रतीक्षा करते हैं। ये अब कठिन चरण हैं।"
"आध्यात्मिक अवस्था में कितने तल होते हैं?"
"सात हैं," उसने उत्तर दिया।
मैंने पूछा, "वे क्या हैं?" मैं सत्र में पहले उल्लेखित दो के अलावा अन्य लोगों की पुष्टि करना चाहता था।
उन्होंने समझाया, "मुझे केवल दो ही चरण बताए गए हैं। पहला संक्रमणकालीन चरण और दूसरा स्मरण का चरण।"
"मैं भी इन दोनों से परिचित हूं।"
"बाकी लोगों के बारे में हमें बाद में पता चलेगा।"
मैंने कहा, "तुमने भी उसी समय सीखा जब मैंने सीखा। आज हमने कर्ज़ के बारे में सीखा। यह बहुत महत्वपूर्ण है।" उसने रहस्यमय लहजे में कहा, "मुझे जो याद रखना चाहिए, मैं याद रखूंगी।"
मैंने पूछा, "क्या आपको ये विमान याद रहेंगे?"
"नहीं। वे मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं हैं। वे तुम्हारे लिए महत्वपूर्ण हैं।" मैंने यह पहले भी सुना था। यह मेरे लिए था। उसकी मदद करने के लिए, लेकिन उससे भी बढ़कर। मेरी मदद करने के लिए, लेकिन उससे भी बढ़कर। फिर भी मैं पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा था कि इसका व्यापक उद्देश्य क्या हो सकता है।
मैंने आगे कहा, "अब तुम काफी बेहतर लग रहे हो। तुम बहुत कुछ सीख रहे हो।"
"हां," उसने सहमति जताई।
"लोग अब आपकी ओर इतने आकर्षित क्यों हो रहे हैं? आपकी ओर क्यों खिंचे चले आ रहे हैं?"
"क्योंकि मैं बहुत सारे भय से मुक्त हो चुका हूं, और मैं उनकी मदद करने में सक्षम हूं। वे मेरे प्रति एक मानसिक आकर्षण महसूस करते हैं।"
क्या आप इससे निपट सकते हैं?
"हां।" इसमें कोई संदेह नहीं था। "मुझे डर नहीं है," उसने आगे कहा।
"अच्छा, मैं आपकी मदद करूंगा।"
"मुझे पता है," उसने जवाब दिया। "आप मेरी शिक्षिका हैं।"

अध्याय तेरह

कैथरीन अपने कष्टदायक लक्षणों से पूरी तरह मुक्त हो चुकी थी। वह सामान्य से कहीं अधिक स्वस्थ थी। उसका जीवन चक्र फिर से दोहराने लगा था। मुझे पता था कि हम एक अंत बिंदु के करीब पहुँच रहे हैं, लेकिन उस शरद ऋतु के दिन जब वह फिर से सम्मोहन की अवस्था में जा रही थी, तब मुझे यह एहसास नहीं था कि इस सम्मोहन सत्र और उसके अगले सत्र के बीच पाँच महीने बीत जाएँगे, और अगला सत्र उसका अंतिम होगा।
"मुझे नक्काशी दिख रही है," उसने कहना शुरू किया। "कुछ सोने की बनी हैं। मुझे मिट्टी

दिख रही है। लोग बर्तन बना रहे हैं। वे लाल रंग के हैं... किसी लाल रंग की सामग्री का इस्तेमाल कर रहे हैं। मुझे एक भूरी इमारत दिख रही है, किसी तरह की भूरी संरचना। हम यहीं हैं।"
"क्या आप भूरे रंग की इमारत में हैं या उसके पास?"
मैं इसमें शामिल हूं। हम अलग-अलग चीजों पर काम कर रहे हैं।
मैंने पूछा, "क्या आप काम करते समय खुद को देख सकते हैं? क्या आप अपना वर्णन कर सकते हैं, आपने क्या पहना है? नीचे देखिए। आप कैसे दिखते हैं?"
"मैंने कुछ लाल रंग का... लंबा लाल कपड़ा पहना हुआ है। मैंने अजीब से जूते पहने हैं, जैसे सैंडल। मेरे बाल भूरे हैं। मैं एक आकृति बना रहा हूँ। यह एक आदमी की आकृति है... एक आदमी की। उसके हाथ में एक छड़ी है... एक डंडा। बाकी लोग कुछ बना रहे हैं... कुछ धातु से।"
क्या यह किसी कारखाने में बनाया जाता है?
"यह सिर्फ एक इमारत है। यह इमारत पत्थर से बनी है।"
"जिस मूर्ति पर आप काम कर रहे हैं, छड़ी पकड़े हुए आदमी की मूर्ति, क्या आप जानते हैं कि वह किसकी है?"
"नहीं, ये तो बस एक आदमी है। वो मवेशियों... गायों की देखभाल करता है। यहाँ ऐसी बहुत सी मूर्तियाँ हैं। हम बस जानते हैं कि ये कैसी दिखती हैं। ये बहुत ही अजीब चीज़ है। इस पर काम करना मुश्किल है। ये टूटती रहती है।"
क्या आपको उस सामग्री का नाम पता है?
मुझे ऐसा कुछ नहीं दिख रहा। बस लाल रंग, कुछ लाल सा।
"मूर्ति बनाने के बाद उसका क्या होगा?"
"इसे बेचा जाएगा। कुछ बाज़ार में बेचे जाएंगे। कुछ अलग-अलग रईसों को दिए जाएंगे। केवल बेहतरीन कारीगरी वाले ही रईसों के घरानों को दिए जाएंगे। बाकी सब बेच दिए जाएंगे।"
क्या आप कभी इन रईसों से बातचीत करते हैं?
"नहीं।"
क्या यही आपका काम है?
"हाँ।"
"क्या आपको यह पसंद है?"
"हाँ।"
"क्या आप यह काम लंबे समय से कर रहे हैं?"
"नहीं।"
"क्या आप इसमें अच्छे हैं?"
"बहुत नहीं।"
क्या आपको और अनुभव की आवश्यकता है?
"हां, मैं अभी सीख ही रहा हूं।"
"मैं समझ गया। क्या आप अभी भी अपने परिवार के साथ रहते हैं?"
मुझे नहीं पता, लेकिन मुझे भूरे रंग के बक्से दिखाई दे रहे हैं।
"भूरे रंग के बक्से?" मैंने दोहराया।
"उनमें छोटे-छोटे छेद हैं। उनमें एक दरवाज़ा है, और कुछ मूर्तियाँ दरवाज़े के अंदर रखी हैं। वे लकड़ी की बनी हैं, किसी खास तरह की लकड़ी की। हमें उनके लिए मूर्तियाँ बनानी पड़ती हैं।"

“मूर्तियों का क्या कार्य है?”
“वे धार्मिक हैं,” उसने जवाब दिया।
“वहाँ कौन सा धर्म है—क्या वह मूर्ति है?”
“यहाँ बहुत सारे देवता हैं, बहुत सारे रक्षक हैं... बहुत सारे देवता हैं। लोग बहुत डरे हुए हैं। यहाँ बहुत सी चीजें बनाई जाती हैं। हम खेल भी बनाते हैं... छेद वाले खेल के बोर्ड। जानवरों के सिर छेदों में लगाए जाते हैं।”
"क्या आपको वहां कुछ और दिखाई दे रहा है?"
"यहां बहुत गर्मी है, बहुत गर्मी और धूल है... रेत भी है।"
क्या आसपास पानी है?
“हां, यह पहाड़ों से नीचे आता है।” यह जीवन भी अब जाना-पहचाना सा लगने लगा था।
मैंने पूछा, “क्या लोग डरे हुए हैं? क्या वे अंधविश्वासी लोग हैं?”
“हां,” उसने उत्तर दिया। “बहुत भय का माहौल है। हर कोई डरा हुआ है। मैं भी डरी हुई हूं। हमें अपनी रक्षा करनी होगी। बीमारी फैली हुई है। हमें अपनी रक्षा करनी होगी।”
“किस तरह की बीमारी?”
“कोई चीज सबको मार रही है। बहुत सारे लोग मर रहे हैं।”
“पानी से?” मैंने पूछा।
“हाँ। बहुत सूखा है... बहुत गर्मी है, क्योंकि देवता क्रोधित हैं और हमें दंड दे रहे हैं।” वह टैनिस से इलाज वाले अपने पिछले जन्म को याद कर रही थी। मैंने भय के धर्म को, ओसिरिस और हाथोर के धर्म को पहचान लिया।
मैंने पूछा, "देवता क्यों क्रोधित हैं?" हालांकि मुझे जवाब पहले से ही पता था।
“क्योंकि हमने कानूनों का उल्लंघन किया है। वे नाराज हैं।”
आपने किन कानूनों का उल्लंघन किया है?
“वे बातें जो कुलीन वर्ग द्वारा निर्धारित की गई हैं।”
“आप देवताओं को कैसे प्रसन्न कर सकते हैं?”
“आपको कुछ चीजें पहननी होंगी। कुछ लोग अपने गले में कुछ पहनते हैं। वे आपको बुरी शक्तियों से बचाने में मदद करेंगे।”
क्या कोई ऐसा विशेष देवता है जिससे लोग सबसे ज्यादा डरते हैं?
वे उन सभी से डरते हैं।
क्या आप किसी देवता का नाम जानते हैं?
“मुझे उनके नाम नहीं पता। मैं उन्हें बस देखता हूँ। एक का शरीर तो इंसान जैसा है, लेकिन सिर जानवर का। एक और है जो सूरज जैसा दिखता है। एक पक्षी जैसा दिखता है; वह काला है। उनके गले में रस्सी बंधी होती है।”
क्या आप इन सब से गुज़रे हैं?
“हां, मैं नहीं मरूंगा।”
“लेकिन आपके परिवार के सदस्य ऐसा करते हैं।” मुझे याद आया।
“हां... मेरे पिताजी। मेरी मां ठीक हैं।”
"आपका भाई?"
“मेरा भाई... उसकी मौत हो गई,” उसने याद करते हुए कहा।
“तुम जीवित कैसे रहते हो? क्या तुममें कुछ खास बात है? क्या तुमने कुछ ऐसा किया है?”
“नहीं,” उसने जवाब दिया, फिर ध्यान दूसरी ओर मोड़ते हुए बोली, “मुझे कुछ ऐसा दिख रहा है जिसमें तेल है।”
"आप क्या देखते हैं?"

“कुछ सफेद सा। यह लगभग संगमरमर जैसा दिखता है। यह... अलबास्टर है... किसी प्रकार का पात्र... इसमें तेल भरा हुआ है। इसका उपयोग सिर पर अभिषेक करने के लिए किया जाता है...।”
“...पुजारियों के?” मैंने पूछा।
"हाँ।"
“अब आपकी क्या भूमिका है? क्या आप तेल के काम में मदद करते हैं?”
नहीं। मैं मूर्तियाँ बनाता हूँ।
"क्या यह उसी भूरे रंग की इमारत में है?"
“नहीं... बाद में... एक मंदिर है।” वह किसी कारण से परेशान लग रही थी।
क्या आपको इसमें कोई समस्या है?
“मंदिर में किसी ने कुछ ऐसा कर दिया है जिससे देवता क्रोधित हो गए हैं। मुझे नहीं पता...।”
क्या यह तुम थे?
“नहीं, नहीं... मुझे बस पुजारी दिख रहे हैं। वे किसी बलि की तैयारी कर रहे हैं, किसी जानवर की... यह एक मेमना है। उनके सिर गंजे हैं। उनके शरीर पर, न ही चेहरे पर बाल हैं...।” वह चुप हो गई, और धीरे-धीरे मिनट बीतते गए। अचानक वह सतर्क हो गई, मानो कुछ सुन रही हो। जब उसने बात की, तो उसकी आवाज़ गहरी थी। कोई गुरु उपस्थित था।
“इसी लोक में कुछ आत्माओं को भौतिक रूप में मौजूद लोगों के सामने प्रकट होने की अनुमति होती है। उन्हें वापस आने की अनुमति तभी मिलती है जब उन्होंने कोई समझौता अधूरा छोड़ दिया हो। इस लोक में आपसी संवाद संभव है। लेकिन दूसरे लोक... यहीं पर आपको अपनी मानसिक शक्तियों का उपयोग करके भौतिक रूप में मौजूद लोगों से संवाद करने की अनुमति मिलती है। ऐसा करने के कई तरीके हैं। कुछ लोगों को दृष्टि की शक्ति प्राप्त होती है और वे भौतिक रूप में मौजूद लोगों को स्वयं को दिखा सकते हैं। कुछ लोगों के पास गति की शक्ति होती है और वे टेलीपैथिक रूप से वस्तुओं को गतिमान कर सकते हैं। आप इस लोक में तभी जाते हैं जब यह आपके लिए उपयोगी हो। यदि आपने कोई ऐसा समझौता अधूरा छोड़ दिया है, तो आप यहां आकर किसी तरह से संवाद करने का विकल्प चुन सकते हैं। लेकिन बस इतना ही... जिसके लिए समझौते को पूरा करना आवश्यक है। यदि आपका जीवन अचानक समाप्त हो गया हो, तो यह इस लोक में जाने का एक कारण हो सकता है। बहुत से लोग यहां आना इसलिए चुनते हैं क्योंकि उन्हें भौतिक रूप में मौजूद और अपने बहुत करीब के लोगों को देखने की अनुमति मिलती है। लेकिन हर कोई इनसे संवाद करना नहीं चुनता। कुछ लोगों के लिए यह बहुत अधिक हो सकता है। "डरावना।" कैथरीन चुप हो गई और आराम करती हुई प्रतीत हुई। वह बहुत धीमी आवाज़ में फुसफुसाने लगी।
"ई आइ सी द लाइट।"
मैंने पूछा, "क्या प्रकाश से तुम्हें ऊर्जा मिलती है?"
"यह बिल्कुल नए सिरे से शुरुआत करने जैसा है... यह एक पुनर्जन्म है।"
“भौतिक रूप में मौजूद लोग इस ऊर्जा को कैसे महसूस कर सकते हैं? वे इसका उपयोग करके कैसे पुनर्जीवित हो सकते हैं?”
“उनके दिमाग से,” उसने धीरे से उत्तर दिया।
लेकिन वे इस स्थिति तक कैसे पहुंचते हैं?
“वे बहुत ही शांत अवस्था में होंगे। प्रकाश के माध्यम से आप ऊर्जा प्राप्त कर सकते हैं... प्रकाश के माध्यम से। आपको बहुत शांत रहना चाहिए ताकि आप ऊर्जा खर्च न करें, बल्कि अपनी ऊर्जा का नवीनीकरण करें। जब आप सोते हैं तो आप तरोताजा हो जाते हैं।” वह अपनी अतिचेतन अवस्था में थीं, और मैंने उनसे और प्रश्न पूछने का निर्णय लिया।

मैंने पूछा, "तुम्हारा कितनी बार पुनर्जन्म हुआ है? क्या वे सभी जन्म इसी वातावरण में, पृथ्वी पर हुए हैं, या कहीं और भी?"
“नहीं,” उसने उत्तर दिया, “सभी यहाँ नहीं हैं।”
"आप और किन-किन विमानों से, और किन-किन जगहों पर जाते हैं?"
“मैंने यहाँ अपना काम पूरा नहीं किया है। जब तक मैं जीवन के सभी अनुभवों को प्राप्त नहीं कर लेता, तब तक मैं आगे नहीं बढ़ सकता, और मैंने अभी तक ऐसा नहीं किया है। कई जन्म होंगे... सभी समझौतों और सभी ऋणों को पूरा करने के लिए।”
मैंने कहा, "लेकिन आप प्रगति कर रहे हैं।"
हम हमेशा प्रगति करते रहते हैं।
"आप पृथ्वी पर कितने जन्मों का अनुभव कर चुके हैं?"
“छियासी।”
“छियासी?”
"हाँ।"
क्या आपको वे सभी याद हैं?
“मैं याद रखूंगी, जब मेरे लिए उन्हें याद रखना ज़रूरी होगा।” हमने दस या बारह जन्मों के कुछ अंश या बड़े हिस्से अनुभव किए थे, और हाल ही में ये बार-बार दोहराए जा रहे थे। ज़ाहिर है, उसे शेष लगभग पचहत्तर जन्मों को याद रखने की कोई ज़रूरत नहीं थी। उसने वाकई उल्लेखनीय प्रगति की थी, कम से कम मेरी नज़र में। अब से, इस बिंदु से, वह जो प्रगति करेगी, वह शायद जन्मों की याद पर निर्भर न हो। उसकी भविष्य की प्रगति शायद मुझ पर या मेरी मदद पर भी निर्भर न हो। वह फिर से धीरे से फुसफुसाने लगी।
“कुछ लोग मादक पदार्थों के सेवन से सूक्ष्म जगत का अनुभव करते हैं, लेकिन वे अपने अनुभव को समझ नहीं पाते। फिर भी उन्हें उस पार जाने की अनुमति मिल जाती है।” मैंने उनसे मादक पदार्थों के बारे में नहीं पूछा था। वह सिखा रही थीं, ज्ञान बाँट रही थीं, चाहे मैंने उनसे सीधे तौर पर पूछा हो या नहीं।
मैंने पूछा, "क्या आप अपनी मानसिक शक्तियों का उपयोग यहाँ प्रगति करने में मदद के लिए नहीं कर सकते? ऐसा लगता है कि आप इन्हें और अधिक विकसित कर रहे हैं।"
“हां,” उसने सहमति जताते हुए कहा। “यह महत्वपूर्ण है, लेकिन यहां उतना महत्वपूर्ण नहीं जितना कि अन्य लोकों में होगा। यह विकास और प्रगति का ही एक हिस्सा है।”
“क्या यह मेरे लिए और आपके लिए महत्वपूर्ण है?”
“हम सभी के लिए महत्वपूर्ण,” उसने जवाब दिया।
हम इन क्षमताओं को कैसे विकसित कर सकते हैं?
“संबंधों के माध्यम से विकास होता है। कुछ उच्च शक्तियों वाले लोग हैं जो अधिक ज्ञान लेकर लौटे हैं। वे उन लोगों को खोजेंगे जिन्हें विकास की आवश्यकता है और उनकी सहायता करेंगे।” वह लंबे समय तक मौन रहीं। अपनी अतिचेतन अवस्था को छोड़कर, उन्होंने एक अन्य जीवन में प्रवेश किया।
मुझे समुद्र दिखाई देता है। मुझे समुद्र के पास एक घर दिखाई देता है। वह सफेद रंग का है। बंदरगाह से जहाज आते-जाते रहते हैं। मुझे समुद्र के पानी की गंध आती है।
"क्या आप मौजूद हैं?"
"हाँ।"
"घर कैसा है?"
“यह छोटा है। इसके ऊपर एक मीनार जैसी संरचना है... एक खिड़की है जहाँ से समुद्र का नजारा देखा जा सकता है। इसमें एक दूरबीन भी लगी है। यह पीतल, लकड़ी और फिर पीतल

से बना है।"
क्या आप इस दूरबीन का उपयोग करते हैं?
"हां, जहाजों की तलाश करने के लिए।"
"आप क्या करते हैं?"
“जब व्यापारिक जहाज बंदरगाह पर आते हैं तो हम उनकी सूचना देते हैं।” मुझे याद आया कि उसने पिछले जन्म में भी ऐसा ही किया था, जब वह क्रिश्चियन थी, एक नाविक जिसका हाथ नौसैनिक युद्ध के दौरान घायल हो गया था।
मैंने पुष्टि पाने के लिए पूछा, "क्या आप नाविक हैं?"
मुझे नहीं पता... शायद हो।
"क्या आपको दिख रहा है कि आपने क्या पहना है?"
“हाँ। किसी तरह की सफेद कमीज़, भूरे रंग की पैंट और बड़े बकल वाले जूते। ... मैं आगे चलकर नाविक बनूँगी, लेकिन अभी नहीं।” वह अपने भविष्य को देख सकती थी, लेकिन ऐसा करने से वह सीधे उस भविष्य में पहुँच गई।
“मुझे चोट लगी है,” दर्द से कराहते हुए वह बोली। “मेरे हाथ में चोट लगी है।” वह सचमुच ईसाई थी, और वह एक बार फिर उस समुद्री युद्ध को जी रही थी।
क्या कोई विस्फोट हुआ था?
“हाँ... मुझे बारूद की गंध आ रही है!”
"सब ठीक हो जाएगा," मैंने उसे आश्वस्त किया, हालांकि मुझे परिणाम पहले से ही पता था।
“कई लोग मर रहे हैं!” वह अब भी घबराई हुई थी। “पाल फट गए हैं... जहाज का बाएँ किनारे का कुछ हिस्सा उड़ गया है।” वह जहाज पर नुकसान का जायजा ले रही थी। “हमें पाल ठीक करने होंगे। उन्हें ठीक करना ही होगा।”
मैंने पूछा, "क्या आप ठीक हो जाते हैं?"
“हां। पाल पर कपड़े की सिलाई करना बहुत मुश्किल है।”
क्या आप अपने हाथों से काम कर सकते हैं?
“नहीं, लेकिन मैं दूसरों को देख रही हूँ... पालें। वे कैनवास से बनी हैं, किसी खास तरह के कैनवास से, जिसे सिलना बहुत मुश्किल है... कई लोग मर चुके हैं। उन्हें बहुत दर्द हो रहा है।” वह दर्द से कराह उठी।
"यह क्या है?"
“मेरे हाथ में यह दर्द...”
“तुम्हारा हाथ ठीक हो गया। समय के साथ आगे बढ़ो। क्या तुम फिर से नाव चलाओगे?”
“हां।” वह थोड़ी देर रुकी। “हम दक्षिण वेल्स में हैं। हमें तटरेखा की रक्षा करनी होगी।”
“आप पर हमला कौन कर रहा है?”
मुझे लगता है कि वे स्पेनिश हैं... उनके पास एक बड़ा बेड़ा है।
"आगे क्या होता है?"
मुझे बस जहाज दिखाई देता है। मुझे बंदरगाह दिखाई देता है। वहां दुकानें हैं। कुछ दुकानों में मोमबत्तियां बनती हैं। कुछ दुकानें ऐसी हैं जहां से किताबें खरीदी जाती हैं।
“हाँ। क्या आप कभी किताबों की दुकानों में जाते हैं?”
“हाँ। मुझे ये किताबें बहुत पसंद हैं। किताबें बहुत बढ़िया हैं... मैंने बहुत सारी किताबें देखीं। लाल वाली इतिहास की है। इनमें शहरों... ज़मीन के बारे में लिखा है। नक्शे भी हैं। मुझे यह किताब पसंद है... एक दुकान है जहाँ टोपियाँ मिलती हैं।”
“क्या कोई ऐसी जगह है जहाँ आप पीते हैं?” मुझे क्रिश्चियन द्वारा बीयर के बारे में दिए गए विवरण की याद आ गई।

“हाँ, बहुत सारे हैं,” उसने जवाब दिया। “वे एले परोसते हैं... बहुत गाढ़ी एले... किसी तरह के मांस के साथ... कुछ मटन और रोटी, बहुत बड़ी रोटी। एले बहुत कड़वी है, बहुत कड़वी। मैं उसका स्वाद महसूस कर सकती हूँ। उनके पास वाइन भी है, और लंबी लकड़ी की मेजें हैं...।”
मैंने उसका नाम लेकर पुकारने का फैसला किया, ताकि उसकी प्रतिक्रिया देख सकूँ। मैंने ज़ोर देकर कहा, "क्रिश्चियन।"
उसने बिना झिझक के ज़ोर से जवाब दिया, "हाँ! आप क्या चाहते हैं?"
“क्रिश्चियन, तुम्हारा परिवार कहाँ है?”
“वे पास के ही एक कस्बे में हैं। हम इसी बंदरगाह से रवाना होते हैं।”
आपके परिवार में कौन-कौन हैं?
मेरी एक बहन है... मेरी बहन का नाम मैरी है।
“तुम्हारी प्रेमिका कहाँ है?”
“मेरे पास कोई नहीं है। बस कस्बे की औरतें हैं।”
"कोई खास नहीं?"
नहीं, सिर्फ महिलाएं... मैं फिर से नौकायन करने लगी हूं। मैं कई लड़ाइयों में हिस्सा लेती हूं, लेकिन मैं सुरक्षित हूं।
“आप बूढ़े हो जाते हैं...।”
"हाँ।"
क्या आप कभी शादी करेंगे?
मुझे ऐसा लगता है। मुझे एक अंगूठी दिखाई दे रही है।
"आपके बच्चे है क्या?"
“हाँ। मेरा बेटा भी जहाज़ चलाएगा... एक अंगूठी है, एक हाथ वाली अंगूठी। वह हाथ कुछ पकड़े हुए है। मैं देख नहीं पा रही हूँ कि क्या। अंगूठी एक हाथ है; वह हाथ कुछ थामे हुए है।”
कैथरीन को उल्टी आने लगी।
"क्या गलत?"
“जहाज पर लोग बीमार हैं... खाने की वजह से। हमने कुछ खराब खाना खा लिया है। नमकीन सूअर का मांस है।” उसकी उल्टी की शिकायत जारी रही। मैंने उसे समय से आगे ले जाकर उसकी उल्टी बंद कर दी। मैंने उसे क्रिश्चियन के दिल के दौरे वाले दृश्य से दोबारा गुजारने का फैसला नहीं किया। वह पहले से ही थक चुकी थी, इसलिए मैंने उसे बेहोशी की हालत से बाहर निकाल लिया।

अध्याय चौदह

हमारी अगली मुलाकात से पहले तीन सप्ताह बीत गए। मेरी संक्षिप्त बीमारी और उसकी छुट्टी के कारण देरी हुई थी। इस दौरान कैथरीन की सेहत में लगातार सुधार होता रहा, लेकिन जब हमने सत्र शुरू किया, तो वह थोड़ी चिंतित लग रही थी। उसने बताया कि वह इतनी अच्छी तरह से ठीक हो रही है और इतना बेहतर महसूस कर रही है कि उसे नहीं लगता कि सम्मोहन से उसे इससे ज़्यादा मदद मिल सकती है। बेशक, वह सही थी। सामान्य परिस्थितियों में, हम हफ़्तों पहले ही थेरेपी बंद कर देते। हमने

इसे जारी रखा, इसका एक कारण गुरुओं के संदेशों में मेरी रुचि थी और दूसरा यह कि कैथरीन के वर्तमान जीवन में कुछ छोटी-मोटी समस्याएँ अभी भी बनी हुई थीं। कैथरीन लगभग ठीक हो चुकी थी, और जीवन चक्र दोहरा रहा था। लेकिन क्या पता गुरुओं को मुझे और भी कुछ बताना हो? कैथरीन के बिना हम कैसे संवाद कर सकते थे? मुझे पता था कि अगर मैं ज़ोर देता, तो वह हमारे सत्र जारी रखती। लेकिन मुझे ज़ोर देना ठीक नहीं लग रहा था। कुछ उदासी के साथ, मैं उससे सहमत हो गया। हमने पिछले तीन हफ़्तों की घटनाओं के बारे में बातचीत की, लेकिन मेरा मन इसमें नहीं लग रहा था।

पांच महीने बीत गए। कैथरीन की सेहत में लगातार सुधार होता रहा। उसके डर और चिंताएं बहुत कम हो गई थीं। उसके जीवन और रिश्तों की गुणवत्ता में ज़बरदस्त सुधार हुआ था। अब वह दूसरे पुरुषों के साथ डेटिंग कर रही थी, हालांकि स्टुअर्ट अभी भी उसकी ज़िंदगी का हिस्सा था। बचपन के बाद पहली बार उसे अपने जीवन में कुछ खुशी और वास्तविक आनंद का अनुभव हुआ। कभी-कभी हम गलियारे में या कैंटीन की लाइन में एक-दूसरे से मिल जाते थे, लेकिन हमारे बीच कोई औपचारिक डॉक्टर-मरीज का संपर्क नहीं था।

सर्दी बीत गई और बसंत का मौसम शुरू हो गया। कैथरीन ने दफ्तर में अपॉइंटमेंट लिया। उसे बार-बार एक सपना आ रहा था जिसमें किसी धार्मिक बलि का दृश्य था और एक गड्ढे में सांप थे। लोगों को, जिनमें वह खुद भी शामिल थी, गड्ढे में धकेला जा रहा था। वह गड्ढे में थी और रेतीली दीवारों में हाथ गाड़कर बाहर निकलने की कोशिश कर रही थी। सांप ठीक उसके नीचे थे। सपने के इस हिस्से में वह जाग जाती थी और उसका दिल ज़ोर से धड़क रहा होता था। लंबे अंतराल के बावजूद, वह शीघ्र ही गहरी सम्मोहन अवस्था में चली गई। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह तुरंत ही अपने प्राचीन जीवनकाल में लौट गई।

“मैं जहां हूं वहां बहुत गर्मी है,” उसने कहना शुरू किया। “मैं दो काले आदमियों को ठंडी और नम पत्थर की दीवारों के पास खड़ा देखता हूँ। उनके सिर पर कुछ न कुछ है। उनके दाहिने टखने पर एक रस्सी बंधी है। रस्सी मोतियों और लटकनों से गुंथी हुई है। वे पत्थर और मिट्टी से एक गोदाम बना रहे हैं, जिसमें गेहूँ या किसी प्रकार का पिसा हुआ अनाज रख रहे हैं। अनाज लोहे के पहियों वाली गाड़ी में लाया जा रहा है। गाड़ी पर या उसके कुछ हिस्से पर बुनी हुई चटाइयाँ बिछी हैं। मैं नीला पानी देखता हूँ। कोई मुखिया दूसरों को आदेश दे रहा है। अनाज भंडार में जाने के लिए तीन सीढ़ियाँ हैं। बाहर एक देवता की मूर्ति है। उसका सिर किसी जानवर या पक्षी का है और शरीर मनुष्य का। वह ऋतुओं का देवता है। दीवारों पर किसी प्रकार का तारकोल लगा है ताकि हवा अंदर न आ सके और अनाज ताजा रहे। मेरे चेहरे में खुजली हो रही है... मेरे बालों में नीले मोती हैं। आसपास कीड़े-मकोड़े हैं, जिनसे मेरे चेहरे और हाथों में खुजली हो रही है। मैं उन्हें दूर रखने के लिए अपने चेहरे पर कुछ चिपचिपा लगाता हूँ... उसकी गंध बहुत खराब है, किसी पेड़ के रस की गंध है।”

“मेरे बालों में चोटियाँ हैं और उनमें सोने की मालाओं वाले मोती लगे हैं। मेरे बाल गहरे काले हैं। मैं शाही परिवार की सदस्य हूँ। मैं किसी उत्सव के कारण यहाँ आई हूँ। मैं पुरोहितों के अभिषेक को देखने आई हूँ... आने वाली फसल के लिए देवताओं को समर्पित एक उत्सव। यहाँ केवल पशु बलि दी जाती है, मनुष्य की नहीं। बलि दिए गए पशुओं का खून एक सफेद स्टैंड से बहकर एक पात्र में जाता है... और फिर एक साँप के मुँह में चला जाता है। पुरुष छोटी सोने की टोपियाँ पहने हुए हैं। सभी लोग सांवले रंग के हैं। हमारे पास दूसरे देशों से, समुद्र पार से आए हुए गुलाम हैं...।”

वह चुप हो गई, और हम इंतज़ार करते रहे, मानो महीनों का समय बीता ही न हो। वह सतर्क

हो उठी, मानो कुछ सुन रही हो।
“सब कुछ बहुत तेज़ और जटिल है... जो वे मुझे बता रहे हैं... परिवर्तन, विकास और विभिन्न स्तरों के बारे में। एक चेतना का स्तर है और एक संक्रमण का स्तर है। हम एक जीवन से आते हैं, और यदि पाठ पूरे हो जाते हैं, तो हम दूसरे आयाम, दूसरे जीवन में चले जाते हैं। हमें पूरी तरह समझना होगा। यदि हम नहीं समझते, तो हमें आगे बढ़ने की अनुमति नहीं है... हमें दोहराना होगा क्योंकि हम सीखते नहीं हैं। हमें हर पहलू से अनुभव करना होगा। हमें चाहत के पक्ष को जानना होगा, लेकिन देने के पक्ष को भी... जानने के लिए बहुत कुछ है, बहुत सी आत्माएँ शामिल हैं। इसीलिए हम यहाँ हैं। गुरु... इस तल पर केवल एक ही हैं।”
कैथरीन थोड़ी देर रुकी, फिर कवि गुरु की आवाज में बोली। वह मुझसे बात कर रहे थे।
“हम आपको जो बता रहे हैं वह फिलहाल के लिए है। अब आपको अपनी अंतरात्मा के माध्यम से सीखना होगा।”
कुछ मिनट बाद, कैथरीन ने धीमी फुसफुसाहट में कहा, “वहाँ एक काली बाड़ है... जिसके भीतर कब्रें हैं। तुम्हारी कब्र भी वहीं है।”
“मेरा?” मैंने यह दृश्य देखकर आश्चर्यचकित होकर पूछा।
"हाँ।"
"क्या आप शिलालेख पढ़ सकते हैं?"
“नाम ‘नोबल’ है: 1668-1724। इस पर एक फूल बना हुआ है... यह फ्रांस या रूस में है। आपने लाल वर्दी पहनी हुई थी... घोड़े से गिर गए थे... एक सोने की अंगूठी है... जिस पर शेर का सिर बना हुआ है... जिसका इस्तेमाल प्रतीक चिन्ह के रूप में किया जाता था।”
बस इतना ही था। मैंने कवि मास्टर के कथन का यह अर्थ निकाला कि कैथरीन के सम्मोहन के माध्यम से अब और कोई रहस्योद्घाटन नहीं होगा, और वास्तव में ऐसा ही हुआ। अब आगे कोई सत्र नहीं होने थे। उसका इलाज पूरा हो चुका था, और मैंने प्रतिगमन सत्रों के माध्यम से वह सब कुछ सीख लिया था जो मैं सीख सकता था। बाकी, भविष्य में क्या होगा, यह मुझे अपनी अंतरात्मा से सीखना था।

अध्याय पंद्रह

हमारे आखिरी सेशन के दो महीने बाद, कैथरीन ने फोन किया और अपॉइंटमेंट तय किया। उसने कहा कि उसे मुझे कुछ बहुत ही दिलचस्प बात बतानी है।
जब वह दफ्तर में दाखिल हुई, तो नई कैथरीन की मौजूदगी, जो खुश, मुस्कुराती हुई और मन को शांत करती हुई लग रही थी, ने मुझे कुछ पल के लिए चौंका दिया। एक क्षण के लिए, मैंने पुरानी कैथरीन के बारे में सोचा और यह भी कि उसने इतने कम समय में कितनी तरक्की कर ली थी।
कैथरीन, आइरिस साल्ट्ज़मैन से मिलने गई थीं, जो एक प्रसिद्ध ज्योतिषी थीं और पूर्व जन्मों के बारे में बताने में माहिर थीं। मुझे थोड़ा आश्चर्य हुआ, लेकिन मैं कैथरीन की जिज्ञासा और अपने अनुभवों की पुष्टि पाने की उनकी ज़रूरत को समझती थी। मुझे खुशी थी कि उनमें ऐसा करने का आत्मविश्वास था।
कैथरीन ने हाल ही में एक दोस्त से आइरिस के बारे में सुना था। उसने फोन करके अपॉइंटमेंट ले लिया, लेकिन आइरिस को मेरे ऑफिस में हुई किसी भी घटना के बारे में नहीं बताया।

आइरिस ने उससे केवल उसकी जन्म तिथि, समय और स्थान पूछा था। आइरिस ने उसे समझाया कि इससे वह एक ज्योतिषीय चक्र बनाएगी, जो आइरिस की अंतर्ज्ञान शक्ति के साथ मिलकर उसे कैथरीन के पिछले जन्मों के बारे में जानकारी प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।
कैथरीन का किसी मानसिक चिकित्सक से यह पहला अनुभव था, और उसे वास्तव में पता नहीं था कि क्या उम्मीद करनी चाहिए। उसे आश्चर्य हुआ जब आइरिस ने सम्मोहन के दौरान कैथरीन द्वारा खोजी गई अधिकांश बातों की पुष्टि की।
आइरिस धीरे-धीरे बातचीत करते हुए और जल्दबाजी में बनाए गए ज्योतिषीय ग्राफ पर टिप्पणियाँ करते हुए एक परिवर्तित अवस्था में पहुँच गई। इस अवस्था में पहुँचने के कुछ ही मिनटों बाद, आइरिस ने अपना गला पकड़ लिया और घोषणा की कि कैथरीन का पिछले जन्म में गला घोंटकर हत्या कर दी गई थी। गला काटने की घटना युद्ध के समय हुई थी, और आइरिस को कई सदियों पहले गाँव में आग और विनाश दिखाई दे रहा था। उसने कहा कि कैथरीन अपनी मृत्यु के समय एक युवक था।
आइरिस की आँखें नम्रता से भर उठीं जब उसने कैथरीन का वर्णन किया: एक युवक नौसेना की वर्दी पहने हुए था, जिसमें छोटी काली पैंट और अजीब बकल वाले जूते थे। अचानक आइरिस ने अपना बायाँ हाथ पकड़ा और उसे तेज़ दर्द महसूस हुआ। वह चिल्लाई कि कोई नुकीली चीज़ उसके हाथ में घुस गई है और उसे चोट पहुँचाई है, जिससे एक स्थायी निशान रह गया है। वहाँ बड़े समुद्री युद्ध हुए थे और यह घटना इंग्लैंड के तट के पास हुई थी। उसने आगे नौकायन के जीवन का वर्णन किया।
आइरिस ने अपने पिछले जन्मों के कुछ और अंशों का वर्णन किया। एक संक्षिप्त जीवन पेरिस में बीता, जहाँ कैथरीन फिर से एक लड़के के रूप में थी और गरीबी में कम उम्र में ही उसकी मृत्यु हो गई थी। एक और बार वह दक्षिण-पश्चिम फ्लोरिडा तट पर एक अमेरिकी मूलनिवासी महिला थी। इस जीवन में वह एक वैद्य थी और नंगे पैर घूमती थी। उसका रंग सांवला था और उसकी आँखें अनोखी थीं। वह घावों पर मलहम लगाती थी और जड़ी-बूटी से बनी दवाइयाँ देती थी, और उसमें गहरी आध्यात्मिक शक्ति थी। उसे नीले पत्थरों के गहने पहनना बहुत पसंद था, जिनमें लैपिस के कई गहने होते थे और उनमें लाल पत्थर जड़े होते थे।
पिछले जन्म में कैथरीन स्पेनिश थी और वेश्या के रूप में जीवन व्यतीत करती थी। उसका नाम 'एल' अक्षर से शुरू होता था। वह एक अधेड़ उम्र के व्यक्ति के साथ रहती थी।
पिछले जन्म में वह एक धनी पिता की नाजायज बेटी थी, जिसके पास कई उपाधियाँ थीं। आइरिस ने बड़े घर में मगों पर पारिवारिक प्रतीक चिन्ह देखा। उसने बताया कि कैथरीन बहुत गोरी थी और उसकी उंगलियाँ लंबी और पतली थीं। वह वीणा बजाती थी। उसकी शादी तय हुई थी। कैथरीन को जानवरों से, विशेषकर घोड़ों से बहुत प्यार था, और वह अपने आसपास के लोगों की तुलना में जानवरों के साथ बेहतर व्यवहार करती थी।
अपने संक्षिप्त जीवनकाल में वह एक युवा मोरक्कन लड़की थी जिसकी युवावस्था में ही बीमारी से मृत्यु हो गई। एक समय वह हैती में रहती थी, जहाँ वह वहाँ की भाषा बोलती थी और जादुई प्रथाओं में संलग्न थी।
अपने प्राचीन काल में वह मिस्र की निवासी थीं और उस संस्कृति के अंत्येष्टि अनुष्ठानों में शामिल थीं। वह गुंथे हुए बालों वाली महिला थीं।
उन्होंने फ्रांस और इटली में कई जन्म लिए। एक जन्म में वे फ्लोरेंस में रहीं और धर्म से जुड़ी रहीं। बाद में वे स्विट्जरलैंड चली गईं, जहाँ वे एक मठ से जुड़ी रहीं। वे महिला थीं और उनके दो बेटे थे। उन्हें सोने और सोने की मूर्तियों का शौक था और वे सोने का क्रॉस पहनती थीं। फ्रांस में उन्हें एक ठंडी और अंधेरी जगह में कैद किया गया था।

एक अन्य जन्म में, आइरिस ने कैथरीन को लाल वर्दी पहने एक पुरुष के रूप में देखा, जो घोड़ों और सैनिकों से जुड़ी हुई थी। वर्दी लाल और सुनहरी थी, संभवतः रूसी। एक और जन्म में वह प्राचीन मिस्र में एक नूबियाई दासी थी। एक बार उसे पकड़कर जेल में डाल दिया गया। एक और जन्म में, कैथरीन जापान में एक पुरुष थी, जो पुस्तकों और अध्यापन से जुड़ी हुई थी, और बहुत विद्वान थी। उसने स्कूलों में काम किया और वृद्धावस्था तक जीवित रही। और अंत में, एक जर्मन सैनिक के रूप में उनका हालिया जीवन था जो युद्ध में मारा गया था। आइरिस द्वारा वर्णित इन पूर्व-जन्म की घटनाओं की विस्तृत सटीकता ने मुझे मंत्रमुग्ध कर दिया। सम्मोहन प्रतिगमन के दौरान कैथरीन की स्वयं की यादों से इनका सटीक मिलान चौंकाने वाला था - नौसैनिक युद्ध में क्रिश्चियन के हाथ में लगी चोट और उसके कपड़ों और जूतों का वर्णन; स्पेनिश वेश्या के रूप में लुइसा का जीवन; अरोंडा और मिस्र के अंत्येष्टि स्थल; जोहान, वह युवा लुटेरा जिसका गला स्टुअर्ट के पिछले अवतार ने तब काट दिया था जब स्टुअर्ट का गाँव जल रहा था; एरिक, वह अभागा जर्मन पायलट; इत्यादि।
कैथरीन के वर्तमान जीवन से भी कुछ समानताएँ थीं। उदाहरण के लिए, कैथरीन को नीले पत्थरों के गहने, विशेषकर लैपिस लाजुली, बहुत पसंद थे। हालाँकि, आइरिस के साथ पढ़ाई के दौरान उन्होंने कोई गहना नहीं पहना था। उन्हें हमेशा से ही जानवर, विशेषकर घोड़े और बिल्लियाँ, बहुत प्यारे थे; उन्हें इंसानों की तुलना में इनके साथ ज़्यादा सुरक्षित महसूस होता था। और अगर उन्हें दुनिया में घूमने के लिए कोई एक जगह चुननी हो, तो वह फ्लोरेंस ही होगी।
मैं इस अनुभव को किसी भी तरह से वैध वैज्ञानिक प्रयोग नहीं कहूंगा। मेरे पास कारकों को नियंत्रित करने का कोई तरीका नहीं था। लेकिन यह हुआ, और मुझे लगता है कि इसे यहां बताना महत्वपूर्ण है।
मुझे ठीक से नहीं पता कि उस दिन क्या हुआ था। शायद आइरिस ने अनजाने में टेलीपैथी का इस्तेमाल करके कैथरीन के मन को "पढ़" लिया हो, क्योंकि पिछले जन्मों की जानकारी पहले से ही कैथरीन के अवचेतन में मौजूद थी। या शायद आइरिस सचमुच अपनी मानसिक शक्तियों के इस्तेमाल से पिछले जन्मों की जानकारी हासिल करने में सक्षम थी। चाहे जो भी हुआ हो, दोनों ने अलग-अलग तरीकों से एक ही जानकारी प्राप्त की। कैथरीन ने सम्मोहन प्रतिगमन के माध्यम से जो जानकारी प्राप्त की थी, आइरिस ने उसे मानसिक माध्यमों से हासिल किया था।
बहुत कम लोग आइरिस जैसा कर पाते हैं। खुद को मानसिक शक्ति वाला बताने वाले कई लोग लोगों के डर और अज्ञात के प्रति उनकी जिज्ञासा का फायदा उठा रहे हैं। आज के समय में, नकली और फर्जी मानसिक शक्तियों वाले लोग बड़ी संख्या में सामने आ रहे हैं। शर्ली मैकलेन की किताब 'आउट ऑन अ लिम्ब' जैसी किताबों की लोकप्रियता ने कई नए "ट्रान्स मीडियम" को जन्म दिया है। इनमें से कई लोग घूम-घूम कर स्थानीय स्तर पर अपनी मौजूदगी का प्रचार करते हैं और समाधि की अवस्था में बैठकर मंत्रमुग्ध और विस्मय से भरे श्रोताओं को ऐसी बातें सुनाते हैं जैसे, "यदि आप प्रकृति के साथ सामंजस्य में नहीं हैं, तो प्रकृति भी आपके साथ सामंजस्य में नहीं रहेगी।" ये बातें आमतौर पर मीडियम की अपनी आवाज से बिल्कुल अलग आवाज में कही जाती हैं, जिसमें अक्सर किसी विदेशी लहजे की झलक होती है। संदेश अस्पष्ट होते हैं और कई लोगों पर लागू होते हैं। अक्सर ये संदेश मुख्य रूप से आध्यात्मिक आयामों से संबंधित होते हैं, जिनका मूल्यांकन करना कठिन है। यह जरूरी है कि झूठे और सच्चे को अलग किया जाए ताकि इस क्षेत्र की विश्वसनीयता को नुकसान न पहुंचे। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए गंभीर व्यवहार वैज्ञानिकों की आवश्यकता है। मानसिक बीमारी, दिखावा (नकलीपन) और समाज-विरोधी (धोखाधड़ी) प्रवृत्तियों का पता लगाने और निदान

संबंधी आकलन करने के लिए मनोचिकित्सकों की आवश्यकता है। सांख्यिकीविदों, मनोवैज्ञानिकों और भौतिकविदों की भी इन मूल्यांकनों और आगे के परीक्षणों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका है।
इस क्षेत्र में जो महत्वपूर्ण प्रगति होने वाली है, वह वैज्ञानिक पद्धति के माध्यम से ही संभव होगी। विज्ञान में, किसी घटना की व्याख्या करने के लिए सबसे पहले परिकल्पना बनाई जाती है, जो प्रेक्षणों की एक श्रृंखला के आधार पर की गई प्रारंभिक धारणा होती है। इसके बाद, परिकल्पना का नियंत्रित परिस्थितियों में परीक्षण किया जाना आवश्यक है। इन परीक्षणों के परिणामों को सिद्ध और दोहराया जाना चाहिए, तभी कोई सिद्धांत स्थापित हो सकता है। एक बार जब वैज्ञानिकों को लगता है कि उनके पास एक ठोस सिद्धांत है, तो अन्य शोधकर्ताओं द्वारा इसका बार-बार परीक्षण किया जाना चाहिए, और परिणाम समान होने चाहिए।
ड्यूक विश्वविद्यालय के डॉ. जोसेफ बी. राइन, वर्जीनिया विश्वविद्यालय के मनोचिकित्सा विभाग के डॉ. इयान स्टीवेन्सन, न्यूयॉर्क शहर के कॉलेज की डॉ. गर्ट्रूड श्मेडलर और कई अन्य गंभीर शोधकर्ताओं के विस्तृत, वैज्ञानिक रूप से स्वीकार्य अध्ययन यह साबित करते हैं कि ऐसा किया जा सकता है।

अध्याय सोलह

कैथरीन और मैंने इस अविश्वसनीय अनुभव को साझा किए लगभग चार साल बीत चुके हैं। इसने हम दोनों को गहराई से बदल दिया है।
कभी-कभी वह मुझसे मिलने या अपनी किसी समस्या पर चर्चा करने के लिए मेरे कार्यालय आती हैं। उन्हें कभी भी दोबारा रिग्रेशन कराने की आवश्यकता या इच्छा नहीं हुई, न तो किसी लक्षण के इलाज के लिए और न ही यह जानने के लिए कि उनके जीवन में आए नए लोगों का उनसे अतीत में कैसा संबंध रहा होगा। हमारा काम पूरा हो गया है। कैथरीन अब अपने जीवन का भरपूर आनंद उठा सकती हैं, अब वह अपने कष्टदायक लक्षणों से मुक्त हैं। उन्हें ऐसी खुशी और संतोष मिला है जिसकी उन्होंने कभी कल्पना भी नहीं की थी। अब उन्हें बीमारी या मृत्यु का भय नहीं है। अब उनके जीवन का एक अर्थ और उद्देश्य है क्योंकि वह संतुलित हैं और स्वयं के साथ सामंजस्य में हैं। उनके भीतर एक ऐसी शांति व्याप्त है जिसकी कई लोग कामना करते हैं लेकिन कुछ ही लोग उसे प्राप्त कर पाते हैं। वह अधिक आध्यात्मिक महसूस करती हैं। कैथरीन के लिए, जो कुछ भी हुआ है वह सब वास्तविक है। उन्हें इसकी सत्यता पर कोई संदेह नहीं है, और वह इसे अपने अस्तित्व का अभिन्न अंग मानती हैं। उन्हें मानसिक घटनाओं के अध्ययन में कोई रुचि नहीं है, क्योंकि उन्हें लगता है कि वह इस तरह से "जानती" हैं जो किताबों या व्याख्यानों से नहीं सीखा जा सकता। जो लोग मृत्यु के करीब हैं या जिनके परिवार का कोई सदस्य मृत्यु के करीब है, वे अक्सर उनसे मिलने आते हैं। वे उसकी ओर आकर्षित होते प्रतीत होते हैं। वह उनके साथ बैठती है और बातें करती है, जिससे उन्हें अच्छा महसूस होता है।
मेरी ज़िंदगी में भी कैथरीन की तरह ही ज़बरदस्त बदलाव आया है। मैं पहले से ज़्यादा सहज हो गई हूँ, अपने मरीज़ों, सहकर्मियों और दोस्तों के छिपे हुए, गुप्त पहलुओं को लेकर ज़्यादा जागरूक हो गई हूँ। मुझे लगता है कि मैं उनके बारे में काफ़ी कुछ जानती हूँ, वो भी समय से पहले। मेरे मूल्य और जीवन के लक्ष्य अब ज़्यादा मानवतावादी और कम संचयवादी हो गए हैं।

मेरे जीवन में मानसिक शक्तियों वाले लोग, माध्यम, उपचारक और अन्य लोग पहले से ज़्यादा बार आने लगे हैं, और मैंने उनकी क्षमताओं का व्यवस्थित रूप से मूल्यांकन करना शुरू कर दिया है। कैरोल भी मेरे साथ-साथ विकसित हुई है। वह मृत्यु और मृत्यु से संबंधित परामर्श में विशेष रूप से कुशल हो गई है, और अब वह एड्स से मर रहे मरीज़ों के लिए सहायता समूह चलाती है।

मैंने ध्यान करना शुरू कर दिया है, जो कुछ समय पहले तक मुझे लगता था कि केवल हिंदू और कैलिफ़ोर्नियावासी ही करते हैं। कैथरीन के माध्यम से मिले उपदेश मेरे दैनिक जीवन का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। जीवन के गहरे अर्थ और मृत्यु को जीवन का एक स्वाभाविक हिस्सा मानते हुए, मैं अधिक धैर्यवान, अधिक सहानुभूतिशील और अधिक प्रेमशील हो गया हूँ। मैं अपने कार्यों के लिए, चाहे वे अच्छे हों या बुरे, अधिक ज़िम्मेदार महसूस करता हूँ। मुझे पता है कि इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। जैसा करोगे वैसा भरोगे।

मैं अब भी वैज्ञानिक शोध पत्र लिखता हूँ, पेशेवर सम्मेलनों में व्याख्यान देता हूँ और मनोचिकित्सा विभाग का संचालन करता हूँ। लेकिन अब मैं दो दुनियाओं के बीच संतुलन बनाए रखता हूँ: पाँच इंद्रियों की भौतिक दुनिया, जो हमारे शरीर और शारीरिक आवश्यकताओं द्वारा दर्शायी जाती है; और अलौकिक जगत, जो हमारी आत्माओं और चेतना द्वारा दर्शायी जाती है। मैं जानता हूँ कि ये दोनों दुनियाएँ आपस में जुड़ी हुई हैं, कि सब कुछ ऊर्जा है। फिर भी वे अक्सर बहुत दूर प्रतीत होती हैं। मेरा काम इन दुनियाओं को जोड़ना है, उनकी एकता को सावधानीपूर्वक और वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित करना है।

मेरा परिवार खुशहाल हो गया है। कैरोल और एमी में असाधारण मानसिक क्षमताएं निकली हैं, और हम मज़ाकिया अंदाज़ में उनकी इन क्षमताओं को और विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। जॉर्डन एक शक्तिशाली और आकर्षक किशोर बन गया है, एक स्वाभाविक नेता। मैं आखिरकार कम गंभीर हो रहा हूँ। और कभी-कभी मुझे अजीबोगरीब सपने भी आते हैं।

कैथरीन के आखिरी सत्र के बाद के कई महीनों के दौरान, मेरी नींद में एक अजीब प्रवृत्ति दिखने लगी थी। मुझे कभी-कभी एक जीवंत सपना आता था, जिसमें मैं या तो व्याख्यान सुन रहा होता था या व्याख्याता से प्रश्न पूछ रहा होता था। सपने में शिक्षक का नाम फिलो था। जागने पर, मुझे कभी-कभी चर्चा की गई कुछ बातें याद आ जाती थीं और मैं उन्हें लिख लेता था। मैं यहाँ कुछ उदाहरण दे रहा हूँ। पहला एक व्याख्यान था, और मैंने गुरुओं के संदेशों का प्रभाव पहचाना।

"...ज्ञान की प्राप्ति बहुत धीमी गति से होती है। इसका कारण यह है कि आसानी से प्राप्त होने वाले बौद्धिक ज्ञान को 'भावनात्मक' या अवचेतन ज्ञान में परिवर्तित करना आवश्यक है। एक बार परिवर्तित होने पर, इसका प्रभाव स्थायी हो जाता है। व्यवहारिक अभ्यास इस प्रक्रिया का आवश्यक उत्प्रेरक है। क्रिया के बिना, अवधारणा मुरझा जाएगी और लुप्त हो जाएगी। व्यावहारिक अनुप्रयोग के बिना सैद्धांतिक ज्ञान पर्याप्त नहीं है।"

आज संतुलन और सामंजस्य की उपेक्षा की जा रही है, जबकि ये ज्ञान की बुनियाद हैं। हर काम हद से ज़्यादा किया जाता है। लोग ज़्यादा खाने की वजह से मोटे हो जाते हैं। जॉगर्स ज़रूरत से ज़्यादा दौड़ने की वजह से खुद और दूसरों के कुछ पहलुओं को नज़रअंदाज़ कर देते हैं। लोग हद से ज़्यादा मतलबी लगते हैं। वे ज़रूरत से ज़्यादा शराब पीते हैं, ज़रूरत से ज़्यादा सिगरेट पीते हैं, ज़रूरत से ज़्यादा (या ज़रूरत से कम) मौज-मस्ती करते हैं, बिना मतलब की बातें करते हैं, ज़रूरत से ज़्यादा चिंता करते हैं। सोच हद से ज़्यादा संकीर्ण है। या तो सब कुछ या कुछ भी नहीं। यह प्रकृति का नियम नहीं है।

प्रकृति में संतुलन है। जानवर थोड़ी-थोड़ी मात्रा में ही विनाश करते हैं। पारिस्थितिक तंत्र बड़े

पैमाने पर नष्ट नहीं होते। पौधे खाए जाते हैं और फिर उगते हैं। पोषण के स्रोत उपयोग किए जाते हैं और फिर भर जाते हैं। फूल का आनंद लिया जाता है, फल खाए जाते हैं, जड़ को संरक्षित किया जाता है।

“मानव जाति ने संतुलन के बारे में सीखा ही नहीं है, अभ्यास करना तो दूर की बात है। यह लालच और महत्वाकांक्षा से प्रेरित है, भय से संचालित है। इस तरह यह अंततः स्वयं को नष्ट कर देगी। लेकिन प्रकृति जीवित रहेगी; कम से कम पौधे तो बचेंगे।”

“सौहार्द वास्तव में सादगी में निहित है। विचार और कर्म में अति की प्रवृत्ति सुख को कम कर देती है। अति बुनियादी मूल्यों को धूमिल कर देती है। धार्मिक लोग हमें बताते हैं कि सुख हृदय को प्रेम से भरने, आस्था और आशा रखने, दान-पुण्य करने और दयालुता का वितरण करने से प्राप्त होता है। वे वास्तव में सही हैं। इन दृष्टिकोणों को अपनाने से संतुलन और सामंजस्य स्वाभाविक रूप से प्राप्त होते हैं। ये सामूहिक रूप से एक अवस्था हैं। इन दिनों, ये चेतना की एक परिवर्तित अवस्था हैं। ऐसा लगता है मानो मानव जाति पृथ्वी पर अपनी स्वाभाविक अवस्था में नहीं है। उसे प्रेम, दान और सादगी से भरने, पवित्रता का अनुभव करने और अपने चिरस्थायी भय से मुक्ति पाने के लिए एक परिवर्तित अवस्था तक पहुंचना होगा।”

“इस परिवर्तित अवस्था, इस दूसरे मूल्य तंत्र तक कैसे पहुंचा जा सकता है? और एक बार प्राप्त होने पर इसे कैसे बनाए रखा जा सकता है? इसका उत्तर सरल प्रतीत होता है। यह सभी धर्मों का मूल तत्व है। मानव जाति अमर है, और हम अभी जो कर रहे हैं वह अपने सबक सीखना है। हम सब अभी सीख रहे हैं। यदि आप अमरता में विश्वास कर सकते हैं तो यह बहुत सरल है।”

“यदि मानव जाति का एक हिस्सा शाश्वत है, और ऐसा मानने के लिए बहुत से प्रमाण और इतिहास मौजूद हैं, तो हम अपने साथ इतना बुरा क्यों कर रहे हैं? हम अपने व्यक्तिगत ‘लाभ’ के लिए दूसरों को क्यों कुचलते और रौंदते हैं, जबकि वास्तव में हम इस पाठ में असफल हो रहे हैं? अंततः हम सभी एक ही स्थान पर जा रहे हैं, भले ही हमारी गति अलग-अलग हो। कोई भी किसी से श्रेष्ठ नहीं है।”

“इन बातों पर गौर करें। बौद्धिक रूप से उत्तर हमेशा से मौजूद रहे हैं, लेकिन अनुभव के माध्यम से उन्हें साकार करना, उन्हें भावनात्मक रूप से आत्मसात करके और अभ्यास के द्वारा अवचेतन मन में स्थायी छाप छोड़ना ही कुंजी है। केवल संडे स्कूल में रटना पर्याप्त नहीं है। व्यवहार के बिना केवल कहने मात्र से कोई लाभ नहीं। प्रेम, दान और आस्था के बारे में पढ़ना या बात करना आसान है। लेकिन इसे करना, इसे महसूस करना, लगभग चेतना की एक परिवर्तित अवस्था की आवश्यकता होती है। यह मादक पदार्थों, शराब या अप्रत्याशित भावनाओं से उत्पन्न होने वाली क्षणिक अवस्था नहीं है। स्थायी अवस्था ज्ञान और समझ से प्राप्त होती है। यह शारीरिक व्यवहार, कर्म और अभ्यास से कायम रहती है। यह लगभग रहस्यमयी चीज़ को अभ्यास द्वारा रोजमर्रा की परिचितता में बदलना, उसे आदत बनाना है।” यह समझें कि कोई भी किसी से श्रेष्ठ नहीं है। इसे महसूस करें। दूसरों की मदद करने का अभ्यास करें। हम सब एक ही नाव में सवार हैं। अगर हम मिलकर काम नहीं करेंगे, तो हमारे पौधे बहुत अकेले पड़ जाएंगे।

एक और रात, एक अलग सपने में मैं एक सवाल पूछ रहा था। "आप कहते हैं कि सभी बराबर हैं, फिर भी स्पष्ट विरोधाभास हमारे सामने स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं: सद्गुणों, संयम, आर्थिक स्थिति, अधिकारों, क्षमताओं और प्रतिभाओं, बुद्धि, गणितीय योग्यता आदि में असमानताएं?"

इसका उत्तर एक रूपक था। “मानो प्रत्येक व्यक्ति के भीतर एक विशाल हीरा छिपा हो। एक फुट लंबे हीरे की कल्पना कीजिए। हीरे के हज़ार पहलू होते हैं, लेकिन वे सभी गंदगी और

तारकोल से ढके होते हैं। आत्मा का काम प्रत्येक पहलू को तब तक साफ करना है जब तक कि सतह चमकदार न हो जाए और इंद्रधनुषी रंगों को प्रतिबिंबित न कर सके।"
"कुछ लोगों ने अपने हीरों के कई पहलू साफ कर लिए हैं और वे खूब चमकते हैं। वहीं कुछ लोग केवल कुछ ही पहलू साफ कर पाए हैं; इसलिए वे उतने दमकते नहीं। फिर भी, गंदगी के नीचे, हर व्यक्ति के भीतर एक हीरा छिपा है जिसके हजारों पहलू चमकते हैं। हीरा एकदम परिपूर्ण है, उसमें कोई दोष नहीं है। लोगों में केवल इतना ही अंतर है कि उन्होंने कितने पहलू साफ किए हैं। लेकिन हर हीरा एक जैसा है, और हर हीरा परिपूर्ण है।"
जब हीरे के सभी पहलू साफ होकर प्रकाश के एक स्पेक्ट्रम में चमकने लगते हैं, तो हीरा अपनी मूल शुद्ध ऊर्जा में लौट आता है। प्रकाश बना रहता है। ऐसा लगता है मानो हीरे के निर्माण की पूरी प्रक्रिया उलट गई हो, सारा दबाव मुक्त हो गया हो। शुद्ध ऊर्जा प्रकाश के इंद्रधनुष में विद्यमान होती है, और प्रकाश में चेतना और ज्ञान समाहित होता है।
और सारे हीरे एकदम सही हैं।
कभी-कभी सवाल जटिल होते हैं और जवाब सरल।
"मैं क्या करूँ?" मैं सपने में खुद से पूछ रही थी। "मैं जानती हूँ कि मैं दर्द से पीड़ित लोगों का इलाज और उन्हें ठीक कर सकती हूँ। वे इतनी बड़ी संख्या में मेरे पास आते हैं कि मेरी क्षमता से कहीं अधिक। मैं बहुत थक चुकी हूँ। फिर भी, जब वे इतने ज़रूरतमंद हैं और मैं उनकी मदद कर सकती हूँ, तो क्या मैं उन्हें मना कर सकती हूँ? क्या 'नहीं, बस बहुत हो गया' कहना सही है?"
जवाब मिला, "आपकी भूमिका लाइफगार्ड बनने की नहीं है।"
मैं जो आखिरी उदाहरण देना चाहूंगा, वह अन्य मनोचिकित्सकों के लिए एक संदेश था। मैं सुबह लगभग छह बजे एक सपने से जागा, जिसमें मैं एक व्याख्यान दे रहा था, इस बार मनोचिकित्सकों के एक विशाल समूह के सामने।
मनोचिकित्सा के चिकित्सीयकरण की ओर बढ़ते रुझान में, यह महत्वपूर्ण है कि हम अपने पेशे की पारंपरिक, भले ही कभी-कभी अस्पष्ट, शिक्षाओं को न छोड़ें। हम ही वे लोग हैं जो आज भी अपने रोगियों से धैर्य और करुणा के साथ बात करते हैं। हम आज भी इसके लिए समय निकालते हैं। हम बीमारी की वैचारिक समझ, समझ के साथ उपचार और आत्मज्ञान की खोज को बढ़ावा देते हैं, न कि केवल लेजर किरणों से। हम आज भी उपचार के लिए आशा का सहारा लेते हैं।
आज के दौर में, चिकित्सा की अन्य शाखाएँ इलाज के इन पारंपरिक तरीकों को बेहद अप्रभावी, समय लेने वाला और निराधार पा रही हैं। वे बातचीत की जगह तकनीक को प्राथमिकता दे रही हैं, कंप्यूटर द्वारा तैयार किए गए रक्त रसायन को उस व्यक्तिगत चिकित्सक-रोगी रसायन परीक्षण की जगह ले रही हैं जो रोगी को ठीक करता है और डॉक्टर को संतुष्टि प्रदान करता है। चिकित्सा के आदर्शवादी, नैतिक और व्यक्तिगत रूप से संतोषजनक तरीके आर्थिक, कुशल, अलगाववादी और संतुष्टि को नष्ट करने वाले तरीकों के आगे फीके पड़ रहे हैं। परिणामस्वरूप, हमारे सहकर्मी खुद को अधिकाधिक अलग-थलग और अवसादग्रस्त महसूस कर रहे हैं। मरीज जल्दबाजी और खालीपन का अनुभव कर रहे हैं, उपेक्षित महसूस कर रहे हैं।
हमें अत्याधुनिक तकनीक के आकर्षण से बचना चाहिए। बल्कि, हमें अपने सहकर्मियों के लिए आदर्श बनना चाहिए। हमें यह दिखाना चाहिए कि धैर्य, समझ और करुणा रोगी और चिकित्सक दोनों की किस प्रकार सहायता करते हैं। बातचीत करने, सिखाने, आशा जगाने और ठीक होने की उम्मीद पैदा करने के लिए अधिक समय निकालना—चिकित्सक के रूप में उपचारक के ये लगभग भुला दिए गए गुण—हमें हमेशा स्वयं अपनाना चाहिए और अपने

साथी चिकित्सकों के लिए एक उदाहरण बनना चाहिए।
“उच्च तकनीक अनुसंधान और मानव रोगों की समझ को बढ़ावा देने में अद्भुत है। यह एक अमूल्य नैदानिक उपकरण हो सकती है, लेकिन यह सच्चे चिकित्सक के उन स्वाभाविक व्यक्तिगत गुणों और तरीकों का स्थान कभी नहीं ले सकती। मनोचिकित्सा चिकित्सा की सबसे गरिमामयी विधा हो सकती है। हम शिक्षक हैं। हमें आत्मसात करने के लिए इस भूमिका को नहीं छोड़ना चाहिए, खासकर अब तो बिलकुल भी नहीं।”
मुझे अब भी ऐसे सपने आते हैं, हालांकि कभी-कभार ही। अक्सर ध्यान करते समय, या कभी-कभी राजमार्ग पर गाड़ी चलाते समय, या दिवास्वप्न देखते समय भी, कुछ वाक्य, विचार और दृश्य मेरे मन में आ जाते हैं। ये अक्सर मेरे सचेत और सामान्य सोचने-समझने के तरीके से बहुत अलग होते हैं। ये अक्सर बहुत प्रासंगिक होते हैं और मेरी समस्याओं या सवालों का समाधान करते हैं। मैं इनका उपयोग चिकित्सा में और अपने दैनिक जीवन में करता हूँ। मैं इन अनुभवों को अपनी सहज क्षमताओं का विस्तार मानता हूँ और इनसे मुझे प्रोत्साहन मिलता है। मेरे लिए, ये संकेत हैं कि मैं सही दिशा में आगे बढ़ रहा हूँ, भले ही अभी मुझे लंबा सफर तय करना हो।
मैं अपने सपनों और अंतर्ज्ञान पर ध्यान देता हूँ। जब मैं ऐसा करता हूँ, तो सब कुछ ठीक हो जाता है। जब मैं ऐसा नहीं करता, तो कुछ न कुछ गड़बड़ हो ही जाती है।
मुझे अब भी अपने आसपास गुरुओं की उपस्थिति का अहसास होता है। मुझे पक्का पता नहीं है कि मेरे सपने और अंतर्ज्ञान उनसे प्रभावित हैं या नहीं, लेकिन मुझे ऐसा लगता है।

उपसंहार

किताब अब पूरी हो चुकी है, लेकिन कहानी अभी जारी है। कैथरीन पूरी तरह ठीक हो चुकी है, उसके मूल लक्षण दोबारा नहीं उभरे हैं। मैंने अन्य रोगियों के प्रतिगामी उपचार में बहुत सावधानी बरती है। मैं रोगी के लक्षणों के विशिष्ट समूह, अन्य उपचारों के प्रति उसकी प्रतिरोधक क्षमता, आसानी से सम्मोहित होने की क्षमता, इस पद्धति के प्रति रोगी की तत्परता और मेरे इस अंतर्ज्ञान से निर्देशित होता हूँ कि यही सही रास्ता है। कैथरीन के बाद, मैंने एक दर्जन से अधिक रोगियों के कई पूर्व जन्मों के विस्तृत प्रतिगामी उपचार किए हैं। इनमें से कोई भी रोगी मनोविकारग्रस्त, मतिभ्रमग्रस्त या बहु-व्यक्तित्व का अनुभव नहीं कर रहा था। सभी में ज़बरदस्त सुधार हुआ।
बारह मरीज़ों की पृष्ठभूमि और व्यक्तित्व बेहद भिन्न हैं। मियामी बीच की एक यहूदी गृहिणी को ईसा मसीह की मृत्यु के कुछ समय बाद फ़िलिस्तीन में रोमन सैनिकों द्वारा बलात्कार किए जाने की घटना स्पष्ट रूप से याद है। वह न्यू ऑरलियन्स में उन्नीसवीं सदी का एक वेश्यालय चलाती थी, मध्य युग में फ़्रांस के एक मठ में रहती थी, और उसका जापान में बीता जीवन कष्टदायक था। कैथरीन के अलावा वह अकेली ऐसी मरीज़ है जो मध्यवर्ती अवस्था से संदेश भेज सकती है। उसके संदेश अत्यंत गहन मानसिक क्षमता वाले हैं। उसे भी मेरे अतीत के तथ्य और घटनाएँ पता थीं। भविष्य की घटनाओं की सटीक भविष्यवाणी करने की उसकी क्षमता तो और भी अधिक है। उसके संदेश एक विशेष आत्मा से आते हैं, और मैं वर्तमान में उसके सत्रों का सावधानीपूर्वक संकलन कर रहा हूँ। मैं अभी भी एक वैज्ञानिक हूँ। उसकी सभी सामग्री की गहन जाँच, मूल्यांकन और पुष्टि की जानी चाहिए।
बाकी लोगों को मरने, शरीर त्यागने और तेज रोशनी में तैरने के अलावा कुछ खास याद नहीं था। कोई भी मुझे संदेश या विचार नहीं भेज सका। लेकिन सभी को पिछले जन्मों की स्पष्ट यादें थीं। एक प्रतिभाशाली स्टॉकब्रोकर ने विक्टोरियन इंग्लैंड में सुखद लेकिन उबाऊ जीवन

बिताया। एक कलाकार को स्पेनिश इनक्विजिशन के दौरान यातनाएं दी गईं। एक रेस्तरां मालिक, जो पुलों या सुरंगों से गाड़ी नहीं चला सकता था, उसे प्राचीन निकट-पूर्वी संस्कृति में जिंदा दफनाए जाने की घटना याद थी। एक युवा चिकित्सक को वाइकिंग के रूप में समुद्र में हुए अपने आघात की याद थी। एक टेलीविजन कार्यकारी को छह सौ साल पहले फ्लोरेंस में प्रताड़ित किया गया था। मरीजों की सूची लंबी है।

इन लोगों को पिछले जन्मों की भी याद थी। जैसे-जैसे जन्म बीतते गए, लक्षण कम होते गए। अब हर कोई दृढ़ता से मानता है कि वह पहले भी जी चुका है और फिर से जिएगा। मृत्यु का भय कम हो गया है।

यह आवश्यक नहीं है कि हर कोई प्रतिगमन चिकित्सा करवाए, ज्योतिषियों से परामर्श ले या ध्यान करे। जिन लोगों को गंभीर या कष्टदायक लक्षण हैं, वे ऐसा करना चुन सकते हैं। बाकी लोगों के लिए, खुला दिमाग रखना सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। यह समझें कि जीवन हमारी दृष्टि से परे है। जीवन हमारी पांच इंद्रियों से परे है। नए ज्ञान और नए अनुभवों के लिए ग्रहणशील रहें। "हमारा कार्य सीखना है, ज्ञान के माध्यम से ईश्वर के समान बनना है।"

मुझे अब इस बात की चिंता नहीं है कि इस पुस्तक का मेरे करियर पर क्या प्रभाव पड़ेगा। मैंने जो जानकारी साझा की है वह कहीं अधिक महत्वपूर्ण है और यदि उस पर ध्यान दिया जाए तो यह दुनिया के लिए मेरे कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से किए जाने वाले किसी भी कार्य से कहीं अधिक लाभदायक होगी।

मुझे आशा है कि यहाँ आपने जो पढ़ा है उससे आपको सहायता मिलेगी, मृत्यु का आपका भय कम हुआ होगा, और जीवन के सच्चे अर्थ के बारे में दिए गए संदेश आपको अपने जीवन को पूरी तरह से जीने, सद्भाव और आंतरिक शांति की तलाश करने और अपने साथी मनुष्यों के प्रति प्रेम का भाव रखने के लिए स्वतंत्र करेंगे।

लेखक के बारे में

कोलंबिया विश्वविद्यालय से उच्च सम्मान के साथ स्नातक होने और येल विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय से चिकित्सा डिग्री प्राप्त करने के बाद, डॉ. ब्रायन एल. वेइस ने न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय के बेलेव्यू मेडिकल सेंटर में इंटर्नशिप की और बाद में येल विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय में मनोचिकित्सा विभाग के मुख्य रेजिडेंट बने। वर्तमान में, डॉ. वेइस फ्लोरिडा के मियामी बीच स्थित माउंट सिनाई मेडिकल सेंटर में मनोचिकित्सा विभाग के अध्यक्ष और मियामी विश्वविद्यालय के चिकित्सा महाविद्यालय में मनोचिकित्सा विभाग के नैदानिक एसोसिएट प्रोफेसर हैं। वे अवसाद और चिंता की स्थितियों, नींद संबंधी विकारों, मादक द्रव्यों के सेवन संबंधी विकारों, अल्जाइमर रोग और मस्तिष्क रसायन विज्ञान के अध्ययन और उपचार में विशेषज्ञता रखते हैं।

You just learned about past lives in *Many Lives, Many Masters*. Now explore future lives in bestselling author Brian L. Weiss's *Same Soul, Many Bodies.*

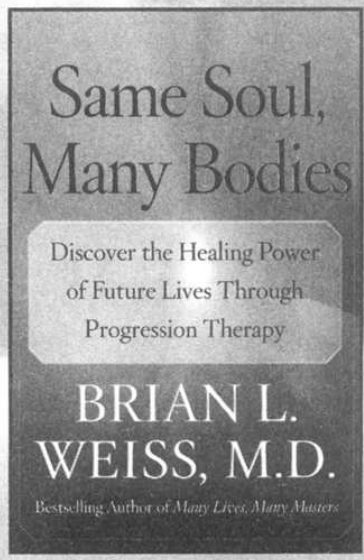
Same Soul, Many Bodies
Discover the Healing Power of Future Lives Through Progression Therapy
BRIAN L. WEISS, M.D.
Bestselling Author of Many Lives, Many Masters

Just as the lives we've lived previously influence our choices and decisions in this life, what we do in this life influences the lives we are yet to live as we evolve toward immortality. In his revolutionary new book, *Same Soul, Many Bodies*, famed psychiatrist and bestselling author Dr. Brian L. Weiss explores the reality of future-life progression. Using dozens of case histories, Dr. Weiss demonstrates the therapeutic benefits of progression, explaining that because our futures are variable the choices we make now will determine the quality of life when we return. To read *Same Soul, Many Bodies* is a transforming experience that will help you find more peace, joy, and healing in your life's journey.

Available in paperback wherever books are sold.

FREE PRESS
A Division of Simon & Schuster
A VIACOM COMPANY

To learn more about other books by Brian L. Weiss, M.D., visit www.simonsays.com.